पूज्यश्री काशीराम जैन ग्रंथमाला : प्रथम पुष्प

पाइअ-लच्छीनाममाला

(प्राकृत-लक्ष्मीनाममाला)

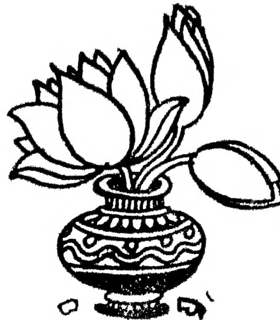
: प्रणेता :

महाकवि धनपाल



संपादक और संशोधक

बेचरदास जीवराज दोशी



: प्रकाशक :
श्रीशादीलाल जैन
आर. सि. एच. बरड एन्ड को०
२१९, अबदुलरेहमान स्ट्रीट
बंबई–२

आवृत्ति १ली
विक्रम संवत् २०१६ : : ईस्वीसन् १९६०

मूल्य : दस रुपये

: मुद्रक :
जयंतिलाल घेलाभाई
बसंत प्रि. प्रेस
घेलाभाईकी वाडी, घीकांटा
अमदाबाद



पिताजी,

भगवंत महावीरकी वाणी के अनुसार*
आप का ऋण चुका नहीं सकता।

नम्र पुत्र
शादीलाल



*"तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो! अम्मापिउणो, भट्टिस्स, धम्मायरियस्स"

हे चिरंजीव शिष्य! मातापिता, पोषक और धर्माचार्य-इन तीनोंके उपकारका बदला देना असंभवप्राय है। —(स्थानांगसूत्र, सूत्र १३५)



स्वर्गीय
लाला रतनचन्दजी
का
संक्षिप्त परिचय

लाला रतनचन्दजी का जनम चैत्र शुक्ला अष्टमी विक्रम संवत् १९४५ को **अमृतसर** में हुआ। जिनके पिता का नाम लाला **जगन्नाथजी** था और माता का नाम **जीवनदेवी** है। बचपन से ही आप बहुत होनहार और प्रतिभावाले बालक थे। १३ साल की छोटी सी अवस्था में ही आप अपने पिताजी के साथ मूंगा के कारोबार में शामिल हो गये। १४ वर्ष की आयु में ही कलकत्ता जैसे बड़े शहर में अकेले जाकर पारिवारिक कारोबार को उन्नति दी।

आपने न केवल व्यवसाय में ही बल्कि अनेक सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भी सदा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और हर जगह पूर्ण सफलता प्राप्त की। पंजाब की समस्त जैन सम्प्रदाय में आप सर्वप्रिय थे। पंजाब एस. एस. जैन सभा में आपने बहुत काम किया और अपने साथियों की सहायता से बहुतसी सामाजिक कुरीतियों को जड़ से उखाड़ने में सफलता प्राप्त की। जिस वर्ष आप की मृत्यु हुई आप सभा के प्रधान थे।

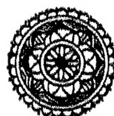
आप अपने धर्म के पक्के, विशाल हृदय और प्रगतिशील विचार के आदमी थे। आप कभी किसी का बुरा न सोचते। कई बार विचारधारा की भिन्नता के कारण अपने साथियों से गुस्सा हो जाते, परन्तु जल्दी ही उसे भूल जाते और कभी बदले की भावना मन में न रखते थे।

सन् १९३३ में All India S. S. Jain's Conferenceने जब अजमेर में साधु सम्मेलन करने का विचार किया था तो उस सिलसिले में कमेटी साधुओं को संमेलन में एकत्रित करने के लिये व उस को सफलता देने के लिये भ्रमण में गई थी, पंजाब की ओर से चुने गये उस कमेटी के मेम्बरों में एक अग्रणी आप भी थे। जिन्होंने सारे भारतवर्ष में भ्रमण कर के उस साधु-संमेलन की सफलता के लिये काम किया।

व्यापार में आप **हमेशा सत्यवादी** थे और अपने सद्‌गुणों के कारण अपने कार्यों को बहुत तरक्की दी। जिस को उन के सब से छोटे भाई **लाला हंसराजजी** के नेतृत्व में सारा परिवार तरक्की पर ले जा रहा है।

पूज्य सोहनलाल जैन धर्म प्रचारक समिति-वाराणसी के आप स्थापकों में से थे और जीवनभर समिति के हर काम में पूरा पूरा हिस्सा लेते रहे। आप के इसी प्रेम के कारण आप के सारे परिवार को समिति के साथ विशेष लगाव है और उन के भाई **लाला हरजसरायजी** के नेतृत्व में वे सब समिति के काम में पूरा सहयोग दे रहे हैं।

लाला रतनचन्दजी का स्वर्गवास १६ फरवरी १९४२ ईस्वी को अमृतसर में हृदय की गति रूक जाने से हुआ।



प्रस्तुत पुस्तकमें महाकवि धनपालका जीवन वृत्तान्त दिया गया है। उसकी हिन्दीभाषाकी शुद्धिके लिये एल. डी. आर्टस् कॉलेज के हिन्दी के प्रधान अध्यापक **भाई रणधीरभाई**ने जो सहायता दी है उनके लिये मैं उनका सविशेष आभारी हूँ।

बेचरदास

पाइअ-लच्छीनाममाला



प्राकृतकोश का प्रकाशन

१

आजकल प्राकृतभाषाओं का अभ्यास बढ रहा है. विनयमंदिरों, महाविद्यालयों तथा विद्यापीठो तक प्राकृतभाषाके अभ्यासकी व्याप्ति हो चुकी है. उसके कई छोटे मोटे प्राचीन व्याकरण भी प्रकाशित हो गए हैं, ये सब व्याकरण संस्कृत के माध्यमसे लिखे गए हैं, अतः सबको सुगम नहीं होते, इसी कारण से कई संस्थाओंने तथा पंडितोने लोकभाषा गुजराती, हिन्दी तथा बंगाली में भी प्राकृतभाषाओंके छोटे मोटे व्याकरण सबको सुगम हो इसके लिए रच कर प्रकाशित किए हैं. हमारे सहाध्यायी और प्रियमित्र स्व. **पंडित हरगोविंददासजी सेठने** 'पाइअसद्दमहण्णवो' (प्राकृतशब्द-महार्णवः) नामका एक अच्छा बडा कोश भी हिंदी में बनाकर प्रकाशित किया है। यद्यपि यह कोश आजकल महंगा है और दुर्लभ–दुर्मील भी है। फिर भी यह कोश विद्यार्थियो को तथा विद्वानो को प्राकृतभाषाके अध्ययनके लिए बडा सहायक बना है.

इस प्रकार प्राकृतभाषाके अभ्यासके लिए वर्तमान में अच्छी साधन-सामग्री उपलब्ध है। फिर भी छोटे व्याकरण की तरह प्राकृत भाषाके एक छोटे कोशकी अपेक्षा बनी रहती है, जिसको सब विद्यार्थी व अध्यापक खरीद सकें. यह कोश हिंदीमें भी हो और अंग्रेजी में भी हो यह भी अपेक्षित है. इस अपेक्षा को ध्यानमें रख कर यह एक छोटा प्राचीन प्राकृत शब्दकोश प्रकाशित किया जा रहा है. कागज तथा छपाई वगैरह का व्यय अत्यधिक बढ जाने पर भी इस कोश को अधिक उपयोगी बनानेका विचार किया है, जिससे सब छात्र व अध्यापक इसका उपयोग कर सकें तथा वे अपने प्राकृतभाषाके अभ्यासमें समुत्साहित होकर आगे बढ सकें.

प्राकृतकोश के प्रकाशन का वृत्तांत

२

यद्यपि भारतीय जनता विद्याप्रेमी नहीं हैं ऐसा नहीं, 'विद्ययाऽमृत-मश्नुते', 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते', 'पढमं नाणं तओ दया' (प्रथमं ज्ञानम् ततः दया) इस प्रकारकी घोषणाएं भी भारतीय जनता आज हजारो वर्षों से लगाती आई है, फिर भी पूर्व की अपेक्षा आज कल पश्चिममें जिस प्रकार ज्ञानभानु वा विज्ञानभानु उदित होकर अधिकाधिक जगमगा रहा है इसका वर्णन करना कठिन है. पश्चिमके पंडितोंने बडी बडी कठिनाइयों को सहकर भी पूर्व के विविध शास्त्रोंके अतिशय सुंदर संपादन व प्रकाशन किये हैं तथा वर्तमान में भी करते हैं. ये संपादन व प्रकाशन इतनी उत्तम कोटिके होते हैं जिनको पढकर हम तो आनंदविभोर हो जाते हैं और लज्जासे अधोमुख भी.

ये पश्चिमके लोग हमारी परिभाषामें अनार्य हैं वा यवन हैं तो भी उनकी ज्ञानपिपासा कितनी उत्कटतम है, यह सोचकर आनंद होता है और हम आर्य–आर्यत्वके बडे अभिमानी होकर भी हमारे ही शास्त्रों के उत्तमोत्तम प्रकार के प्रकाशनमें व संपादनमें कितने मंदतम है, इस सोचसे अधोमुख ही होना पडता है.

देखिए, पश्चिम के पंडितोंका कितना बडा पुरुषार्थ है कि आजसे बरा-बर अस्सी वर्ष पूर्व अर्थात् ईस्वीसन् १८७९ में डॉ. बुल्हर महाशयने बडे प्रयत्नसे पाइअलच्छीनाममाला (प्राकृतलक्ष्मीनाममाला) नामका महाकवि धनपालविरचित एक छोटा कोश मूलसहित, पाठांतरसहित अपने देशमें छापा और उसमें अंग्रेजीमें अर्थोंके साथ एक अकारादि शब्दानुक्रम भी लगा दिया.

अधिक आश्चर्य की बात तो यह है कि जब हमारे देशके पंडितगण 'प्राकृत' किस चिडिया का नाम है यह जानते थे या नहीं यह विवादा-स्पद है और जो जानते थे वे जैन मुनिमहाराज तो बिलकुल इस प्रकाशनके

क्षेत्रसे सर्वथा अनभिज्ञ थे और जैन श्रावक तो शास्त्रको पढते ही नहीं थे. ऐसी परिस्थितिमें एक जर्मन पंडितने इस प्राकृत कोशका अच्छेसे अच्छा संपादन व प्रकाशन किया है. खूबी तो यह है कि भारतीय पंडित व मुनिजन सदाकाल सरस्वती पूजनमें और शास्त्रों के पूजनमें बडा रस रखते आए हैं. फिर भी उनको अपने शास्त्रों का अच्छा प्रकाशन व संपादन का कार्य नहीं सूझा, इतना ही नहीं कई पंडित तो ऐसे भी विद्यमान थे जो प्रकाशन प्रवृत्ति के ही खिलाफ थे. ऐसी भारी अज्ञानदशामें डॉ. बुल्हर महाशयने इस कोशको छाप कर हम पर बडा ही उपकार किया है. ऐसा कहने में व मानने में लवलेश भी अत्युक्ति नहीं है.

आजसे बयालीस साल पहिले अर्थात् विक्रमसंवत् १९७३ में हमने ही बी. बी. एन्ड महाशयानां मंडलीके नामसे फिर उस कोशको अच्छी रीतिसे सशोधित करके और साथमें प्राकृत शब्दों के संस्कृत समानरूपोंको तथा गुजरातीमें अर्थ को दे कर और शब्दोका अकारादि अनुक्रम लगाकर के छपवाया था. यह हमारा प्रकाशन अभी सर्वथा अप्राप्त है.

उसके बाद विक्रम संवत् २००३ में इस कोश को श्रीकेसरबाई जैन ज्ञान मंदिर पाटण (उत्तर गुजरात)ने फिर छपवाया. उसमें संशोधकने संस्कृत के समानशब्दों के साथ कोशस्थित प्राकृत शब्दो का अनुक्रम नहीं दिया है. इस प्रकारके संपादनसे पुस्तक तो तैयार हो जाती है परंतु 'कौन शब्द किस जगह है' इसका पता कोई विद्यार्थी व अन्य जिज्ञासु कैसे लगा सके ? बिना शब्दानुक्रम दिये यह कठिनाई दूर नहीं होती.

भाई शादीलालजी जैन का सहकार
३

अब हम फिरसे इस कोश का प्रकाशन कर रहे हैं. हमारे परममित्र और जैनधर्म के यथार्थ प्रेमी तथा जैनशास्त्र के रसिक भाई **शादीलालजी जैन (अमृतसर वाले–संचालक आर. सि. एच बरड़ एंड कं० बंबई)** की संपूर्ण आर्थिक सहायता पाकर हम इस प्रकाशनको तैयार करनेमें समर्थ

हुए हैं. इस काममें उनकी प्रेरणा तथा सहायता न होती तो हम इस कामको नहीं ही कर पाते. अतः कोशके उपयोग करनेवाले विद्यार्थी व जिज्ञासु गण तथा हम भी भाई शादीलालजी जैनके बडे आभारी हैं. और हम आशा करते हैं कि सानुवाद प्राकृतव्याकरण (आ. हेमचंद्र कृत) इत्यादि और भी ऐसे उपयोगी ग्रंथोंके प्रकाशन करने में वे जरूर इस प्रकारकी अपनी सहायता देनेकी परंपरा चालू रखेंगे.

प्रस्तुत संपादन का परिचय

४

इस संपादन को हमने अपने प्रथम संपादनके ढंगसे प्रकाशित किया है. शब्दों के अर्थ प्रत्येक पन्नेमें हिंदीमें दिये हैं तथा पीछे कोशमें आए हुए सभी शब्दोंका अकारादि क्रमसे अनुक्रम तथा हिंदी और अंग्रेजी इन दो भाषाओंमें अर्थ बताया है. अब कोई विद्यार्थी हिंदी नहीं जानता ऐसी बात नहीं है– गुजरातके क्या और महाराष्ट्रके क्या सभी विद्यार्थी हिंदी अनिवार्य रीतिसे पढते हैं अतः हिंदीमें अर्थ बताना समुचित है और जो विद्यार्थी व जिज्ञासु हिंदी नहीं जानते परंतु नागरी लिपि जानते हैं और प्राकृतभाषाके अभ्यासमें रस रखते हैं ऐसे तामिलादि प्रांत के तथा पश्चिम के जिज्ञासुओं के लिए हमने अंग्रेजीमें भी अर्थ बताना समुचित समझा है. अंग्रेजीके अर्थ के लिए हमने डो. बुल्हरकी आवृत्तिका सहारा लिया है. एतदर्थ सद्गत डो. बुल्हरके हम सविशेष आभारी हैं. हम खुद इतना अच्छा अंग्रेजी नहीं जानते हैं, इससे अंग्रेजीके द्वारा अर्थप्रदर्शन में हमारी अनेक गलतियां जरूर हुई होंगी, इसके लिए हम सब जिज्ञासुओंसे क्षमा मांगते हैं तथा इस संबंधमें सूचन करने की भी उनको सविनय विनंति करते हैं.

मुनि श्रीजिनविजयजी का सूचन

५

पहिले तो हमारा विचार केवल हिंदीमें ही अर्थ देनेका था, परंतु दो

एक फारम कोशके छप चुके तब हम हमारे स्नेही और माननीय मुनिश्री **जिनविजयजी**के पास वे फारम लेकर उनके अनेकांत विहारमें (अमदावाद) पहुंचे. मुनिजीने फारम को देख कर प्रसन्नता प्रकट की और हिंदी के साथ अंग्रेजीमें भी अर्थ देनेकी खास प्रेरणा की. उनकी यह प्रेरणा हमको भी समुचित जँची अतः छपे हुए उन दो फारमों को हमने रद कर दिये और शुरूसे अंग्रेजी में अर्थ लगाकर कोश का प्रकाशन किया श्रीमुनिजी के उक्त सूचनके लिए हम इधर उनका सादर स्मरण करते हैं.

सहायक

६

कोशकी सारी प्रेसकॉपी तथा शब्दानुक्रमकी भी सारी प्रेसकॉपी हमारी छोटी पुत्रवधू चि. **पुष्पा पंडित**ने बडे उत्साहसे कर दी है तथा हमारे विद्यार्थी भाई **कानजी मंछाराम पटेल** (बी. ए. अर्धमागधी ओनर्स)ने कोशके अंग्रेजी अर्थवाले भागकी सारी प्रेसकॉपी करने में तथा उसके संशोधनमें पूरी महेनत की है. एतदर्थ हम उक्त दोनों महानुभावोका इधर सस्नेह स्मरण करना खास समुचित समझते हैं. छापने के लिए शारदामुद्रणालय के मालीक और हमारे स्नेही भाई **गोविंदभाई शाह** तथा सुप्रसिद्ध लेखक **भाई बालाभाई** (जयभिक्खु) देसाईने वसंतप्रेसमें प्रबंध कर दिया है. वे प्रबंध न कर देते तो हमसे कोश का प्रकाशन नहीं हो सकता यह निश्चित हकीकत है. अतः एतदर्थ उन दोनों महाशयों के भी हम सविशेष ऋणी हैं। वसतप्रेसके फोरमेन भाई **शांतिलाल**ने भी हमारे इस काममें दिलचस्पी लेकर यथाशक्य कामको अच्छी तरहसे संपन्न करने में योग दिया है अतः इन भाई का भी नामस्मरण इधर अवश्य करना चाहिए.

१२ ब, भारतीनिवास
अमदावाद ६
सप्टेंबर १९५९.

संपादक

प्राकृत भाषा का संक्षिप्त परिचय

१

प्रकृति शब्दका अर्थ स्वभाव है अर्थात् जो भाषा मनुष्यकी स्वाभाविक है उसका नाम प्राकृत भाषा–तात्पर्य यह हुआ कि जो भाषा जिनकी मातृ-भाषा है– जन्मते ही जो भाषा जिनको अपनी मातासे प्राप्त है– जिस भाषाको बोलने के लिए किसी भी प्रकार की किताबों का अभ्यास जरूरी नहीं है उस भाषाका नाम प्राकृत भाषा. प्राकृत शब्दका ऊपर जो अर्थ बताया गया है वह उसका यौगिक अर्थ है– नामानुरूप अर्थ है.

इस अर्थको लेकर जगतकी सब मातृभाषाऐं प्राकृत के अर्थमें आ जाती हैं– क्या गुजराती, क्या मराठी, क्या बंगाली, क्या अंग्रेजी और क्या अरबी वगैरह सब भाषाएं जिन जिनकी मातृभाषारूप हैं वे उन उनके लिए प्राकृतरूप हैं.

प्रस्तुत में जिस भाषाका संक्षिप्त परिचय देना है वह एक समय में भारतीय आमजनताकी बोलचालकी–जन्मजात–भाषा थी, अतः यद्यपि वह भाषा वर्तमान में किसीकी भी मातृभाषा नहीं है–जन्मजात भाषा नहीं है तो भी उसके पूर्वके स्वरूपको लेकर वह वर्तमानमें जन्मजात भाषा न होकर भी 'प्राकृत' शब्दसे प्रसिद्धि पा चुकी है—

यह भाषा वर्तमानमें केवल साहित्यिकरूप में विद्यमान है– नाटकोंमें, जैनग्रंथोंमें तथा बौद्ध पिटकग्रंथोंमें विशेषतः प्राकृतभाषा का व्यवहार हुआ है.

वर्तमानमें हमारी भारतीय आर्यशाखानुगत सब भाषाओंके विकासके मूलमें यह ही भाषा है–गुजराती मराठी सिंधी पंजाबी बंगाली वगैरह भाषाओंमें द्विवचनका कोई अलग रूप नहीं है– प्राकृत में भी द्विवचनका कोई अलग रूप

नहीं हैं. भूतकालके तथा भविष्यकालके विविध प्रकार उक्त भाषाओमें नहीं हैं– प्राकृत में भी भूत भविष्यके कोई विविध प्रकार नहीं हैं. उक्त भाषाओमें निसर्गतः संयुक्तव्यंजन युक्त शब्द अत्यंत कम हैं– जो अभी अधिकाधिक दीख पडते हैं वे संस्कृतके संसर्गसे आये हुए हैं– प्राकृत भाषामें भी संयुक्तव्यंजन युक्त शब्द अत्यंत कम हैं. क्रियापदों के प्रयोगोमें उक्त भाषाओं में कोई अटपटी व्यवस्था नहीं है–सरल समान व्यवस्था है– प्राकृत भाषामें भी क्रियापदोंके सब प्रयोग एकदम सरल सुगम हैं. नामोंके रूप तथा प्रत्यय उक्त भाषाओंमें करीब करीब समान होते हैं–प्राकृत भाषामें भी नामोके रूप तथा प्रत्यय करीब करीब समान–सुगम होते हैं. हमारी वर्तमान उक्त सब भाषाओं के साथ प्राकृतभाषाका तुलनात्मक अन्वेषण व परीक्षण करनेसे उन भाषाओंके साथ प्राकृत भाषाका विशेषतः अनन्तर संबंध स्थापित हो चुका है. अतः उक्त भाषाओंके इतिहासको बराबर समझने के लिए, हमारे पूर्वजो के साहित्य को समझनेके लिए और हमारी सस्कृतिके स्वरूपको समझने के लिए भी प्राकृतभाषाका अभ्यास अनिवार्य है.

इसी हेतुसे विनयमंदिरों से लेकर विद्यापीठों तक के अभ्यासक्रममें प्राकृत भाषाका अभ्यासक्रम नियत किया गया है. गहराईसे तुलनात्मक परीक्षण द्वारा भाषाशास्त्रके अन्वेषकोने भी वेदोंकी भाषाके साथ प्राकृतभाषा का घनिष्ठ संबंध सिद्ध कर बताया है इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि प्राकृतभाषा कितनी प्राचीन है.

देखिए:—

वैदिकरूप	प्राकृतरूप
क्रियापद	
१ हनति	हनति हणति, हणइ
२ शयते	सयते, सयए
३ भेदति	भेदति–भेदइ

४ मरते	मरते, मरति
५ दाति	दाति—दाइ
६ धाति	धाति—धाइ
७ भोजते	भोजते—भोजए
८ वर्धन्तु	वड्ढंतु
९ वर्तते	वट्टते, वट्टए
१० कृणोति	कुणति
११ जिन् (धातु)	जिण्
१२ मथीत्	मथीअ
१३ दुह्रे	दुहिरे
१४ कर्तवे	कत्तवे, कातवे, करित्तए

नामरूप

१५ पतिना	पतिना, पइणा
१६ गोनाम्	गोनं, गुन्नं गोणं
१७ युष्मे	तुम्हे
१८ अस्मे	अम्हे
१९ त्रीणाम्	तिण्हं, तिन्नं
२० नावया	नावाय, नावाए
२१ देवेभिः	देवेहि
२२ इतरम्	इतरं, इयरं
२३ ओषधीभिः	ओसहीहि
२४ मासम्	मांसं
२५ सो चित्	सो चि

उक्त वैदिकरूपों का व्यवहार मात्र वेदोंमें होता है, रघुवंश वा कादंबरी जैसे कोई साक्षरीय साहित्यमें नहीं होता है. उक्त वैदिक क्रियापदोंके तथा .

नामरूपों के स्थानमें कालिदास वा बाणभट्ट जिन रूपोका प्रयोग करते हैं वे अनुक्रमसे इस प्रकार हैं:—

१ हन्ति	१० करोति	१८ वयम्
२ शेते	११ जि (धातु)	१९ त्रयाणाम्
३ भिनत्ति	१२ अमथ्नात्	२० नावा
४ म्रियते	१३ दुहन्ति	२१ देवैः
५ ददाति	१४ कर्तुम्	२२ इतरत्
६ दधाति	१५ पत्या	२३ औषधीभिः
७ भुङ्क्ते	१६ गवाम्	२४ मांसम्
८ वर्धयन्तु	१७ यूयम्	२५ सः चित्
९ वर्तते		

महावैयाकरण श्री पाणिनि तथा अन्य पतंजलि महाभाष्यकार, कालिदास बाण वगैरह पंडितगण इन शब्दप्रयोगों को लौकिक प्रयोगरूप वा संस्कृतरूप कहते हैं.

इधर जो वैदिकरूप, प्राकृतरूप तथा संस्कृतरूप दिए गए हैं वे परस्पर अत्यधिक समान हैं, भेद है तो थोडा बहुत उच्चारण की शैलीका भेद है, इस प्रकार थोडा बहुत शैली भेद से इन रूपोंको लौकिक वा संस्कृत कहना तथा वैदिक व प्राकृत रूपों को अलौकिक वा असंस्कृत कहना क्या ठीक प्रतीत होता है ? इस प्रकार भेद करनेसे मानवके चित्तमें भाषाविषयक एकता के स्थान में भेद आता है और वह भेद बढ़ते बढते विषमता का रूप लेता है और वर्तमान में इस भेदका नतीजा यह हुआ है कि एक समाज अमुक भाषा को देवभाषा व उत्तम भाषा समझता है और अन्य भाषाको अनुत्तम भाषा समझता है– नीच भाषा समझता है– परिणाम यह हुआ है कि हमारे वर्तमान पंडित लोग अपने ग्रामीण बंधुओं की भाषा से सर्वथा अनभिज्ञ होनेसे उनसे एकदम विच्छिन्न हो गए हैं और उनको अज्ञानी समझने तक लग गए हैं– यह दोष, कोई कम अनर्थ नहीं माना जा सकता–

यह तो एक प्रकारका देशद्रोह है व आत्मघात है.

दूसरा परिणाम यह हुआ है कि जिन जिन नाटकों में प्राकृतभाषा का प्रयोग हुआ है, संपादक लोग उन प्रयोगों की तरफ उपेक्षित भाव रखकर उनको बराबर समझनेकी कोशिश नहीं कर पाते, अतः नाटकों में आए हुए प्राकृत गद्य भाग के प्रयोग तथा पद्य भाग के प्रयोग प्रायः आजतक अशुद्ध ही छपते आये हैं और अभी भी अशुद्ध ही छप रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि उन उन नाटकों के वृत्तिकार भी बिना ही समझे बुझे प्राकृतप्रयोगों की मनमानी वृत्ति लिख गए हैं जो व्याकरण की दृष्टिसे अधिकतर शुद्ध नहीं हैं.

मेरी समझमें तो ऐसा आता है कि प्राचीन भाषाओं के प्राकृत संस्कृत अपभ्रंश ऐसे नाम न देकर देशभाषा, लोकभाषा, जनपदभाषा, शास्त्रीयभाषा ऐसे ही नाम प्रचारित करने जरूरी हैं, जिससे प्राचीन भाषा विषयक हमारी मिथ्या अस्मिता व खींचातानी कम हो जाय. भाषाका प्रयोजन अर्थवहन है, विचारों की लेन देनमें व प्राचीन लोगों के विचार समझने में भाषा एक माध्यमरूप है और भाषाकी सार्थकता इसीमें ही है, इससे ज्यादा किसी भी भाषाका मूल्य ही नहीं है, चाहे वह भाषा वेदकी हो, जैन व बौद्ध शास्त्रों की हो अथवा किसी भी आदिवासीकी हो वा किसी ग्रामीण जनकी हो.

प्राकृत का एक व्यापक अन्य अर्थ भी इस प्रकार है: पुरानी वैदिक भाषा और भारतीय आर्यशाखानुगत कोई भी हमारी वर्तमान अर्वाचीन भाषा—इन दो भाषाओं के बीच की संकलनारूप—अनुसंधानात्मक—जो भाषा है इसको भी प्राकृत नाम दे सकते हैं.

प्राचीन पंडितों के बनाए हुए जो जो प्राकृत व्याकरण वर्तमानमें उपलब्ध हैं वे सब संस्कृत के माध्यमसे लिखे गए हैं और उन सबमें अमुक अमुक परिवर्तन की प्रक्रिया संस्कृत शब्दों को माध्यम रखकर बताई गई है. अतः उन प्राचीन पंडितोंने प्रकृतिः संस्कृतम् ऐसा भी निर्देश किया है. यह निर्देश केवल माध्यम सापेक्ष है.

किसी अंग्रेज को संस्कृत समझाना हो तो अंग्रेजी शब्दों को माध्यम करके 'काउ' के स्थानमें 'गो' 'केमल' के स्थानमें 'क्रमेलक', 'स्वेट' के स्थानमें 'स्वेद' 'त्रि' के स्थानमें 'थ्री' 'फाधर' के स्थानमें 'पितर' इत्यादि ढंगसे समझाना सुगम होता है, इसी प्रकार संस्कृत जानने वालोंको प्राकृतभाषा समझाने के लिए संस्कृत का माध्यम सुगम रहता है. इसी हेतु से उन उन प्राकृत व्याकरणोंमें संस्कृतको माध्यम बनाया गया है. बाकी प्रकृतिः प्रयोगका संस्कृतम् अर्थ कभी भी शक्य नहीं और किसी भी कोशमें वा ग्रंथमें उसका ऐसा अर्थ निर्दिष्ट भी नहीं. अतः ऊपर कहा गया है कि प्रकृतिः का संस्कृतम् अर्थ माध्यम सापेक्ष है स्वतः नहीं. स्वतः तो प्रकृतिः का अर्थ स्वभाव ही प्रसिद्ध है और प्रचलित भी है.

प्राकृत शब्दों के प्रकार

२

हरेक भाषामें यौगिक शब्द होते हैं और रूढ तथा मिश्र भी होते हैं. यौगिक का अर्थ है कि जिन शब्दों की व्युत्पत्तिका हमको पता है. रूढ का अर्थ है कि जिन शब्दोंकी व्युत्पत्तिका हमको पता नहीं है. मिश्र शब्द वे हैं जिनकी व्युत्पत्तिका हमको कुछ अंशमें तो पता है और कुछ अंशमें पता नहीं है. वैदिक भाषा, प्राकृत भाषा तथा संस्कृत भाषा इन तीनों भाषाओं में भी इन तीनों प्रकारके शब्द हैं. रूढ शब्दका दूसरा नाम देश्य शब्द है. प्रस्तुत कोशमें इन तीनों प्रकारके शब्द पाए जाते हैं. शब्दकोशमें अनुक्रममें जहां* ऐसा निशान किया है वे सब देश्य शब्द हैं. बाकी के शब्दों में से कई शब्द संस्कृत शब्दों के साथ सर्वथा समान हैं और कई शब्द अल्पांशमें ही समान हैं. उन सब शब्दों का एक नाम इधर संस्कृतसम वा तत्सम रक्खा गया है. शब्दानुक्रममें प्रत्येक शब्द के साथ संस्कृतरूप सर्वत्र बताए गए हैं, इसको देखने से इन सब तत्सम शब्दों का पूरा परिचय हो सकेगा.

कोश की रचनाशैली

३

कोशकार धनपाल महाकविने प्रारंभकी दूसरी गाथासे लेकर १८॥— साढे अठारह गाथा तक सारी—पूरी—गाथा द्वारा अमुक अमुक अर्थके पर्याय शब्द बताए हैं. बादमें २०वीं गाथा से लेकर ९३॥— साढे तेरानवीं— गाथा तक गाथा के आधे आधे चरण द्वारा अर्थात् पूर्वार्ध द्वारा और उत्तरार्ध द्वारा अमुक अमुक अर्थके पर्याय शब्द सूचित किए हैं. फिर ९५— पंचानवीं गाथासे लेकर २७५वीं गाथा तक प्रत्येक गाथाके एक एक पाद द्वारा— एक एक चरणद्वारा अमुक अमुक अर्थके पर्याय शब्द बताए हैं. इस बातकी सूचना कोशकारने स्वयं कोशमें ही दी है. यह बात पृ० ३ में तथा पृ० ११ में *इस निशान का जो टिप्पण दिया गया है उसको देखने से अधिक स्पष्ट हो जायगी.

अमुक अर्थके कितने नाम कोशकारने दिए हैं इस बातकी सूचना करने के लिए कोशके टिप्पणमें हमने सर्वत्र पर्यायोंकी संख्या के निर्देशके साथ एक शब्द को स्पष्टरूपसे बताया है. जैसे १ पृ०, २ ब्रह्मा १० अर्थात् ब्रह्मा के दस नाम पर्यायरूप बताए हैं. ३ पृ०, ११ मुक्ति ६—मुक्ति के ६ पर्याय बताए हैं. ११ पृ०, १६८ अमरावती २—अमरावती के दो पर्याय सूचित किए हैं.

जहां समुची गाथा पर्याय वाचक शब्दों को दरसाती है वहां हमने गाथा पर शुरू शुरूमें अंक लगाए हैं, जहां आधी गाथा पर्यायवाचक शब्दों का सूचन करती है वहां आधी गाथाके आदिमें अंक लगाए हैं तथा जहां गाथा का एक चरण मात्र पर्यायसूचक शब्दों को बताता है वहां सर्वत्र गाथाके प्रत्येक चरणके आदिमें अंक दे दिये गए हैं. ऐसे सब अंकोंकी संख्या ९९८ होती है.

कोशकारकी व्यापक मनोवृत्ति

४

कोशकार धनपालने प्रथम गाथामें (पृ. १) नाभिसंभवं शब्दसे जैन तीर्थंकर श्री वृषभदेवका वा ऋषभदेवका जो नाभिराजा के पुत्र थे— स्मरण किया है तथा पुरुषोत्तम नाभिजन्मा ब्रह्माका भी स्मरण किया है. कोशग्रंथ सर्व व्यापक है, इसको सब कोई पढते हैं अतः इस सर्व व्यापी दृष्टि को लेकर जैनधर्मानुयायी होने पर भी कोशकारने दोनो देवोका जो समादर भावसे स्मरण किया है वह सर्वथा समुचित ही है. और साथमें पुरिसुत्तम (पुरुषोत्तम) शब्द से श्रीकृष्ण भगवानका स्मरण करना भी चतुर कोशकार नहीं चुके हैं. यही तो इनकी विशाल मनोवृत्तिका द्योतक है. अर्थात् प्रथम पद्य मंगलरूप है.

अंतके २७६ से २७९ तक के पद्योंमें ग्रंथकारने अपना समय, अपना नाम तथा यह कोश किसके लिए बनाया है इत्यादिका सूचन किया है.

कोशमें सब मिलकर शब्दपर्यायसूचक २७५ पद्य हैं.

क्षमाप्रार्थना

५

हमने टिप्पणमें अर्थ बताया है और अकारादि क्रमयुक्त शब्दकोशमें भी अर्थ बताया है. इसमें कहीं कहीं कोई विसंवाद भी हो गया है तथा किसी प्रकार की हिन्दी भाषा की तथा अन्य भूलें रह गई हों तो उससे हमारे हंससमान मनवाले विद्यार्थी गणको व सब जिज्ञासुओं को थोडी बहुत तकलीफ जरूर होगी परंतु “सहभूर्भ्रान्तिर्दुर्वारा” न्यायसे ऐसा होजाना अनिवार्य सा है, तो इस तकलीफ को वे सहन करनेकी जरूर कृपा करें और जरूरत लगे तो खुलासे के लिए संपादकको सूचित करने की भी कृपा करें.

नम्र

बेचरदास दोशी

कोशकार महाकवि
धनपाल

धनपाल महाकविने स्वयं ही इस कोश के प्रांत भाग में अपने नामका, समयका तथा कोश के आदि श्लोक में कोश के नामका जो सूचन किया है वह इस प्रकार है :—

"विक्कमकालस्स गए अउणत्तीसुत्तरे सहस्सम्मि ।
मालवनरिंदधाडीए लूडिए **मन्नखेडम्मि** ॥
धारानयरीए परिट्ठिएण[1] मग्गे ठिआए अणवज्जे ।
कज्जे कणिट्ठबहिणीए '**सुंदरी**' नामधिज्जाए ॥
कइणो अं **ध** ज **ण** कि **वा** कुस **ल** त्ति पयाणमंतिमा वण्णा ।
नामम्मि जस्स कमसो तेणेसा विरइया देसी" ॥

—(पाइअलच्छीनाममाला गा० २७६-२७८)

तथा

शुरू की प्रथम गाथामें लिखा है कि—

"वुच्छं '**पाइअलच्छि**' त्ति नाममालं निसामेह" ॥

अर्थात् विक्रमसंवत् १०२९ में जिस समय मालवराजने छल करके मन्नखेड-मान्यखेड-(मनखेड. जि-नासिक ता. पेंठ) नगर पर हमला करके उस नगरको लूट लिया तब कोशकार धनपाल धारा [2]नगरी में प्रतिष्ठितरूपसे

---

१. 'अणवज्जे मग्गे परिट्ठिएण' इस प्रकार भी अन्वय कर सकते हैं अर्थात् 'निर्दोष मार्ग पर प्रतिष्ठा पाये हुए धनपालने' ऐसा भी अर्थ बराबर है.

२. कोश के अंतमें इन पद्योंका जो अर्थ सूचित किया है उसको इस अर्थके अनुसार समझ लेना तथा संगत करना चाहिए. (संपा०)

रहते थे और निर्दोष मार्ग पर प्रतिष्ठा के साथ स्थित थे. उसकी छोटी बहन **सुंदरी** निरवद्य मार्ग पर याने धर्ममार्ग पर रही हुई थी, उस समय अपनी छोटी बहन सुंदरी के लिए अं **ध** ज **ण** कि **वा** कुस **ल** इन शब्दों के अंतिम अंतिम वर्ण अनुक्रमसे जिस कवि के नाममें लगे हुए हैं उसने अर्थात् धणवाल-**धनपालने** इस देशी (भाषाके कोश) की रचना की.

पूर्वोक्त प्रथम गाथामें ही " 'पाइअलच्छी' को कहूंगा ", ऐसा कह कर के कोशकारने ही इस कोश का 'पाइअलच्छी' (प्राकृतलक्ष्मी) नाम सूचित किया है. इस कोशमें देशी वा देश्य शब्द भी दिये गए हैं अतः इसका दूसरा 'देशी' नाम भी ग्रंथकारने ग्रंथ के अंत भागमें बताया है. अथवा प्राकृतभाषा देशकी—जनपदकी—भाषा है ऐसा सूचन करने के लिए भी ग्रंथकारने 'देशी' नाम बताया हो यह असमवित नहीं.

उक्त पद्योंसे-धनपालने ग्यारहवीं सदी में इस कोश की रचना की— ऐसा सुनिश्चित रूपसे प्रतीत होता है तथा उसकी छोटी बहनका नाम 'सुंदरी' था यह भी निश्चित होता है. उस समय मालव नरेशने मान्यखेट नगर पर छलसे आक्रमण किया था ऐसी भी सूचना मिल जाती है.

क्योंकि धनपालने इस कोश को १०२९ में रचा है इसलिए उसका जन्मसमय दसवीं सदीमें माननेमें कोई बाधक प्रमाणका होना संभव नहीं जान पडता. कोशकार धारानगरी के प्रतिष्ठित पुरुष हैं और निर्दोष मार्ग पर चलनेवाले हैं ऐसा भी 'परिट्ठिएण' तथा 'अणवज्जे मग्गे परिट्ठिएण' पद से सूचित होता है और कोश की रचना धारानगरी में हुई है यह बात भी 'धारानयरीए' पदसे सूचित होती है.

धनपालकी छोटी बहन प्राकृत भाषाकी विद्यार्थिनी थी, संभव है वह संस्कृत भाषाको अच्छी तरह जान चुकी होगी. तथा धनपालकी पुत्रीने धनपालरचित तिलकमंजरी नामक कथाकी अपनी स्मृति के बलसे रक्षा की थी. इससे मालूम होता है कि धनपालका कुटुंब एक प्रकारका सरस्वती

मंडलरूप बना हुआ था.

श्रीप्रभाचंद्रसूरि द्वारा विक्रमसंवत् १३३४ में लिखे गए प्रभावकचरित्र में श्रीमहेंद्रसूरिजीका सविस्तार प्रबंध दिया गया है. उस प्रबंध में महाकवि धनपाल के जीवनका वृत्तांत जिस प्रकार दिया गया है उसका सार इस प्रकार है :

मध्यदेश में संकाश्य नाम के स्थानमें (गांवमें) रहनेवाला देवर्षि नामका एक ब्राह्मण था, वह किसी प्रकार के व्यावहारिक कारणसे मालवदेशकी राजधानी धारा नगरीमें आकर रहता था. उसके पुत्रका नाम सर्वदेव था. सर्वदेवके दो पुत्र थे; एक धनपाल और दूसरा शोभन.

एक समय चंद्रगच्छ के आचार्य श्रीमहेन्द्रसूरि ग्रामानुग्राम विहार करते करते सर्वदेव के स्थान में अर्थात् धारानगरी में आए. सर्वदेव ब्राह्मणने श्रीमहेन्द्रसूरिकी प्रतिष्ठा तथा व्याख्यान शक्तिका प्रभाव सुना. वह ब्राह्मण आचार्य के समागम के लिए उपाश्रयमें गया. और तीन दिन तथा तीन रात्रि तक उपाश्रयमें ही समाधिमग्न होकर रहा. तब आचार्यने उससे पूछा कि क्या आप हमारा परीक्षण करने आए हैं वा और किसी कार्यसे आए हैं ?

सर्वदेवने कहा — महात्माओं के दर्शनसे सुकृतकी प्राप्ति होती है तथा मेरा निजका कार्य भी है इस लिए मैं आपके दर्शनके लिए आया हूं.

सर्वदेवने अपने कार्यका वृत्तांत कहते हुए आचार्य को कहा कि मेरा यह कार्य गुप्त है. मेरे पिता राज्यमान्य थे और लाखों की दक्षिणा पाते थे. अतः मेरे घरमें किसी भी जगह उस धनकी निधि गडी हुई होनी चाहिए, मुझे उसका पता नहीं लगता, अतः आप कृपा कर के उस को बतलाइए.

आप परोपकारी हैं अतः इतना मेरा कार्य कर दें. आप धननिधिको बताएंगे तो इस दरिद्र ब्राह्मण के सारे कुटुंब को बडा आनंद होगा तथा हमारा दारिद्र्य भी दूर हो जायगा.

आचार्य ज्योतिष शास्त्र तथा निमित्त शास्त्र के भी ज्ञाता थे, उनको यह मालूम हुआ कि मेरे बताने से इस ब्राह्मण द्वारा उत्तम शिष्यका लाभ होना संभव है.

आचार्यने कहा कि आपका कार्य जरूर कर देंगे; परंतु आप हमको क्या दगे? सर्वदेवने कहा कि उस सारी निधिका आधा भाग मैं आपको भेंट दूंगा. तब आचार्यने कहा कि मैं आपकी वस्तुका आधा भाग मेरी रुचिसे पसंद करके लूंगा. सर्वदेवने आचार्यकी बात को मान लिया और साक्षी भी नियत किये.

आचार्यने सर्वदेव के मकान पर आकर जहां धननिधि गडी हुई थी उस जगह को बता दिया और वहां खोदने से चालीस लाख सुवर्णमुद्रा उस धननिधिसे निकली.

सर्वदेवने अपने वचन के अनुसार बीस लाख सुवर्ण मुद्रा आचार्य को देनी चाही. पर आचार्यने कहा कि मैं अपने वचन के अनुसार मुझे पंसंद होगी ऐसी आपकी वस्तुका आधा भाग लूंगा. इस विवाद में काफी समय वीत गया. आखिर आचार्यने कहा कि आपके दो पुत्रों में से एक को मुझको दे दें.

आपकी देनेकी प्रतिज्ञा सच्ची हो तो जिस वस्तुको मैं मांगता हूं उस को दे दें. यदि नहीं देना हो तो आप अपने घर चले जायें.

सर्वदेव ब्राह्मण आचार्य की यह मांग सुनकर किंकर्तव्यमूढ हो गया और बडा चिंतित हो कर तथा 'आपको आपकी मांग के अनुसार आधा भाग दूंगा' ऐसा कह कर अपने घर पहुंचा.

घर जाकर चिंतातुर ब्राह्मण टूटीफूटी खटिया में पडकर सो गया. जहां चिंता हो वहां निद्रा कैसे आवे? जब बडा लडका धनपाल राजप्रासादसे लौटकर घर पर आया तब पिताको चिंतातुर देखकर बोला: पिताजी! मेरे

जैसे आज्ञांकित पुत्र के होने पर भी आप चिंतित क्यों हैं? अपने विषादका कारण बताइए.

पिताने धननिधिकी तथा उसके संकेत वगैरह की सब बात बता दी और कहा कि धननिधिको बतानेवाले जैनाचार्य तुम दो भाइयोंमें से एक भाईको मांग रहे हैं और मैंने ऐसा उनको वचन भी दे दिया है. तो हे पुत्र! अब तुम मुझको ऋणमुक्त कर दो.

पिताके इस वचनको सुनकर धनपालको बडा गुस्सा आया और उसने बाप को थोडा डांटा भी.

धनपालने कहा कि हम लोग संकाश्यके रहनेवाले तथा चारों वेदों को जाननेवाले उत्तम ब्राह्मण हैं. मैं राजा भोज का बालमित्र हूं और बडा प्रतिष्ठित ब्राह्मण हूं. ये जैनमुनि पतित शूद्रों के समान हैं, उनकी ऐसी निंदित प्रतिज्ञा के खातिर मैं अपने पूर्वजों को नरकमें डालना नहीं चाहता. आपका यह कुव्यवहार है और सज्जनोंसे निंदनीय है अतः मैं आपके कथनानुसार नहीं कर सकता. आप जानें व आपकी प्रतिज्ञा जाने.

इस प्रकार पिताका अपमान करके धनपाल वहांसे अन्य जगह चला गया और पिता सर्वदेव निराश हो गया तथा उसकी आंखोंसे आंसू टपकने लगे. इतने में धनपालका छोटा भाई शोभन वहां आ गया. पिताने उसको जो बातें धनपालसे हुई थी सब कह दी और धनपालका डांटना भी सुना दिया. और अंतमें कहा कि तुम तो अभी बालक हो अतः हमारी किसी प्रकारकी सहायता नहीं कर सकते. तो तुम जाओ और हम अपना किया आप ही भुगत लेंगे.

तब शोभनने अपने पितासे कहा कि आप मत घबड़ाइए, मैं जरूर आपका वचन पालूंगा. मेरा बडा भाई राजमान्य है, कुटुंब के सारे भार को उठाने को भी वह समर्थ है, वह बडा पंडित भी है अतः उसने आपको कुछ

भी कहा जो उसको ठीक लगा. मैं तो बचपनसे ही सरल हूं और आपकी किसी भी प्रकारकी आज्ञा को माननेवाला हूं. आप मुझको कुएँमें डालें अथवा मारनेके लिए चांडालोको सौंप दें—आपको जो जँचे सो करें. उसमें मैं किसी भी प्रकारका विचार नहीं करता. अतः अब आप चिंता को छोड दें, उठकर स्नान पूजन कर लें और भोजन करके स्वस्थ हो जावें. बादमें मुझको आचार्यके पास ले जाकर उनको भेंटके रूपमें दे दें.

फिर सर्वदेव ब्राह्मण अपने छोटे पुत्रको लेकर आचार्य के पास गया और शोभनको आचार्य के चरणो में भेंट किया. आचार्यने भी सर्वदेवकी संमति लेकर अच्छे दिवस मुहूर्त इत्यादिक को देखकर शोभनको अपना शिष्य बना लिया.

धनपाल राजमान्य था अतः आचार्य को (अपभ्राजनशङ्किताः) शासनकी अपभ्राजना होने की शंका हुई. इस कारण आचार्यने अपने नए शिष्यको लेकर प्रातःकालमें ही धारानगरीसे अणहिल्लपुर की तरफ जाने के लिए विहार कर दिया.

धनपालने तब देखा कि पिता सर्वदेवने निधान के लिए अपने छोटे भाई को बेच दिया है, अतः पिता अनुचित कर्म करनेवाले हैं. धनपालने पिता को अपने से पृथक् कर दिया और वह (धनपाल) गुस्से में आकर सोचने लगा कि जैनमुनियोंका मुंह देखने लायक नहीं है, ये कहां कहां से आकर संयम और शमके बहानेसे स्त्री तथा बालकों को ठग लेते हैं, दीक्षाधारी शूद्र हैं, इनका पाखंड बडा अद्भुत है. राजाको कह कर अब इस प्रदेश में इनका आना जाना रोक देना जरूरी है.

धनपालने जैनमुनियों पर कोपाविष्ट होकर 'जैनमुनि बनकर शोभन चला गया' इत्यादि जो बात बनी थी राजा भोज को कह दी. तब राजा भोजने अपने राज्यमें बारह वर्ष तक जैनमुनियों का आनाजाना निषिद्ध घोषित

कर दिया और तबसे सारे मालवे में किसी भी (श्रीपीताम्बरदर्शनम्) पीले कपडेवाले मुनि का विहार नहीं हुआ.

जब आचार्य महेन्द्रसूरि गुजरातमें थे तब धारानगरी के श्रीसंघने धारानगरी में जैनमुनियों के खिलाफ जो कार्रवाई हुई थी वह उन्हें विदित की और मालवे में पधारने की विनंति की.

आचार्यने अपने शिष्य शोभनमुनिको अच्छी रीतिसे पढाया, लिखाया और वाचनाचार्य बना दिया. अवंती के अर्थात् धारानगरी के संघकी धारा में आनेकी विनंति सुनकर शोभनमुनिने वहां जानेका विचार किया और अपने निमित्तसे जो बखेडा हुआ है उसको उपशांत करनेका तथा अपने बडे भाई धनपालको भी प्रतिबोध करनेका संकल्प अपने गुरु को विदित किया.

बादमें श्रीमहेंद्रसूरिजीने गीतार्थ मुनियोके साथ वाचनाचार्य शोभनमुनिको धारानगरीकी तरफ विहार करने की आज्ञा दी.

श्री शोभनमुनि आदि मुनिमंडल अणहिल्लपुरसे ग्रामानुग्राम विहार करतें करते एक दिन धारानगरी को पहुँच गए. उचित समय को देख कर एक दिन शोभनमुनिने अपने साथके मुनियों को धनपाल के घर पर भिक्षा के लिए भेजा.

मुनियोंने धनपाल के घर जाकर 'धर्मलाभ' ऐसा कहकर भिक्षा मांगी. धनपाल की स्त्रीने कहा 'सरस्यस्ति' अर्थात् धर्मलाभ तो तालाव में है। तब शरीर पर तेलकी मालिश कर के स्नान के लिए उद्यत ऐसे धनपालने कहा कि घरमें आये हुए अर्थिको कुछ न कुछ देना चाहिए, यदि ये खाली हाथ चले जाएंगे तो बडा अधर्म होगा अतः इनको थोड़ा दहीं दो.

तब धनपाल की स्त्री उषितान्नम्-वासी-ठंडा-अन्न लाई. मुनियोंने अन्न को ले लिया, फिर वह दहीं लाई तब मुनियोंने पूछा कि यह दहीं कितने दिनका

है? तब स्त्रीने कहा कि क्या इस दहीं में जीव पडे हैं? यह दहीं तीन दिनका है, लेना है तो ले लो अन्यथा चले जाओ.

मुनियोंने कहा कि ऐसा पूछना हमारा आचार है, इससे आप नाराज क्यों होती हैं? यह सब बातचीत सुनकर धनपाल पंडितने कहा कि यदि आप इस दहीं में पडे हुए जीवो को बता देवें तब आपका वचन निर्दोष एवं सत्य माना जाय.

तब मुनियोनें दहीं में अलते की गोली डलवाई. तब दहीं का रंग बदल जाने से उस के अंदर जो छोटे छोटे जंतु उत्पन्न हो गए थे वे प्रत्यक्ष दीख पडने लगे. यो दहीं सफेद था और उस के अंदर उत्पन्न हुए छोटे जंतु भी दहीं के समान रंग के थे, अतएव नहीं दीख पडते थे। जब दहीं का रंग बदलने के लिए उसमें दूसरी वस्तु डलबाई तब वे जंतु दहीं में चलते से साफ साफ दिखाई देने लगे.

महाकवि धनपाल इन जंतुओं को देख कर अचंभे में आ गया और 'दहीं कितने दिनका है?' इस प्रकारका मुनियो का प्रश्न समुचित ही था— ऐसा विचार उनके मन में आया तथा मुनि-जैन मुनि किस कदर वा किस हद तक दया-अहिंसा-का विचार करते हैं, किसी भी छोटे मोटे जीवकी रक्षा के लिए वे कितने सावधान रहते हैं और अपनी संयमयात्रा वे इस तरह चलाते हैं जिससे किसी भी प्राणी की हिंसा न हो, अपना मन चंचल न हो, इंद्रियाँ भी अपने वश में ही रहे जिससे रागद्वेषके परिणाम धीरे धीरे क्षीण होकर समवृत्ति बनी रहे.

इस प्रकार विचार करते करते उसके मन में जैन धर्म संमत दयावृत्ति ठीक जँचने लगी और हिंसाप्रधान वैदिक कर्मकांड से उसका मन हटने लगा.

फिर उसने भिक्षार्थ आए हुए मुनियों को पूछा कि आप लोग इस धारानगरी में कहांसे आए हैं? आपके गुरु कौन हैं? और आप इधर आकर कहां ठहरे हुए हैं?

मुनियोंने कहा कि हम गुजरात देश से आए हैं. हमारे गुरुका नाम शोभनमुनि है, जो आचार्य महेन्द्रसूरि के शिष्य हैं और हम इधर श्रीआदिनाथभगवानके मंदिरके पासके निर्दोष स्थानमें ठहरे हुए हैं.

भिक्षा लेकर जब मुनि चले गए तब धनपाल भी अपने नित्य कर्मसे निवृत्त होकर भोजन कर बडी श्रद्धाके साथ भक्ति नम्र बन कर उन मुनियों के उपाश्रय में जाने को उद्यत हुआ.

जब धनपाल महाकवि उपाश्रयमें पहुंचा तब अपने बडे बंधुको आते हुए देखकर शोभनमुनि उसके आदर के लिए खडे हो गए, शोभन मुनिने अपने आसन के आधे भागमें अपने बडे भाई को बडे स्नेहसे बैठाया.

अब दोनों भाई एक दूसरेको देखकर प्रेमगद्गद हो गए. धनपालने कहा कि पूज्य तो तुमही हो, तुमने ही उत्तम ऐसे दयाप्रधान धर्मका स्वीकार किया है और इस धर्मका पालन भी बडी सावधानीसे सयमपूर्वक कर रहे हो. ऐसे दयाधर्मी मुनियों को धारानगरीसे निर्वासित करके मैंने बडा पापपुंज उपार्जित किया है. तुमने ऐसे अहिंसाप्रधान धर्मका स्वीकार करके अपने जीवन को सफल बनाया है ।

तुम धन्य हो और पिताजी सर्वदेव भी धन्य हैं. मैं हिंसाप्रधान यज्ञयागादिको धर्मके रूपमें समझ कर उसीके कर्मकांड में आजतक फंस गया. परंतु अब मैं सच्चे अहिंसारूप धर्मको समझ सका हूं.

तुम्हारे ये मुनि मेरे घर पर आज भिक्षा लेनेके लिए आए थे, मेरे मनमें जैनमुनियों के प्रति आदर नहीं था तो भी घर पर जो याचक आता है वह भिक्षा पाए बिना चला जाय यह मुझको बडा अनुचित लगता है, अतः मैंने गृहिणी को भिक्षा देनेको कहा.

मेरी तरह उसको भी आदर नहीं था अतः वह ठंडा अन्न लाई और दहीं भी लाई.

मुनियोंने वह ठंडा अन्न तो ले लिया, मगर जब वे दहीं देने लगीं तब मुनियोंने पूछा कि—यह दहीं कितने दिनका है? उसने खीज कर कहा कि क्या दहींमें भी जीव पड गए हैं? पानी में तो पडनेकी बात जानती हूं.

तब मुनियोंने बड़ी नम्रता से कहा कि बहिन! बिना पूछे वा बिना जाने हम कोई चीज लेते नहीं हैं. हमारा आचार ही ऐसा है, इसमें खीजने की कोई जरूरत नहीं है. तीन दिनका दहीं होगा तो जैसे बिना छाने जलमें जीव होते दीखते हैं वैसे उस दहीं में भी जीव उत्पन्न हो जाते हैं और दिखाई भी देते हैं.

तब मैंने कहा कि, एक तो मांग कर खाना और दहीं ताजा है या वासी है वा कितने दिन का है? ऐसा पूछना यह भिखमंगे को क्या उचित है?

मुनियोंने मेरे अनादर को नहीं गिन कर विनय भावसे जवाब दिया कि, हमारा धर्मकर्म सब अहिंसाप्रधान है—दयावृत्तिप्रधान है. हम कोई ऐसी चीज खानेको वा पहनने—ओढने को भी नहीं लेंगे जिसमें जीवों की हिंसा हो. हम भूखको सहन कर सकते हैं तथा शीतको भी अच्छी तरह सहन कर सकते हैं, परंतु जहां जीवोंकी हिंसा माळूम हो ऐसा कार्य मरणांत तक नहीं करते हैं. हमारा ऐसा ही आचार है.

हमारे ज्ञानी अनुभवी ऐसे पूर्वपुरुषोंने बताया है कि तीन दिन के दहीं में जंतु उत्पन्न हो जाते हैं. अतः हमने ऐसा पूछा, इसमें 'दहीं ताजा है वा वासी है?' ऐसा कोई सवाल केवल स्वाद के लिए हमने नहीं किया है वा ऐसे सवाल केवल स्वादेन्द्रियके वश होकर हम कभी भी नहीं करते हैं और इस प्रकार स्वादेन्द्रियके वश होकर ऐसे सवाल करना हमारा आचार भी नहीं है.

तब मैंने (धनपालने) कहा कि सचमुच ऐसा ही है तो आप दहीं में जो कीडे पैदा हुए हैं उन्हें मुझको प्रत्यक्ष बताइए, केवल श्रद्धासे मैं माननेवाला नहीं हूं. तब मुनियोंने कहा कि दहीं श्वेत जैसा प्रायः होता है और तीन

दिनके दहींमें जो जीव उत्पन्न होते हैं वे भी श्वेतसे प्रायः होते हैं. अतएव दहीं का रंग विना बदले वे दीख नहीं सकते. तो आप इस दहींमें थोडासा अलता डाल दीजिए, जिससे इसका रंग थोडा बदल जायगा, तब आप देखेंगे तो इसमें चलते हुए कीडे नजरमें आवेंगे.

फिर मैंने (धनपालने) अलता मंगाकर दहीं में डलवाया तो जो बात मुनियोंने कही वह बराबर सही मालूम पडीः दहींमें चलते हुए कीडो को मैं प्रत्यक्ष देख सका.

तब मेरे (धनपालके) मनमें मुनियों की दयावृत्ति का और उनके अहिंसाप्रधान धर्मका सच्चा ख्याल आया तथा जिस धर्मका आचरण मैं अभी कर रहा हूं इस हिंसाप्रधान यज्ञ यागादिक कर्मकांडमय वैदिक धर्मका भी बराबर ख्याल आया. दोनों धर्मोंकी जब मैंने बुद्धिपूर्वक तुलना की, विश्लेषणा की, तब मुझको आपके इस अहिंसाप्रधान धर्मपर प्रीति हुई, विश्वास हुआ और धर्मविषयक मेरी परंपरागत गलती समझमें आ गई. अतः हे मुनिराज! मैं धर्मके विषयमें आपकी शरण चाहता हूं और आजसे मैं जैनधर्मका स्वीकार करता हूं.

इस प्रकार गदगद बोलते हुए धनपालने शोभनमुनि द्वारा जैनधर्मको स्वीकार किया और तबसे वह यावज्जीवन जैनधर्मपरायण बन गया.

उसने श्रावक धर्मका स्वीकार किया और अंतकालमें जैन धर्ममें जिस प्रकार संलेखना विधि बताई है इस प्रकार संलेखना विधिसे मरण पाकर धनपाल सद्गतिका भागी हुआ.

[जब मरण समय नज़दीक मालूम होता है तब व्रतधारी श्रावक वा मुनि अपने गुरुकी शरण लेकर तीर्थंकर भगवंत को नमस्कार करके अपनी सब बाह्य प्रवृत्तियों को छोड देते हैं और अपने घरके कोई एकांत स्थानमें जा कर वा उपाश्रयमें जा कर ऐसा नियम लेते हैं कि अब मैं मरण तक सिर्फ आत्मध्यानमें स्थिर रहूंगा, खानपानका सर्वथा त्याग कर दूंगा और मनसा,

वचसा तथा कर्मणा किसी प्रकार के दुःसंकल्प, दुर्वचन और दुर्व्यापार को नहीं करूंगा. ऐसा निश्चय करके श्रावक व मुनि एक आसनमें स्थिर होकर जीवनांत तक धर्मध्यानमें बैठे रहते हैं वा अशक्त हो तो दर्भके बिछौने पर सो रहते हैं और अपनी क्रोध मान माया लोभ वगैरह दुर्वृत्तियोंको क्षीण, क्षीणतर, क्षीणतम करनेके लिए देहद्वारा कठोर तप भी करते रहते हैं. इसका नाम मरणांतसंलेखना विधि है.]

इस प्रबंधसे नीचेकी बातें फलित होती है.

१. धनपाल जन्मसे ब्राह्मण था और जैनधर्मके प्रति नफरत करता था. वह सरलस्वभावी था तथा सदाचरण का जिज्ञासु रहा अतः दहींमें जीव होनेकी वात सुनते ही उसकी अहिंसाविषयक जिज्ञासा तेज हुई और वह जैन श्रावक बन गया.

गुप्तकालसे अहिनकुलम् की तरह श्रमण—ब्राह्मणम् इस प्रकारकी कहावत चली आई है, फिर भी जैनपरंपरामें प्रथम गणधर इन्द्रभूति गौतम से लेकर जों बडे बडे दिग्गज महावादी और आध्यात्मिकवृत्तिप्रधान आचार्य हुए हैं वे प्रायः जन्मजात ब्राह्मण हुए हैं. ऐसा अनुमान करना अनुचित न होगा कि प्राचीन ब्राह्मण कुलके संस्कारों में सरलता और सत्यान्वेषण वृत्ति उनमें विद्याप्रियता होने से अधिक सुलभ होगी।

२. प्रबंधमें शोभनकी दीक्षा का जो प्रसंग आया है उससे मालूम होता है कि उस काल के जैनमुनि किसी भी बहाने से शिष्यप्रिय होते थे. संयमके लिए सच्चे वैराग्यके प्रति उपेक्षा हो गई थी. मंत्रतंत्रके प्रयोग करना आदर्श संयमीके लिए सर्वथा निषिद्ध होनेपर भी किसी भी प्रकार के बहानेको धार्मिकताका रूप देनेमें सकोच कम हो गया था.

वर्तमानमें भी इसी बातावरणकी प्रतिध्वनि जैनमुनियोंमें क्या नहीं दीख पडती है ? वर्तमान हमेशा भूतकालका प्रतिध्वनिरूप होता ही है.

३. श्रीरामचंद्रकी तरह शोभन बडा पितृभक्त था ऐसा माल्म होता है अथवा वह भोलाभाला इतनी छोटी उम्रका लडका होगा कि जिस उम्रमें भक्ति व प्रीति विशेषतः टिकी रहती है.

४. धनपालके समयमें वैदिकपरंपरा का कर्मकांड इस प्रकार चलता होगाः

" स्पर्शोऽमेध्यभुजां गवामघहरः वन्द्या विसंज्ञा द्रुमाः
स्वर्गं छागवधात् हिनोति च पितॄन् विप्रोपभुक्ताशनम् ।
आप्ताः छद्मपराः सुराः शिखिहुतं प्रीणाति देवान् हविः
स्फीतं फल्गु च वल्गु च श्रुतिगिरां को वेत्ति लीलायितम् ? ॥

—(प्रभावक चरित्र पृ० २३२, महेन्द्रसूरि प्रबन्ध श्लो. १३४)

अपवित्र पदार्थोंको खानेवाली गौओंका स्पर्श पापहर माना जाता है, जड रूप वृक्ष वंद्य माने जाते हैं, बकरेकी बलि देनेसे स्वर्गप्राप्ति समझी जाती है, ब्राह्मण लोगोंका किया हुआ भोजन, जिनकी विद्यमानताका व स्थानका पता तक नहीं माल्म है ऐसे पितृलोक तक पहुंच जाता है (मानो ब्राह्मणलोग एक तरह के पोस्ट ओफिसरूप हैं जो विना पत्तेके सामानको भी पहुंचा सकते हैं) अग्निमें डाला गया घी वगैरह हविष देवोंको प्रसन्न करता है— ये सब अनुष्ठान वैदिक परंपरामें चल रहे हैं— वैदिक वाणीकी लीलाको कौन जान सका है ?

५. धनपालकी सत्यवादिता और निःस्पृहताः धनपाल धारानगरीके राजा भोजकी सभाका प्रमुख कवि था, राजसम्मानित था तथापि वह बडा सत्य-वादी और निःस्पृह था.

देखिए:—

एक दफा जब राजा शिकारके लिए चला तब कवि धनपाल को भी साथमें ले चला. राजाने एक बडे वराहको जब एक ही बाणसे बींधा और वह वराह जब घरर घरर आवाज करता हुआ गिर पडा तब साथमें आए

हुए अन्य कवियोंने राजाके असाधारण बलकी प्रशंसा की, तब राजाकी दृष्टि धनपाल पर भी गई कि वह भी इस प्रसंग का थोडा बहुत वर्णन करे.

धनपालने शीघ्र ही निःसंकोच कह दिया कि—

“रसातलं यातु यदत्र पौरुषं क्व नीतिरेषाऽशरणो ह्यदोषवान् ।
निहन्यते यद् बलिनाऽपि निर्बलो हहा महाकष्टमराजकं जगत्” ॥

अर्थात् “महाराज! तुम्हारा यह बल रसातलमें जाए. जो शरणहीन है और निर्दोष है वह मारा जाता है. क्या यह भी कोई नीति है. बलवान द्वारा निर्बलका मारा जाना तो सरासर अन्याय ही है. हाय, क्या किया जाय? जगत् अराजक बन गया है, यह बडा कष्ट है”।

राजाने चुपचाप सुन लिया.

फिर एक दूसरा भी प्रसंग ऐसा ही आ गयाः—

राजाने दूसरे किसी प्रसंग पर कविसे कहा कि कोई अच्छी जैनकथा हो तो हमको सुनाओ। तब धनपालने बारह हजार श्लोकप्रमाण गद्यप्रचुर रसमय ऐसी तिलकमंजरी नामकी एक जैनकथाकी रचना की।

जब कथा गूंथी जाती थी तब पुत्री उसको सुन लेती थी वा पढ़ लेती थी। एक बार पुत्रीने कविसे पूछा कि पिताजी, क्या अब वह कथा पूरी बन गई? कथा पूरी बन चुकी थी। बादमें जैनशास्त्रके विरुद्ध ऐसी कोई बात कथामें अनजानसे न आगई हो, इसका निर्णय करके कथाको शुद्ध करने के लिए कविने अपने असाधारण सम्माननीय वादिवेताल श्रीशांतिसूरिको धारामें आनेके लिए आमंत्रण भेजा, उन्होंने आकर कथाको शुद्ध बना दिया, फिर कविने राजाको कथा सुनाना आरंभ किया।

कथामें मुख्य चार वस्तुएं थीं—अयोध्या नगरी, भगवान् वृषभदेव आदि तीर्थंकर, शक्रावतार तीर्थ और नायकरूप श्रीमेघवाहन नृपति.

राजा सारी कथाको बडे चावसे बहुत दिनों तक सुनता रहा। जब पूरी सुन ली तब राजाने कविसे प्रार्थना की कि कथा तो बडी ही मनोहर हुई है परंतु मेरी इच्छा है कि आप इस कथामें ऐसा क्यों न परिवर्तन कर दें कि जहां अयोध्या है वहां धारा नगरी कर दें, जहां भगवान् वृषभदेव हैं वहां वृषभध्वज महाकालका नाम बना दें, जहां शक्रावतार तीर्थ है वहां महाकाल तीर्थका उल्लेख कर दें और जहां नायक मेघवाहन नृपतिका नाम है वहां राजा भोज का नाम रख दें.

भोजकी यह बात सुनते ही कविने चटसे स्पष्ट कह दिया कि महाराज! कोई पवित्र श्रोत्रिय ब्राह्मण के हाथमें दूधभरा कटोरा हो और उसमें मद्य का एक बिंदु भी गिर जाय तो जिस प्रकार वह दूध अपेय बन जाय, ठीक इसी प्रकार आपके सूचित परिवर्तनसे यह कथा अपवित्र हो जाय— भ्रष्ट बन जाय, ऐसा मुझे स्पष्ट प्रतीत होता है अतः मैं कभी भी ऐसा परिवर्तन नहीं कर सकता।

कविकी इस अत्यंत स्पष्ट निर्भय वाणीको सुनते ही राजा कोपाविष्ट हो गया और उसने उस कथाकी पुस्तकको जलते हुए अंगारोंसे भरी हुई अंगिठीमें डाल दिया।

यह देखकर धनपाल कवि उठ खडा हुआ अब और 'फिर मैं इधर कभी नहीं आऊंगा' ऐसा राजासे कहते हुए उद्विग्न होकर अपने घरकी तरफ़ चल पड़ा, कविको बड़ा खेद हुआ।

घर जाकर भी वह स्नान, देवार्चन, भोजन इत्यादि नित्य कर्म भी न कर सका, किसीसे कोई बात भी नहीं की और चिंतामग्न होकर औंधा मुंह करके बिना बिछौनेके जमीन पर पड़ा रहने लगा। चिंतासे उसकी निद्रा भी चली गई।

कविकी ऐसी परिस्थितिको देख कर उसकी नौ वरसकी पुत्रीने अपने

पितासे चिंताका कारण पूछा। तब कविने 'राजाने कथाकी सारी पोथी जला दी' इत्यादि घटी घटना सुनाई। तब पुत्रीने झट कहा कि आप चिंता न करें, मैंने वह कथा जितनी सुनी है उतनी सारी कथा मुझे बराबर अक्षरशः याद है। आप अब चिंताको छोड़ दें और झटपट उठकर स्नानादि कार्य कर लें और मेरे मुखसे उस सारी कथा को सुनकर फिर लिख लें।

अपनी पुत्रीकी बात सुनकर कवि बड़ा ही प्रसन्न हुआ और फिरसे वह कथा पुत्रीने जितनी सुनी थी सारी लिखवा दी।

प्रबंधकार कहता है कि मूल कथा बारह हजार श्लोक प्रमाण थी, उसमें से नौ हजार प्रमाण बराबर लिखी गई और शेष तीन हजार प्रमाण कथा पुत्रीने नहीं सुनी थी उतनी नयी रच डाली. इस प्रकार कथा का नया अवतार हो गया और ऐसा भी कहा जाता है कि पुत्रीके नामसे कथाका नाम तिलक-मंजरी रखा गया।

उक्त इन दोनो वृत्तांतोसे कविमें सत्यप्रियताके कठोर व्रत की तथा निःस्पृह वृत्तिकी भी स्पष्ट झलक मालूम होती है। और उसकी नौ वर्षकी पुत्रीका शिक्षण भी कितना उत्तम कोटिका था यह भी स्पष्ट दीखता है।

धन्य है धनपालके कुल और कुटुंबको।

६. कविके प्रबंधसे मालूम होता है कि जब राजाने कविका अनादर किया तब वह धारासे पश्चिमकी ओर सत्यपुर (साचोर जि० जोधपुर) में चला गया। वहां भगवंत महावीरस्वामीका पुराना एक बड़ा चैत्य–मंदिर–था। कविने वहां रह कर भगवंत महावीरकी आराधनामें मन लगा दिया और सत्यपुरीय महावीर स्वामीकी एक बड़ी उत्तम काव्यमय विरोधाभास-अलंकारसंयुक्त स्तुति प्राकृतभाषामें रच डाली। प्रबंधकार कहता है कि उक्त स्तुतिका आरंभ इस प्रकार है:– 'देव निम्मल' इत्यादि।

वर्तमानमें जो यह स्तुति प्रकाशित की गई है उसमें आदिभाग इस प्रकार है:—

"निम्मलणहे वि अणहे जिणाण चलणुप्पले पणमिऊण ।
वीरमविरुद्धवयणं थुणामि स-विरुद्धवयणमहं" ॥ १ ॥

तथा

अंतभागका पद्य इस प्रकार है:—

"इय सयलसिरिनिबंधण पालय पच्चल तिलोअलोअस्स ।
भव मज्झ सया मज्झत्थगोयरे संथुइगिराणं" ॥ ३० ॥

इस अंतिम पद्यमें 'धण पालय' शब्द द्वारा कविने अपना नाम भी सूचित किया है।

इन तीस पद्योंकी सारी स्तुति संपूर्णरूपमें जैनसाहित्यसंशोधकके तीसरे खंड के तीसरे अंकमें छपी हुई है। वहां उसका संपादन और सारा स्पष्टीकरण इसी लेखकने किया है।

७. प्रबंधकारने लिखा है कि कवि धनपालने अपने धनका सात क्षेत्रोंके उद्धारार्थ उपयोग किया। श्रावक, श्राविका, साधु, साध्वी, जिनचैत्य, जिनबिंब और शास्त्र, ये सात क्षेत्र जैनपरंपरामें प्रसिद्ध हैं। कविने एक बड़ा प्रासाद—जैनप्रासाद बनवाया और उसमें अपने आचार्य महेन्द्रसूरि द्वारा श्रीऋषभदेव भगवानकी प्रतिमाकी प्रतिष्ठा करवाई. श्रीऋषभदेव भगवानकी स्तुति करते हुए कविने श्रीरिषभपञ्चाशिका नामकी पचीस पद्योंमें एक प्राकृत भाषामय स्तुति बनाई। उसका आरंभ इस प्रकार है: "जय जंतुकप्पपायव" इत्यादि। यह स्तुति निर्णयसागर प्रेससे छप चुकी है।

८ कविने अपनी मातृभाषामें 'सत्यपुरीय श्री महावीर उत्साह' नामकी पेंतीस पद्यमय एक और भी स्तुति बनाई है। यह स्तुति जैनसाहित्यसंशोधकके उक्त अंकमें संपादक महाशयने सविवेचन मूलपाठके साथ प्रकाशित की है। इस स्तुतिसे माछम होता है कि कवि कोरंटक, श्रीमालदेश, धार, आहाड—(आघाट ? आग्रा ?) नराणा, अणहिलवाड़ पाटण, विजयकोट्ट और पालीताणा-

ऐसे सब स्थलोंकी यात्राको गए हुए थे, क्योंकि उक्त 'उत्साह' नामकी स्तुति में कविने स्पष्ट सूचित किया है कि "पिक्खिवि ताव बहुत ठाम" अर्थात् इन सब स्थानोंको देखकर प्रतीत हुआ कि जैसी भगवंत महावीर की मूर्ति साचोरमें है, वैसी लावण्यमयी मूर्ति और किसी जग़ाह नहीं है।

इस 'उत्साह'में कविने अणहिलपुर, सोरठ, सोमनाथ, चंद्रावती, श्रीमाल-देशके तीर्थ देलवाडा वगैरह तीर्थोंमें तुर्कों द्वारा जो मूर्तियों का भंजन हुआ है उसका अतिस्पष्ट उल्लेख किया है। संवत् १०८१ में महम्मूद गिजनीद्वारा किये गये मूर्तिभंजन को यह उल्लेख सूचित करता है। और यह बात जिन-प्रभसूरिरचित तीर्थकल्पसे समर्थित होती है। तीर्थकल्पमें सत्यपुर तीर्थ का भी एक कल्प है.

९ धनपालकी उम्र मर्यादा

पाइअलच्छी नाममाला १०२९में बनाई। १०८१में जो मूर्तिभंजन हुआ धनपाल भी उल्लेख 'उत्साह' में किया है, अतः जब पाइअलच्छी० बनाई तब उसका की उम्र करीब बीस वरसकी मानी जाय तो भी 'उत्साह' बनाने के समय उसकी उम्रका अंदाज बहत्तर वरसका किया जा सकता है। संभव है कि 'उत्साह' बनाने के बाद दस–बीस वरस तक अधिक कविका जीवन रहा हो। तो उसकी ब्याशी अथवा बयानब्बे सालकी उम्र असंभव नहीं.

'उत्साह' में कविने अपना नाम दो दफे इस प्रकार स्पष्ट दिया है— "एकजीह धनपालु भणइ" (एकजिह्वः धनपालो भणति) तथा "तइ तुट्ठइ धनपालु" (त्वयि तुष्टे धनपालः)

'उत्साह' जिन पन्नोंमें लिखा गया है वे संवत् १३५७–५८ में लिखे गए हैं अर्थात् 'उत्साह' के पन्ने इतने प्राचीन हैं।

१० धारामें धनपाल का पुनरागमन और अपने वतनकी प्रतिष्ठाकी दृष्टि—

जैसे वर्तमानमें कई राजा अपने पास ऐसे ऐसे मल्ल रखते हैं कि बाहरके कोई भी मल्ल इनकी पराजय नहीं कर सकते थे अर्थात् राजालोग मल्लोंकी एक सभासी संस्था जमाकर रखते हैं, ठीक उसी प्रकार पुराने जमानेमें बड़े बड़े राजाओंके पास बड़े बड़े पंडित रहते थे, उनकी खास करके अपराजित ऐसी एक पंडितसभा होती थी। इसमें ऐसे ऐसे पंडित रहते थे, जिनकी पराजय बाहरके कोई भी पंडित नहीं कर सकते थे।

एक समय भोज की राजसभामें बाहरका दिग्विजयी एक धर्म नामका कौल तंत्र-मत-का महाकवि पंडित आया और उसने भोजकी सभामें आकर कहा कि—

"आचार्योऽहं कविरहमहं वादिराट् पण्डितोऽहम्
दैवज्ञोऽहं भिषगहमहं मान्त्रिकस्तान्त्रिकोऽहम्।
राजन्नस्यां जलधिपरिखामेखलायामिलायाम्
आज्ञासिद्धः किमिह बहुना सिद्धसारस्वतोऽहम्" ॥ २६३ ॥

—(प्रभावकचरित्र पृ० २४१)

अर्थात् "मैं आचार्य हूं, कवि हूं, वादिराज हूं, बड़ा पंडित हूं, ज्योतिषी हूं, वैद्य हूं, मांत्रिक हूं और तांत्रिक भी मैं हूं। हे राजन्! इस समुद्र वेष्टित सारे भूमंडलमें मैं आज्ञासिद्ध हूं अर्थात् मैं चाहूँ सो कर सकता हूं, अधिक क्या कहना? मैं सिद्धसारस्वत हूं अर्थात् सरस्वती मेरे वशमें है।"

इस पंडितकी ऐसी घटाटोपमय वाणी सुनकर राजा भोजकी सभाके सब पंडित घबड़ा गये और राजा भोजकी राजकीय पंडित सभा निष्प्रतिभ सी बन गई। आए हुए पंडितको बिना जीते भोजकी पंडितसभाकी प्रतिष्ठा नहीं रह सकती। तब भोजने धनपालको बुलानेका विचार किया। परंतु भोजको याद आया कि जिस कविका मैंने भयंकर अपमान किया है वह मेरी सभामें फिर कैसे आ सकता है?

भोज को माल्रम हुआ कि कवि धनपाल इस समय साचोरमें है. भोज के भेजे हुए विश्वासपात्र पुरुष धनपालको बुलाने के लिए साचोरमें पहुंचे. उन्होने धनपालको भोज का संदेश वैनयिकी भाषा द्वारा सुनाया. तब धनपालने कहा कि अब मैं इधर रहकर भगवान महावीर की सेवामें लगा हुआ हूं और सभाके जयविजय इत्यादि खेदवर्धक झंझटो में मेरा मन नहीं लगता, मैं उससे उदासीन हो गया हूं, अतः नहीं आ सकता. इस बातको सुनकर राजा भोजको, अपनी प्रतिष्ठाकी तथा पंडित सभाकी भी प्रतिष्ठाकी बडी चिंता हुई. तब राजाने फिरसे अपने खास आदमियों को भेजकर कहलाया कि—

"श्रीमुञ्जस्य महीभर्तुः प्रतिपन्नसुतो भवान् ।
ज्येष्ठ;, अहं तु कनिष्ठोऽस्मि तत् किं गण्यं लघोर्वचः ॥२७०॥
पुरा ज्यायान् महाराजः त्वामुत्सङ्गोपवेशितम् ।
प्राहेति विरुदं तेऽस्तु श्रीकूर्चालसरस्वती ॥२७१॥
त्यक्त्वा वयं त्वया वृद्धा राज्यमाताश्च भाग्यतः ।
जये पराजये वाऽपि—अवन्तिदेशः स्थलं तव ॥२७२॥
ततो मत्प्रियहेतोः त्वमागच्छ गच्छ माऽथवा ।
जित्वा धारां त्वयं कौलः परदेशी प्रयास्यति ॥२७३॥
तत् ते रूपं विरूपं वा जानासि स्वयमेव तत् ।
अतः परं प्रवक्तुं न साम्प्रतं नहि बुध्यते ॥२७४॥
प्राकृतोऽपि स्वयं ज्ञानं कुरुते नेतरत् पुनः ।
किं पुनस्त्वं महाविद्वान् तद् यथारुचितं कुरु ॥२७५॥
धनपाल इति श्रुत्वा स्वभूमेः पक्षपाततः ।
तरसाऽगात् ततो ज्ञात्वा राजाभिमुखमागतम् ॥२७६॥
दृष्टं च पादचारेण भूपं संगम्य धीनिधिम् ।
दृढमाश्लिष्य चावादीत् क्षमस्वाविनयं मम ॥२७७॥

धनपालस्ततः साश्रुरवादीत् ब्राह्मणोऽप्यहम् ।
निःस्पृहो जैनलिङ्गश्चावश्यं तद्व्रतसस्पृहः ॥२७८॥

....

भवेद् मानाऽपमानो हि नह्युदासीनचेतसि ॥२७९॥

.. ..

त्वयि जीवति भोजस्य सभा यत् परिभूयते ॥२८०॥

पराभवस्तवैवाऽयम् इति श्रुत्वा कृतिप्रभुः ।
प्राह मा खिद्यताम्, भिक्षुः अक्लेशात् जेष्यते प्रगे" ॥२८१॥

—(प्रभावकचरित्र पृ० २४१–२४२)

अर्थात् धनपालको भोज कहता है कि—

"महाराजा मुंज के आप बडे पुत्र हैं, मैं छोटा पुत्र हूं, क्या इस छोटे पुत्रका वचन गण्य-मान्य-हो सकता है? पहिले बडे महाराजाने—मुंजने—अपनी गोदमें बैठा कर आपको 'दाढीवाली सरस्वती'—'कूर्चालसरस्वती' इस प्रकार विरुद दिया है. भाग्ययोगसे अब तुमने हमारा—हम बूढोंका—तथा हमारे राज्यका त्याग कर दिया है.

अवंतिदेश आपका है, अब उसकी पराजय हो वा जय हो इस बातको आप समझें. जिसकी आजतक किसीसे पराजय नही हो सकी ऐसी धारा-नगरीकी पंडितसभाकी पराजय करके यह कौलमतका तांत्रिक परदेशी पंडित कल चला जायगा. अब यह परिस्थिति आपके लिए अच्छी है वा विरूप-बुरी है यह बात आप स्वयं समझ लें.

अब आपको इससे अधिक कहना मैं उचित नहीं जानता. सामान्य पुरुष भी इस बातको स्वयं समझ सकता है कि इस मौके पर तो जाना ही चाहिए—दूसरी बात नहीं हो सकती. आप तो बडे चतुर हैं, अतः जैसा उचित समझें करें.

राजा भोज द्वारा आए हुए पुरुषोंसे इस बातको सुनकर धनपाल अपने वतनके पक्षपातसे तुरंत धारानगरी तरफ जानेको तैयार हो गया और राजा भोजके दरबारमें आ पहुंचा.

जब राजा भोजने कवि धनपाल को अपने सामने आते हुए देखा तब राजा स्वयं खडे होकर उसको लेनेके लिए चलकर के उसके सामने गया और उस धीनिधि धनपाल कविसे खूब स्नेहसे भेंट करके राजा बोला कि मेरे अविनयको क्षमा करें.

तब धनपालकी आंखोंमें आंसू आ गएं और कवि बोला कि मैं ब्राह्मण हूं तो भी निःस्पृह हूं तथा जैनधर्मकी आराधना कर रहा हूं. अब मैं इन राजसभाकी झंझटोंसे मान वा अपमानसे उदासीन हो गया हूं. अतः मेरे चित्तमें इनका कोई असर नहीं हैं.

फिर राजाने कहा कि आपमें ऐसी उदासीनता आ गई है सो तो ठीक है, परंतु आपके जीते जी भोजकी सभाकी पराजय कैसे हो सकती है? भोजकी सभाकी पराजय मानो आपकी ही पराजय है.

तब कविने राजाको कहा कि महाराज! आप खेद न करें, उस कौल भिक्षुका कल प्रातःकालमें ही पराजय हो जायगा."

११ कविका संमान

राजा मुंजने धनपालको 'कूर्चाल सरस्वती' तथा 'सिद्ध सारस्वत' ऐसे दो बिरुद दिए थे. इस बातका निर्देश प्रबंधमें है.

१२ लंकामें पहुंचनेके लिए हनुमानने जो सेतु बांधा था, उस पर कोई पुरानी प्रशस्ति थी, ऐसा उल्लेख प्रबंधमें है. उस प्रशस्तिको लेनेके लिए राजा भोजने अपने कुशल आदमियो को लंकामें भेजा था. प्रबंधमें लिखा है कि प्रशस्ति श्रीहनुमानकी बनाई हुई थी.

जिन आदमियोंको प्रशस्ति लेनेके लिए भेजा गया था वे तैरने में बडे कुशल थे, तथा समुद्रमें जाने पर उन्हें आँखोंसे बराबर सब कुछ दिखाई

दे इस हेतुसे उन्होंने अपनी आँखोंमें मछलियों की चरबी का अंजन लगाया था, प्रशस्तिकी प्रतिलिपि लेनेके लिए उन्होने अपने पास मोम की स्लेट--पाटी--रक्खी थी, मोम की स्लेट द्वारा शिलालिपिकी प्रतिछाप बराबर आ सकती थी अर्थात् रबिंग (Rubbing) ठीक हो सकता था. इन मोम की स्लेटोसे रबिंग करके उस रबिंग की नकल करनेके लिए दूसरी तेल लगी हुई पट्टिकाओं को भी वे साथ ले गए थे, क्यो कि लिए हुए रबिंग तेलकी उन पट्टिकाओ के ऊपर बराबर आ सकते थे.

प्रबंधोक्त इस बातसे माल्म होता है कि सेतुके ऊपर जरूर कोई प्रशस्ति थी और उसके प्रणेता स्वयं हनुमान थे. प्रबंधमें प्रशस्ति के खंडित पद्य भी दिए है. इनको मैं यहां नहीं उद्धृत करता. अधिक जिज्ञासु लोग इस वातको समझने के लिए प्रभावकचरित्र पृ० २३४--२३५ श्लो० १७१ से १८० तक देख लेवें.

उन खंडित प्रशस्तिके पद्योंकी पूर्ति राजाको संतोष हो इस प्रकार अन्य कवि नहीं सर सके परंतु धनपाल कविने उन पद्योंकी समस्यापूर्ति करके राजा भोज को संतुष्ट किया था, इतना ही सूचन करनेके लिए यह उल्लेख इधर दिया गया है.

१३ धनपालका छोटा भाई शोभनमुनि भी अच्छा कवि था, उसने 'शोभनस्तुति' नाम की स्तुतिमाला बनाइ है जो चौवीस तीर्थंकरों की स्तुतिरूप है तथा यमकालंकार युक्त गभीर अर्थ सहित है. उस स्तुति पर विवेचनरूप वृत्ति महाकवि धनपालने बनाई है.

१४ धनपालने तिलकमंजरी नाम की जो कथा रची है उसमें बहुतसे पुराने जैन तथा अजैन सब कवियोंका सादर स्मरण किया है. सबसे पहिले भगवंत महावीर के प्रथम गणधर इन्द्रभूतिको सविनय याद किया है. बादमें महाकवि तथा आदिकवि वाल्मीकि ओर व्यास, प्रवरसेन, तरंगवतीके कर्ता पादलिप्त (जैन), जीवदेव (जैन), कालिदास, बाण, माघ, भारवि, समरादित्य

कथाकार हरिभद्र (जैन), भवभूति, वाक्पतिराज, भद्रकीर्ति अपरनाम बप्पभट्टि (जैन), यायावर राजशेखर, महेन्द्रसूरि जैन--(धनपालके धर्मगुरु) रुद्र और कर्दमराज, इन सब कवियोका सादर स्मरण किया है, उसमें कवि कालिदास का स्मरण करते हुए कवि धनपालने कवि कालिदास को 'आसन्नवर्तिना' ऐसा विशेषण दिया है, इससे मालूम होता है कि कवि कालिदास धनपालका पूर्ववर्ती होनेपर भी आसन्नवर्ती था. धनपालके इस उल्लेखसे कालिदासके समय पर जरूर संशोधनीय दृष्टिकोणसे विचार करना आवश्यक है। आसन-वर्ती अर्थात् धनपालसे सो दोसौ वरस पहिले हो इतना सभवनीय है. ज्यादह पूर्ववर्तीको कोई 'आसन्नवर्ती' ऐसा विशेषण नहीं दे सकता.

१५ कवि विरचित ग्रंथ

१ पाइअलच्छी नाममाला

२ श्रीरिषभपंचाशिका—बृहट्टिप्पनिका नामकी प्राचीन जैन ग्रंथसूची में इसका नाम 'धनपालपंचाशिका' लिखा है तथा प्रभानंदसूरिने इस पर वृत्ति बनाई है ऐसा भी सूचन किया है.

३ श्री सत्यपुरीय महावीर उत्साह

४ महावीरस्तुति (विरोधाभास अलंकार सहित) — महावीरस्तुतिका नाम बृहट्टिप्पनिकामें 'वीरस्तव' लिखा है तथा 'निम्मलगहे' पदसे स्तुतिका प्रारंभ बताया है और सूराचार्यने इस पर वृत्ति बनाई है ऐसा भी लिखा है.

५ तिलकमंजरी (इस ग्रंथके ऊपर कवि के परमस्नेही श्री वादिवेताल-शांतिसूरिने पंजिका बनाई है) — धनपालकी रची हुई यह कथा चंपूरूप वर्णनप्रधान है, तथा शान्त्याचार्यने इस पर टिप्पन, लघु धनपालने तिलकमंजरी-सारोद्धार बनाया है ऐसा बृहट्टिप्पनिका में लिखा है.

६ शोभनमुनि कृत शोभनस्तुति के ऊपर वृत्ति।

इतने ग्रंथ श्री धनपाल महाकवि के बनाए हुए विद्यमान हैं.

आचार्य हेमचंद्रने अपने 'अभिधानचिंतामणि' नामके कोश की स्वोपज्ञवृत्ति में "व्युत्पत्तिर्धनपालतः" ऐसा स्पष्ट निर्देश प्रारंभमें ही किया है. इससे ऐसा मालूम होता है कि धनपालने व्युत्पत्ति के संबंधमें कोश जैसा कोई ग्रंथ बनाया हो. इस संबंधमें श्रीविक्रमविजयमुनि (श्रीमद्विजयलब्धिसूरि शिष्य) लिखते हैं कि "तेमणे १८०० श्लोकप्रमाण संस्कृतभाषानो कोष बनाव्यानो उल्लेख मळे छे" इत्यादि—(केसरबाई जैन ज्ञानमंदिर प्रकाशित पाइअलच्छी–नाममाला प्रस्तावना) अर्थात् 'धनपालका बनाया हुआ कोई संस्कृत कोश है' ऐसा कोई उल्लेख उक्त मुनिश्रीने सूचित तो किया है परंतु वह उल्लेख किसने किया है, किस ग्रंथ में किया हैं? इत्यादि कुछ भी सूचित नहीं किया है. अतः श्रीहेमचंद्राचार्य के उक्त उल्लेख से केवल एक ऐसी कल्पना होती है कि श्रीधनपालने कोई कोश भी बनाया हो.

धनपाल इस प्रकारका महातेजस्वी, निःस्पृह, जैनधर्मका परमश्रद्धालु तथा असाधारणकोटिका पंडित था, श्रावक था. धनपाल जैसी प्रतिभा वर्तमानकालके श्रावकों में भी प्रकट हो यही अंतिम प्रार्थना.

बेचरदास दोशी

महाकवि–धनपालविरचिता–

पाइअलच्छीनाममाला ।

१–नमिऊण परमपुरिसं पुरिसुत्तमनाभिसंभवं देवं ।
वुच्छं 'पाइअलच्छि' त्ति नाममालं निसामेह ॥१

२–कमलासणो[1] सयंभू[2] पिआमहो[3] चउमुहो[4] य परमिट्ठी[5] ।
थेरो[6] विही[7] विरिंचो[8] पयावई[9] कमलजोणी[10] य ॥२

३–दक्खायणी[1] भवाणी[2] सेलसुआ[3] पव्वई[4] उमा गोरी[6] ।
अज्जा[7] दुग्गा[8] काली[9] सिवा[10] य कच्चायणी[11] चंडी[12] ॥३

४–अक्को[1] तरणी[2] मित्तो[3] मत्तंडो[4] दिणमणी[5] पयंगो[6] य ।
अहिमयरो[7] पच्चूहो[8] दिअसयरो[9] अंसुमाली[10] य ॥४

५–इंदू[1] निसायरो[2] ससहरो[3] विहू[4] गहवई[5] रयणिनाहो[6] ।
मयलंछणो[7] हिमयरो[8] रोहिणिरमणो[9] ससी[10] चंदो[11] ॥५

६–धूमद्धओ[1] हुअवहो[2] विहावसू[3] पावओ[4] सिही[5] वण्ही[6] ।
अणलो[7] जलणो[8] डहणो[9] हुआसणो[10] हव्ववाहो[11] य ॥६

७–मयरद्धओ[1] अणंगो[2] रइणाहो[3] वम्महो[4] कुसुमबाणो[5] ।
कंदप्पो[6] पंचसरो[7] मयणो[8] संकप्पजोणी[9] य ॥७

८–मयरहरो[1] सिंधुवई[2] सिंधू[3] रयणायरो[4] सलिलरासी[5] ।
पारावारो[6] जलही[7] तरंगमाली[8] समुद्दो[9] य ॥८

---

१ मगल । २ जिस अर्थके सूचक जितने पर्याय शब्द हैं उसकी संख्याका अंक प्रत्येक शब्दके साथ लगाया गया है । २ ब्रह्मा १० । ३ पार्वती १२ । ४. सूर्य १० । ५ चन्द्र ११ । ६ अग्नि ११ । ७ कामदेव ९ । ८ समुद्र ९ ।

९–पीलू गंओ मयंगलो मायंगो सिंधुरो करेणू य ।
दोघट्टो दंती वारणो करी कुंजरो हत्थी ॥९

१०–अंबुरुहं सयवत्तं सरोरुहं पुंडरीअं अरविंदं ।
राईवं तामरसं महुप्पलं पंकयं नलिणं ॥१०

११–फुल्लंधुआ रसाऊ भिंगा भसला य महुअरा अलिणो ।
इंदिंदिरा दुरेहा धुअगाया छप्पया भमरा ॥११

१२–रामा रमणी सीमंतिणी वहू वामलोअणा विलया ।
महिला जुवई अबला निअंबिणी अंगणा नारी ॥१२

१३–सच्छंदा उद्दामा निरग्गला मुक्कला विसंखलया ।
निरवग्गहा य सइरा निरंकुसा हुंति अप्पवसा ॥१३

१४–रुइरं राहं रम्मं अहिरामं बंधुरं मणुज्जं च ।
लट्ठं कंतं सुहयं मणोरमं चारु रमणिज्जं ॥१४

१५–मसिणं सणिअं मट्ठं मंदं अलसं जडं मरालं च ।
खेलं निहुअं सइरं वीसत्थं मंथरं थिमिअं ॥१५

१६–संधुक्किअं उद्दीविअं उज्जालिअं पलीविअं जाण ।
संदुमिअं ऊसिक्किअं उब्भुत्तिअयं च तेअविअं ॥१६

१७–सपराहं नवरि य दुत्ति झत्ति सहसत्ति इक्कसरिअं च ।
अविहाविअं इक्कवए अतक्किअं तक्खणं सहसा ॥१७

१८–उप्पंको ओप्पीलो उक्केरो पहयरो गणो पयरो ।
ओहो निवहो संघो संघाओ संहरो निअरो ॥१८

---

९ हाथी १२। १० कमल १०। ११ भ्रमर ११। १२ स्त्री १२।
१३ स्वच्छंदी स्त्री ९। १४ सुंदर १२। १५ अलस १३। १६ उद्दीपित ८।
१७ तत्क्षण ११। १८ समूह १७।

संदो हो निउरंबो भैरो निहंओ समूह-नामाइं ।
*इत्ताहे गाहद्धेहिं वण्णिमो वत्थुपज्जाए ॥१९

१९–लोअग्गं परमपयं मुत्ती सिद्धी सिवं च निव्वाणं ।
२०–सुद्धोअणी दसबलो सक्को सुगओ जिणो बुद्धो ॥२०
२१–सउरी दसारनाहो वइकुंठो महुमहो उविंदो य ।
२२–सूली सिवो पिणाई थाणू गिरिसो भवो संभू ॥२१
२३–कुंचारी खंदो छंमुहो विसाहो गुहो कुमारो य ।
२४–अमरा तियसा वंदारया य विबुहा सुरा देवा ॥२२
२५–अक्खंडलो सुरवई पुरंदरो वासवो सुणासीरो ।
२६–रामो सीरी मुसलाउहो बलो कामपालो य ॥२३
२७–पेआहिवो कयंतो कीणासो अंतओ जमो कालो ।
२८–वेसमणो निहिनाहो जक्खाहिवई कुबेरो य ॥२४
२९–अणिलो गंधवहो मारुओ समीरो पहंजणो पवणो ।
३०–विणयंसुओ खयराओ तक्खो पन्नयरिऊ गरुलो ॥२५
३१–उरओ अही भुअंगो भुअंगमो पन्नओ फणी भुअयो ।
३२–हुंति दइच्चा दणुआ सुररिउणो दाणवा असुरा ॥२६
३३–अब्भाइं धूमजोणी बलाहया जलहरा य जीमूआ ।
३४–खं अब्भं अंतरिक्खं वोमं नहं अंबरं गयणं ॥२७

---

* साडे अठारह गाथा तक संपूर्ण गाथा द्वारा पर्याय शब्दोंका सूचन किया गया है । अब आधी आधी गाथासे पर्याय शब्दोंको बताते हैं । १९ मुक्ति ६ । २० बुद्ध ६ । २१ उपेन्द्र ५ । २२ शिव ७ । २३ स्कंद-कार्तिकेय ६ । २४ देव ६ । २५ इन्द्र ५ । २६ राम-बलराम ५ । २७ यम ६ । २८ कुबेर ४ । २९ पवन ६ । ३० गरुड ५ । ३१ अहि-सर्प ७ । ३२ दैत्य ५ । ३३ जलधर-मेघ ५ । ३४ गगन ७ ।

३५–अंबु सलिलं वणं वारि नीरं उदयं दयं पयं तोयं ।
३६–सरिआ (सरिया) तरंगिणी निण्णया नई आवया सिंधू ॥२८
३७–वसुहा वसुंधरा वसुमई मही मेइणी धरा धरिणी ।
३८–अब्भपिसाओ राहू गहकल्लोलो विडप्पो य ॥२९
३९ ढयरो पुयाइणो पिप्पया परेया पिसल्लया भूआ ।
४०–रयणियर–जाउहाणा कव्वाया कोणवा रक्खा ॥३०
४१–मंदाइणी सुरणई गंगा भागीरही य जण्हुसुआ ।
४२–मेहा मई मणीसा विन्नाणं धी चिई बुद्धी ॥३१
४३–जइणो तवस्सिणो तावसा रिसी भिक्खुणो मुणी समणा ।
४४–मंगलपाढय–मागह–चारण–वेआलिआ बंदी ॥३२
४५–आसो सत्ती वाहो हओ तुरंगो तुरंगमो तुरओ ।
४६–संगामो संजुअं आहवं रणं संगरं समरं ॥३३
४७–रोलो रावो वयलो हलबोलो कलयलो वमालो य ।
४८–सेणा वरूहिणी वाहिणी अणीअं चमू सिन्नं ॥३४
४९–रोरो अकिंचणो दुव्विहो दरिद्दो य दुग्गओ निस्सो ।
५०–सत्तू अरी अमित्तो रिऊ अराई य पडिवक्खो ॥३५
५१–कणओ सिलीमुहो मग्गणो इसू सायओ सरो विसिहो ।
५२–पक्को सहा समत्था य पक्कला पच्चला पोढा ॥३६

---

३५ नीर–पानी ९ । ३६ नदी ६ । ३७ मही-पृथ्वी ७ । ३८ राहु ४ । ३९ पिशाच ६ । ४० राक्षस ५ । ४१ गंगा ५ । ४२ बुद्धि ७ । ४३ मुनि ७ । ४४ चारण ५ । ४५ अश्व–घोडा ७ । ४६ समर–युद्ध ६ । ४७ कलकल–कोलाहल–घोंघाट ६ । ४८ सेना ६ । ४९ निःस्व–निर्धन ६ । ५० शत्रु ६ । ५१ शर–बाण ७ । ५२ समर्थ ६ ।

५३–कोयंडं गंडीवं धम्मं धणुहं सरासणं चावं ।
५४–खग्गं असी किवाणं करवालं मंडलग्गं च ॥३७
५५–सिण्हा नीहारो धूमिआ य महिआ य धूममहिसी य ।
५६–कल्लोलो उल्लोलो उम्मी वीई तरंगो य ॥३८
५७–नीलुप्पलं वियाणह कुवलयं इंदीवरं च कंदुट्टं ।
५८–चंदुज्जयं तु कुमुअं गद्दहयं केरवं सप्फं ॥३९
५९–धयरट्ठो कायंबो हंसो धवलसउणा मरालो य ।
६०–सउला सहरो मीणो तिमी झसो अणिमिसो मच्छो ॥४०
६१–सउणो खगो सउंतो पत्तरहो अंडयो विहंगो य ।
६२–साणो भसणो इंदमहकामुआ मंडलो कविलो ॥४१
६३–पियमाहवी परहुओ कलयंठी कोइलो वणसवाई ।
६४–मोरो सिही बरहिणो सिहंडिणो नीलकंठा य ॥४२
६५–साहामओ बलिमुहो पवंगमो वाणरो कई पवओ ।
६६–पंचाणणो मयारी मयाहिवो केसरी सीहो ॥४३
६७–बलिउट्ठा रिट्ठो बुक्कणो य ढंको य कायला काया ।
६८–इल्ली पुल्ली वग्घो सद्दूलो पुंडरीओ य ॥४४
६९–नंदी तंबा बहुला गिट्ठी गोला य रोहिणी सुरही ।
७०–एणी हरिणी कमला मयी कुरंगी य सारंगी ॥४५

---

५३ धनुष ६ । ५४ खड्ग–तलवार ५ । ५५ नीहार–कुहरा ५ । ५६ तरंग ५ । ५७ नीलोत्पल ४ । ५८ कुमुद ५ । ५९ हस ५ । ६० मछली ७ । ६१ पक्षी ६ । ६२ कुत्ता ५ । ६३ कोयल ५ । ६४ मोर ५ । ६५ वानर–बंदर ६ । ६६ सिंह ५ । ६७ कौआ ६ । ६८ वाघ ५ । ६९ गउ–गाय ७ । ७० हरिणी ६ ।

७१-गोसो रयणिविरामो गोसग्गो दिणमुहं च पच्चूसो ।
७२-घम्मो तावो डाहो उम्हा उण्हं निरोहो य ॥४६
७३-अंसू रस्सो पाया करा मऊहा गहत्थिणो किरणा ।
७४-रयणी विहावरी सव्वरी निसा जामिणी राई ॥४७
७५-आलोओ उज्जोओ दित्ती भासा पहा पयासो य ।
७६-संतमसं अंधयारं धंतं तिमिरं तमिस्सं च ॥४८
७७-भवणं घरं आवासो निलयो वसही निहेलणं अगारं ।
७८-रित्थं दविणं दव्वं सारो वित्तं वसुं अत्थो ॥४९
७९-सेलो अयलो अद्दी सिलोच्चयो महिहरो धरो सिहरी ।
८०-हेमं कणयं चामीअरं पसिंडि च तवणिज्जं ॥५०
८१-वाणी वाया भणिई सरस्सई भारई गिरा भासा ।
८२-आयंको आयल्लो वाही तह आमयो रोओ ॥५१
८३-मग्गो पंथो सरणी अद्धाणं वत्तिणी पहो पयवी ।
८४-उत्तंसो अवयंसो कन्नोली कन्नऊरो य ॥५२
८५-दुरिअं कलुसं दुक्कयं अहं अहम्मो य कम्मसं पावं ।
८६-मिच्छा मोहं विहलं अलिअं असच्चं असब्भूअं ॥५३
८७-साही विडवी वच्छो महीरुहो पायवो दुमो य तरू ।
८८-कुंचेल-कुंपल-कोरय-छारय-कलिआउ मउलं ति ॥५४

---

७१ प्रातःकाल ५ । ७२ ताप ६ । ७३ किरण ७ । ७४ रात्रि ६ । ७५ प्रकाश ६ । ७६ अंधकार ५ । ७७ घर ७ । ७८ वित्त-धन ७ । ७९ पर्वत ७ । ८० कनक-सुवर्ण-सोना ५ । ८१ भाषा ७ । ८२ रोग ५ । ८३ मार्ग-रास्ता ७ । ८४ कर्णपूर-कानफूल-कानमें पहननेका गहेना ४ । ८५ पाप ७ । ८६ असत्य ६ । ८७ वृक्ष-पेड ७ । ८८ फूलकी कलि ६ ।

८९–अवलेओ अहंकारो मँओ मरट्टो मडप्फरो दप्पो ।
९०–उप्पेहडं उड्डामरं उब्भडं आडंबरिल्लं च ॥५५
९१–अहिसारिआ अइयणा य पंसुली छिंछई य दुस्सीला ।
९२–जाया पत्ती दारा घरिणी भज्जा पुरंधी य ॥५६
९३–कबरी कुंतलहारो धम्मिल्लो केसहत्थओ मउडो ।
९४–चूला सिहा सिहंडो सिंहलिआ छिंडओ चडओ ॥५७
९५–डहरो डिंभो चुल्लो सिसू सिलंबो य अब्भओ पोओ ।
९६–चेडी दिल्लिंदिलिआ य दुद्धगंधिअमुही बाला ॥५८
९७–मुत्ती गत्तं बुंदी संघयणं विग्गहो तणू काओ ।
९८–दुइओ बिइज्जओ अणुअरो सहाओ सहयरो य ॥५९
९९–चउरा निउणा कुसला छेआ विउसा बुहा य पत्तट्ठा ।
१००–मणुआ नरा मणुस्सा मच्चा तह माणवा पुरिसा ॥६०
१०१–वच्छीउत्तं जाणह य चंडिलं ण्हाविअं च रत्तीअं ।
१०२–रमणो कंतो पणई पाणसमो पिययमो दइओ ॥६१
१०३–विच्छड्डो सामिद्धी रिद्धी विहवो सिरी य संपत्ती ।
१०४–जुअलो जुआ जुआणो पुअंडओ वोद्रहो तरुणो ॥६२
१०५–विवरं कुहरं रंधं कुच्छिल्लं अंतरं कुडिल्लं च ।
१०६–ओली माला राई रिछोली आवली पंती ॥६३

---

८९ अहंकार ६ । ९० आडंबरवाला ४ । ९१ व्यभिचारिणी स्त्री ५ । ९२ गृहिणी–स्त्री ६ । ९३ केशकलाप–गुन्थे हुए केश ५ । ९४ केशकी चोटी ६ । ९५ बालक ७ । ९६ बालिका ४ । ९७ शरीर ७ । ९८ सहायक–सहचर ५ । ९९ चतुर ७ । १०० मनुष्य ६ । १०१ नाई–हजाम ४ । १०२ पति–प्रियतम ६ । १०३ श्री–वैभव ६ । १०४ युवान ६ । १०५ छिद्र ६ । १०६ श्रेणि–पङ्क्ति–हार–लाइन ६ ।

१०७–मइरेअं महुवारो सीहू सरओ मेहुं अवक्करसो ।
१०८–कायंबरी पसन्ना हाला तह वारुणी मइरा ॥६४
१०९–घोरा दारुण–भासुर–भइरव–लल्लक्क–भीम–भीसणया ।
११०–दुस्सिक्खिअ–दुच्चंडिअ–दुल्ललिआ दुव्विअद्धा य ॥६५
१११–वाउल्लो जंबुल्लो मुहुलो बहुजंपिरो य वायालो ।
११२–वुत्तंतो य उअंतो वत्ता य पउत्ति–नामाइं ॥६६
११३–कालो वेला समओ पत्थाओ अंतरं अवसरो य ।
११४–इहइं संपइ इण्हिं इत्ताहे संपयं दाणिं ॥६७
११५–चिंधाइं वेजयंतीओ पडाया सेउणो धया हुडुमा ।
११६–कुप्पासो कंचुअयो गिंधुल्लो वारबाणो य ॥६८
११७–जाण सिचयं कडिल्लं निअंसणं साहुली य परिहणयं ।
११८–चेलं वासं वसणं च अंसुअं अंबरं वत्थं ॥६९
११९–हेलो ललिअं लीला बिब्बोओ विब्भमो विलासो य ।
१२०–ईहा इच्छा वंछा सद्धा कामो य आसंसा ॥७०
१२१–बाला मूढा मंदा अयाणया बालिसा जडा मुक्खा ।
१२२–पामर–गहवइ–सेआल–कासया दोणया हलिआ ॥७१
१२३–पोरेच्छो पिसुणो मच्छरी खलो मुहुमुहो य उप्फालो ।

---

१०७ मधु–सरका–विशेष प्रकारका मद्य ६ । १०८ मदिरा–दारु ५ । १०९ घोर–भयंकर ७ । ११० दुर्विदग्ध–स्वच्छंदी ४ । १११ वाचाल ५ । ११२ समाचार ४ । ११३ वखत–समय ६ । ११४ संप्रति–हाल–वर्तमान में–अभी ६ । ११५ धजा ६ । ११६ चोली–कांचली–जनानी कुरती ४ । ११७ कटीवस्त्र–कमर पर पहननेका वस्त्र–घाघरा ५ । ११८ वस्त्र ६ । ११९ विलास ६ । १२० वांछा ६ । १२१ मूर्ख ७ । १२२ गृहपति–खेती करनेवाला ६ । १२३ खल–दुर्जन–चुगलीखोर ६ ।

१२४–कलमो कुसुमालो तक्करो य पाडच्चरो थेणो ॥७२

१२५–निद्धंधसा निसंसा निच्चुंड्डा निक्किवा अकरुणा य ।

१२६–रुंदा पीणा थूला य मंसला पीवरा थोरा ॥७३

१२७–सरिसो समो सरिच्छो संकासो सच्छहो समाणो य ।

१२८–कढिणा य कक्कसा निट्ठुरा खरा खप्पुरा फरुसा ॥७४

१२९–उत्ताणा उत्तणुआ थिन्ना थड्ढा य गव्विआ दरिआ ।

१३०–लोला लालस–लोलुअ–उल्लेहड–लंपडा लुद्धा ॥७५

१३१–सन्नं किन्नं सुठिअं उव्वायं नीसहं किलंतं च ।

१३२–आइग्गं उव्विग्गं उच्चेयं वुन्नं उत्तत्थं ॥७६

१३३–घडिअं विणिम्मिअं विहिअं आहिअं विरइअं कयं जणिअं ।

१३४–घत्थं कवलिअं असिअं विलुंपिअं वंफिअं खइअं ॥७७

१३५–सच्चविअ–दिट्ठ–पुलइअ–निअच्छिआइं निहालिअ–ऽत्थम्मि ।

१३६–पव्वोलिअं आउंबालिअं च सलिलुच्छैयं जाण ॥७८

१३७–रोमंचिअं आरेइअं ऊसलिअं पुलइअं च कंटइअं ।

१३८–पामुक्कं विच्छड्डिअं अवहत्थिअं उज्झिअं चत्तं ॥७९

१३९–निट्टुइअं खिरिअं छिप्पिअं च नीसंदिअं च पज्झरिअं ।

१४०–वेअडिअं पज्झुत्तं खचिअं विच्छुरिअयं जडिअं ॥८०

---

१२४ चोर ५ । १२५ क्रूर ५ । १२६ स्थूल–मोटा ६ । १२७ समान ६ । १२८ निष्ठुर ६ । १२९ गर्विष्ठ ६ । १३० लंपट ६ । १३१ थका हुआ ६ । १३२ उद्विग्न ५ । १३३ किया हुआ ७ । १३४ खाया हुआ ६ । १३५ देखा हुआ ५ । १३६ प्लावित–डुबाया हुआ अथवा पानी वगेरे प्रवाही पदार्थ से व्याप्त ३ । १३७ रोमांचयुक्त ५ । १३८ छोड दिया हुआ ५ । १३९ टपका हुआ ५ । १४० जडित ५ ।

१४१–वोलीणं वुक्कंतं अइच्छिअं वोलिअं अइक्कंतं ।

१४२–पडिहत्थं उद्धुमायं अहिरेमइअं च अप्फुण्णं ॥८१

१४३–हक्खुत्तं उच्छूढं उक्खित्त–उप्पाडिआइं उद्धरिअं ।

१४४–कोवासिअं विअसिअं विणिद्दं उम्मिल्लं उप्फुल्लं ॥८२

१४५–वज्जरिअं–सिद्धं–सूइअ–उप्फालिअ–पिसुणिआइं साहिअयं ।

१४६–पव्वायं वसुआयं सुसियं वायं मिलाण–ऽत्थे ॥८३

१४७–विच्छूढं उच्छित्तं पणुल्लिअं पिल्लिअं गलत्थिअयं ।

१४८–पेढोल–निअक्कल–वट्टुलाइं परिमंडल–ऽत्थम्मि ॥८४

१४९–टिविडिक्किअ–चिव्विल्लिअ–चिंचइअ–पसाहिआइं मंडिअयं ।

१५०–आलुंखिअं आलिद्धं छिक्कं छित्तं परामुसिअं ॥८५

१५१–सामग्गिअं अवयासिअं आलिंगिअयं उवऊढं ओसत्तं ।

१५२–अग्घेइ छज्जेइ रेहइ विरायए सोहए सहइ ॥८६

१५३–सइ अविरयं अविरामं अणुवेलं संतयं सया निच्चं ।

१५४–छायं छउअं लयणं तणुअं तलिणं किसं खामं ॥८७

१५५–ललिअं वग्गु मंजु मंजुलयं पेसलं कलं महुरं ।

१५६–कोमलयं सुहफंसं सोमालं पेलवं मउ य ॥८८

१५७–वियडं विउलं पिहुलं वित्थिन्नं वित्थयं उरु विसालं ।

---

१४१ बीता हुआ ५ । १४२ पूर्ण ४ । १४३ उत्क्षिप्त–ऊंचा किया हुआ ५ । १४४ विकसित ५ । १४५ सूचित–कथित ६ । १४६ म्लान ५ । १४७ विक्षिप्त–बहार निकाल दिया हुआ ५ । १४८ वर्तुल ४ । १४९ मंडित–शोभित ५ । १५० छुआ हुआ–आश्लिष्ट ५ । १५१ आलिंगित ५ । १५२ वह शोभता है ६ । १५३ नित्य ७ । १५४ कृश ७ । १५५ मधुर ७ । १५६ कोमल ५ । १५७ विशाल ७ ।

१५८–खउरिअं उच्चिवेलयं पट्टुहिअं जाण कलुसजलं ॥८९
१५९–गाढं बाढं बलियं धणियं दढं अइसएण अच्चत्थं ।
१६०–सइदंसणं सईसुहं चिंतादिट्ठम्मि सइलंभं ॥९०
१६१–अब्भासं अब्भण्णं आसन्नं सविहं अंतिअं निअडं ।
१६२–कलिअं विइअं विण्णायं अहिगयं बुज्झिअं मुणिअं ॥९१
१६३–सामलं असिअं सामं कालं कसिणं सिएअरं कण्हं ।
१६४–सेअं सिअं वलक्खं अवदायं पंडु धवलं च ॥९२
१६५–कविलं कविसं पिंगं पिसंगयं पिंगयं कडारं च ।
१६६–अरुणं सोणं रत्तं पाडलं आयंबिरं तंबं ॥९३
१६७–फसलं सबलं सारं किम्मीरं चित्तलं च बोगिल्लं ।
* इत्तो नामग्गामं गाहोचलणेसु चिंतेमि ॥९४
१६८–अमरावई सुरपुरी । १६९–तिविट्ठयं तह सुरालओ नाओ ।
१७०–अलया कुबेरनयरी । १७१–तित्थाहिवई जिणो अरहा ॥९५
१७२–कमला सिरी य लच्छी । १७३–हेरंबो गयमुहो गणाहिवई ।
१७४–रिक्खं उडु नक्खत्तं । १७५–पुन्नयणा गुज्झया जक्खा ॥९६
१७६–नंदणं अमरुज्जाणं । १७७–कणयगिरी सुरगिरी सुमेरू य ।

---

१५८ क्षुब्ध–डोला हुआ पानी–कचरा वाला पानी ४ । १५९ गाढ–अत्यधिक ७ । १६० चिन्तनदृष्ट–विचार पूर्वक देखा हुआ ४ । १६१ नजीक ६ । १६२ विदित ६ । १६३ श्याम ७ । १६४ श्वेत ६ । १६५ भूरा ६ । १६६ रक्त–लाल ६ । १६७ चितकबरा ६ । *अब इधर से गाथा के एक एक चरण द्वारा वस्तु के पर्याय रूप नाम के समूह को बताता हूँ । १६८ अमरावती २ । १६९ स्वर्ग ३ । १७० अलका २ । १७१ जिन ३ । १७२ लक्ष्मी ३ । १७३ गणेश ३ । १७४ नक्षत्र ३ । १७५ यक्ष ३ । १७६ नंदनवन २ । १७७ मेरु ३ ।

१७८–फलिहगिरी कइलासो। १७९–बिहस्सई सुरगुरू धिसणो ॥९७
१८०–वासवसुओ जयंतो । १८१–पुलोमतणया सई य इंदाणी ।
१८२–अईरावणो सुरगओ । १८३–विज्जू सोआमणी य तडी ॥ ९८
१८४–असणी वज्जं कुलिसं । १८५–सुराउहं तिअसचावं इंदधणुं ।
१८६–अंगारओ य भोमो । १८७–उसणो सुको दइच्चगुरू ॥९९
१८८–भुअणं जयं च लोओ । १८९नरनाहो पत्थिवो निवो राया ।
१९०–मित्तो सही वयंसो । १९१– मंती सइवो अमच्चो य ॥१००
१९२–अंतेवासी सीसो । १९३–छइओ छप्पण्णओ छइल्लो य ।
१९४–अड्ढा इब्भा धणिणो । १९५ बंधू सयणो सणाही य॥ १०१
१९६–विप्पो दिओ दिआई य। १९७–अंगया नंदणा सुआ तणया ।
१९८–अहिआयो कुलजायो। १९९–अणुजीवी सेवओ भिच्चो॥ १०२
२००–नीसामन्ना गरुआ । २०१- अहमा इयरा य पायया नीआ ।
२०२–रहयारा वड्ढइणो। २०३–वच्छीवा वच्छवाला य॥ १०३
२०४–सासाइं छत्तधन्नाइं । २०५–गामणी भोईओ य गामवई ।
२०६–कुंभारो य कुलालो । २०७–गोवाला वल्लवा गोवा ॥ १०४

१७८ कैलास २। १७९ बृहस्पति ३। १८० जयंत-इंद्रपुत्र २। १८१ इंद्राणी ३। १८२ ऐरावत–इद्रका हाथी २। १८३ बिजली ३। १८४ वज्र ३। १८५ इंद्रधनुष ३। १८६ मंगल ग्रह २। १८७ शुक्र ३। १८८ जगत ३। १८९ नृप ४। १९० मित्र ३। १९१ मंत्री ३। १९२ शिष्य २। १९३ रसिक पुरुष–छेल ३। १९४ धनवान ३। १९५ बंधु–स्वजन ३। १९६ विप्र–ब्राह्मण ३। १९७ पुत्री ४। १९८ कुलीन २। १९९ भृत्य–चाकर ३। २०० गुरु-माननीय–बडे लोग २। २०१ साधारण लोक-प्राकृत ४। २०२ वर्धकि–बढई–सुथार २। २०३ बाछडों के रक्षक २। २०४ धान्य–फसल २। २०५ ग्रामणी–गांव का नेता–मुखिआ ३। २०६ कुंभार २। २०७ गोवाल–ग्वाला ३।

२०८–ओवणिआ वाणिअया । २०९–मायंगा तह जणंगमा पाणा ।
२१०–पाउग्गिओ य सहिओ । २११–केवट्टो धीवरो दासो ॥१०५
२१२–बंदीओ करमरिओ । २१३–पुप्फच्चिणिआओ पुप्फलाईओ ।
२१४–थंभो थेवो बिंदू । २१५–खेव्वो हस्सो य वामणओ ॥१०६
२१६–रोअणिआ लामाओ य । २१७–मूओ मूअल्लिओ य तुण्हिक्को ।
२१८–वयपरिणामो य जरा । २१९–थेरी जरई गयवया य ॥१०७
२२०–सोवणयं रइमंदिरं । २२१–आली तह माउआ सही अत्ता ।
२२२–परयत्तो परछंदो । २२३–विक्खाओ विस्सुओ पयडो ॥१०८
२२४–नक्खा नहा कररुहा । २२५–केसा चिहुरा सिरोरुहा वाला ।
२२६–चलणा कमा य पाया । २२७–पयोहरा तह थणा सिहिणा ॥१०९
२२८–पाणी हत्था य करा । २२९–कत्ती चम्मं अइणं छवी खल्ला ।
२३०–दसणा रयणा दंता । २३१–सिरोहरा कंधरा गीवा ॥११०
२३२–वयणं मुहं च आणणं ।२३३–अच्छी नयणं च लोअणं नित्तं ।
२३४–नासा घाणं घोणा । २३५–सीसं सिरं उत्तमंगं च ॥१११
२३६–भालं अलिअं निडालं । २३७–मंसू खड्डं च मासुरी कुच्चं ।

---

२०८ बनिया २ । २०९ चांडाल ३ । २१० जुआ खेलने वाला २ । २११ धीवर–धीमर–मच्छीमार ३ । २१२ बांदी–बलात्कार से आनी हुई स्त्री २ । २१३ फुलों को चुनने वाली–मालन २ । २१४ बिंदु ३ । २१५ बौना–वामन ३ । २१६ डाईन २ । २१७ मूक–नहीं बोल सकने वाला–गूगा ३ । २१८ बूढापा २ । २१९ बूढिया ३ । २२० रतिमंदिर–शयनगृह २ । २२१ सखी ४ । २२२ पराधीन २ । २२३ विख्यात ३ । २२४ नख ३ । २२५ केश ४ । २२६ पग–पैर ३ । २२७ स्तन ३ । २२८ हाथ ३ । २२९ चमडा–खाल ५ । २३० दांत ३ । २३१ गर्दन ३ । २३२ मुख–मुह ३ । २३३ नेत्र–आख ४ । २३४ नाक ३ । २३५ माथा–सिर ३ । २३६ ललाट ३ । २३७ दाढी–मूंछ ४ ।

२३८–उअरं जढरं तुंदं । २३९–बप्फं बाहो य नयणजलं ॥११२
२४०–इंदियं अक्खं करणं । २४१–छाया कंती छवी लायण्णं ।
२४२–पिसिअं सुल्लं मंसं । २४३–कीलालं सोणिअं रुहिरं ॥११३
२४४–खुंखुणओ नक्कसिरा । २४५–वच्चं बिट्ठा पुरीसं उच्चारो ।
२४६–लंछणं अंको चिंधं । २४७–घम्मजलं समजलं सेओ ॥११४
२४८–रमणं तियं निअंबो । २४९–कच्छा कंची य मेहला रसणा ।
२५०–मुत्तावली य हारो । २५१–मउली मउडो किरीडो य ॥११५
२५२–नीरंगी अंगुट्ठी । २५३–ओहरणं भूसणं अलंकारो ।
२५४–विन्नासो विच्छित्ती । २५५–कन्नायंसो य तलवत्तं ॥११६
२५६–तलिमं तप्पं सयणं च । २५७–अंगराओ विलेवणं चच्चा ।
२५८–बोउल्ली पुत्तलिआ । २५९–विवणी तह आवणो हट्टो ॥११७
२६०–छत्ताइं आवत्ताइं । २६१–हंसयं नेउरं च मंजीरं ।
२६२–भद्दासणाइं सीहासणाइं । २६३–उवहाणं ऊसीसं ॥११८
२६४–वायायणो गवक्खो । २६५–अद्दाओ दप्पणो य आयंसो ।

---

२३८ उदर–पेट ३ । २३९ आंसु ३ । २४० इंद्रिय ३ । २४१ कांति–लावण्य ४ । २४२ मांस ३ । २४३ रुधिर–खून ३ । २४४ नाक का छेद–नसकोरा २ । २४५ विष्टा ४ । २४६ चिह्न ३ । २४७ पसीना ३ । २४८ नितंब–कामक्रीडा का साधन–रमण ३ । २४९ कमर पर पहिनने का गहेना–मेखला ४ । २५० गले में पहिनने का हार २ । २५१ मुकुट ३ । २५२ बुरखा–घूंघट २ । २५३ गहेना ३ । २५४ विन्यास २ । २५५ कान का गहेना–कर्णावतस २ । २५६ शयन ३ । २५७ विलेपन ३ । २५८ पुतली २ । २५९ हाट ३ । २६० छत्र २ । २६१ नुपूर–झांझर ३ । २६२ सिंहासन २ । २६३ सोते समय सिर के नीचे रखने का–सिरहाना–ओसीका २ । २६४ जिससे हवा आती हो वैसी खिडकी–गवाक्ष २ । २६५ आरिसा–सीसा–कांच ३ ।

२६६–वेरुलिओ वेडुज्जो । २६७–कलेहोअं रुप्पयं रययं ॥११९

२६८–सोवीरं आरनालं । २६९–नेहो पिम्मं रसो य अणुराओ ।

२७०–पीढं विट्ठरं आसणं । २७१–अहिरोहणिआ य निस्सेणी ॥१२०

२७२–सीरं हलं च नंगलं । २७३–ओउहं अत्थं च पहरणं होइ ।

२७४–मोढी कवयं उरत्थयं । २७५–असिमुट्ठी पालिआ य छरू॥१२१

२७६–चक्काइं रहंगाइं । २७७–सित्थं जीवा गुणो पडंचा य ।

२७८–तलिमं पट्टं च तलं । २७९–विवंचिआ वल्लई वीणा ॥१२२

२८०–छीरं पेयं च दुद्धं । २८१–सिसिरं दहिअं चिरड्डिहिल्लं च ।

२८२–अज्जं सप्पि च घयं । २८३–अमयं च सुहा य पीऊसं॥१२३

२८४–पारावओ कवोओ । २८५–चडओ घरघंटओ य कलविंको ।

२८६–चिल्लो घारी सउणी । २८७–भिंगारी झिल्लिआ चीरी॥१२४

२८८–चक्कायओ रहंगो । २८९–कयवाओ कुक्कुडो य तंबसिहो ।

२९०–वरलाओ हंसीओ । २९१–कणइल्लो पूसओ कीरो ॥१२५

२९२–गेहरो वेओ अ गिद्धो । २९३–सारंगो चायओ य बप्पीहो ।

२९४–पिच्छाइं पेहुणाइं । २९५–नीडं निड्डं कुलायं च ॥१२६

---

२६६ वैडूर्य मणि २ । २६७ रूपा–चांदी ३ । २६८ काजी–साबुदाना २ । २६९ स्नेह ४ । २७० आसन ३ । २७१ निसरणी–निसैनी २ । २७२ हल ३ । २७३ अस्त्र ३ । २७४ कवच–बख्तर ३ । २७५ तरवार की मूठ ३ । २७६ पैया–चक्र २ । २७७ धनुष की दोरी ४ । २७८ तलि–फरस बंदी जमीन ३ । २७९ वीणा ३ । २८० दूध ३ । २८१ दही ३ । २८२ घी ३ । २८३ अमृत ३ । २८४ कबूतर २ । २८५ चटक–चकला–गौरेया पक्षी ३ । २८६ । समडो–चील ३ । २८७ एक प्रकारका कीडा ३ । २८८ चक्रवाक २ । २८९ कूकडा ३ । २९० हंसी २ । २९१ तोता ३ । २९२ गीध ३ । २९३ चातक ३ । २९४ मोर के पीछ २ । २९५ घोंसला ३ ।

२९६–कोलो किडी वराहो । २९७–भुल्लुंकी य भसुआ महासद्दा ।
२९८–कलहो बालो हत्थी । २९९–करेणुआ गयवहू करिणी ॥१२७
३००–करिमयरो जलहत्थी । ३०१–कडुयाला कुंबरा य लहुमच्छा ।
३०२–रिच्छो य अच्छहल्लो । ३०३–लंगूलं वालही छिप्पं ॥१२८
३०४–तालूरो आवत्तो । ३०५–कुलीर-कुरुविल्लिया य कक्कडया ।
३०६–उग्गालो छिछोली । ३०७–जंबालो खंजणो पंको ॥१२९
३०८–अयडो अडो य कूवो । ३०९–मेअलकन्ना य नम्मया रेवा ।
३१०–पल्ललं अखायतलं । ३११–पुक्खरिणी दीहिआ सरसी ॥१३०
३१२–रोहो वप्पो य तडो । ३१३-सालूरा ददुरा या मंडुक्का ।
३१४–अरहट्टो घडिजंतं । ३१५–केआरो वप्पिणं वप्पो ॥१३१
३१६–नारुट्टो कूसारो । ३१७-ओहारा कमढ-कच्छहा कुम्मा ।
३१८–गोआवरी य गोला । ३१९–डिंडीरो पुप्फओ फेणो ॥१३२
३२०–उवलो गावो य सिला । ३२१–तूहं तित्थं नईए उत्तारो ।
३२२–तण्हा तिसा पिवासा । ३२३–गुहिरं अगाहं च गंभीरं ॥१३३
३२४–विरया तणुसरिआओ । ३२५–सेवालो सेवलं च जंबालो ।

---

२९६ वराह ३ । २९७ सियार मादा ३ । २९८ हाथी का बच्चा २ । २९९ हथनी ३ । ३०० जलहाथी २ । ३०१ छोटी मछली ३ । ३०२ रींछ २ । ३०३ पूछ ३ । ३०४ आवर्त–पानी का गोल गोल घूमना २ । ३०५ केंकडा – करचला ३ । ३०६ पानी का लघु – छोटा – प्रवाह २ । ३०७ पंक – कीचड ३ । ३०८ कुआ ३ । ३०९ नर्मदा ३ । ३१० छोटा तलाब २ । ३११ दीर्घिका ३ । ३१२ किनारा ३ । ३१३ मेंडक ३ । ३१४ कुंएसे पानी नीकालने का रहट २ । ३१५ क्यारा ३ । ३१६ खड्डा जैसा स्थान २ । ३१७ कछुआ ४ । ३१८ गोदावरी २ । ३१९ फीण–झाग ३ । ३२० शिला – पत्थर ३ । ३२१ नदी का घाट २ । ३२२ तृषा – प्यास ३ । ३२३ गंभीर – ऊंडा ३ । ३२४ वेरा – छोटी नदी २ । ३२५ सेवाल ३ ।

३२६–दोणीयो कुट्टिंबा। ३२७–कोटुंभो जलकरप्फालो ॥१३४
३२८–जालो अच्चीओ सिहाउ। ३२९–अद्धरा सत्ततंतुणो जन्ना।
३३०–पाया कडया साणू। ३३१–कंतारं काणणं रन्नं ॥१३५
३३२–सिंगं सिहरं कूडं। ३३३–साला साहा य साहुली डाला।
३३४–कणेई लयणी य लया। ३३५–कुसुमं पसवं पसूअं च ॥१३६
३३६–कुसुमरओ मयरंदो। ३३७–रेणू पंसू रओ पराओ य।
३३८–कोसी समी य सिंबा। ३३९–दलं पलासं छयं पत्तं ॥१३७
३४०–छल्ली तया चुडुप्पं। ३४१–किसलयाइं पल्लवा पवाला य।
३४२–तिगिच्छी कमलरओ। ३४३–मलओ उज्जाणं आरामो॥१३८
३४४–जलहरणं आलवालं। ३४५–तोमरिगुंडी य मंजरीगुंडी।
३४६–वेल्लीउ वल्लरीओ। ३४७–थवया गुच्छा गुलुच्छा य ॥१३९
३४८–पत्तसमिद्धं पत्तलं। ३४९–आमेला चुम्भेला य सेहरया।
३५०–मल्लं माला दामं। ३५१–सद्दालं सिंजिरं कणिरं ॥१४०
३५२–उम्मोलो निम्मल्लं। ३५३–गुविलं कलिलं च वल्लरं गहणं।

---

३२६ द्रोणी–जहाज २। ३२७ तैरते समय पानी पर हाथका आघात करना २। ३२८ ज्वाला ३। ३२९ यज्ञ ३। ३३० सानु – पर्वतका मूल भाग ३। ३३१ अरण्य ३। ३३२ शिखर ३। ३३३ डाली–शाखा ४। ३३४ लता ३। ३३५ फूल–कुसुम ३। ३३६ मकरंद २। ३३७ पराग–रज ४। ३३८ सेम–शिंग–बालोल वगेरे की शिंग–फली ३। ३३९ पत्ता ४। ३४० छाल ३। ३४१ नया अंकुर–किसलय ३। ३४२ कमल की रज २। ३४३ उद्यान–बगीचा ३। ३४४ पानी ले जानेकी नीक–क्यारा–आलवाल २। ३४५ मजरीगुंडी–विशेष प्रकारकी लता २। ३४६ वल्ली २। ३४७ गुच्छा ३। ३४८ बहुत पतला–तीक्ष्ण २। ३४९ शेखरक–छोगा–चोगा ३। ३५० माला ३। ३५१ नुपूर ३। ३५२ निर्माल्य २। ३५३ गुपिल–गहन ४।

३५४–दांवो दवो वणग्गी । ३५५–खंधग्गी खोडपज्जाली ॥१४१
३५६–वेल्लरं अरन्नछित्तं । ३५७–गुट्ठं तह गोउलं वओ घोसो ।
३५८–छिप्पीरं च पलालं । ३५९–छेलं अवएसो निहं च मिसं ॥१४२
३६०–थूणा दिअली वेली । ३६१–टंकछिण्णं झसं च छिण्णयडं ।
३६२–पक्कं पिक्कं परिणयं । ३६३–इक्खू उच्छू य उच्छुवणं ॥१४३
३६४–वंसो वेणू वेलू य । ३६५–वंजुलो वेडसो य वाणीरो ।
३६६–तह जासुअणो य जवा । ३६७–फलिणी पियमा पियंगू य ॥१४४
३६८–सिंदोलं खज्जूरं । ३६९–अंबो मायंद चूअ-सहयारा ।
३७०–तरवट्टो पामाडो । ३७१–अंबिलिओ चिंचिणी चिंचा ॥१४५
३७२–कोहलिआ कोहंडी । ३७३–बरुओ सामुंडुओ भमासो य ।
३७४–हयमारो कणवीरो । ३७५–सुलसा तह मंजुआ तुलसी ॥१४६
३७६–मयणाही कत्थूरी । ३७७–मलयरुहं चंदणं च इक्कंगं ।
३७८–घणसारो कप्पूरो । ३७९–आमोओ परिमलो गंधो ॥१४७
३८०–बिंबवयं भल्लायं । ३८१–पोअइआ य वयली मयाली य ।
३८२–कंटुल्लं कंकोडं । ३८३–मालूरं सिरिहलं बिल्लं ॥१४८

३५४ दावानल–वन की अग्नि २ । ३५५ मोटी लकडी की अग्नि २ । ३५६ अरण्यक्षेत्र २ । ३५७ गोकुल–गोष्ठ ४ । ३५८ घासफूस–पराल २ । ३५९ मिष–बहाना ४ । ३६० स्थूणा–खूंटी २ । ३६१ टंक से छिन्न ३ । ३६२ पका हुआ ३ । ३६३ इक्षु–सेलडी–ईख ३ । ३६४ वंश–बांस ३ । ३६५ बेंत–नेतर ३ । ३६६ जपा–जासुद २ । ३६७ प्रियंगु वृक्ष ३ । ३६८ खजूर २ । ३६९ आम ४ । ३७० एक प्रकारका पेड २ । ३७१ आंबली-इमली ३ । ३७२ कोहले की वेल २ । ३७३ बरू–एक प्रकार की घास ३ । ३७४ कणेर २ । ३७५ तुलसी ३ । ३७६ कस्तूरी २ । ३७७ चंदन ३ । ३७८ कपूर २ । ३७९ सुगंध ३ । ३८० भिलामा २ । ३८१ निद्रा लाने वाली लता ३ । ३८२ कंकोडा २ । ३८३ बीला–बिल्व ३ ।

३८४–अमिलोणो कोरंटो । ३८५–नलेयं लामंजयं उसीरं च ।
३८६–पुन्नाओ सुरवन्नी । ३८७–भिसिणी नलिणी कमलिणी य ॥१४९
३८८–सुरगोवो इंदोवो । ३८९–कोलिअयो उन्ननाह-मक्कडया ।
३९०–मज्जारीओ बिरालीओ । ३९१–रासहो गद्दहो य खरो ॥१५०
३९२–भोओ फडा फण-ऽत्थे । ३९३–कुंदुल्लुआ-कोसिओ उलूआ य ।
३९४–रोमंथो उग्गालो । ३९५–उक्खा वसहा य वच्छाणा ॥१५१
३९६–जंतू सत्ता भूआ य । ३९७–कोल्हुआ जंबुआ य गोमाऊ ।
३९८–उडवो तावसगेहं । ३९९–गामहणं खेडयं पद्दं ॥१५२
४००–दुद्दोली दुव्वाली य । ४०१–फुंफमा कोउआ करीसग्गी ।
४०२–पत्थारी सत्थरओ । ४०३–लेद्दुको लेट्ठुओ लेट्ठू ॥१५३
४०४–वारिज्जयं विवाहो । ४०५–तग्गयमण-तप्परा य तल्लिच्छा ।
४०६–तुप्पाइं कोउआइं । ४०७–पईव-पच्चत्थिणो वामा ॥१५४
४०८–दलिअं दारुं कट्ठं । ४०९–पत्थयणं संबलं च पाहिज्जं ।
४१०–भावो वत्थु पयत्थो । ४११–खुज्जं कुडिया कुडिल्लं च ॥१५५

---

३८४ कोरंट वृक्ष २ । ३८५ मृणाल–कमल के तंतु ३ । ३८६ पुंनाग २ । ३८७ कमलिनी ३ । ३८८ इंद्र गोप नामका कीडा २ । ३८९ मकडी ३ । ३९० बिल्ली २ । ३९१ गर्दभ–गधा ३ । ३९२ सापकी फणा ३ । ३९३ उल्लू ३ । ३९४ जुगाली करना २ । ३९५ बैल–वृषभ ३ । ३९६ जतु ३ । ३९७ सियार ३ । ३९८ तापस की झोंपडी २ । ३९९ खेडा–गाँव २ । ४०० वृक्षघटा–वृक्ष की श्रेणी अथवा हरी हरी दूब २ । ४०१ कडे की आग ३ । ४०२ बिछौना २ । ४०३ ढेला ३ । ४०४ विवाह २ । ४०५ तत्पर ३ । ४०६ कौतुक २ । ४०७ वाम–विरोधी ३ । ४०८ काष्ठ ३ । ४०९ मुसाफरी में साथ लिया हुआ खाने का भोजन–पाथेय–भाता ३ । ४१० पदार्थ–वस्तु ३ । ४११ कुब्ज–कूबडा ३ ।

४१२-इंदमहो कोमारो। ४१३-कोउअ-कुड्डाइं कोउहल्लम्मि।
४१४-सुरेही महू वसंतो। ४१५-वासोरत्तो य घणसमओ॥१५६
४१६-मोया कवडं कइअवं।४१७-अहा दिणा वासरा दिआ दिअहा।
४१८-तुहिणं हिमं तुसारं। ४१९-घणनिवहो कालिआ महिआ॥१५७
४२०-कुणवं सवं च मडयं। ४२१-पेअवणं पिउवणं मसाणं च।
४२२-इंगालो अंगारो। ४२३-खायं तह खाइआ परिहा॥१५८
४२४-ओवाइअं नवसिअं। ४२५-विग्घा पच्चूहं अंतराया य।
४२६-वेयल्लं असामत्थं। ४२७-सुहं आणंदो सुहेल्ली य॥१५९
४२८-उग्घाओ आरंभो। ४२९-संखेवो संगहो समासो य।
४३०-निच्चं निअयं सासयं। ४३१-अव्वाहारो अणालवओ॥१६०
४३२-वावडया अक्खणिआ।४३३-सन्ना गुत्तं च नामं अहिहाणं।
४३४-अत्ती विअणा पीडा। ४३५-संरंभो अमरिसो मन्नू॥१६१
४३६-मुल्लाइं वेअणाइं। ४३७-पच्चग्गं अहिणवं च सज्जुक्कं।
४३८-ओवायो पमुहं उरो। ४३९-हेला य अणायरो रीढा॥१६२

---

४१२ इंद्रमह-कुमारी में पैदा हुआ २। ४१३ कुतूहल ३। ४१४ वसंत ऋतु ३। ४१५ वर्षा ऋतु २। ४१६ कपट ३। ४१७ दिवस ५। ४१८ हिम ३। ४१९ मेघघटा-मेघका समूह ३। ४२० मुडदा-मृतक ३।४२१ श्मशान-मसाण ३। ४२२ अंगारा २। ४२३ खाई ३। ४२४ उपयाचित-मनौती २। ४२५ विघ्न ३। ४२६ असामर्थ्य २। ४२७ आनंद ३। ४२८ आरंभ-शरूआत २। ४२९ संक्षेप ३। ४३० नित्य ३। ४३१ अव्याहार-बोलना नहीं २। ४३२ अक्षणिका-स्त्री पुरुष की विपरील रतिक्रीडा २। ४३३ नाम ४। ४३४ पीडा ३। ४३५ मन्यु-क्रोध ३। ४३६ मूल्य २। ४३७ प्रत्यग्र-ताजा ३। ४३८ आपात-मुख्यता ३। ४३९ अनादर ३।

४४०-जाण करंबं तोत्तर्डि। ४४१-अनरत्तयं अणुसयं च अणुतावं।
४४२-कूरं चंडं ओअणं । ४४३-ओणयं ओयत्तं ओमत्थं ॥१६३
४४४-थामं सारं च बलं। ४४५-थेवं लेसो लवो कला मत्ता।
४४६-सारिच्छं समसीसी। ४४७-अदिही अरई य रणरणओ ॥१६४
४४८-इत्तोप्पं एअप्पभिइ। ४४९-संभमो आयरो पयत्तो य।
४५०-मंतुं विलियं विप्पियं। ४५१-अच्छेरियं अब्भुअं चुज्जं ॥१६५
४५२-दीहत्तणं आयामो। ४५३-चवेलं चडुलं च चंचलं तरलं।
४५४-एमेय मुहा मुहिआ। ४५५-केली नम्मं च परिहासो ॥१६६
४५६-पलयो निहणं नासो। ४५७-पुण्णं सुकयं च भागहेयं च।
४५८-हित्थं विलियं लज्जिअं। ४५९-अत्थाणी तह सहा परिसा ॥१६७
४६०-उन्नाहो उस्सेहो। ४६१-विक्खंभो वित्थरो य परिणाहो।
४६२-परिरंभणं अवरुंडणं। ४६३-ओमोओ पहरिसो तोसो ॥१६८
४६४-नट्टं लासं तंडवं। ४६५-अणुपुव्वी-परंपराउ परिवाडी।
४६६-आरक्खो पुररक्खो। ४६७-अब्भासो गुणणिआ जुग्गो ॥१६९

---

४४० दहीं और चावल के मिश्रण से बना हुआ खाद्य पदार्थ-करंबा ३। ४४१ अनुताप-पश्चात्ताप ३। ४४२ ओदन-भात ३। ४४३ अवनत ३। ४४४ बल ३। ४४५ लेश-थोडा ५। ४४६ सादृश्य-बराबरी-स्पर्धा २। ४४७ अरति-अधैर्य-उत्सुकता ३। ४४८ यहां से शुरू करके २। ४४९ आदर ३। ४५० विप्रिय ३। ४५१ आश्चर्य ३। ४५२ आयाम-लम्बाई २। ४५३ चपल ४। ४५४ एवमेव-व्यर्थ ३। ४५५ परिहास ३। ४५६ नाश ३। ४५७ पुण्य-भाग्य ३। ४५८ लज्जित ३। ४५९ सभा ३। ४६० उन्नाह-ऊंचाई २। ४६१ विस्तार ३। ४६२ परिरंभण-आलिंगन २। ४६३ तोष-आनन्द ३। ४६४ नाट्य-नृत्य ३। ४६५ परंपरा-क्रम ३। ४६६ पुररक्षक-कोटवाल २। ४६७ अभ्यास-बारबार करना ३।

४६८–अवेहिअं इक्कग्गमणं। ४६९-तद्दिअसिअ-दिअसिआइं अणुदिअहं।
४७०–ओलुग्गो नित्थामो। ४७१–दुज्जायं आवया वसणं ॥१७०
४७२–छुट्टं मडहं लहुअं। ४७३–रप्फा वेम्मीअ-वामलूरा य।
४७४–पायालं च रसायलं। ४७५–आउलं आहित्थं उप्पित्थं ॥१७१
४७६–वेसाहो मंथाणो। ४७७–सीलुट्टं चिब्भिडं च वालुंकं।
४७८–कुंभो कुंडो य कलसो। ४७९–पिढरो ढमरो य कोलंबो ॥१७२
४८०–कुडिलं वंकं भंगुरं। ४८१–ओएसो सासणं च निद्देसो।
४८२–खिप्पं तुरिअं सिग्घं। ४८३–छेओ पेरंत-अद्धंता ॥१७३
४८४–दीहं दीहरं आययं। ४८५–अहिउत्तो उज्जओ य उज्जुत्तो।
४८६–कल्लो संत्थो य पडू। ४८७–हढो य मड्डा बलामोडी ॥१७४
४८८-पउणं निरायं उज्जुयं। ४८९–ओलइअं परिहिअं पिणद्धं च।
४९०–अवरिल्लं उत्तरिज्जं। ४९१–उअट्टी उच्चओ नीवी ॥१७५
४९२–दुद्धिअं अलाबु तुंबं। ४९३–निबंधणं कारणं निआणं च।
४९४–विलओ सूरत्थमणं। ४९५–संखोहो संभमो तासो ॥१७६

४६८ एकाग्रमन २। ४६९ अनुदिवस–निरंतर ३। ४७० अवरुग्ण–रोगी २। ४७१ व्यसन ३। ४७२ लघु ३। ४७३ राफडा–बांबी ३। ४७४ पाताल २। ४७५ आकुल ३। ४७६ विलोने का दंड–रवाया २। ४७७ चीभडा ३। ४७८ कुंभ ३। ४७९ पिठर–थाली ३। ४८० कुटिल–टेढा ३। ४८१ आदेश–आज्ञा ३। ४८२ शीघ्र ३। ४८३ पर्यंत ३। ४८४ दीर्घ ३। ४८५ उद्यत ३। ४८६ पटु–निरोगी ३। ४८७ हठ–बलात्कार ३। ४८८ ऋजु–सरल ३। ४८९ पिनद्ध–पहिना हुआ ३। ४९० उत्तरीय–पहिना हुआ ऊपरका वस्त्र २। ४९१ नीवी–नाडी ३। ४९२ दूधी–लकडी ३। ४९३ कारण ३। ४९४ सूर्यका अस्त होना २। ४९५ त्रास ३।

४९६–उल्लूरिअं उक्कडिअं। ४९७–जिघिअं ओसिंघिअं च अग्घायं।
४९८–निव्विट्टं उवहुत्तं। ४९९–तिरोहिअं पिहिअं अंतरिअं॥१७७
५००–उद्दालिअं अच्छिन्नं। ५०१–अक्खित्तं अंछिअं च कड्ढिअयं।
५०२–पन्नोडिअयं परिहट्टिअं च। ५०३–ओसरिअं ओसक्कं॥१७८
५०४–उत्थल्लिअं उच्छलिअं। ५०५–पच्छोइअ-नूमिआइं वइआइं।
५०६–निद्धाडिअयं नीणिअं। ५०७–ओहीरंतं च सीअंतं॥१७९
५०८–उन्नोलिअं उन्नामिअं। ५०९–उवगयं उवसप्पिअं च अल्लीणं।
५१०–चुण्णेइअं चुण्णाहयं। ५११–उच्चिडिमं मुक्कमज्जायं॥१८०
५१२–उद्धंकयं ऊसविअं। ५१३–फुडिअं फुलिअं च दलिअं उद्धरिअं।
५१४–संवेल्लिअं मउलिअं। ५१५–परिहोयं दुब्बलं झीणं॥१८१
५१६–मुसुमूरिअयं चुण्णिअं। ५१७–उड्डिहिअ-उक्खोडिआइं उक्खित्तं।
५१८–मुरुमुरिअं रूरुइअं। ५१९–उन्नुइअं भुंकिअं जाण॥१८२
५२०–अवेचिअं उच्चिणिअ-ऽत्थे। ५२१–तंडिअं तड्डविअयं विरल्लिअयं।
५२२–उव्वेमिअं उग्गिलिअं। ५२३–छुहाइअं भुक्खिअं छायं॥१८३

---

४९६ तोडा हुआ २। ४९७ सुंघा हुआ ३। ४९८ उपभुक्त २। ४९९ पिहित–ढका हुआ ३। ५०० फाडा हुआ २। ५०१ आक्षिप्त–खिंचा हुआ ३। ५०२ दबाया हुआ २। ५०३ पीछे हटा हुआ २। ५०४ ऊछला हुआ २। ५०५ वाडसे ढका हुआ ३। ५०६ बहार निकाला हुआ २। ५०७ सोया हुआ २। ५०८ नमाया हुआ २। ५०९ उपगत–पासमें आया हुआ–आश्रित ३। ५१० चूर्ण किया हुआ २। ५११ मर्यादारहित २। ५१२ ऊचा किया हुआ २। ५१३ स्फुटित–खिला हुआ ४। ५१४ संवेष्टित २। ५१५ क्षीण ३। ५१६ चूरा किया हुआ २। ५१७ उत्क्षिप्त ३। ५१८ कामचिंता–उत्सुकता २। ५१९ कुत्ते का भोंकना २। ५२० अपचित २। ५२१ विस्तीर्ण–तना हुआ ३। ५२२ उद्वमित २। ५२३ क्षुधार्त ३।

५२४–तोडिअं आओडिअयं। ५२५–निसुअं आयण्णिअं निसामिअयं।
५२६–पज्जत्तं च पहुत्तं। ५२७–पणामिअं दिण्णं उवणीअं ॥१८४
५२८–संदिद्धं संसइअं। ५२९–घोलिअ-ढुंढुल्लिआइं भमिअ-ऽत्थे।
५३०–संदिट्ठं अप्पाहिअं। ५३१–उल्लं तिंत्तं च तण्णायं ॥१८५
५३२–रंखोलिरं पहोलिरं। ५३३–उव्वेल्लं पसरिअं पयल्लं च।
५३४–संकोडिअं निउंचिअं। ५३५–उत्तेजिअयं च तोरविअं ॥१८६
५३६–ऊसित्तं ओलित्तं। ५३७–पयारिअं वंचिअं च वेलविअं।
५३८–उब्भोलिअं उप्पुणिअं। ५३९–लहुइअं ओहामिअं तुलिअं ॥१८७
५४०–पडिवन्नं अब्भुवगयं। ५४१–चिहेविअं विउडिअं विणासिअयं।
५४२–अइसइअं च विसेसिअं। ५४३–उम्मुट्ठं पुंछिअं फुसिअं ॥१८८
५४४–विक्खित्तयं पइण्णं। ५४५–खित्तं निग्घत्तिअं च आइद्धं।
५४६–उग्गाहिअं उच्चालिअं। ५४७–अंकुसइअं अंकुसायारं ॥१८९
५४८–ओवडिअं अब्भिडिअं। ५४९–अहिद्दुयं पीडिअं परद्धं च।
५५०–पम्हुट्ठं विम्हरिअं। ५५१–चुलुचुलिअं फंदिअं फुरिअं ॥१९०
५५२–भट्ठं फिडिअं चुक्कं। ५५३–परिहूअं अहिलिअं पराहूअं।

---

५२४ ताडित २। ५२५ आकर्णित–सुना हुआ ३। ५२६ पर्याप्त–बहुत २। ५२७ दत्त ३। ५२८ संदिग्ध २। ५२९ भ्रमित ३। ५३० संदिष्ट २। ५३१ आर्द्र–गिला ३। ५३२ डोलने वाला २। ५३३ प्रसृत–फैला हुआ ३। ५३४ निकुंचित २। ५३५ उत्तेजित २। ५३६ अवसिक्त २। ५३७ वंचित ३। ५३८ उद्भालित २। ५३९ तुलित ३। ५४० स्वीकार किया हुआ २। ५४१ विनाशित ३। ५४२ विशेषित २। ५४३ छुआ हुआ–स्पृष्ट ३। ५४४ विक्षिप्त २। ५४५ क्षिप्त ३। ५४६ उच्चालित २। ५४७ अंकुशित २। ५४८ आपतित २। ५४९ पीडित ३। ५५० विस्मृत २। ५५१ हिला हुआ ३। ५५२ भ्रष्ट ३। ५५३ हारा हुआ ३।

५८२-कज्जलइअं कसणिअं। ५८३-कयपरिवेसं परिक्खित्तं ॥१९८

५८४-वेढिअयं परिआलिअं। ५८५-उत्थेरिअ-ओवग्गिआइं अक्कंतं।

५८६-परिलीणं च निलीणं। ५८७-गंधुग्गिरेणम्मि निम्महिअं॥१९९

५८८-निव्वडिअं निम्मायं। ५८९-दाविअयं दंसिअं च दक्खविअं।

५९०-तिक्खालिअं निसाअं। ५९१-पुलुट्ठयं पउलिअं दड्ढं ॥२००

५९२-पल्हत्थिअं उल्लंडिअं। ५९३-उच्छुण्णं मद्दिअं च निद्दलिअं।

५९४-पेसविअं पट्ठविअं। ५९५-घडिअं लग्गं च संसत्तं ॥२०१

५९६-पयलाइ ओहीरइ। ५९७-सक्कइ चयइ य तरेइ पारेई।

* अव्वोछिन्नं वुच्छं संपइ इक्किक्कं अहिहाणं ॥२०२

५९८-करडा कुंजरगंडा। ५९९-आलाणो हत्थिबंधणक्खंभो।

६००-करिबंधणं अक्खायं उवओ। ६०१-वारणमओ दाणं ॥२०३

६०२-रवं अलसं कलमंजुलं। ६०३-ओरल्लि महुरदीहरं जाण।

६०४-सुइविरसं गद्दब्भं च। ६०५-गग्गरं कंठदरखलिअं ॥२०४

---

५८२ काजल वाला २। ५८३ परिक्षिप्त २। ५८४ वेष्टित २। ५८५ आक्रांत ३। ५८६ निलीन २। ५८७ गंध का फैलना-निर्मथित २। ५८८ बनाया हुआ २। ५८९ दिखाया हुआ ३। ५९० तीक्ष्ण किया हुआ २। ५९१ जला हुआ ३। ५९२ विरेचित-बहार निकलवाया हुआ २। ५९३ मर्दित ३। ५९४ प्रस्थापित २। ५९५ संसक्त ३। ५९६ सोता है २। ५९७ समर्थ होता है ४। * अब इधरसे अविच्छिन्न भावसे समग्रतया आखिर तक एक एक पर्याय कहूंगा। ५९८ करट-हाथी का गंडस्थल २। ५९९ हाथी को बांधने का स्तंभ २। ६०० करिबंधन-हाथी को पकडने के लिए बनाया हुआ खड्डा ३। ६०१ हाथी का मद २। ६०२ मंद-धीमा-मधुर शब्द युक्त ३। ६०३ लम्बा मधुर शब्द २। ६०४ गधे के अवाज के समान सुनने में विरस २। ६०५ गद्गद अवाज २।

६०६–ओऊलं पालंबं । ६०७–हरिअंदणं अमरचंदणं जाण ।
६०८–जच्चतुरंगं भायलं । ६०९–आयावलयं अरुणतावं ॥२०५
६१०–सीमंतिअं दुहाविअं। ६११–अपच्छिमं चरमं। ६१२–उद्धुरं उच्चं।
६१३–वायणयं च पहेणयं । ६१४–इंगोली उच्छुगंडीरी ॥२०६
६१५-विसढं विसमं।६१६ वियलिअं उच्चत्तं।६१७-कत्तिय-आसिणा सरओ।
६१८–सिसिरो फग्गुण-माहो । ६१९–हेमंतो पोस-मग्गसिरो ॥२०७
६२०–दुप्पेरियल्लं असक्कं । ६२१–पुक्काओ अलिअपोरुसालावा ।
६२२-पुंजायं पिंडलइअं। ६२३–उऊ रिऊ। ६२४-चोत्तओ तोत्तो ॥२०८
६२५–उवयारो पुप्फबली । ६२६–कुसुमं कालिंजणीए ताविच्छं ।
६२७-जवसं गवित्तं। ६२८-उलेवी वीरणं। ६२९–ओलावओ सेणो ॥२०९
६३०–अग्गक्खंधो अणिअं । ६३१–पाडुंची तुरयदेहपिंजरणं ।
६३२–गरलं विसं। ६३३–विसाणं सिंगं। ६३४–रज्जू वरत्ता य ॥२१०

---

६०६ प्रालंब–झूमणा २ । ६०७ हरिचंदन २ । ६०८ उत्तम घोडा २ । ६०९ अरुणताप–अरुणोदय २ । ६१० सिर के बालो में दो भाग किया हुआ २ । ६११ अंतिम २ । ६१२ ऊँचा २ । ६१३ वायणा–भोजन का बांटना–वारी वारी से भोजन के लिए जाना २ । ६१४ इख की गंडेरी २ । ६१५ विषम २ । ६१६ उत्त्यक्त २ । ६१७ शरद–कार्तिक और आसो १ । ६१८ शिशिर–फागुण और महा मास १ । ६१९ हेमत–पोस और मिगसिर १ । ६२० अशक्त २ । ६२१ पौरुष का मिथ्या घमंड–झूठा पुरुषपणे का आलाप–पोक मूकना २ । ६२२ पुंज–ढिग २ । ६२३ ऋतु २ । ६२४ हांकने के लिए बैल को मारने की आर वाली लाठी २ । ६२५ उपचार–पुष्प का बलि चढ़ाना–पुष्पपूजा २ । ६२६ तापिच्छ–तमाल के पेड का फूल १ । ६२७ गवत–पशु का खाद्य घास–खाण २ । ६२८ वीरण–पानी को ठंडा और सुगंधी करने वाला घास २ । ६२९ श्येन २ । ६३० अनीक–सेना २ । ६३१ घोडे के शरीर का शृंगार १ । ६३२ विष २ । ६३३ सिंग २ । ६३४ रस्सी–बैलों द्वारा कुंआ से पानी निकालने की रस्सी–बरत २ ।

६३५-जगेलं पिंगलेसरओ । ६३६-विंटसुरा पिट्ठखउरिआ मइरा ।
६३७-हिज्जो कल्लं। ६३८-निव्वं पडैलं। ६३९-कोहिल्लिआ तवेओ ॥२११
६४०-अणुरोहो दक्खिण्णं। ६४१-लग्गणओ पडिहुओ। ६४२-दरं अद्धं।
६४३-हीरइ जं आणंदे वत्थं तं पुण्णवत्तं ति ॥२१२
६४४-संजविअं संगोविअं। ६४५-अणुहूअं माणिअं। ६४६-सुई वेओ।
६४७-पासायस्सोवरि जा साला सा चंद्रसोल त्ति ॥२१३
६४८-निब्भरं अइसयभरिअं। ६४९-पत्थरिअं अत्थुअं। ६५०-छेडा छंटा।
६५१-रोसेणं उण्हिकं वयणं जं तं थुहंकिअयं ॥२१४
६५२-साहिज्जं अत्थारो। ६५३-हिरिबेरो वालजो। ६५४-भिसी सारी।
६५५-जं पिच्छइ तं वंछइ जो सो जंपिच्छिओ भणिओ ॥२१५
६५६-पच्चाएसं दिट्टंतं । ६५७-ओज्झरं निज्झरं । ६५८-दुहं दुक्खं ।
६५९-कयगंठि थणोवरि विरइअंसुअं गिंधुअं जाण ॥२१६

---

६३५ मध का नीचे जमा हुआ भाग २ । ६३६ मदिरा ३ । ६३७ कल २ । ६३८ छप्पर या घर पर छाया हुआ पानी को बहने वाला कवेलु-नेवा-पडाल २ । ६३९ रोटी पकाने का मिट्टी या लोहे का तवा २ । ६४० दाक्षिण्य २ । ६४१ प्रतिभू-जामीन २ । ६४२ अर्ध-आधा २ । ६४३ आनंद प्रमोद में जिस वस्त्र को हरा जाय-खींचा जाय वह पुण्य वस्त्र १ । ६४४ बराबर व्यवस्थित रखा हुआ केशकलाप-संगोपित २ । ६४५ अनुभूत २ । ६४६ ऋग्वेद आदि २ । ६४७ चंद्रशाला-अगासी-छत-मकान के ऊपर का खुला भाग १ । ६४८ निर्भर २ । ६४९ विस्तीर्ण २ । ६५० छटा २ । ६५१ रोष से निकला हुआ गरम गरम वचन १ । ६५२ साहाय्य २ । ६५३ ह्रीबेर-पानी को सुगंधित तथा ठंडा रखने वाला घास २ । ६५४ ऋषिको बैठने का आसन २ । ६५५ जिसको देखता है उसको चाहने वाला १ । ६५६ दृष्टान्त २ । ६५७ निर्झर २ । ६५८ दुःख २ । ६५९ स्तन ऊपर गांठ आवे इस तरह बनाया हुआ पहिना हुआ वस्त्र १ ।

६६० पडिमा पेडिबिंबं। ६६१-कज्जवो कयवरो। ६६२-विओणं उंल्लोओ।
६६३-उभओवासुत्थल्लणं उच्चत्तवरत्तयं भणिअं ॥२१७
६६४-रिक्कं रित्तं। ६६५-पत्ताइं भायणाइं। ६६६-सिरिद्दहो पंविआ।
६६७-मुहविकोणो छिव्वोल्लिउ त्ति जो निंदणत्थम्मि ॥२१८
६६८-दिट्ठं विहाविअं।६६९-मिंढिओओ अविलाओ।६७०-सेरिही मंहिसी।
६७१-परिपोसउ त्ति छेत्ते जो पुरिसो सुअइ राईए ॥२१९
६७२-घुसिणं कुंकुमं।६७३-उक्का चुडुली।६७४-खोणी खणी।६७५ कुंढ कूवं।
६७६-उच्छंटउ त्ति तुरिअयरचोरिआहत्थवावारो ॥२२०
६७७-बंद्धं संगिल्लं। ६७८-तणुरुहाइं रोमाइं। ६७९-चित्तओ दीवी।
६८०-हुत्तवयं जस्संते सुव्वइ तं तस्स सुमुह त्ति ॥२२१
६८१-कूलं तीरं। ६८२-असोओ कंकेल्ली। ६८३-रंजणो अलिंजरओ।
६८४-खुंन्नं च मंढिअं। ६८५-ऊढा परिणीआ। ६८६-मिहुणयं जुअलं॥२२२

---

६६० प्रतिबिंब २। ६६१ कचरा २। ६६२ चदुआ २। ६६३ दोनों बाजु से ऊंचा नीचा करना १। ६६४ रिक्त–खाली २। ६६५ पात्र २। ६६६ श्रीद्रह–पक्षीओं के लिए पानी पीने का पात्र २। ६६७ निंदा सूचक मुखभाव–मुख की निंदा सूचक आकृति–मुह बिगाडना १। ६६८ निरीक्षित २। ६६९ मेषी–मेंढी २। ६७० भेंस २। ६७१ रात्रि के समय खेत की रखवाली के लिए खेत में जाकर सोने वाला पुरूष १। ६७२ कुकुम २। ६७३ उल्का २। ६७४ खान २। ६७५ चुराई हुइ चीज की खोज के लिए प्रयास करना २। ६७६ शीघ्रता पूर्वक चोरी करने के लिए हाथ चलाना १। ६७७ बद्ध–संग युक्त २। ६७८ रोम–रोंगटे २। ६७९ चित्ता–चितकबरा बाघ २। ६८० सुमुख–जिसके पास बेठ कर सुना जाय वह सुमुख १। ६८१ तीर–किनारा २। ६८२ अशोक वृक्ष–आसोपालव २। ६८३ बडा कुंडा २। ६८४ मढा हुआ २। ६८५ विवाहित स्त्री २। ६८६ युगल–जोडा २।

६८७-उेअ पिच्छ। ६८८-धरेइ जीवेइ ६८९-दुच्चं दूअत्तणं। ६९०-दिसो आसा।
६९१ संखायं थीणं। ६९२-संदणो रेहो। ६९३-सारही सूओ ॥२२३
६९४-रोसाणिअं मंसिणिअं। ६९५-वंणं पहारो। ६९६-पयामं अणुपुव्वं।
६९७-लंचो उक्कोडा। ६९८-सारहं महुं। ६९९-बाहिरं बाहिं ॥२२४
७००-वुत्थो वसिओ। ७०१-वत्थी अवाणं। ७०२-आहोरणो गयारोहो।
७०३-खत्तं खन्नं। ७०४- साहू सुअणो। ७०५-खेआलुओ असहो ॥२२५
७०६-लहुदारु किलिंचं। ७०७-मंथरो कुसुंभी। ७०८ तुरंगिआ वडवा।
७०९-संखो कंबू। ७१०-गेयं गंधव्वं। ७११-बंधणं बिंटं ॥२२६
७१२-सीमा मेरा। ७१३-वासं वुट्ठी। ७१४-हालाहलो य बंभणिआ।
७१५-कारू सिप्पी। ७१६-करहो कमेलओ। ७१७-रोहिओ रोज्झो ॥२२७
७१८-केऊरं अंगयं। ७१९-विद्दुमं पवालं। ७२०-कणेड्डिआ गुंजा।
७२१-झाडं कुडंगओ। ७२२-कलुसं आविलं। ७२३-सित्थयं मयणं ॥२२८

---

६८७ देखो २। ६८८ वह जीता है २। ६८९ दूतपना २। ६९० दिशा २। ६९१ जमा हुआ घी वगेरे प्रवाही पदार्थ २। ६९२ रथ २। ६९३ रथ हांकनेवाला २। ६९४ चमकिला बनाया हुआ २। ६९५ लगा हुआ-पडा हुआ-घाव २। ६९६-अनुपूर्व क्रमसे-वारीसे २। ६९७ लांच-रिश्वत २। ६९८ मधु-शहद २। ६९९ बहार २। ७०० रहा हुआ २। ७०१ बस्ती-गुदा २। ७०२ महावत २। ७०३ खोदा हुआ २। ७०४ शाह-सुजन २। ७०५ सहन करने में असमर्थ २। ७०६ लकडी का छोटा टुकडा २। ७०७ कसुंबी कापड २। ७०८ घोडी २। ७०९ शंख २। ७१० गेय-गांधर्व २। ७११ डिंटा २। ७१२ मर्यादा-सीमा २। ७१३ वृष्टि २। ७१४ एक प्रकार का कीडा-ब्राह्मणी २। ७१५ कारीगर २। ७१६ करभ-ऊंट २। ७१७ रोझ २। ७१८ केयूर २। ७१९ विद्रुम-प्रवाल २। ७२० चिणोठी-घुघची २। ७२१ लतागृह २। ७२२ डोला हुआ-मैला २। ७२३ मोम २।

७२४-बुक्का मुंट्ठी। ७२५-सग्गेहं उवैरत्तं। ७२६-लोट्टयं सुवंतं च।
७२७-परंतीरं पारं। ७२८-अट्टयेकल्लि जाण कंडिखंभं ॥२९
७२९ लोहं कालायसं।७३०-उम्मुअं अलायं।७३१-विसेसओ तिलओ।
७३२ कोणो लंउडो।७३३-जउणा कालिंदी।७३४ गज्जिअं थणिअं॥-३०
७३५-दुव्वा हरिआली।७३६ कोट्ठओ कुसूलो। ७३७-कडुच्छुओ दव्वी।
७३८ भे तुंभे। ७३९-कुल्लडयं कोडयं। ७४० अप्पुल्लयं निअयं॥३१
७४१-डोला पिंखा। ७४२-मायण्हिआ झला। ७४३-पाउमोगमो झंझा।
७४४-दुट्ठो कली। ७४५-पयंगो सलहो। ७४६-कलहाइअं रंडिअं॥३२
७४७ साहरिअं साहट्टिअं। ७४८-अंसो भाओ। ७४९-पिहाणिआ मंडी।
७५०-तारं दित्तं। ७५१-वेसो नेवत्थं। ७५--मक्खिअं तुप्पं॥३३
७५३ जाण कडक्खं अवंगं। ७५४ करलहं परिवारं। ७५५-उब्भयं उद्धं।
७५६-सायं पओसं। ७५७-उत्तप्पं उद्धयं। ७५८-दूसहं तिव्वं॥ ३४
७५९-दाराइं दुवाराइं। ७६०-नेलच्छो पंडओ। ७६१-जडं सिसिरं।

---

७२४ मुष्टि-मुक्की २। ७२५ उपरक्त २। ७२६ सोता-लोटता २। ७२७ पार-सामने का किनारा २। ७२८ कमर पर हाथ देकर खडा रहना २। ७२९ लोहा २। ७३० जलती हुई लकड़ी २। ७३१ तिलक २। ७३२ लकड़ी २। ७३३ यमुना २। ७३४ गजित २। ७३५ दुर्वा-दूब २। ७३६ कोठला-अनाज भरनेका कोठा २। ७३७ कडछी २। ७३८ तुम २। ७३९ कुलडी २। ७४० अपना २। ७४१ हिंडोला २। ७४२ मृगतृष्णा-झांझवा २। ७४३ वरसाद का तुफान २। ७४४ दुष्ट २। ७४५ पतगिया २। ७४६ कलहयुक्त २। ७४७ संहृत २। ७४८ भाग २। ७४९ पिधानिका-ढकनी २। ७५० दीप्त २। ७५१ वेश २। ७५२ म्रक्षित-चुपडा हुआ २। ७५३ कटाक्ष २। ७५४ तरवार का मियान २। ७५५ खडा-ऊभा २। ७५६ सायंकाल २। ७५७ उद्धत २। ७५८ तीव्र २। ७५९ द्वार-दरवाजा २। ७६० नपुसक २। ७६१ शिशिर २।

७६२-कोडी अग्गं । ७६३-पंगू पंगुलेओ । ७६४-तण्णओ वच्छो ॥२३५
७६५ छांया छांही । ७६६-पोहुडं उवायणं । ७६७ सारिया सालहिआ य ।
७६८-भद्दं सिवं । ७६९-सयेज्झो समोसिओ । ७७०-छिंपओ डंछो ॥२३६
७७१-सालो पायारो । ७७२-मज्जिआ रसालाउ । ७७३-सोज्झओ रयओ ।
७७४-हरिअं सद्दलं । ७७५ अंको उच्छंगो । ७७६-अक्खयं अणहं ॥२३७
७७७-मणयं ईसिं । ७ ८-कुविंदो य तंतुवायो । ७७९-दुरोअरं जूअं ।
७८०-पेज्जा अहिआरो । ७८१-अईरं अंगणं । ७८२-मज्जिअं ण्हायं॥२३८
७८३-ओसत्थो वीसंतो । ७८४-वेज्झो बद्धो । ७८५-पयट्टयं चलिअं ।
७८६ करणी रूवं । ७८७-चलिअं वइकलिअं । ७८८-परिसरो पासा॥२३९
७८९-आरद्धं आढत्तं । ७९०-निहयं निक्खयं । ७९१-अवेसिणो फलिहो ।
७९२-फरिसो फंसो । ७९३ तुमुलं मुहलरवो । ७९४-पोयसो खीरी ॥२४०
७९५-उम्मेलणं उच्चलणं । ७९६ - इहरा अन्नहं । ७९७-सहोसओ सब्भो ।

---

७६२ किनार-कोर-अग्रभाग २ । ७६३ पगु २ । ७६४ वत्स-बछडा २ । ७६५ छाया २ । ७६६ भेंट की वस्तु २ । ७६७ सारिका-मेना २ । ७६८ भद्र-भला-कल्याण २ । ७६९ पडोसी २ । ७७० कपडे को छापने वाला व रंगने वाला-छिंपा २ । ७७१ प्राकार-किला २ । ७७२ रसाला-सुगंधि वस्तु से मिश्रित दूध २ । ७७३ धोबी २ । ७७४ हरित-लीला घास वाला प्रदेश २ । ७७५ खोला गोद २ । ७७६ आखा-अक्षत २ । ७७७ जरासा थोडा २ । ७७८ वणकर-जुलाहा-सालवी २ । ७७९ द्यूत-जूआ २ । ७८० अधिकार २ । ७८१ आंगन २ । ७८२ मार्जित २ । ७८३ विश्रान्त १ । ७८४ बध्य २ । ७८५ चलित २ । ७८६ आकार-रूप २ । ७८७-वैकल्य-अस्थैर्य २ । ७८८ परिसर-पास २ । ७८९ आरब्ध २ । ७९० निहत २ । ७९१ चौखट-दरवाजे में लगा हुआ काठ आदि का तख्ता २ । ७९२ स्पर्श २ । ७९३ तुमुल-ककलाट २ । ७९४ खीर २ । ७९५ मसलना-मलना २ । ७९६ अन्यथा २ । ७९७ सभ्य २ ।

७९८–चित्तं माणसं।७९९–अक्खो बहेडओ।८००–संगमो मेलो॥२४१

८०१-समओ मयं। ८०२ विरायं विलीणं। ८०३-उप्पाहलं च उक्कंठा।

८०४–संचारी दूई। ८०५–सालिरक्खिआ कलमगोवि त्ति ॥२४२

८०६–रुग्गं भग्गं। ८०७–मंगुलं असुंदरं। ८०८–वेविअं च थरहरिअं।

८०९–पप्फोडिअं च पक्खोडिअं। ८१०–विसट्टं विहडिअ-अत्थे॥२४३

८११–परिहत्थो दच्छो।८१२–कोवणो असहणो।८१३–पईवओ दीवो।

८१४-ईअ एवं।८१५-रेसणिआ करोडिआ। ८१६-चंदिमा जुण्हा॥२४४

८१७–पाडिक्कं पत्तेअं। ८१८–उंबरओ देहली। ८१९–विही दिव्वं।

८२०-तंतू गुणो।८२१-दुगंछा गरिहा।८२२-खलिअं पडिप्फलिअं॥२४५

८२३–ओसारो रयवुट्ठी।८२४–पम्हलयं रोमसं।८२५–जओ वेओ।

८२६-कीस किणो ८२७-हलहलओ तरा।८२८-विअट्टं विसंवइअं॥२४६

८२९ संबाहं संकिण्णं।८३०-वलग्गं आरूढं।८३१-अहिअं अइरित्तं।

८३२–ओहूओ वाहित्तो। ८३३–विअत्थणं निअगुणसलाहा ॥२४७

८३४–जाण सवायं डोंबं।८३५–सोंडं मज्जवं।८३६–अयंडं अणवसरं।

---

७९८ चित्त २। ७९९ बहेडा २। ८०० संगम–मेला २। ८०१ मत–संप्रदाय २। ८०२ विलीन–पिगला हुआ २। ८०३ उत्कंठा २। ८०४ दूती २। ८०५ कलमी चावल के खेत की रखवाली २। ८०६ भग्न २। ८०७ असुदर २। ८०८ कांपा हुआ २। ८०९ प्रस्फोटित २। ८१० विघटित–बिगडा हुआ २। ८११ दक्ष २। ८१२ कोपन २। ८१३ दीपक–दिया २। ८१४ इस प्रकार २। ८१५ करोटिका नाम का कांसे का पात्र–कथरोट २। ८१६ ज्योत्स्ना २। ८१७ प्रत्येक २। ८१८ घर का उंबरा २। ८१९ दैव २। ८२० तंतु २। ८२१ गर्हा–निंदा २। ८२२ स्खलित २। ८२३ धूल की वृष्टि २। ८२४ पांपण युक्त–रोमयुक्त २। ८२५ वेग २। ८२६ प्रश्न सूचक अव्यय २। ८२७ त्वरा २। ८२८ विसंवादयुक्त २। ८२९ संकीर्ण २। ८३० आरूढ २। ८३१ अधिक २। ८३२ बोलाया हुआ २। ८३३ विकत्थन–स्वप्रशंसा २। ८३४ डोंब–चांडाल २। ८३५ मद्यप २। ८३६ अनवसर–अकस्मात २।

८३७–सरडं च कंकलासं। ८३८–छणं महं। ८३९–लोद्धयं वाहं ॥२४८
८४०-लक्खं विजायं।८४१-इंगिअं आयारो।८४२-अहं इमो।८४३-इमा अज्जा।
८४४–थाहो थग्घा। ८४५–तोणो तोणीरो।८४६–कंदुओ गुलिओ॥२४९
८४७–कंठो गलओ। ८४८–अवडू किआडिआ। ८४९–झंपणीउ पम्हाइं।
८५०–गुप्फा खुलुहा। ८५१–जंघा टंका। ८५२–गंडा कवोला य॥२५०
८५३-रसणा जीहा।८५४-सवणा कन्ना।८५५-वच्छं उरं।८५६ भुआ बाहू।
८५७–भुमया भमुहा। ८५८-कक्खा भुअमूलं।८५९-जण्हुआ जाणू॥२५१
८६०कन्ना कुमरी।८६१धूआ दुहिआ।८६२बहिणी ससा।८६३पिआ जणओ।
८६४–माया जणणी। ८६५–सुण्हा पुत्तवहू। ८६६–देअरो दिअरो॥२५२
८६७–मोउच्छा माउसिआ। ८६८–अत्ता सासू। ८६९–सहोअरो भाया।
८७०–मल्लोणी मामी। ८७१–पुप्फिआ पिउच्छा। ८७२–पई भत्ता॥२५३
८७३–रंभा कयली। ८७४–सिंदी खज्जूरी। ८७५–सत्तला य नोमाली।
८७६–गुम्मो जाली। ८७७–बोरी कक्कंधू। ८७८–केसरो बउलो॥२५४
८७९–पलही वडणं तूलो रूवो। ८८०–दब्भो कुसो। ८८१–जवो गज्जो।

---

८३७ सरट–गिरगिट २। ८३८ उत्सव २। ८३९ शिकारी २। ८४० विजात २। ८४१ आकार–इंगित २। ८४२ आ २। ८४३ आ (स्त्री) १। ८४४ थाह २। ८४५ भाथा २। ८४६ गेंद २। ८४७ कंठ–गला २। ८४८ कंठमणि २। ८४९ पांपण २। ८५० घुंटी २। ८५१ जांघ–टांग २। ८५२ कपोल–गाल २। ८५३ जीभ २। ८५४ कान २। ८५५ छाती २। ८५६ हाथ २। ८५७ भौं–भवां २। ८५८ कांख २। ८५९ जानु–घुटना २। ८६० कुमारी–कन्या २। ८६१ लड़की–पुत्री २। ८६२ बहिन २। ८६३ पिता २। ८६४ माता २। ८६५ पुत्रवधू २। ८६६ पति का छोटा भाई–देवर २। ८६७ मौसी २। ८६८ सासू २। ८६९ सगा भाई २। ८७० मामी २। ८७१ बुआ–फुई २। ८७२ पति २। ८७३ केले का पेड २। ८७४ खजूरी २। ८७५ नवमालिका २। ८७६ गुल्म २। ८७७ बेर का पेड २। ८७८ बकुल २। ८७९ रूई–कपास ४। ८८० डाभ २। ८८१ जव–धान्य २।

८८२–थंबो संढा। ८८३–कलंबो नीवो। ८८४–गोल्हाफलं बिंबं ॥२५५

८८५–अइमुत्तो माहविआ। ८८६–लवंओ गुंदो। ८८७–पियंगुणो कंगू।

८८८–कलमो साली य। ८८९-बिसं मुणालं। ८९०-उल्लूढं अंकुरिअं॥२५६

८९१–नग्गोहं वडरुक्खं। ८९२–सिग्गुं सोहंजणं। ८९३–तेलं तालं।

८९४–चारं पियालं। ८९५–अजुअलवन्नं सत्तच्छयं जाण ॥२५७

८९६–बीअयं असणं। ८९७–पिप्पलं आसत्थं। ८९८–तिंदुअं च टिंबरुअं।

८९९–रायंछुअं च वेडिसं। ९००–अलंबुसं बोडघेरं च ॥२५८

९०१–खलिणं कविअं। ९०२–मइलं मलीमसं। ९०३–सीहरा जलतुसारा।

९०४–थाणू खण्णुअं। ९०५-अलया कुरला। ९०६-दंतच्छओ उट्ठो ॥२५९

९०७–सीलं पयई। ९०८–तत्तं परमत्थं। ९०९–गोउरं पओली य।

९१०–रयणी हत्थो। ९११–भीओ हित्थो। ९१२-साहीणं अप्पवसं॥२६०

९१३–दीणो वरओ। ९१४–विड्डिरं आडोवो। ९१५–रगेयं च नवरंगं।

९१६–लण्हं मसिणं। ९१७–ठाणं ओवासो। ९१८-गोअरो विसओ॥२६१

---

८८२ वहाण का सढ अथवा गुच्छ २। ८८३ कदब २। ८८४ बिंबी का फल २। ८८५ माधविका २। ८८६ गुंद २। ८८७ कांग २। ८८८ कलमी चावल २। ८८९ मृणाल–कमल की नाल का रेसा २। ८९० अंकुरित २। ८९१ वड २। ८९२ सरगवा २। ८९३ ताड २। ८९४ प्रियाल २। ८९५ सप्तपर्ण–सादड २। ८९६ अशन–बीया २। ८९७ पिप्पल २। ८९८ टिंबरु २। ८९९ वेतस–बेत २। ९०० एक प्रकारका छोड २। ९०१ लगाम २। ९०२ मलीन २। ९०३ पानी की बुंदें २। ९०४ खीला–स्थाणु २। ९०५ केश की लट २। ९०६ ओठ २। ९०७ प्रकृति–स्वभाव २। ९०८ तत्त्व २। ९०९ पोल–महोल्ला २। ९१० हाथ–गज (माप) २। ९११ भीत–भय प्राप्त २। ९१२ स्वाधीन २। ९१३ गरीब २। ९१४ आटोप २। ९१५ नवरंग–नया रंगा हुआ २। ९१६ मसृण–नरम–लीसा २। ९१७ स्थान–अवकाश २। ९१८ विषय–गोचर २।

९१९-ओरोविअं वलइअं।९२०-धोअं विच्छोलिअं। ९२१-दसा अवत्था।
९२२-संकू कीलो।९२३-रुंटिअं अलिविरुअं।९२४-सीरिओ भिन्नो॥२६२

९२५-असमंजसं अनिबद्धं। ९२६ पडिसिद्धो वारिओ। ९२७-चरो पणिही।
९२८-निहसो कसो। ९२९-समंता सव्वत्तो। ९३०-चारओ कारा॥२६३

९३१-विहुलं विसंठुलं जाण। ९३२-सामरिं सिंबलिं। ९३३-थलिं भूमिं।
९३४-घरवाडयं परोहडं। ९३५-आयइ अज्जंतकालं च॥२६४

९३६ वालिअयं परिअत्तिअं।९३७-ऊढिअयं पाउअयं। ९३८-मिअं तुच्छं।
९३९-हुंडी घडा। ९४०-पउट्ठो कलाइआ। ९४१-गंडओ खग्गो॥२६५

९४२- खंडं वणं। ९४३-मुइंगो मुरओ य। ९४४-विवज्जओ विवज्जासो।
९४५-पमहा गणा। ९४६-कलावो तिउंडो। ९४७-वत्थं दुगुल्लं च॥२६६

९४८-महुरं साउं। ९४९-वारी करिधरणट्ठाणं। ९५०-अग्गला फलिहो।
९५१-विसयं फुडं। ९५२-तरंतं परिप्पवंतं। ९५३ हिअं नीअं॥२६७

९५४-लक्खारुणिअं पल्लविअं। ९५५-आविअं पोइअं। ९५६-घट्ठं थूहं।
९५७-रूढं पउणं। ९५८-जामो पहरो। ९५९-बहुलो कसणपक्खो॥२६८

---

९१९ आरोपित २। ९२० धोया हुआ २। ९२१ अवस्था २। ९२२ खीला २। ९२३ भ्रमर का गुंजन २। ९२४ भिन्न २। ९२५ असमजस २। ९२६ प्रतिषिद्ध २। ९२७ गुप्तचर २। ९२८ कसोटी का पत्थर २। ९२९ चारों तरफसे २। ९३० जेलखाना २। ९३१ विह्वल २। ९३२ सेमल का पेड २। ९३३ स्थली-सपाट भूमि २। ९३४ घर का वाडा-घर का पीछला भाग २। ९३५ आयति-भविष्यकाल २। ९३६ वला हुआ-फिरा हुआ २। ९३७ ओढा हुआ-प्रावृत २। ९३८ मित २। ९३९ घटा २। ९४० प्रकोष्ठ-हाथ की कलाई २। ९४१ गेंडा २। ९४२ वन-वनखंड २। ९४३ मृदंग २। ९४४ विपर्यास २। ९४५ शंकर के गण-प्रमथ २। ९४६ कलाप-मोर पींछ २। ९४७ वस्त्र २। ९४८ स्वादु २। ९४९ हाथी को बाधने का स्थान २। ९५० चौखट २। ९५१ स्फुट २। ९५२ तैरता हुआ २। ९५३ ले जाया गया २। ९५४ पल्लवित २। ९५५ पोया हुआ २। ९५६ टीला २। ९५७ रूझ गया हुआ घाव २। ९५८ प्रहर-पहोर २। ९५९ कृष्ण पक्ष-बहुल दिवस--ब. दि. २।

९६०-पडिभेओ पच्चारणं। ९६१-ओसंदी पीढिआ। ९६२-रणो सद्दो।
९६३ सयडो गंती।९६४-तंसं तिरिच्छं।९६५-असिधेणुआ छुरिआ॥२६९
९६६-छोहो विक्खेवो।९६७-हिअयं आसओ।९६८-कंदरो य कप्फाडो।
९६९-कूणिअं अद्धनिमीलिअं। ९७०-अच्छायंतं निसायंतं ॥२७०
९७१-संमद्दो संघट्टो। ९७२-रासो हल्लीसओ। ९७३-खमं उचिअं।
९७४-गुज्झं रहस्सं।९७५-आसा मणोरहो।९७६-कोसयं चसयं॥२७१
९७७-रंगो पिच्छाभूमी।९७८-दरी गुहा।९७९-चूडओ वलयबाहू।
९८०-खंजो खोडो य।९८१-नडो कुसीलवो।९८२-नालिआ घडिआ॥२७२
९८३ पासाओ हम्मिअं।९८४-अणुअघंटिआ किंकिणी।९८५-कणी फुरणं।
९८६-पोओ वहणं।९८७-सबरा य किराया। ९८८-मालई जाई॥२७३
९८९-'जे' त्ति य पयपूरणे।९९०-विम्हयम्मि हो।९९१ विलविअम्मि अवि हाहा।
९९२-अंतो मज्झे।९९३-पुरओ य अग्गओ।९९४-मग्गओ पच्छा॥२७४
९९५-खेआइसु अव्वो हंदि उ त्ति। ९९६-आमंतणम्मि दे सद्दो।

---

९६० प्रतिभेद-उपालंभ २। ९६१ पीठिका-पीढा २। ९६२ शब्द २। ९६३ गाडी-छकडा २। ९६४ टेढा २। ९६५ छुरी २। ९६६ क्षोभ २। ९६७ हृदय-आशय २। ९६८ गुफा २। ९६९ आख का आधा मिचना २। ९७० निशातांत-धारदार २। ९७१ संघट्ट-भीड २। ९७२ रास २। ९७३ उचित २। ९७४ गुह्य-रहस्य २। ९७५ मनोरथ २। ९७६ चषक-दारु का प्याला २। ९७७ प्रेक्षाभूमि-नाटक करने की जगह २। ९७८ गुफा २। ९७९ हाथ का चूडा २। ९८० खोडा-लंगडा २। ९८१ अभिनय करने वाला नट २। ९८२ समय नापने की घटिका २। ९८३ प्रासाद-महेल २। ९८४ छोटी घुघरी-छोटी टोकरी २। ९८५ स्फुरण २। ९८६ वहाण २। ९८७ भिल्ल २। ९८८ जाई का छोड २। ९८९ 'जे' पादपूरक। ९९० 'हो' विस्मय सूचक। ९९१ 'हाहा' तथा 'अवि' विलाप सूचक। ९९२ मध्य २। ९९३ आगे-आगल २। ९९४ मग-पाछल-पीछे २। ९९५ 'अव्वो' 'हंदि' तथा 'उ' ये तीन अव्यय-खेदादि सूचक। ९९६ 'दे' आमंत्रण सूचक।

९९७–इरे तच्छीले । ९९८–इल्लो इत्तो आलो य मउअत्थे ॥२७५

* विक्कमकालस्स गए अउणत्तीसुत्तरे सहस्सम्मि (१०२९)
मालवनरिंदधाडीए लूडिए मन्नखेडम्मि ॥२७६

धारानयरीए परिट्ठिएण मग्गे ठिआए अणवज्जे ।
कज्जे कणिट्ठबहिणीए '**सुंदरी**' नामधिज्जाए ॥२७७

कइणो अंध **ज**ण किवा कुसल त्ति पया**ण**मंतिमा **व**ण्णा ।
नामम्मि जस्स कमसो तेणेसा विरइया देसी ॥२७८

कव्वेसु जे रसड्ढा सद्दा बहुसो कईहि बज्झन्ति ।
ते इत्थ मए रइआ रमंतु हिअए सहिअयाणं ॥२७९

॥ पाइअलच्छी नाममाला समत्ता ॥

---

९९७ 'इर' स्वभाव सूचक प्रत्यय । ९९८ 'वाला' अर्थ सूचक अर्थात् मत्वर्थीय प्रत्यय तीन–'इल्ल' 'इत्त' तथा 'आल' ।

* विक्रम के १०२९ वर्ष बीत जाने पर जब **मालव** के राजाने **मान्य-खेट–मलेखडा**–नगर पर धावा किया तब **धारा नगरी** के निर्दोष मार्ग पर रही हुई '**सुंदरी**' नामकी अपनी छोटी बहिन के लिए **धनपाल** कविने यह देशी कोश **प्राकृतलक्ष्मी** नामका बनाया । २७६–२७७

कविने इस पद्य के पूर्वार्धके पदों के अंतिम अक्षरों से अपना नाम— धणवाल अर्थात् धनपाल — सूचित किया है । नाम सूचक अक्षर बडे करके मुद्रित किये हैं । २७८

काव्योंमें जो शब्द रसाढय हैं तथा कविजनोंने जिन शब्दोंका बहुत प्रयोग किया हुआ है उन सब शब्दोंका इस कोशमें संग्रह किया हुआ है, वे सब शब्द सहृदयोंके हृदयमें रमण करो । २७९

॥ प्राकृतलक्ष्मी नाममाला कोश समाप्त ॥

शब्दानुक्रम

संकेतसूचनाः–वि०–विशेषण. क्रि० वि०–क्रियाविशेषण. स० वि० सर्वनाम विशेषण न०–नान्यतर–जाति–नपुसक लिंग. पु०–नरजाति–पुलिंग. स्त्री०–नारीजाति–स्त्रीलिंग क्रि०–क्रियापद. अ० अव्यय.

अ

अंक	प्राकृत	संस्कृत	लिंग	हिन्दी	अंग्रेजी
१४१	अइक्कत	अतिक्रान्त	वि०	अतिक्रान्त	Passed
१४१	अइच्छिअ	अतिगत	वि०	गया हुआ	Passed
२२९	अइण	अजिन	न०	चमडा	Skin
८८५	अइमुत्त	अतिमुक्त	पु०	माधवी लता	Gartnera Racemosa
७८१	अइर	अजिर	न०	आंगन	Court
१८२	अइरावण	ऐरावण	पु०	ऐरावण हाथी	Airavana
८३१	अइरित्त	अतिरिक्त	वि०	अधिक	In excess
५४२	अइसइअ	अतिशयित	वि०	अतिशयित–विशेषता-युक्त	Exceeding
१५९	अइसएण	अतिशयेन	अ०	गाढ	Exceedingly
६४८	अइसयभरिअ	अतिशयभृत	वि०	बहुत भरा हुआ	Filled to over flowing
४	असुमालि	अंशुमालिन्	पु०	सूर्य	Sun
११८	अंसुअ	अंशुक	न०	वस्त्र	Garment, cloth
७३	अंसु	अंशु	पु०	किरण	Ray
७४८	अंस	अंश	पुं०	अंश–भाग	Share
१२५	अकरुण	अकरुण	वि०	निर्दय	Pitiless
४९	अकिंचण	अकिञ्चन	वि०	गरिब, निर्धन	Poor
५६६	अक्कंतभरोणय	आक्रान्तभरावनत	वि०	भार से दबा हुआ–अवनत	Bending under a load
५८५	अक्कंत	आक्रान्त	वि०	व्याप्त–दबा हुआ	Attacked
४	अक्क	अर्क	पुं०	सूर्य	Sun
५५८	अक्कोसिअ	आक्रोशित	वि०	आक्रोश युक्त	Reviled

३१०	अखायतल्ल	अखाततल	न०	विना खुदाई किये बना हुआ छोटा तलाव	Pond
२५	अक्खंडल	आखण्डल	पुं०	इन्द्र	Indra
२४०	अक्ख	अक्ष	न०	इन्द्रिय	Organ
४३२	अक्खणिआ	अक्षणिका	स्त्री०	विपरीत मैथुन	Improper
७७६	अक्खय	अक्षत	वि०	अक्षत–नहीं टुटा हुआ	Unhurt
६००	अक्खाय	आखात	न०	हाथी को पकडने के लिए खोदा हुआ खड्डा	Pit for catching elephants
५०१	अक्खित्त	आक्षिप्त	वि०	आक्षिप्त	Drawn near
७९९	अक्ख	अक्ष	पु०	बहेडा	Beliric myrob-alm
७७	अगार	अगार	न०	घर	House
३२३	अगाह	अगाध	वि०	ऊंडा	Deep
९९३	अग्गओ	अग्रतः	अ०	आगे–आगे से	Before, in front
६३०	अग्गक्खध	अग्रस्कन्ध	पु०	रणभूमि का अग्र भाग	Van of an army
७६२	अग्ग	अग्र	न०	आगेका भाग-किनार-कोर	Point
९५०	अग्गला	अर्गला	स्त्री०	दरवाजा बंध रखने का आगलिया	Bar
१५२	अग्घइ	अर्घति–राजते	क्रि०	सोहता है–सुशोभित है	He shines
४९७	अग्घाय	आघ्रात	वि०	सुंघा हुआ	Smelt at
८९०	अंकुरिअ	अङ्कुरित	वि०	अंकुरित–ऊगा हुआ	Sprouting
५४७	अंकुसइअ*	अङ्कुशाकित	न०	अंकुश के आकार का	Hook–shaped
५४७	अंकुसायार	अङ्कुशाकार	न०	,,	Hook–shaped
२४६	अंक	अङ्क	पु०	चिह्न–निशान	Mark
७७५	अंक	अङ्क	पुं०	गोद–खोला	Lap
७८१	अंगण	अङ्गण	न०	आंगन	Court
१२	अंगणा	अङ्गना	स्त्री०	स्त्री–नारी	Woman
७१८	अंगय	अङ्गद	न०	केयूर, पोंची	Bracelct
१९७	अंगया	अङ्गजा	स्त्री०	पुत्री	Daughter

* ये शब्द देश्य हैं ।

२५७	अंगराअ	अङ्गराग	पु०	विलेपन	Ointment
१८६	अंगारअ	अङ्गारक	पुं०	मंगल ग्रह	Planet Mars
४२२	अंगार	अङ्गार	पु०	अंगारा	Fire-brand
२५२	अंगुट्ठी*		स्त्री०	अवगुठन-बुरखा	Veil
१५९	अच्चत्थ	अत्यर्थ	वि०	अधिक	Exceedingly, much
३२८	अच्चि	अर्चिस्	न०	अग्नि की ज्वाला-जाल	Flames
४५१	अच्छरिय	आश्चर्य	न०	आश्चर्य	Wonder
३०२	अच्छहल्ल*	ऋक्षभल्ल	पु०	रींछ	Bear
९७०	अच्छायत	आच्छातान्त	वि०	तीक्ष्ण	Sharpened at the Point
५००	अच्छिन्न	आच्छिन्न	वि०	छेदा हुआ	Split
२३३	अच्छि	अक्षि	न०	आँख	Eye
८९५	अजुअलवण्ण*	अयुगलपर्ण	न०	सप्तपर्ण-छितवन का पेड़	Alstonia Scholaris
९३५	अज्जंतकाल	आयत्काल	पु०	भविष्यकाल	Future time
२८२	अंज्ज	आज्य	न०	घी	Clarified butter
३	अज्जा	आर्या	स्त्री०	पार्वती	Parvati
८४३	अज्जा*		स्त्री०	यह स्त्री	
५०१	अंछिअ*	आञ्छित-आकृष्ट	वि०	खींचा हुआ-आकर्षित किया हुआ	Drawn near
७२८	अट्टयकल्लि*		क्रि०वि०	कमर पर हाथ दे कर खड़ा रहना	Placing the hand on hips
९१	अडयणा*	अटनी	स्त्री०	व्यभिचारिणी स्त्री	Unchaste woman
३०८	अड*	अवट	पु०	कुँआ	Well
१९४	अड्ढ	आढ्य	वि०	धनवान्, पैसादार	Rich
७	अणंग	अनङ्ग	पुं०	कामदेव	Cupid
६	अणल	अनल	पुं०	अग्नि	Fire
८३६	अणवसर	अनवसर	क्रि०वि०	आकस्मिक	Inopportunely
७७६	अणह*	अनघ	वि०	अक्षत-अहीन	Unhurt
४३९	अणायर	अनादर	पुं०	अपमान	Insult

४३१	अणालवअ	अनालपक	पु०	मौन रखनेवाला	Not-addressing
६०	अणिमिस	अनिमिष	पु०	मछली	Fish
६३०	अणिअ	अनीक	न०	रणभूमि का अग्रभाग	Van of an army
२९	अणिल	अनिल	पुं०	वायु	Wind
४८	अणीअ	अनीक	न०	सेना	Army
१९९	अणुजीवि	अनुजीविन्	पु०	नोकर	Servant
४४१	अणुताव	अणुताप	पु०	पश्चात्ताप	Repentance
४६०	अणुदिअह	अनुदिवस	क्रि०वि०	रोज, हमेशा	Daily
६९६	अणुपुव्व	अनुपूर्व	क्रि०वि०	क्रम से-क्रमवार	Successively
४६५	अणुपुव्वी	अनुपूर्वी	स्त्री०	परंपरा-क्रम	Sequence
९८४	अणुअघटिआ	अणुकघण्टिका	स्त्री०	छोटी घंटडी-घूघरी-टोकरी	Small bells
९८	अणुअर	अनुचर	पुं०	सहायक-सहचर-सेवक	Servant
२६९	अणुराअ	अनुराग	पु०	स्नेह	Affection
६४०	अणुरोह	अनुरोध	पुं०	दाक्षिण्य	Kindness
१५३	अणुवेल	अनुवेल	क्रि०वि०	निरंतर	Constantly
४४१	अणुसय	अनुशय	पुं०	पश्चात्ताप	Repentance
६४५	अणुहूअ	अनुभूत	वि०	अनुभव किया हुआ	Experienced
६१	अंडय	अण्डज	पु०	पक्षी	Bird
५६१	अण्णेसिअ	अन्वेषित	वि०	खोजा हुआ	Sought after
१७	अतक्किअ	अतर्कित	वि०	तत्क्षण-आकस्मिक	Suddenly
२२१	अत्ता	अत्ता	स्त्री०	सखी	Female friend
८६८	अत्ता	अत्ता	स्त्री०	सासू	Mother-in-Law
४३४	अत्ति	आर्त्ति	स्त्री०	पीडा	Pain
२७३	अत्थ	अस्त्र	न०	अस्त्र	Weapon
४५९	अत्थाणी	आस्थानी	स्त्री०	सभा	Assembly
६५२	अत्थार*		पु०	सहाय	Help
६४९	अत्थुअ	आस्तृत	वि०	विस्तीर्ण-आस्तीर्ण	Strewn
७८	अत्थ	अर्थ	पु०	धन	Wealth
४४७	अदिहि	अधृति	स्त्री०	अधैर्य	Anxiety
२६५	अद्दाअ*		पुं०	दर्पण	Mirror

७९	अद्दि	अद्रि	पु०	पर्वत	Mountain
६४२	अद्ध	अर्ध	न०	आधा	Half
९६९	अद्धनिमीलिअ	अर्धनिमीलित	वि०	आँख आधी मींचना–आंख मींचौनी	Half closed
३२९	अद्धर	अध्वर	पुं०	यज्ञ	Sacrifice
४८३	अद्धत*	अध्वान्त	पु०	अंत-पर्यत-रास्ते का अंत	Ends limits
८३	अद्धाण	अध्वन्	पु०	मार्ग	Path
९२५	अनिबद्ध	अनिबद्ध	वि०	अव्यवस्थित	Inappropriate
२७	अंतअ	अन्तक	पु०	यम, काल	Yama
१०५	अंतर	अन्तर	न०	छिद्र–छेद	Hole, cleft
११३	अंतर	अन्तर	न०	समय	Opportunity
४२५	अंतराय	अन्तराय	पु०	विघ्न	Obstacle
३४	अतरिक्ख	अन्तरिक्ष	न०	आकाश	Sky, air
४९९	अंतरिअ	अन्तरित	वि०	ढका हुआ	Hidden
१६१	अंतिअ	अन्तिक	न०	पास में	Near
१९२	अन्तेवासिन्	अन्तेवासिन्	पुं०	शिष्य, चेला	Pupil
९९२	अंतो	अन्तर्	अ०	अंदर–बीचमें	In
७६	अंधयार	अन्धकार	न०	अंधेरा	Drakness
७९६	अन्नह	अन्यथा	अ०	नहीं तो	Other wise
६११	अपच्छिम	अपश्चिम	वि०	अंतिम	Last
९१२	अप्पवस	आत्मवश	वि०	स्वाधीन	Independent
१३	अप्पवसा	आत्मवशा	स्त्री०	स्वच्छंद स्त्री	Selfwilled woman
५३०	अप्पाहिअ	संदिष्ट	वि०	संदेश दिया हुआ	Pointed out
७४०	अप्पुल्लय	आत्मभव	वि०	अपना-निजका-आपुला	Own
१४२	अप्फुण्ण*	आपूर्ण–आक्रान्त	वि०	पूर्ण	Filled
१२	अबला	अबला	स्त्री०	स्त्री	Woman
९५	अब्भअ	अर्भक	पु०	बालक	Little boy
१६१	अब्भण्ण	अभ्यर्ण	वि०	पास–समीप	Near
३८	अब्भपिसाअ*	अभ्रपिशाच	पुं०	राहु	Rahu
३३	अब्भ	अभ्र	न०	आभ–मेघ–वरसाद	Cloud
३४	अब्भ	अभ्र	न०	आभ, आकाश	Sky

४६७ अब्भास	अभ्यास	पु०	अभ्यास–एक ही काम को वारंवार करना	Repeate, study
१६१ अब्भास	अभ्याश	क्रि०वि०	पास–निकट	Near
५४८ अब्भिडिअ	संगत	वि०	आपतित–मिला हुआ–समागम हुआ	United, joined
४५१ अब्भुअ	अद्भुत	न०	आश्चर्य	Portent
५४० अब्भुवगय	अभ्युपगत	वि०	स्वीकार किया हुआ	Obtained
१९१ अमच्च	अमात्य	पु०	मत्री–प्रधान	Minister
२८३ अमय	अमृत	न०	अमृत	Nectar
६०७ अमरचंदण	अमरचन्दन	न०	हरिचदन–गोरुचदन	Goshirsh chandan
२४ अमर	अमर	पुं०	देव	God
१६८ अमरावई	अमरावती	स्त्री०	देव की नगरी–स्वर्ग	Town of gods
४३५ अमरिस	अमर्श	पुं०	क्रोध	Anger
१७६ अमरुज्जाण	अमरोद्यान	न०	देव का वन–नन्दनवन	Indra's garden
५० अमित्त	अमित्र	पुं०	शत्रु	Enemy
३८४ अमिलाण	अम्लान	पुं०	कोरंट का वृक्ष	Yellow Amaranth
३४ अंबर	अम्बर	न०	आकाश	Sky
११८ अंबर	अम्बर	न०	वस्त्र	Garment
३६९ अंब	आम्र	पु०	आम का पेड–आम का फल	Mango
३७१ अंबिलिआ	अम्लिका	स्त्री०	इमली	Tamarind
३५ अंबु	अम्बु	न०	पानी	Water
१० अंबुरुह	अम्बुरुह	न०	कमल	Lotus
३०८ अयड*	अवट	पुं०	कुँआ	Well
८३६ अयंड	अकाण्ड	क्रि०वि०	अचानक	Suddenly, Inopportunely
७९ अयल	अचल	पुं०	पहाड	Mountain
१२१ अयाणय	अज्ञायक	वि०	मूर्ख	Fool
४४७ अरइ	अरति	स्त्री०	अधीरज–बेचेनी	Anxiely
३५६ अरण्णछित्त	अरण्यक्षेत्र	न०	जगलमें आया हुआ खेत	Field in the forest

१०	अरविंद	अरविन्द	न०	कमल	Lotus
१७१	अरहा	अर्हन्	पुं०	जिन, पूज्य, पूजा के योग्य	Tirthaankara
३१४	अरहट्ट	अरघट्ट	पु०	रेंट, पानी निकालने का रहट	Water wheel
५०	अराइ	अराति	पुं०	शत्रु, वैरी	Enemy
५०	अरि	अरि	पुं०	,, ,,	Enemy
६०९	अरुणताव	अरुणताप	पुं०	सुबह की धूप	Morning sun
१६६	अरुण	अरुण	वि०	लाल	Red
२५३	अलकार	अलकार	पुं०	गेहना	Ornament
९००	अलबुस	अलम्बुस	न०	एक प्रकार का कोमल छोड	Kind of sensitive plant
१७०	अलया	अलका	स्त्री०	कुबेर की नगरी–अलका	Kuvera's town
९०५	अलय	अलक	पु०	वाल की लट	Lock
१५	अलस	अलस	वि०	धीरा–ढीला	Slow
६०२	अलस	अलस	वि०	मीठा और गंभीर अवाज वाला	Sweet and low sound
४९२	अलाबु	अलाबु	न०	लौकी-तुबा	Bottle-gourd
७३०	अलाय	अलात	न०	जलता हुआ लकडा	Fire-brand
६८३	अलिंजरअ*	अलिञ्जरक	पु०	रंगने का बडा पात्र	Jar
११	अलि	अलि	पु०	भैंवरा	Bee
६२१	अलिअपोरुसालाव	अलीकपौरुषालाप	पु०	मिथ्या अभिमान	Bragging
८६	अलिअ	अलीक	न०	झूठ–असत्य	Falsely
२३६	अलिक	अलिक	न०	कपाल	Forehead
९२३	अलिविरुअ	अलिविरुत	न०	भमरे का गुजना	Humming of bees
५०९	अल्लीण	आलीन	वि०	पास में आया हुआ	Closely approached
३५९	अवएस	अपदेश	पु०	बाना–छल	Pretence
१०७	अवक्करस*	अपक्वरस	पु०	मधु-मद्य	Rum
७५३	अवंग	अपाङ्ग	पुं०	कटाक्ष	Side-glance
५२०	अवचिअ	अवचित	वि०	फूलों को इकट्ठे करना	Gathered from a tree

८४८	अवड्ड	अवटु	पु०	हड्डीयो–कंठमणि	Nape of neck
१६४	अवदाय	अवदात	वि०	उज्ज्वल	White
८४	अवयस	अवतस	पु०	कान में पहेरने का गेहना	Garland, flower Stuck into the ear
१५१	अवयासिअ	श्लिष्ट	वि०	आलिंगन किया हुआ–भेट हुई	Embraced
४४१	अवरत्तय*	अपरक्तक	न०	पश्चात्ताप	Repentance
४९०	अवरिल्ल	उपरितन	न०	उत्तरीय वस्त्र–खेस	Upper gament
४६२	अव रुंडण*		न०	परिरंभण, आलिंगन	Embrace
८९	अवलेअ	अवलेप	पु०	अहकार	Pride
११३	अवसर	अवसर	पुं०	काल–समय	Opportunity
१३८	अवहत्थिअ	अपहस्तित	वि०	तिरस्कृत-छोड दिया	Abandoned, part
४६८	अवहिअ	अवहित	वि०	सावधान	Alert
७०१	अवाण	अपान	न०	गुदा	Anus
९९१	अवि	अपि	अ०	विलापसूचक	Alas !
१५३	अविरय	अविरत	क्रि०वि०	नित्य, हमेशा	Constantly
१५३	अविराम	अविराम	वि०	„ „	Constantly
६६९	अविला	अविला	स्त्री०	भेडी-मेषी	Ewe
१७	अविहाविअ	अविभावित	क्रि०वि०	अचानक–विना विचार	Suddenly
७९१	अवेसिण*		पुं०	द्वारफलिह–द्वारपरिघ–दरवाजे में लगा हुआ काठ आदि का तख्ता	Panels of the door
४३१	अव्वाहार	अव्याहार	पुं०	नहीं बोलना	Not addressing
९९५	अव्वो		अ०	खेदादि का सूचक	Ho !
६२०	असक्क	अशक्य	वि०	अशक्य	Feeble
८६	असच्च	असत्य	वि०	झूठ, असत्य	False
८९६	असण	अशन	न०	अशन वृक्ष	Tree
१८४	असणि	अशनि	पुं०	वज्र	Thnderbolt
८६	असब्भूअ	असद्भूत	वि०	असत्य	Falsely
९२५	असमंजस	असमञ्जस	क्रि०वि०	अव्यवस्थित	Inappropriate

८१२	असहण	असहन	वि०	सहन नहीं करनेवाला–क्रोधी	Angry
७०५	असह	असह	वि०	खेद करनेवाला	Feeble
४२६	असामत्थ	असामर्थ्य	न०	निर्बलता–कमजोरी–	Feebleness
९६५	असिधेणुआ	असिधेनुका	स्त्री०	छोटी छुरी	Knife
२७५	असिमुट्ठि	असिमुष्टि	स्त्री०	तरवार की मूठ	Sword-hilt
१३४	असिअ	अशित	वि०	भोजन किया हुआ	Eaten
१६३	असिअ	असित	वि०	श्याम–काला	Black
५४	असि	असि	पु०	तरवार	Sword
८०७	असुदर	असुन्दर	वि०	खराब	Ugly, nasty
३२	असुर	असुर	पुं०	असुर, दैत्य	Asura
६८२	असोअ	अशोक	पु०	आसोपालव का पेड–अशोक वृक्ष	Jonesia Ashoka
८४२	अह	अदस्	स०वि०	वह–परोक्ष वह	This, that
८९	अहकार	अहकार	पुं०	अहकार	Pride
८५	अह	अघ	न०	पाप	Sin
२०१	अहम	अधम	वि०	नीच	Low
८५	अहम्म	अधर्म	पु०	अधर्म–पाप	Sin
४१७	अह	अहन्	न०	दिवस	Day
४८५	अहिउत्त	अभियुक्त	वि०	उजमाल, उद्यत–तत्पर	Intent on
१६२	अहिगय	अधिगत	वि०	जाना हुआ-पाया हुआ	Understood
५४९	अहिद्दुय	अभिद्रुत	वि०	दुःखी	Tormented
४३७	अहिणव	अभिनव	वि०	नया, ताजा	New
८३१	अहिअ	अधिक	वि०	अधिक	Eexceeding, in excess
४	अहिमयर	अहिमकर	पु०	सूर्य	Sun
१९८	अहियाअ	अभिजात	वि०	नम्र-कुलीन-खानदान	Noble
७८०	अहियार	अधिकार	पुं०	अधिकार	Topic
१४	अहिराम	अभिराम	वि०	सुन्दर	Lovely
१४२	अहिरेमइअ*	पूर्ण	वि०	पूर्ण–भरा हुआ	Filled
२७१	अहिरोहणिआ	अधिरोहणिका	स्त्री०	निसैनी–सीढी	Ladder, stairs
५५३	अहिलिअ*		वि०	पराजय पाया हुआ	Defeated

९१	अहिसारिआ	अभिसारिका	स्त्री०	व्यभिचारिणी स्त्री	Unchaste woman
४३३	अहिहाण	अभिधान	न०	नाम, संज्ञा	Name
३१	अहि	अहि	पु०	सर्प	Snake

आ

१३२	आइग्ग	आविग्न	वि०	भयभीत-डरा, हुआ	Frightened
५४५	आइद्ध	आविद्ध	वि०	फेंका हुआ-विंधा हुआ, व्याप्त	Thrown
१३६	आउबालिय	आप्लावित	वि०	जल से छाटा हुआ-जल से भीगा हुआ	Sporting in the water
४७५	आउल	आकुल	वि०	आकुल-गभराया हुआ	Confused
२७३	आउह	आयुध	न०	अस्त्र	Weapon
४८१	आएस	आदेश	पुं०	हुकम, आज्ञा	Order
५२४	आओडिअ	आकुटित	वि०	कुटा हुआ-मारा हुआ	Beaten
९०	आडबरिल्ल	आडम्बरवत्	वि०	आडबरी	Proud
९१४	आडोव	आटोप	पुं०	आडंबर-घटाटोप	Pride
७८९	आढत्त	आरब्ध	वि०	शुरू किया हुआ	Begun
२३२	आणण	आनन	न०	मुख-मुंह	Face
४२७	आणद	आनन्द	पुं	आनद, खुशी	Pleasure
८२	आमअ	आमय	पुं०	रोग, दर्द	Disease
३४९	आमेल	आपीड	पु०	कलगी-छोगा	Tufts, garland
३७९	आमोअ	आमोद	पु०	सुगंध	Perfume, fragrance
४६३	आमोअ	आमोद	पु०	हर्ष-आनंद	Joy
९३५	आयइ	आयति	स्त्री०	भविष्यत्काल-आनेवाली स्थिति	Future
८२	आयंक	आतङ्क	पु०	रोग	Disease
५२५	आयण्णिअ	आकर्णित	वि०	सुना हुआ	Heard
१६६	आयबिर	आताम्र	वि०	लाल	Brown
४८४	आयय	आयत	वि०	लम्बा	Long
२६५	आयरिस	आदर्श	पु०	आरिसो-दर्पण	Mirror

४४९	आयर	आदर	पु०	आदर–मान	Respect, Under standing
८२	आयल्ल*		पु०	रोग	Disease
४५२	आयाम	आयाम	पु०	लम्बाई	Length, extent
८४१	आयार	आकार	पुं०	आकार–दूसरे को समजाने की चेष्टा	Deportment
६०९	आयावलय*	आतापलव	न०	सुबह की धूप	Morning Sun
४६६	आरक्ख	आरक्ष	पुं०	नगरकी रक्षा करनेवाला, कोतवाल	Watchman
७८९	आरद्ध	आरब्ध	वि०	आरब्ध–शुरू किया हुआ	Begun
२६८	आरनाल	आरनाल	न०	राब, कांजी	Sour gruel
४२८	आरंभ	आरम्भ	पु०	प्रारंभ–शुरूआत	Beginning
३४३	आराम	आराम	पुं०	बगीचा, वाडी	Garden
८३०	आरूढ	आरूढ़	वि०	चडा हुआ–सवार हुआ	Ascended
१३७	आरेइअ	आरेचित	वि०	रोमांचयुक्त	Horripilated
९१९	आरोविअ	ओरापित	वि०	चडाया हुआ–आरोप किया गया	Placed on
३४४	आलवाल	आलवाल	न०	क्यारी–छोटी क्यारी	Basin round a tree
५९९	आलाण	आलान	पु०	हाथी को बांधनेका खीला	Post for tying elephants
१५१	आलिंगियय	आलिङ्गितक	वि०	भेटा हुआ	Embraced
१५०	आलिद्ध	आश्लिष्ट	वि०	भेटा हुआ–चोंटा हुआ–चिपका हुआ	Touched
२२१	आलि	आलि	स्त्री०	सखी	Female friend
१५०	आलुखिअ	आश्लिष्ट	वि०	भेटा हुआ–चिपका हुआ	Touched
९९८	आल	मतु	[1]प्र०	'वाला' अर्थका सूचक प्रत्यय– जैसे 'दयाल'–दयावाला	'Affix'
७५	आलोअ	आलोक	पुं०	प्रकाश	Light
५४८	आवडिअ	आपतित	वि०	संगत	United
२०८	आवणिअ	आपणिक	पु०	बनिया, व्यापारी	Merchant

1 प्र०–प्रत्यय

२५९ आवण	आपण	पु०	बजार, हाट	Market
२६० आवत्त	आतपत्र	न०	छत्र	Parasols
३०४ आवत्त	आवर्त	पुं०	पानी में होनेवाले गोल गोल कुडाले	Whirlpool
३६ आवया	आपगा	स्त्री०	नदी	River
४७१ आवया	आपत्	स्त्री०	आपत्ति, आपदा	Misfortune
१०६ आवली	आवली	स्त्री०	पांती, श्रेणी	Row
४३८ आवाअ	आपात	पु०	आरम्भ किसी भी कामका पहला समय	Beginning, Present time
७७ आवास	आवास	पुं०	घर	Dwelling
९५५ आविअ*		वि०	परोया हुआ	Stiched, Pierced
७२२ आविल	आविल	वि०	भीगा हुआ- मैला	Muddy
१२० आसंसा	आशसा	स्त्री०	इच्छा	Wish
९६७ आसअ	आशय	पु०	आशय, हृदय	Heart
२७० आसण	आसन	न०	आसन	Seat
८९७ आसत्थ	अश्वत्थ	पु०	पीपल का पेड	Asvattha
७८३ आसत्थ	आश्वस्त	वि०	विश्राम पाया हुआ, आश्वासन पाया हुआ	Rested
९६१ आसंदी	आसन्दी	वि०	बेठनेका ऊंचा आसन–कुरसी जैसा आसन	Seat
१६१ आसन्न	आसन्न	वि०	पास–समीप	Near
६९० आसा	आशा	स्त्री०	दिशा	Quarter of the horizon
९७५ आसा	आशा	स्त्री०	आशा, मनोरथ	Wish
८२३ आसार	आसार	पुं०	धूलकी वृष्टि	Hard Shower
४५ आस	अश्व	पुं०	घोडा	Horse
६१७ आसिण	आश्विन	पुं०	आसोज महिना	Month Asvin
२२३ आहरण	आभरण	न०	गेहना	Ornament
४६ आहव	आहव	न०	लडाई	Battle
४७५ आहित्थ	आत्रस्त	वि०	त्रास पाया हुआ	Confused
१३३ आहिअ	आहित	वि०	बना हुआ–धरा हुआ	Made
८३२ आहूअ	आहूत	वि०	बोलाया हुआ	Called

७०२	आहोरण	आधोरण	पुं०	महावत	Mahout
				इ	
४६८	इक्कग्गमण	एकाग्रमनस्	न०	एकचित्त	Intent on
३७७	इक्कग*	एकाङ्ग	न०	चंदन, सुखड	Sandal
१७	इक्कवए	एकपदे	अ०	शीघ्र–एकाएक	Suddenly
१७	इक्कसरिय*		अ०	,,	Suddenly
३६३	इक्खु	इक्षु	पुं०	ईख–ऊख	Sugar-cane
६१४	इगालि*		स्त्री०	ईख का टुकडा-गडेरी	Stem of Sugar-cane
४२२	इगाल	अङ्गार	पु०	अङ्गारा	Fire-brand
८४१	इगिअ	इङ्गित	न०	इसारा–संकेत	Gesture, deportment
१२०	इच्छा	इच्छा	स्त्री०	इच्छा	Desire
११४	इण्हि	इदानीम्	अ०	इस समय	Now
११४	इत्ताहे	इदानीम्	अ०	,,	Now
९९८	इत्त	मतु	प्र०	संबधसूचक प्रत्यय–देखो 'आल'	'Affix'
४४८	इत्तोप्पं*	एतत्प्रभृति	क्रि० वि०	इधरसे शुरू करके–यहींसे लेकर	Hence forth
१८५	इंदधणु	इन्द्रधनुष्	न०	मेघधनुष-सूर्यकी किरणे वादलों पर पडने से आकाश में जो विविध रंगी धनुष आकार दीख पड़ता है वह	Rainbow
६२	इंदमहकामुअ*	इन्द्रमहकामुक	पु०	कुत्ता	Dog
४१२	इदमह	इन्द्रमह	पु०	कुमारी में पेदा हुआ	Born from a Virgin
१८१	इदाणी	इन्द्राणी	स्त्री०	इद्राणी	Indrani
११	इंदिंदिर*	इन्दिन्दिर	पु०	भौंरा	Bee
२४०	इंदिय	इन्द्रिय	न०	इंद्रिय	Organ
५७	इदीवर	इन्दीवर	न०	कमल	Blue lotus
५	इंदु	इन्दु	पुं०	चद्र–चांद	Moon

३८८	इंदोव*	इन्द्रगोप	पु०	एक प्रकार का कीडा	Insect Cochineal
१९४	इब्भ	इभ्य	पु०	धनवान्-धनवाला	Rich
८८२	इम	इदम्-अयम्	स०वि०	यह मनुष्य	This masc
८४३	इमा	इदम्-इयम्	स्त्री०	सर्वनाम० आ-यह-स्त्री	This fem
८१४	इअ	इ	अ०	इस प्रकार, समाप्तिसूचक	Thus
२०१	इअर	इतर	वि०	नीच, अन्य	Bad
९९७	इर		प्र०	स्वभावसूचक प्रत्यय-जैसे- नच्चिर-स्वाभाविक नाचनेवाला	'Affix'
६८	इल्लि*		पु०	वाघ	Tiger
९९८	इल्ल	मतु	प्र०	संबधसूचक प्रत्यय देखो-'आल'	'Affix'
५१	इसु	इषु	पुं०	बाण	Arrow
११४	इहइं	ऋधक्	अ०	जल्दी	Now
७९६	इहरा	इतरथा	अ०	अन्यथा, नहीं तो	Otherwise

ई

७७७	ईसि	ईषत्	क्रि०	वि० थोडा	Little
१२०	ईहा	ईहा	स्त्री०	इच्छा	Desire

उ

९९५	उ	ओ	अ०	खेदादि का सूचक	Particle
६२३	उउ	ऋतु	पु०	ऋतु	Season
४९६	उक्कडिअ	उत्कटित-उत्कृत्त	वि०	काटा हुआ-तोडा हुआ	Split, injured
८०३	उक्कठा	उत्कण्ठा	स्त्री०	उत्कंठा-होंश	Longing
६७३	उक्का	उल्का	स्त्री०	उल्का	Fire-brand
१८	उक्केर	उत्कर	पुं०	समूह	Heap, collection
६९७	उक्कोडा*	उत्कोटा	स्त्री०	लांच	Bribe
३९५	उक्ख	उक्षन्	पु०	बैल	Bull
१४३	उक्खित्त	उत्क्षिप्त	वि०	ऊंचे फेंका हुआ	Thrown up
५१७	उक्खित्त	उत्क्षिप्त	वि०	उखाडा हुआ	Thrown out
५१७	उक्खोडिअ	उत्खोटित	वि०	,,	Thrown out
३०६	उग्गाल	उद्गार	पु०	पानीका छोटा प्रवाह	Brook

३९४	उग्गाल	उद्गार	पुं०	ऊगलना–जुगाली करना	Chewing the cud
५२२	उग्गिलिअ	उद्गीर्ण	वि०	वमन किया हुआ	Vomited
५४६	उग्गाहिअ	उद्ग्राहित	वि०	उद्ग्राहित–ऊचा किया हुआ	Raised
४२८	उग्घाअ	उद्घात	पुं०	आरम्भ–शुरूआत	Beginning
९७३	उचिअ	उचित	वि०	उचित, ठीक	Proper
४९१	उच्चअ	उच्चय	पु०	घाघरे की नाडी	Knot to fasten the petticoat
६१६	उच्चत्त	उत्त्यक्त	वि०	पडा हुआ–छोडा हुआ	Loosened fallen
६६३	उच्चत्तवरत्तय*		क्रि० वि०	दोनों बाजु ऊचा नीचा करना–इधर उधर करना	Turning from one side to the other
६१२	उच्च	उच्च	वि०	ऊचा	High
७९५	उच्चलण	उच्चलन	न०	उन्मर्दन	Rub, Shampoo
५११	उच्चिडिम	उच्चिटिम	वि०	मिजाजी–मर्यादा हीन	Boundless
५२०	उच्चिणिअ	उच्चित	वि०	चुटा हुआ	Gathered from a tree
१५८	उच्चिवलय*		न०	गदा पानी	Muddy water
१४३	उच्छूढ	उत्क्षिप्त	वि०	ऊचे फेंका हुआ	Torn out
१३२	उच्चेय	उच्चेतस्	वि०	चिंतातुर–उदास	Sad
७७५	उच्छंग	उत्सङ्ग	पुं०	गोद–खोला	Lap
६७६	उच्छंटअ*	उच्छण्टक	पु०	शीघ्र चोरी करना	Sleight of hand in Stealing
५०४	उच्छलिअ	उच्छलित	वि०	ऊछला हुआ	Moved upwards
१४७	उच्छित्त	उत्क्षिप्त	वि०	फेंका हुआ	Thrown out of order
६१४	उच्छुगंडीरी	इक्षुगण्डिरी	स्त्री०	ईखका टुकडा	Stem of Sugar-cane
५९३	उच्छुण्ण	उत्क्षुण्ण	वि०	टूटा हुआ	Broken, crushed
३६३	उच्छुवण	इक्षुवण	न०	ईखका खेत–वन	Sugarcane field

३६३	उच्छु	इक्षु	पुं०	ईख-ऊख	Sugarcane
४८५	उज्जअ	उद्यत	वि०	उजमाल-तत्पर	Intent on
३४३	उज्जाण	उद्यान	न०	वाडी, बगीचा	Garden
१६	उज्जालिअ	उज्ज्वालित	वि०	चमका हुआ-जलाया हुआ	Shining
४८५	उज्जुत्त	उद्युक्त	वि०	उद्योग युक्त	Intent on
४८८	उज्जुय	ऋजुक	वि०	सरल, सीधा	Straight
७५	उज्जोअ	उद्द्योत	पु०	प्रकाश	Light
१३८	उज्झिअ	उज्झित	वि०	छोडा हुआ-त्यक्त	Abandoned
७७०	उछ*		पुं०	छीपा-कपडों को छापनेवाला	Dyer
९०६	उट्ठ	ओष्ठ	पुं०	ओठ	Lip
३९८	उडव	उटज	न०	झोंपडी	Hermitage
१७४	उडु	उडु	न०	नक्षत्र	Constellation
९०	उड्डामर	उड्डामर	वि०	आडबरी	False, showy
५१७	उड्डिहिअ*		वि०	ऊपर फेंका हुआ	Thrown up
५७४	उड्डीण	उड्डीन	वि०	ऊडा हुआ	Flown up
३८९	उन्ननाह	ऊर्णनाभ	पुं०	मकडी-करोलिया	Spider
७२	उण्ह	उष्ण	वि०	गरम	Heat
८४	उत्तस	उत्तंस	पुं०	कान में पहननेका गेहना	Ear-ornament
१२९	उत्तणुअ	उत्तनुक	वि०	अभिमानी	Proud
१३२	उत्तत्थ	उत्त्रस्त	वि०	त्रास पाया हुआ	Frightened
७५७	उत्ताप	उत्तल्प	वि०	उद्धत	Proud
२३५	उत्तमग	उत्तमाङ्ग	न०	माथा-सिर	Head
५७५	उत्तम्मिउ	उत्तान्त	वि०	थका हुआ-खेद पाया हुआ	Distressed
४९०	उत्तरिज्ज	उत्तरीय	न०	दुपट्टा-खेस-उपरणी-चद्दर	Upper garment
१२९	उत्ताण	उत्तान	वि०	चित पडा हुआ,ऊर्ध्व मुखवाला	Proud
५३५	उत्तेजिअय	उत्तेजितक	वि०	उत्तेजित	Encouraged
५८५	उत्थरिअ*	उत्स्तरित	वि०	दबाया हुआ	Attacked
५०४	उत्थल्लिअ	उत्स्थलित	वि०	मूल जगह से हटा हुआ-ऊछला हुआ	Moved upwards
३५	उदय	उदक	न०	पानी	Water
३१३	उद्दरिअ	उद्दृप्त	वि०	स्फुटित	Torn out

१३	उद्दामा	उद्दामा	स्त्री०	स्वेच्छाचारिणी स्त्री	Self-willed woman
५००	उद्दालिअ	उद्दालित	वि०	टूटा हुआ	Split
१६	उद्दीविअ	उद्दीपित	वि०	प्रकाशित	Shining
५१२	उद्धकय	ऊर्ध्वीकृत	वि०	ऊंचा किया हुआ	Raised
७५५	उद्ध	ऊर्ध्व	वि०	ऊपर	High
७५७	उद्धय	उद्धत	वि०	उद्धत, उन्मत्त	Proud
१४३	उद्धरिअ	उद्धृत	वि०	उद्धार किया हुआ	Taken out
१४२	उद्धुमाय*	पूर्ण	वि०	पूरा	Filled
६१२	उद्धुर	उद्धुर	वि०	ऊँचा	High
५०८	उन्नामिअ	उन्नामित	वि०	चडा हुआ	Bent upwards
५०८	उन्नालिअ	उन्नालित	वि०	,,	Bent upwards
४६०	उन्नाह	उन्नाह	पुं०	उंचाई	Elevation
५१९	उन्नुइअ*		वि०	कुत्तेने भोंका हुआ	Barking
५७४	उप्पइअ	उत्पतित	वि०	ऊंचे गया हुआ	Flown up
१८	उप्पक	उत्पङ्क	पु०	समूह	Heap, collection
१४३	उप्पाडिअ	उत्पाटित	वि०	उद्धार किया हुआ	Torn out
८०३	उप्पाहल*		न०	उत्कंठा, हौंश	Longing
४७५	उप्पित्थ*		वि०	व्याकुल	Confused
५३८	उप्पुणिअ	उत्पूत	वि०	उत्पूत	Winnowed
९०	उप्पेहड*		वि०	आडंबरी	False, Showy
१४५	उप्फालिअ	उत्स्फालित	न०	सूचन-पैशुन्य करना	Spoken
१२३	उत्फाल*	उत्स्फाल	पु०	दुर्जन	Wicked
१४४	उप्फुल्ल	उत्फुल्ल	वि०	फुला हुआ	Blown as a flower
९०	उब्भड	उद्भट	वि०	उन्मत्त	Hypocritical
५६७	उब्भडवेस	उद्भटवेष	वि०	उन्मत्त की तरह पहनाववाला	Splendidly dressed
७५५	उब्भय	ऊर्ध्वक	वि०	ऊँचा-खडा-ऊभा	High
५३८	उब्भालिअ	उद्भालित	वि०	उद्भालित-सूप आदिसे साफ किया हुआ	Winnowed

१६	उब्भुत्तिअय*	प्रदीप्त	वि०	उद्दीप्त–शोभा युक्त	Shining
८१८	उबरअ	उदुम्बर	पु०	गूलर का पेड	Tree
७९५	उम्मलण	उन्मर्दन	न०	मर्दन करना	Rub, Shampoo
३५२	उम्माल	निर्माल्य	न०	निर्माल्य–देव को चडी हुई वस्तु	Residue
१४४	उम्मिल्ल	उन्मिलित	वि०	खिला हुआ–विकसित	Blown as a flower
५६	उम्मि	ऊर्मि	पु०	पानी के तरंग	Wave
५४३	उम्मुट्ठ	उन्मृष्ट	वि०	छूआ हुआ	Wiped out
७३०	उम्मुअ	उल्मुक	न०	लूका–अलात	Firebrand
७२	उम्ह	उष्मन्	पु०	बाफ–गरमी	Heat
६८७	उअ	उत	अ०	देखो	Look
४९१	उअट्टी*		स्त्री०	नीवी, नाडी	Knot to fasten petticoat
११२	उअत	उदन्त	पु०	समाचार–वृत्तान्त	News
२३८	उअर	उदर	न०	पेट	Stomach
३१	उरअ	उरग	पुं०	सर्प	Snake
२७४	उरत्थय	उरस्त्रक	न०	छाती को बचानेवाला–बख्तर	Coat of mail
८५५	उर	उरस्	न०	छाती	Breast
१५७	उरु	उरु	वि०	विशाल	Wide
४३८	उरो*		न०	शुरूआत, आरंभ	Beginning
६२८	उलवी*		स्त्री०	पानी को सुगधित करनेवाला एक प्रकार का घास	Andropogon Muricatus
३९३	उलूअ	उलूक	पु०	उल्लू–घूड	Owl
५९२	उल्लंडिअ	उल्लण्डित	वि०	विरेचित–बहार फेंका हुआ	Emptied
५३१	उल्ल	आर्द्र	वि०	गिला–आला	Wet
५७२	उल्लिहिअ	उल्लिखित	वि०	घीसा हुआ–पीसा हुआ	Scraped, thinned
८९०	उल्लूढ	उद्रूढ	वि०	ऊगा हुआ–अंकुरित	Sprouting
४९६	उल्लूरिअ*	उल्लूनित	वि०	काटा हुआ–तोडा हुआ	Split, injured
१३०	उल्लेहड*	उल्लेह	वि०	लालचु–लुब्ध	Covetous

५६	उल्लोल*	उल्लोल	पु०	पानीका तरंग	Wave
६६२	उल्लोअ	उल्लोच	पु०	कपडे की चांदनी	Awning
१५१	उवऊढ	उपगूढ	वि०	आलिंगित	Embraced
६००	उवअ*	उपग	पु०	हाथीको पकडनेका गड्ढा	Pit for catching elephants
५०९	उवगय	उपगत	वि०	पास गया हुआ	Approached
५२७	उवणीअ	उपनीत	बि०	पास लाया हुआ	Given
६२५	उवयार	उपचार	पु०	उपचार, सामग्री, उपाय	Offering of flowers
७२५	उवरत्त	उपरक्त	वि०	राहु से ग्रस्त	Eclipsed
३२०	उवल	उपल	वि०	पाषाण, पत्थर	Stone
५०९	उवसप्पिअय	उपसर्पितक	पु०	पास गया हुआ-प्राप्त	Approached
२६३	उवहाण	उपधान	न०	सिरहाना-उसीसा-तकिया	Pillow
४९८	उवहुत्त	उपभुक्त	वि०	उपभोग किया हुआ	Enjoyed
७६६	उवायण	उपायन	न०	भेट में देने की वस्तु	Present
२१	उविंद	उपेन्द्र	पुं०	उपेन्द्र	Upendra
५२२	उव्वमिअ	उद्वान्त	वि०	वमन किया हुआ	Vomited
१३१	उव्वाय	उद्वात	वि०	थका हुआ	Distressed, tired
१३२	उव्विग्ग	उद्विग्न	वि०	उद्वेग युक्त	Frightened
५६७	उव्विव्व	उद्‌बिम्ब	वि०	उद्भट पहनाववाला	Splendidly dressed
५३३	उव्वेल्ल	प्रसृत	वि०	फैला हुआ	Stretched out
१८७	उसण	उशनस्	पुं०	शुक्र	Sukra
३८५	उसीर	उशीर	न०	कमल का ततु	Andropogan Muricatus
४६०	उस्सेह	उत्सेध	पुं०	ऊंचाई	Elevation

ऊ

६८५	ऊढा	ऊढा	स्त्री०	विवाहित स्त्री	Wife
९३७	ऊढिअय	ऊढितक	न०	ओढना-ढकना	Covered
५७८	ऊअट्ठ	अववृष्ट	वि०	अववृष्ट-वरसाद से बिगडा हुआ	Rained on
१३७	ऊसलिअ	उल्लसित	वि०	रोमांचित-उल्लसित	Horripilated

५१२ ऊसविअ	उत्सवित	वि०	ऊंचा किया हुआ	Raised
१६ ऊसिक्किअ*	प्रदीप्त	वि०	दीपित	Shined
५३६ ऊसित्त	अवसिक्त	वि०	छांटा हुआ	Anointed
२६३ ऊसीस	उच्छीर्ष	न०	सिरहाना तकिया	Pillow
			ए	
७० एणी	एणी	स्त्री०	हरणी	Doe
४५४ एमेअ	एवमेव	अ०	ऐसा ही	In vain
४४८ एअप्पभिइ	एतत्प्रभृति	अ०	यहांसे वा इधरसे लेकरके	Hence forth
८१४ एव	एवम्	अ०	ऐसा	Thus
			ओ	
५६० ओइण्ण	अवतीर्ण	वि०	अवतार पाया हुआ	Descended
६०६ ओऊल	अवचूल	न०	झूमणा-विशेष प्रकार का लंबा गेहना	A pendant ornament
६५७ ओज्झर	अवझर	न०	झरना	Torrent
४४३ ओणय	अवनत	वि०	अवनति पाया हुआ	Bent, down
१८ ओप्पील*		पुं०	समूह, जत्था, झुंड	Heap
४४३ ओमत्थ	अपमस्तक	वि०	माथा नीचे किया हुआ	Bending down
४४३ ओयत्त	अववृत्त	वि०	अधोमुख	Bending down
५६० ओअरिअ	अवतीर्ण	वि०	अवतार पाया हुआ	Descended
५८१ ओरत्त*		वि०	फाडा हुआ	Split, torn
५८१ ओरंपिअ*	अवतष्ट	वि०	पतला किया हुआ-छोला हुआ	Torn, split
५७१ ओरालिअय	औदारिक	वि०	शोभायमान	Beautiful
६०३ ओरिल्ल*		वि०	लम्बा और मधुर	Long and sweet
४८९ ओलइअ*		वि०	पिनद्ध, ढका हुआ	Dressed, acc-ontred
६२९ ओलावअ*		पुं०	श्येन-बाज पक्षी	Falwn
५३६ ओलित्त	उपलिप्त	वि०	उपलिप्त	Smeared
१०६ ओली	आवली	स्त्री०	श्रेणी	Line, row
४७० ओलुग्ग	अवरुग्ण	वि०	रोगी	Feeble, diseased

५८५	ओवग्गिअ	उपवल्गित	वि०	आक्रांत, व्याप्त	Attacked
४२४	ओवाइअ	उपयाचित	वि०	मनौती	Prayer
९१७	ओवास	अवकाश	पुं०	अवकाश	Place, space
५०३	ओसक्क*		वि०	अपसृत	Departed
५६५	ओसद्ध*	अवशुद्ध	वि०	अवशुद्ध	Thrown down
५०३	ओसरिअ	अपसृत	वि०	पीछे हठा हुआ	Departed
५६८	आसरिअ	उपसरित	वि०	पास में आया हुआ	Gone to meet
४९७	ओसिंघिअ	अवघ्राण	वि०	सुघा हुआ	Smelt at
५३९	ओहामिअ	तुलित	वि०	तुला हुआ	Weighed
३१७	ओहार*		पु०	कछुआ-काचबा	Turtles
५९६	ओहीरइ	निद्राति	क्रि०	निद्रा लेता है	He sleeps
५०७	ओहीरंत	निद्रात्	वि०	निद्रा लेता हुआ	Sleeping
१८	ओह	ओघ	पुं०	समूह	Heap, Collection

क

४१६	कइअव	कैतव	न०	कपट	Fraud
१७८	कइलास	कैलास	पु०	कैलास पर्वत	Kailas
६५	कइ	कपि	पु०	बन्दर	Monkey
३०५	कक्कडय	कर्कटक	पु०	केकडा	Crab
८७७	कक्कधु	कर्कन्धू	स्त्री०	बोरडी का वृक्ष	Jujube tree
१२८	कक्कस	कर्कश	वि०	निष्ठुर, कठिन	Hard
८५८	कक्खा	कक्षा	स्त्री०	कांख–बगल	Armpit
८३७	कंकलास	कङ्कलास	न०	गिरगिट–काकीडा	Lizard
६८२	कंकेल्लि*		पु०	अशोक वृक्ष, आसोपालव	Jonesia Asoka
३८२	कंकोड*	कर्कोट	न०	ककोडा	A kind of vegetable fruit, Kantola
८८७	कगु	कङ्गु	स्त्री०	कांगन	Pahicum Italicum
३	कच्चायणी	कात्यायनी	स्त्री०	पार्वती	Parvati
३१७	कच्छह	कच्छप	पुं०	कछुआ–काचबा	Turtles
२४९	कच्छा	कच्छा	स्त्री०	कमर का गेहना–कटिमेखला	Girdle

५८२	कज्जलइअ	कज्जलित	वि०	काला–काजलवाला	Smeared with Collyrium
६६१	कज्जव*		पुं०	कीच–कचरा	Stack of grass
२४९	कची	काञ्ची	स्त्री०	कटिमेखला	Girdle
११६	कचुअय	कञ्चुकक	पु०	चोली–काँचली	Coat of mail
४०८	कट्ठ	काष्ठ	न०	काष्ठ–लकडा	Wood
७५३	कडक्ख	कटाक्ष	पु०	कटाक्ष	Side glance
३३०	कडय	कटक	न०	पर्वत का मूल भाग वा मध्य भाग	Ridges
१६५	कडार	कडार	वि०	भूरा रंग	Brown
७२८	कडिखभ*	कटीस्तम्भ	पुं०	कमर पर हाथ रखना	Placing the hand on the hip
११७	कडिल्ल*	कटीभव	न०	कटी संबंधी वस्त्र	Lower garment
७३७	कडुच्छुअ*		पु०	बडा कडछा–कडछी	Iron spoon
३०१	कडुयाल*		पुं०	छोटी मछली	Small fish
५०१	कड्ढिअय	कर्षित	वि०	खींचा हुआ	Drawn near
१२८	कढिण	कठिन	वि०	कठोर	Hard
५६९	कणइअ*		न०	छोटे छोटे बिंदुओं से युक्त	Covered with Spots
२९१	कणइल्ल*		पुं०	तोता	Parrot
३३४	कणई*		स्त्री०	लता	Creeper
५१	कणअ*		पुं०	बाण	Arrow
१७७	कणयगिरि	कनकगिरि	पुं०	मेरु	Meru
८०	कणय	कनक	न०	सोना	Gold
३७४	कणवीर	करवीर	पु०	कनेर का पेड	Oleander
५६९	कणायण्ण	कणाकीर्ण	वि०	छोटे छोटे बिंदुओं से युक्त	Covered with spots
३५१	कणिर	क्वणितृ	न०	नुपूर–झांझर	Anklet
९८५	कणी*		वि०	फरकना–धडकना	Quivering

३४२	कमलरअ	कमलरजस्	पुं०	कमल की रज—कमल का पराग	Pollen of lotus
७०	कमला	कमला	स्त्री०	हरणी	Doe
१७२	कमला	कमला	स्त्री०	लक्ष्मी	Laxshmi
२	कमलासण	कमलासन	पुं०	ब्रह्मा	Brahma
३८७	कमलिणी	कमलिनी	स्त्री०	कमलिनी	Lotus pond
२२६	कम	क्रम	पु०	पांव-पग-पेर	Foot
७१६	कमेलअ	क्रमेलक	पु०	ऊट	Camel
७०९	कंबु	कम्बु	पुं०	शख	Conch
८५	कम्मस	कल्मष	न०	पाप	Sin
१३३	कय	कृत	वि०	किया हुआ	Made
२७	कयंत	कृतान्त	पुं०	यम	Yama
५८३	कयपरिवेस	कृतपरिवेष	न०	चारो तरफसे व्याप्त	
८७३	कयली	कदली	स्त्री०	केल	Plantain tree
६६१	कयवर*	कचवर	पुं०	कीच—कचरा	Stack of grass
२८९	कयवाअ	कृकवाक	पुं०	कूकडा	Cock
५९८	करड	करट	पु०	हाथी का गंडस्थल	Elephant's check
२४०	करण	करण	न०	इंद्रिय	Organ
७८६	करणी*	करणी	स्त्री०	आकार, रूप	Body, form
२१२	करमरिअ*		पुं०	बलात्कारसे आनी हुई स्त्री	Woman abducted by force
४४०	करंब	करम्ब	न०	दही और भात का बना हुआखाद्य पदार्थ	Flour mixed with curd
२२४	कररुह	कररुह	पुं०	नख	Nail
५४	करवाल	करवाल	न०	तलवार	Sword
७१६	करह	करभ	पु०	ऊट	Camel
७३	कर	कर	पुं०	किरण	Ray
२२८	कर	कर	पु०	हाथ	Hand
९	करि	करिन्	पु०	हाथी	Elephant
२९९	करिणी	करिणी	स्त्री०	हथनी—हाथनी	Female elephant

९४९	करिधरणट्ठाण	करिधरणस्थान	न०	हाथी को बांधने का डोर–रस्सा	Elephant trap
६००	करिबंधण	करिबन्धन	न०	हाथी को पकडनेका खड्डा	Pit for catching elephants
३००	करिमयर	करिमकर	पु०	जलहाथी	Water elephant
४०१	करिसग्गि	करीषाग्नि	पु०	गोबर–कडे–की आग	Fire of cowdung
९	करेणु	करेणु	पु०	हाथी	Elephant
२९९	करेणुआ	करेणुका	स्त्री०	हथनी–हाथनी	Female-elephant
८१५	करोडिआ	करोटिका	स्त्री०	कांसे की कथरोट	Brass cup
१५५	कल	कल	न०	मधुर	Sweet
८०५	कलमगोवी	कलमगोपी	स्त्री०	कोलम जातके चावल की रखवाली करनेवाली	Woman-watching a rice field
६०२	कलमजुल	कलमञ्जुल	न०	शब्द से मधुर	Low and Sweet
१२४	कलम*	कलम	पुं०	चोर	Thief
८८८	कलम	कलम	पुं०	कोलम–उत्तम जात के चावल	Rice
८८३	कलंब	कदम्ब	पुं०	कदंब का वृक्ष	Nauclea Kadamba
६३	कलयंठी	कलकण्ठी	स्त्रीं०	कोयल	Female Koil
४७	कलयल	कलकल	पुं०	कोलाहल	Noise
२८५	कलविङ्क	कलविङ्क	पु०	चटक–गौरैया पक्षी	Sparrow
४७८	कलस	कलश	पु०	कलश, घडा	Water pot
७५४	कलह*	कलह	न०	तलवार की म्यान	Scabbard
२९८	कलह	कलभ	पुं०	हाथी का बच्चा	Young elephant
७४६	कलहाइअ	कलहायित	न०	कलह करना	Quarrel
२६७	कलहोय	कलधौत	न०	रूपा, चाँदी	Silver
४४५	कला	कला	स्त्री०	कम मात्रा–थोडा	Particle
९४०	कलाइआ	कलाचिका	स्त्री०	कलाई–हाथ में पहनने का एक प्रकार का गेहना	Fore-arm
९४६	कलाव	कलाप	पुं०	समूह	Girdle, Cord

१६२	कलिअ	कलित	वि०	युक्त, ज्ञात	Understood, joined
८८	कलिआ	कलिका	स्त्री०	फूलकी कली	Bud
३५३	कलिल	कलिल	न०	गहन	Thicket
७४४	कलि	कलि	पु०	दुष्ट—खराब	Bad man
१५८	कलुसजल	कलुषजल	न०	अस्वच्छ पानी	Muddy water
८५	कलुस	कलुष	न०	पाप	Sin
७२२	कलुस	कलुष	वि०	मैला—अस्वच्छ	Muddy, turbid
६३७	कल्ल	कल्य	न०	कल—गया हुआ दिन अथवा आनेवाला दिन	Yesterday and to-morrow
४८६	कल्ल	कल्य	वि०	स्वस्थ—नीरोगी	Lever, able
५६	कल्लोल	कल्लोल	पुं०	पानी के तरंग	Wave
४१६	कवड	कपट	न०	कपट	Fraud
२७४	कवय	कवच	न०	बख्तर	Coat of mail
१३४	कवलिअ	कवलित	वि०	खाया हुआ	Eaten
९०१	कविअ	कविक	न०	लगाम	Bit or rein
१६५	कविल	कपिल	वि०	भूरा—मांजरा	Brown
६२	कविल	कपिल	पुं०	कुत्ता	Dog
१६५	कविस	कपिश	वि०	भूरा	Brown
२८४	कवोअ	कपोत	पु०	कबूतर	Pigeon
८५२	कवोल	कपोल	पु०	गाल	Cheek
४०	कव्वाय	क्रव्याद	पुं०	मांस खानेवाला—राक्षस	Rakshasa
९५९	कसणपक्ख	कृष्णपक्ष	पु०	कृष्ण पक्ष	Dark half of month
५८२	कसणिअ	कृष्णित	वि०	काला—काजलवाला	Smearid with collyrium
१६३	कसिण	कृष्ण	वि०	काला	Black
९२८	कस	कष	पु०	कसोटी का पत्थर	Touch stone
९७	काअ	काय	पुं०	शरीर	Body
३३१	काणण	कानन	न०	वन, जंगल	Forest
२६	कामपाल	कामपाल	पुं०	बलराम	Balarama

१२०	काम	काम	पु०	वांछा, मनोरथ	Desire
१०८	कायंबरी	कादम्बरी	स्त्री०	मदिरा	Spirituous liquor
५९	कायंब	कादम्ब	पुं०	हंस	Goose
६७	कायल	काक	पु०	कौआ	Crow
६७	काय	काक	पु०	,,	Crow
४९३	कारण	कारण	न०	कारण	Cause
९३०	कारा	कारा	स्त्री०	केदखाना, जेल	Prison
७१५	कारु	कारु	पु०	कारीगर, शिल्पी	Artisan
१६३	काल	काल	वि०	काला-श्याम	Black
२७	काल	काल	पु०	यम, काल	Yama
११३	काल	काल	पु०	वख्त, काल, समय	Time
७२९	कालायस	कालायस	न०	लोहा	Iron, steel
७३३	कालिंदी	कालिन्दी	स्त्री०	यमुना-जमना नदी	Yamuna
४१९	कालिआ*	कालिका	स्त्री०	मेघ का समूह, बादल	Cloud
३	काली	काली	स्त्री०	पार्वती	Parvati
१२२	क़ासय	कर्षक	पु०	किसान-गृहपति, घरमालिक	Husbandman
६३९	काहिल्लिआ*		स्त्री०	रोटी पकानेका तवा	Pan for baking bread
९८४	किंकिणी	किङ्किणी	स्त्री०	घुघरी	Little bell
२९६	किडि	किरि	पु०	वराह	Boar
८२६	किणो	किन्नु	अ०	प्रश्नसूचक क्यों? किस लिए?	From whom
१६७	किम्मीर	किर्मीर	वि०	चितकबरा	Variegated
८४८	किआडिआ	कृकाटिका	स्त्री०	गले का ऊंचा भाग-कठमणि	Nape of neck
७३	किरण	किरण	पु०	किरण	Ray
९८७	किराय	किरात	पु०	भिल्ल	Kirata
२५१	किरीड	किरीट	पुं०	मुकुट-मुगट	Diadem
१३१	किलंत	क्लान्त	वि०	थका हुआ	Tired, distressed
७०६	किलिंच*		न०	छोटी लकडी	Thin board
५४	किवाण	कृपाण	न०	तलवार-तरवार	Sword
१५४	किस	कृश	वि०	दूबला पतला	Emaciated

३४१	किसिल	किसलय	न०	अंकुर	Young shoots
२७	कीणास	कीनाश	पु०	यम	Yama
२९१	कीर	कीर	पु०	पोपट, तोता	Parrot
९२२	कील	कील	पु०	खीला–कील	Post
२४३	कीलाल	कीलाल	न०	रुधिर	Blood
८२६	कीस		अ०	प्रश्नसूचन क्यों ? किस लिए ?	From whom
२८९	कुक्कुड	कुक्कुट	पुं०	कूकडा	Cock
२३७	कुच्च	कूर्च	न०	दाढीमूछ	Beard
१०५	कुच्छिल्ल*		न०	छिद्र	Hole, cleft
८८	कुंचल*	कुञ्चल	न०	कुंपल	Bud
२३	कुंचारि	क्रौञ्चारि	पु०	कार्तिकेय	Kartikeya
५९८	कुंजरगंड	कुञ्जरगण्ड	पुं०	हाथी का गंडस्थल	Elephant's cheek
९	कुंजर	कुञ्जर	पुं०	हाथी	Elephant
३२६	कुट्टिंब*		स्त्री०	द्रोणी–जहाज	Tub
७२१	कुडंगअ*	कुडङ्गक	पु०	लतागृह	Bower of creepers.
४११	कुडिअ	कुटित	वि०	बौना–कुब्ज	Crooked, dwarf
४८०	कुडिल	कुटिल	वि०	वांका–टेढा	Crooked
१०५	कुडिल्ल*		न०	छिद्र	Hole, cleft
४११	कुडिल्ल		वि०	बौना–कुब्ज	Crooked
४७८	कुड*	कुट	पुं०	घडा, पानी का घडा	Water pot
४१३	कुड्ड*		न०	कुतूहल, आश्चर्य	Wonder
६७५	कुढ*		न०	चुराई हुई वस्तु की शोध करना	Following up stolen property
४२०	कुणव	कुणप	न०	मुडदा	Corpse
९३	कुंतलहार	कुन्तलहार	पुं०	संवारे हुए बाल	Braid
३९३	कुदुल्लुय*		न०	उल्लू–घूवड	Owl
११६	कुप्पास	कूर्पास	पु०	चोला	Coat of mail
१७०	कुबेरनयरी	कुबेरनगरी	स्त्री०	कुबेर की राजधानी	Kubera's town
२८	कुबेर	कुबेर	पुं०	कुबेर	Kubera

८६०	कुमरी	कुमारी	स्त्री०	कुमारी कन्या	Girl, virgin
२३	कुमार	कुमार	पु०	कार्तिकेय	Kartikeya
५८	कुमुअ	कुमुद	न०	कुमुद, चद्रविकासी कमल	White-lotus
६७२	कुकुम	कुङ्कुम	न०	केसर—ककु	Saffron
८८	कुपल	कुड्मल	न०	कोंपल	Bud
३०१	कुबर*		पुं०	छोटी मछली	Small fish
२०६	कुंभार	कुम्भकार	पु०	कुम्हार—कुंभार	Potter
४७८	कुभ	कुम्भ	पुं०	कुभ, घडा	Water Pot
३१७	कुम्म	कूर्म	पु०	कछुआ	Turtles
७०	कुरंगी	कुरङ्गी	स्त्री०	हरणी—मृगली	Doe
९०५	कुरल	कुरल	पु०	केश की लट	Locks
३०५	कुरुविल्ल*		पु०	करचला—जलचरविशेष	Crab
१९८	कुलजाअ	कुलजात	वि०	कुलीन—खानदान	Of noble birth
२०६	कुलाल	कुलाल	पु०	कुम्हार—कुंभार	Potter
२९५	कुलाय	कुलाय	न०	घोंसला	Nest
१८४	कुलिस	कुलिश	न०	वज्र	Thunder bolt
३०५	कुलीर	कुलीर	पु०	करचला—जलचरविशेष	Crab
७३९	कुल्लडय*	कुटलक	न०	कुलडी	Small vessel
५७	कुवलय	कुवलय	न०	चद्रविकासी कमल	Blue lotus
७१८	कुविंद	कुविन्द	पु०	जुलाहा	Weaver
९९	कुसल	कुशल	वि०	कुशल, चतुर	Clever
७	कुसुमबाण	कुसुमबाण	पुं०	कामदेव	Cupid
३३६	कुसुमरअ	कुसुमरजस्	पुं०	मकरंद	The honey of a flower
३३५	कुसुम	कुसुम	न०	फूल	Flower
१२४	कुसुमाल*		पु०	चोर	Thief
७०७	कुसुभी	कुसुम्भी	स्त्री०	कसूमे का पेड—कसुबे का वृक्ष	Safflower
७३६	कुसूल	कुशूल	पु०	अनाज भरने का बडा कोठार	Granary
८८०	कुस	कुश	पु०	कुशा—डाभ	Kusa-grass
१०५	कुहर	कुहर	न०	छिद्र	Hole, cleft
३३२	कूड	कूट	न०	शिखर	Top

१६९	कूणिअ	कूणित	न०	आधा मींचा हुआ	Half closed
४४२	कूर	क्रूर	वि०	क्रूर	Cruel, furious
६८१	कूल	कूल	न०	नदी का कांठा-किनारा	Bank
६७५	कूव*	कूप	न०	चुराई हुई चीज की शोध करना	Tracking stolen property
३०८	कूव	कूप	पु०	कुँआ	Well
३१६	कूसार*	कूषार	पु०	खड्डा जैसा स्थान	Pit
११५	केउ	केतु	पु०	ध्वज-धजा	Banner
७१८	केऊर	केयूर	न०	हाथ में पहनने का एक गेहना	Bracelet
३१५	केआर	केदार	पु०	क्यारा	Field
५८	केरव	कैरव	न०	कुमुद	White lotus
४५५	केली	केली	स्त्री०	क्रीडा, हास्य-हांसी	Sport
२११	केवट्ट	कैवर्त	पु०	मच्छीमार	Fisher
६६	केसरि	केसरिन्	पु०	सिंह	Lion
८७८	केसर	केसर	पु०	बकुल वृक्ष	Mimusops Elenchi
९३	केसहत्थअ	केशहस्तक	पुं०	केशकलाप-संवारे हुए केश	Braid
२२५	केस	केश	पुं०	केश	Hair
६३	कोइला	कोकिला	स्त्री०	कोकिला-कोयल	Fimale koil
४१३	कोउअ	कौतुक	न०	कौतुक, आश्चर्य	Wonder
४०१	कोउआ*		स्त्री०	कडेकी आग	Fire of dry cowdung
४०६	कोउअ	कौतुक	न०	वरमाला	Marriage-threads
४१३	कोउहल्ल	कुतूहल	न०	कुतूहल	Wonder
३२७	कोट्टुभ*		पुं०	हाथ से आघात पाया हुआ पानी	Water stirred with hand
७३६	कोट्ठअ	कोष्ठक	पु०	कोठार	Granary
७३९	कोडय*	कोटक	न०	कोडिया-छोटा शराव	Little platter
७६२	कोडि	कोटि	स्त्री०	कोर-धार	Tip
४०	कोणव	कौणप	पु०	राक्षस	Rakshasa

७३२	कोण	कोण	पुं०	लाठी–लकडी	Club
१५६	कोमलय	कोमलक	न०	कोमल, नरम	Soft
४१२	कोमार	कौमार	पुं०	कुमारी संबधी	Born of virgin
५३	कोअंड	कोदण्ड	न०	धनुष्य	Bow
३८४	कोरंट	कोरण्ट	पु०	कोरंटक वृक्ष	Yellow amaranth
८८	कोरय	कोरक	न०	कोंपल	Bud
४७९	कोलब*		पु०	पिठर–थाली	Pot, pan
३८९	कोलिअय	कौलिक	पु०	मकडी–करोलिआ	Spider
२९६	कोल	कोल	पु०	वराह	Bowr
३९७	कोल्हुअ*		पु०	सिआर	Jackal
८१२	कोवण	कोपन	वि०	क्रोधी	Angry
१४४	कोग्रासिअ	विकसित	वि०	विकसित	Blown
९७६	कोसय	कोषक	न०	दारू का प्याला	Drinking Vessel
३९३	कोसिअ	कौशिक	पुं०	उल्लू-घूवड	Owl
३३८	कोसी	कोशी	स्त्री०	सेम इत्यादि की फली–सींग	Pod
३७२	कोहडी	कुष्माण्डी	स्त्री०	कोहला की वेल वा कोहली	Benincasa Cerifera
३७२	कोहलिआ*	कुष्माण्डी	स्त्री०	,,	Benincasa Cerifera

ख

३४	ख	ख	न०	गगन	Sky
१३४	खइअ	खादित	वि०	खाया हुआ	Eaten
१५८	खउरिअ	क्षुब्ध	वि०	क्षुब्ध जल–मेला पानी	Turbid water
६१	खग	खग	पुं०	पक्षी	Bird
५४	खग्ग	खड्ग	न०	तलवार–तरवार	Sword
९४१	खग्ग	खड्ग	पुं०	गेंडा	Rhinoceros
१४०	खच्चिअ	खचित	वि०	जडा हुआ	Joined, studded
१६८	खज्जूर	खर्जूर	न०	खजूर	Date–fruit
८७४	खज्जूरी	खर्जूरी	स्त्री०	खजूरी का वृक्ष	Date–palm

९८०	खंज	खञ्ज	वि०	लंगडा	Lame
३०७	खंजण*	खञ्जन	पुं०	कादव–कीचड	Mud
२३७	खड्ड*		न०	दाढ़ीमूछ	Beard
६७४	खणी	खनी	स्त्री०	सोने रूपे वा कोयलों की खान	Mine
९०४	खण्णुअ	स्थाणु	पु०	कील–खीला	Post
७०३	खत्त*	खात	वि०	खोदा हुआ	Dug
२३	खद	स्कन्द	पु०	कार्तिकेय	Kartikeya
३५५	खंधग्गी*	स्कन्धाग्नि	पु०	मोटे मोटे लकडेकी आग	Conflagration
७०३	खन्न*		वि०	खोदा हुआ	Dug
१२८	खप्पुर*		वि०	निष्ठुर	Rough, harsh
९७३	खम	क्षम	वि०	समर्थ–उचित	Proper
३०	खयराअ	खगराज	पुं०	गरुड	Garuda
१२८	खर	खर	वि०	तीव्र–निष्ठुर	Harsh, rough
३९१	खर	खर	पुं०	गधा	Donkey
९०१	खलिण	खलीन	न०	लगाम	Bit, rein
८२२	खलिअ	स्खलित	वि०	स्खलना पाया हुआ	Stumbling
१२३	खल	खल	वि०	शठ–लुच्चा	Wicked man
२२९	खल्ला*		स्त्री०	खाल, चमडी	Skin
२१५	खव्व	खर्व	वि०	बौना–वामन	Dwarf
४२३	खाइआ*	खातिका	स्त्री०	खाई	Ditch
६७४	खाणी	खानी	स्त्री०	खान	Mine
१५४	खाम	क्षाम	वि०	दुर्बल–कृश	Emaciated
४२३	खाय	खात	न०	खाई	Ditch
५४५	खित्त	क्षिप्त	वि०	फेंका हुआ	Thrown
१३१	खिन्न	खिन्न	वि०	खेदयुक्त	Tired, distressed
४८२	खिप्प	क्षिप्रम्	अ०	शीघ्र–जल्दी	Quick
१३९	खिरिअ	क्षरित	वि०	झरा हुआ	Dripping, dropping
७९४	खीरी	क्षीरी	स्त्री०	खीर, दुधपाक	Milk and rice
२४४	खुखुणअ*		पुं०	नाक का छिद्र	Nostril
४११	खुज्ज	कुब्ज	वि०	बौना–कुब्ज	Crooked

६८४	खुन्न	क्षुण्ण	वि०	क्षुण्ण	Crushed
८५०	खुलुह*	गुल्फ	पुं०	घुटी	Ancle
३९९	खेडय	खेटक	न०	छोटा गांव	Village-site
७०५	खेआलुअ*		वि०	असहनशील	Feeble
१५	खेल	खेल	वि०	शिथिल–ढीला	Slow, inert
३५५	खोडपज्जाली		स्त्री०	मोटी मोटी लकडीओंकी आग	Conflagration
९८०	खोड*		वि०	लगडा	Lame

ग

९	गअ	गज	पुं०	हाथी	Elephant
६०५	गग्गर	गद्गद	न०	गद्गद	Faltering
४१	गंगा	गङ्गा	स्त्री०	गगा नदी	Ganges
७३४	गज्जिअ	गर्जित	वि०	गर्जित	Thunder
८८१	गज्ज*		पुं०	जौ–यव	Yava
९४५	गण	गण	पुं०	महादेव का सेवक	Siva's attendant
१८	गण	गण	पुं०	समूह	Heap, multitude
१७३	गणाहिवइ	गणाधिपति	पुं०	गणेश	Ganesh
९४१	गंडअ	गण्डक	पु०	गेंडा	Rhinoceros
८५२	गंड	गण्ड	पुं०	गाल	Cheek
५३	गंडीव	गाण्डीव	०	धनुष–गांडीव	Bow
९७	गत्त	गात्र	न०	शरीर	Body
६०४	गद्दब्भ	गार्दभ्य	वि०	गर्दभ का अवाज–सुनने में जो अच्छा न हो	Braying, disagreeable to the ear
५८	गद्दहय*	गर्दभक	न०	कुमुद	White lotus
३९१	गद्दह	गर्दभ	पुं०	गधा	Donkey
९६३	गंती	गन्त्री	स्त्री०	गाडी	Cart
२९	गंधवह	गन्धवह	पुं०	पवन	Wind
७१०	गंधव्व	गान्धर्व	पुं०	गीत	Music
५८७	गधुग्गिरण	गन्धोद्गिरण	न०	गंधका फैलना	Exhaling perfume
३७९	गंध	गन्ध	पुं०	गंध, वास	perfume
३२३	गंभीर	गम्भीर	वि०	गंभीर	Deep

३४	गयण	गगन	न०	आकाश	Sky
१७३	गयमुह	गजमुख	पु०	गणेश	Ganesh
२१९	गयवया	गतवयस्	स्त्री०	डोकरी	Old woman
२९९	गयवहू	गजवधू	स्त्री०	हथनी	Female--elephant
७०२	गयारोह	गजारोह	पु०	मावत	Mahant
६३२	गरल	गरल	न०	विष, झेर	Poison
८२१	गरिहा	गर्हा	स्त्री०	निंदा	Blame
२००	गरुअ	गरुक	वि०	बडा-भारी	Venerable, Renown
३०	गरुल	गरुड	पु०	गरुड	Garuda
८४७	गलअ	गलक	पुं०	गला	Throat
१४७	गलत्थिअय	गलहस्तित-क्षिप्त	वि०	गले में हाथ देकर बहार निकाल देना	Turned out
२६४	गवक्ख	गवाक्ष	पु०	झरोखा	Window
५६१	गविट्ठ	गवेषित	वि०	खोजा हुआ	Sought, looked for
६२७	गवित्त		न०	पशुओंके खाने का एक प्रकार का घास	Fodder
१२९	गव्विअ	गर्वित	वि०	मगरूर, अहंकारी	Proud
३८	गहकल्लोल	ग्रहकल्लोल	पुं०	राहु	Rahu
३५३	गहण	गहन	न०	गाढ-गीच	Thicket
७३	गहत्थि	गभस्ति	पु०	किरण	Ray
२९२	गहर	गृध्र	पु०	गीध	Vulture
१२२	गहवइ	गृहपति	पुं०	मालिक	Husbandman
५	गहवइ	ग्रहपति	पुं०	चन्द्र	Moon
१५९	गाढ	गाढ	वि०	गाढ-बहुत	Much
२०५	गामणी	ग्रामणी	पुं०	ग्रामका नेता	Headman or lord of a village
२०५	गामवइ	ग्रामपति	पुं०	,,	Headman or lord of a village

३९९	गामहण	ग्रामधन	न०	छोटा गांव	Village-site
३२०	गाव	ग्रावन्	पु०	पत्थर	Stone
६९	गिट्ठि	गृष्टि	स्त्री०	एकवार वियाई हुई गाय	Heifer
२९२	गिद्ध	गृध्र	पु०	गीध	Vulture
६५९	गिंधुअ*		न०	स्तन ऊपर गांठ देकर पहिना हुआ वस्त्र	Cloth tied in a knot over the breast
११६	गिंधुल्ल*		पु०	चोला	Coat of mail
८१	गिरा	गिर्	स्त्री०	वाणी	Speech
२२	गिरिस	गिरिश	पु०	महादेव	Shiva
२३१	गीवा	ग्रीवा	स्त्री०	डोक	Neck
३४७	गुच्छ	गुच्छ	पु०	गुच्छा	Bunches of flowers
९७४	गुज्झ	गुह्य	न०	गुप्त	Secret
१७५	गुज्झय	गुह्यक	पुं०	यक्ष	Yaksha
७२०	गुजा	गुञ्जा	स्त्री०	चिणोठी	Berry of Abrus Precatorius
३५७	गुट्ठ	गोष्ठ	न०	गाय का वाडा	Cow-pen
४६७	गुणणिआ	गुणनिका	स्त्री०	अभ्यास करना–पढे हुए पाठ को फिर फिर गुणना	Repeat studying
२७७	गुण	गुण	पुं०	गुण–दोरा–धनुष्यकी दोरी	Bow-string
८२०	गुण	गुण	पु०	दोरा, धागा	Thread
५५७	गुंडिअ	गुण्डित	वि०	धूलयुक्त	Covered with dust
४३३	गुत्त	गोत्र	न०	गोत्र	Family-name
८८६	गुद	गुन्द्र	पु०	एक प्रकार का वृक्ष	Saccharum Sara
८५०	गुप्फ	गुल्फ	पुं०	घुटी	Ancle
५८०	गुम्मइअ*	मुग्ध	वि०	मोह पाया हुआ–जिसका मन गुम हुआ	Confused
८७६	गुम्म	गुल्म	पुं०	झाडी	Thicket
८४६	गुलिअ	गुलिक	पु०	गोल आकारवाला गेंद	Ball

३४७	गुलुच्छ*		पु०	गुच्छा	Bunches of flowers
३५३	गुविल	गुपिल	वि०	गहन–गाढ–सघन	Thicket
३२३	गुहिर	गुहिर	वि०	गभीर	Deep
२३	गुह	गुह	पुं०	कार्तिकेय	Kartikeya
९७८	गुहा	गुहा	स्त्री०	गुफा	Cave
७१०	गेय	गेय	न०	गीत, संगीत	Music
९०९	गोउर	गोपुर	न०	दरवाजा	Gate-tower
३५७	गोउल	गोकुल	न०	गोकुल	Cow-pen
३९७	गोमाउ	गोमायु	पु०	सिआर	Jackal
९१८	गोअर	गोचर	पुं०	विषय	Province
३१८	गोआवरी	गोदावरी	स्त्री०	गोदावरी नदी	Godavari
३	गोरी	गौरी	स्त्री०	पार्वती	Parvati
६९	गोला	गो	स्त्री०	गउ–गाय	Cow
३१८	गोला*		स्त्री०	गोदावरी नदी	Godavari
८८४	गोल्हाफल*		न०	टिंडोरा–घोला	Bimba-fruit
२०७	गोव	गोप	पु०	गोपाल–गाय को पालनेवाला	Cow-herd
२०७	गोवाल	गोपाल	पुं०	,,	Cow-herd
७१	गोसग्ग	गोसर्ग	पु०	प्रातःकाल	Dawn
७१	गोस		पु०	,,	Dawn

घ

९३९	घडा	घटा	स्त्री०	घटा–समूह	Troop
३१४	घडिजत	घटियन्त्र	न०	रहट	Water-wheel
१३३	घडिअ	घटित	वि०	बना हुआ–घडा हुआ	Made
५९५	घडिअ	घटित	वि०	लगा हुआ	Joined
९८२	घडिआ	घटिका	स्त्री०	घडी	Watch, clock
९५६	घढ*	कूट (?)	न०	टीला, स्तूप	Monument
४१९	घणनिवह	घननिवह	पुं०	बद्दल	Mass of clouds
४१५	घणसमअ	घनसमय	पु०	चोमासा–वरसाद की मोसम	Rainy season
३७८	घणसार	घनसार	पु०	कपूर	Camphor
१३४	घत्थ	ग्रस्त	वि०	ग्रास किया हुआ–खाया हुआ	Eaten

११४	घम्मजल	घर्मजल	न०	पसीना	Sweat
७२	घम्म	घर्म	पु०	घाम-ग्रीष्म ऋतु-धूपका मोसम	Heat
२८२	घय	घृत	न०	घी	Clarified, butter, Ghee
२८५	घरघटअ	घरघण्टक	पु०	चटक–गौरैया	Sparrow
७७	घर	गृह	न०	घर	House
९३४	घरवाडय	गृहपाटक	न०	छाई हुई जमीन वाला घर–घर का बाडा	House Surrounded by a fence
९२	घरिणी	गृहिणी	स्त्री०	स्त्री	Wife
२३४	घाण	घ्राण	न०	नाक, घ्राणेंद्रिय	Nose
२८६	घारी*	घारी	स्त्री०	चील–समडी	Hen-sparrow
६७२	घुसिण	घुसृण	न०	केसर	Saffron
२३४	घोणा	घोणा	स्त्री०	नाक	Nose
१०९	घोर	घोर	वि०	निर्दय, भयानक, कठोर	Terrible
५२९	घोलिअ	घुर्णित	वि०	घुला हुआ	Revolving
३५७	घोस	घोष	पुं०	गौओका वाडा	Cow-pen

च

२	चउमुह	चतुर्मुख	पु०	ब्रह्मा	Brahma
९९	चउर	चतुर	वि०	होंशीयार, चतुर	Clever
२७६	चक्क	चक्र	न०	पहिया	Wheel
२८८	चक्कायअ	चक्रवाकक	पु०	चकोर पक्षी	Brahmani duck
२५७	चच्चा	चर्चा	स्त्री०	विलेपन	Perfumed oin- –tment
४५३	चचल	चञ्चल	वि०	चंचल	Agile
९४	चडअ	चटक	पुं०	चोटी	Top-lock
२८५	चडअ	चटक	पु०	गेरैया पक्षी	Sparrow
४५३	चडुल	चटुल	वि०	चचल	Agile
४४२	चड	चण्ड	वि०	तीव्र–क्रोधी	Cruel, Furious
१०१	चं.डल	चण्डिल	पु०	नाई–हजाम	Barber
३	चंडी	चण्डी	स्त्री०	पार्वती	Parvati

७२०	चणट्ठिआ*		स्त्री०	घुंगची-चिणोठी	Berry of Abrus Precatorius
१३८	चत्त	त्यक्त	वि०	त्याग किया हुआ	Forsaken
३७७	चंदण	चन्दन	न०	चदन, सुखड	Sandal
६४७	चदसाला	चन्द्रशाला	स्त्री०	अगासी	Hall on the top of the house, Terrace
८१६	चदिमा	चन्द्रिका	स्त्री०	चांदनी	Moonlight
५८	चदुज्जय	चन्द्रोद्यत	न०	कुमुद	White lotus
५	चद	चन्द्र	पु०	चद्रमा	Moon
४८	चमू	चमू	स्त्री०	सेना	Army
२२९	चम्म	चर्मन्	न०	चमड़ा	Skin
५९७	चयइ*	शकति–शक्नोति	क्रि०	कर सकता है, समर्थ है	He can, is able
६११	चरम	चरम	वि०	अंतिम	Last
९२७	चर	चर	पु०	दूत, जासूस	Spy
२२६	चलण	चरण	पुं०	पग, पैर	Foot
७८५	चलिअ	चलित	वि०	चलित	Moved
७८७	चलिअ	चलित	न०	वैकल्य–चंचलता	Shaking, trem--bling
४५३	चवल	चपल	वि०	अस्थिर–चचल	Agile
९७६	चसय	चषक	न०	दारुका प्याला	Cup of wine
८०	चामीअर	चामीकर	न०	सोना–सुवर्ण	Gold
२९३	चायअ	चातक	पु०	चातक पक्षी	Chataka
९३०	चारअ	चारक	पु०	जेल–केदखानु	Prison
४४	चारण	चारण	पुं०	चारण, भाट	Bard
८९४	चार	चार	न०	प्रियाल वृक्ष–चिरोंजीका वृक्ष	Buchanania Latifolia
१४	चारु	चारु	वि०	सुदर	Fine
५३	चाव	चाप	न०	धनुष	Bow
४२	चिइ	चिति	स्त्री०	बुद्धि	Intellect

१४९	चिंचइअ*	मण्डित	वि०	भूषित	Adorned
३७१	चिंचिणी*	चिञ्चिणी	स्त्री०	इमली–आंबली	Tamarind
३७१	चिंचा*	चिञ्चा	स्त्री०	,, ,,	,,
१४९	चिंचिल्लिअ*	मण्डित	वि०	भूषित	Adorned
६७९	चित्तअ	चित्रक	पु०	चित्ता	Panther
७९८	चित्त	चित्त	न०	मन, चित्त	Mind
१६७	चित्तल*	चित्रल	न०	चित्रविचित्र	Variegated
५४१	चिद्दविअ*		वि०	विनाश पाया हुआ	Destroyed
१६०	चिंतादिट्ठ	चिन्तादृष्ट	वि०	विचारपूर्वक देखा हुआ	Carefully looked at
२४६	चिंध	चिह्न	न०	आंक, निशान, चिह्न	Mark
११५	चिंध	चिह्न	न०	ध्वज–धजा	Banner
४७७	चिब्भिड	चिर्भट	न०	चिभडा	Cucumber, Cucumis
२८१	चिरड्डिढहिल्ल*		न०	दही	Curd
२८६	चिल्ला*	चिल्ला	स्त्री०	चील–समडी	Hen-sparrow, Onomat
२२५	चिहुर	चिकुर	पु०	केश, बाल	Locks
२८७	चीरी	चीरी	स्त्री०	एक प्रकार का कीडा	Cricket
५५२	चुक्क	च्युतक–भ्रष्ट	वि०	भुला हुआ, भ्रष्ट	Lost, Missed, Forgotten
४५१	चुज्ज*		न०	आश्चर्य	Portent, wonder
६७३	चुडुली*		स्त्री०	उल्का	Firebrand
३४०	चुडुप्प*		न०	चमडी	Skin
५१०	चुण्णइअ*	चूर्णायित	वि०	चूर्ण किया हुआ	Powdered
५१६	चुण्णिअ	चूर्णित	वि०	छेदा हुआ	Crushed, broken
५१०	चुन्नाहय	चूर्णाहत	वि०	चूर्ण किया हुआ	Powdered
३४९	चुब्भल*		पु०	कलगी–शेखर–सेहरा–छोगा	Tufts, garland
५५१	चुलुचुलिअ*	चलचलित–स्पन्दित	वि०	हिलता हुआ	Quivering

९५	चुल्ल	क्षुल्ल	पु०	छोटा लडका	Little boy
९७९	चूडअ	चूडक	पु०	चूडा–कंकण	Arm-ring
३६९	चूअ	चूत	पु०	आमका वृक्ष	Mango tree
९४	चूला	चूला	स्त्री०	चोटी	Top-lock
९६	चेडी	चेटी	स्त्री०	छोटी लडकी	Little Girl
११८	चेल	चेल	न०	वस्त्र	Garment Cloth
६२४	चोत्तअ*	चोत्रक	पु०	बाँसका बना हुआ प्राजन दंड	Goad

छ

१९३	छइल्ल*	छेक	पुं०	चतुर–छेल	Clever
१५४	छउअ*	क्षत	वि०	दुर्बल	Emaciated, Weak
१५२	छज्जइ	राजते	क्रि०	शोभता है	He shines
६५०	छडा	छटा	स्त्री०	छटा	Spraying of water
८३८	छण	क्षण	न०	उत्सव	Festival
६५०	छंटा*	छण्टा	स्त्री०	छांटना-जल इत्यादिक को छिटकना	Spraying of water
२०४	छत्तधन्न	छत्रधान्य	न०	धान्य–सस्य	Crops, corinder
२६०	छत्त	छत्र	न०	छाता–छत्री	Parasol
११	छप्पय	षट्पद	पुं०	भौंरा–भ्रमर	Bee
१९३	छप्पणय*	षट्प्रज्ञक	पुं०	बुद्धिमान्	Clever
२३	छंमुह	षण्मुख	पु०	छ मुखवाला–कार्तिकेय	Kartikeya
३३९	छय	छद	न०	वृक्षका पत्ता, पक्षीका पीछ	Leaf, Feather
२७५	छरु	त्सरु	पु०	तलवारकी मूठ	Sword-hilt
३५९	छल	छल	न०	छल	Fraud
१९३	छलिअ*	छलित	वि०	चतुर	Clever
३४०	छल्ली*		स्त्री०	छाल	Skin
२२९	छवी	छवी	स्त्री०	चमडी	Skin
२४१	छवी	छवी	स्त्री०	कांति, लावण्य	Beauty
५२३	छाय*	छात–क्षाम	वि०	भूखा	Hungry

१५४	छाय*	छात	वि०	दुबला, पतला	Weak Emaciated
२४१	छाया	छाया	स्त्री०	काति, तेज	Beauty
७६५	छाया	छाया	स्त्री०	बृक्ष की छाया	Shade
८८	छारय*		न०	कोंपल	Bud
७६५	छाही	छाया	स्त्री०	वृक्ष की छाया	Shade
१५०	छिक्क	छुप्त	वि०	स्पर्श किया हुआ	Touched
६६७	छिच्चोलअ*		पु०	निंदा सूचन के लिए मुह को टेढा करना	Pursing the mouth in contempt
९१	छिंछई*		स्त्री०	व्यभिचारिणी स्त्री	Unchaste woman
३०६	छिंछोली*		स्त्री०	पानीका छोटी प्रवाह	Brook
९४	छिंडअ*		पु०	चोटी	Top-lock
३६१	छिण्णयड	छिन्नतट ?	न०	टांकणे से छेदा हुआ	Cut with a chisel
१५०	छित्त	छुप्त	वि०	स्पर्श किया हुआ	Touched
३०३	छिप्प*		न०	पुछ	Tail
१३९	छिप्पिअ	स्तिपित	त्रि०	झरा हुआ	Dripping
७७०	छिंपअ*		पुं०	छिंपा–कपडे को छापनेवाला	Dyer
२८०	छीर	क्षीर	न०	दूध	Milk
४७२	छुद्द	क्षुद्र	वि०	छोटा	Small
९६५	छुरिआ	क्षुरिका	स्त्री०	छुरी	Knife
५२३	छुहाइअ	क्षुधायित	वि०	भूखा	Hungry
९९	छेअ	छेक	वि०	चतुर	Clever
४८३	छेअ*	छेद	पुं०	छेडा-अंत	Limit
९६६	छोह*	क्षोभ	पुं०	क्षोभ	Scattering

ज

४३	जइ	यति	पुं०	जती साधु	Ascetic
७३३	जउणा	यमुना	स्त्री०	जमना नदी	Yamuna
८२५	जअ	जव	पु०	वेग	Speed
१७५	जक्ख	यक्ष	पुं०	यक्ष	Yaksha
२८	जक्खाहिवइ	यक्षाधिपति	पुं०	यक्ष का स्वामी–कुबेर	Kubera

६३५	जगल*		न०	नीचे जमा हुआ दारुका पतला भाग	Yellow rum
८५१	जंघा	जङ्घा	स्त्री०	जांघ	Thigh
६०८	जच्चतुरंग	जात्यतुरंग	पुं०	उत्तम–अच्छा–घोडा	Best horse, horse of Good race
१५	जड	जड	वि०	अलस	Slow, Inert
७६१	जड	जड	वि०	जाडा से ठंडा हुआ	Cold
१२१	जड	जड	वि०	जड–मूरख	Fool
१४०	जडिअ*	जटित	वि०	जडा हुआ	Joined, studded
२३८	जढर	जठर	न०	जठर–पेट	Stomach
८६३	जणअ	जनक	पु०	बाप–उत्पन्न करने वाला	Father
२०९	जणंगम	जनगम	पुं०	चांडाल	Chandala
८६४	जणणी	जननी	स्त्री०	माता, उत्पन्न करने वाली	Mother
१३३	जणिअ	जनित	वि०	पैदा किया हुआ	Made
८५९	जण्हुआ	जानु	स्त्री०	घुटना–जानु	Knee
४१	जण्हुसुआ	जह्नुसुता	स्त्री०	गगा नदी	Ganges
३२९	जन्न	यज्ञ	पु०	यज्ञ	Sacrifice
३९६	जतु	जन्तु	पु०	जीव, प्राणी	Being
२७	जम	यम	पुं०	यम, जम	Yama
६५५	जंपिच्छअ*	यत्प्रेक्षक	पु०	जिस किसीको देखे उसकी इच्छा करने वाला	Desiring what one sees
३०७	जबाल	जम्बाल	पुं०	कीच–कचरा	Mud
३२५	जंबाल*	जम्बाल	पु०	सैवाल–सिबार	Duckweed
३९७	जबुअ	जम्बुक	पुं०	सियार	Jackal, Fox
१११	जंबुल्ल	जल्पाक	पु०	बकवादी–बोल बोल करने वाला	Talkative
१८८	जय	जगत्	न०	जगत, संसार	World
१८०	जयंत	जयन्त	पु०	इन्द्र का पुत्र	Jayanta
२१९	जरई	जरती	स्त्री०	डोकरी	Old woman
२१८	जरा	जरा	स्त्री०	बूढापा	Old age
३२७	जलकरप्फाल	जलकरास्फाल	पु०	पानी में हाथ मारना	Stirring water with the hand

६	जलण	ज्वलन	पु०	आग, अग्नि	Fire
९०३	जलतुसार	जलतुषार	पुं०	पानी की बुदें	Spray
३००	जलहत्थि	जलहस्तिन्	पु०	जलहाथी	Water elephant
३४४	जलहरण	जलधरण	न०	पानी का क्यारा	Basin round a Tree
३३	जलहर	जलधर	पु०	मेघ	Cloud
८	जलहि	जलधि	पु०	समुद्र	Ocean
६२७	जवस	यवस	न०	घास, तृण–चारा	Fodder
३६६	जवा	जपा	स्त्री०	जपा का फूल–गुडहल का फूल	China rose
८८१	जव	यव	पुं०	जौ–यव	Yava
९८८	जाइ	जाति	स्त्री०	मालती	Jasminum grandiflorum
४०	जाउहाण	यातुधान	पु०	राक्षस	Rakshasa
८५९	जाणु	जानु	पु०	घुटना	Knee
७४	जामिणी	यामिनी	स्त्री०	रात्री	Night
९५८	जाम	याम	पुं०	प्रहर	Watch
९२	जाया	जाया	स्त्री०	स्त्री	Wife
३२८	जाला	ज्वाला	स्त्री०	ज्वाला	Flame
८७६	जाली*		स्त्री०	सघन झाडी	Thicket
३६६	जासुअण*		पु०	गुडहल का फूल–झपा का फूल	China rose
४९७	जिंघिअ	घ्रात	वि०	सुघा हुआ	Smelt
२०	जिण	जिन	पुं०	जिन–राग द्वेष को जितने वाला–शाक्यसिंह–बुद्ध	Shakyamuni
१७१	जिण	जिन	पुं०	रागद्वेष को जितनेवाला–महावीर	Jina–Jnatputra–Mahavir
३३	जीमूअ	जीमूत	पु०	मेघ	Cloud
६८८	जीवइ	जीवति	क्रि०	वह जीता है	He lives
२७७	जीवा	जीवा	स्त्री०	धनुष की दोरी	Bow-string
८५३	जीहा	जिह्वा	स्त्री०	जीभ	Tongue
४६७	जुग्ग	योग्य	पुं०	अभ्यास–बार बार करना	Repeate Study, application

८१६	जुण्हा	ज्योत्स्ना	स्त्री०	चांदनी	Moon-light
६८६	जुअल	युगल	न०	जोडी–स्त्रीपुरुष की जोडी, नर मादा की जोडी	Couple
१०४	जुअल	युवन्	पु०	जुवान	Young man
१०४	जुअ (य)	,,	पु०	,,	Young man
१०४	जुआण (याण)	,,	पु०	,,	Young man
१२	जुवइ	युवति	स्त्री०	जुवान स्त्री	Young woman
७७९	जूअ	द्यूत	न०	जूआ	Gambling
५७५	जूरिअ	ज्वरित–खिन्न	वि०	खेदयुक्त	Distressed
९८९	जे		अ०	पादपूरक शब्द	Particle without meaning

झ

७४३	झझा	झञ्झा	स्त्री०	प्रचण्ड पवन का तुफान	Storm, breaking of monsoon
१७	झत्ति	झटिति	अ०	जल्दी–झट	Suddenly
८४९	झपणी*		स्त्री०	आंख की पांपण	Eye-lashes
७४२	झला*		स्त्री०	मृगतृष्णा–मृगजल–कडे धूप को दूर से जल समजना	Mirage
३६१	झस*		न०	टांकणे से छेदा हुआ	Cut with chisel
६०	झस	झष	पुं०	मछली	Fish
७२१	झाड*		न०	लतागृह	Bower of creepers
२८७	झिल्लिआ	झिल्लिका	स्त्री०	एक प्रकार का कीडा	Insect cricket
५१५	झीण	क्षीण	वि०	क्षीण	Emaciated

ट

३६१	टकछिण्ण	टङ्कछिन्न	न०	टांकणे से छेदा हुआ	Cut with chisel
८५१	टंका*	टङ्का	स्त्री०	टांग–पेर	Leg
८९८	टिंबरुअ*	टिम्बरुक	न०	टिंबरु	Diospyros Embryopteris.
१४९	टिविडिक्किअ	मण्डित	वि०	भूषित	Adorned

ठ

९१७	ठाण	स्थान	न०	स्थान	Place

ड

६	डहण	दहन	पु०	आग	Fire
९५	डहर	दभ्र	पु०	बालक	Littl boy
३३३	डाला*	दलिका	स्त्री०	वृक्ष की डाली	Branch
७२	डाह	दाह	पु०	दाह-ताप	Heat
३१९	डिंडीर	डिण्डीर	पु०	फेन	Foam
९५	डिंभ	डिम्भ	पुं०	बालक	Little boy
८३४	डोंब*	डुम्ब	पुं०	श्वपाच-डोंबनी जात	Out cast, Domba
७४१	डोला	दोला	स्त्री०	झूला, हिंडोला	Swing

ढ

६७	ढक	ध्वाङ्क्ष	पु०	कौआ	Crow
४७९	ढमर*		पु०	पिठर, एक प्रकार का वर्तन	Pot, pan
३९	ढयर*		पु०	पिशाच	Pishacha
५२९	ढुंढुल्लिअ*	गवेषित	वि०	खोजा हुआ	Revolving

ण

७८२	ण्हाय	स्नात	वि०	स्नान किया हुआ	Bathed
१०१	ण्हाविअ	स्नापित	पु०	नावी	Barber

त

९६४	तंस	त्र्यस्र	वि०	तीन कोनेवाला-त्रिकोण	Triangle, Horizontal, Across
१२४	तक्कर	तस्कर	पु०	चोर	Thief
१७	तक्खण	तत्क्षण	क्रि० वि०	शीघ्र, जल्दी	Suddenly
३०	तक्ख	तार्क्ष्य	पुं०	गरुड	Garuda
४०५	तग्गयमण	तद्गतमनस्	वि०	तत्पर, एकाग्र	Intent on
५२१	तडिअ	तनित	वि०	विस्तार युक्त-ताना हुआ	Stretched
१८३	तडि	तडित्	स्त्री०	बीजली	Lightning
३१२	तड	तट	पु०	तट	Bank
५२१	तड्डविअय*	तत	वि०	विस्तार युक्त-ताना हुआ	Stretched
१९७	तणया	तनया	स्त्री०	पुत्री, लड़की	Daughter

५७२	तणुईकय	तन्वीकृत	वि०	पतला किया हुआ	Thinned
१५४	तणुअ	तनुक	वि०	पतला	Emacited
६७८	तणुरुह	तनुरुह	न०	केश–वाल, रोम–लोम–रोंआ	Hair
३२४	तणुसरिआ(या)	तनुसरित्	स्त्री०	छोटी नदी	Brook
९७	तणू	तनू	स्त्री०	तन, शरीर	Body
४६४	तडव	ताण्डव	न०	तांडव नृत्य	Dance of Shiva
७६४	तण्णअ	तर्णक	पु०	बछडा	Calf
५३१	तण्णाय*		वि०	गीला–भीगा हुआ	Wet
३२२	तण्हा	तृष्णा	स्त्री०	तृष्णा	Thirst
९०८	तत्त	तत्त्व	न०	सत्य तत्त्व	Truth
४६९	तद्दिअसिअ	तद्दिवसित	क्रि० वि०	अनुदिवस, निरंतर	Daily
७७८	ततुवाअ	तन्तुवाय	पु०	बुनकर–जुलाहा	Weaver
८२०	तंतु	तन्तु	पु०	ततु–तागा–धागा	Thread
२५६	तप्प	तल्प	न०	बिछौना–बिस्तर	Bed
४०५	तप्पर	तत्पर	वि०	तत्पर	Intent on
७६	तमिस्स	तमिस्र	न०	अंधेरा	Darkness
१६६	तंब	ताम्र	वि०	लाल	Red
२८९	तंबसिह	ताम्रशिख	पुं०	कूकडा	Cock
६९	तबा	ताम्रा	स्त्री०	गाय–लाल गाय	Cow (Red coloured)
३४०	तया	त्वचा	स्त्री०	चमडी	Skin
८	तरंगमालि	तरङ्गमालिन्	पु०	समुद्र	Ocean
३६	तरंगिणी	तरङ्गिणी	स्त्री०	नदी	River
५६	तरंग	तरङ्ग	पुं०	समुद्र के तरंग	Wave
४	तरणि	तरणि	पुं०	सूर्य	Sun
९५२	तरंत	तरत्	वि०	तैरता हुआ	Swimming
४५३	तरल	तरल	वि०	चपल	Agile, moveable
३७०	तरवट्ट*		पुं०	एक प्रकारका वृक्ष	Cassia Pera or Alata
८२७	तरा	त्वरा	स्त्री०	त्वरा–जल्दी–उतावल	Haste, hurry
१०४	तरुण	तरुण	पुं०	जवान–युवान	Young man

८७	तरु	तरु	पु०	पेड–झाड	Tree
५९७	तरेइ	तरति	क्रि०	वह समर्थ होता है	He can, is able
२७८	तल	तल	न०	तल–जमीन का तल, समुद्र का तल	Ground
८९३	तल	तल	न०	ताड का वृक्ष	Palmyra treeel
२५५	तलवत्त	तलपत्र	न०	कानमें पहनने का एक का गेहना	Ear-ornament
१५४	तलिण	तलिन	वि०	पतला	Thin
२७८	तलिम	तलिम	न०	तल–एकदम नीचेका भाग	Level ground
२५६	तलिम	तलिम	न०	बिछौना–तलाई	Bed
४०५	तल्लिच्छ	तल्लिप्स	वि०	तत्पर–परायण	Intent on
६३९	तवअ	तपक	पु०	रोटी पकाने का तवा	Pan for baking bread
८०	तवणिअ	तपनीय	न०	सोना	Gold
४३	तवस्सि	तपस्विन्	पुं०	तपस्वी	Ascetic
५२४	ताडिअ	ताडित	वि०	ताडन किया हुआ	Beaten
१०	तामरस	तामरस	न०	कमल	Lotus
७५०	तार	तार	वि०	चमकवाला–दीप्तिमान	Shining
८९३	ताल	ताल	न०	ताड का वृक्ष	Palmyra tree
३०४	ताल्लूर	ताल्लूर	पु०	पानीके आवर्त	Whirlpool
३९८	तावसगेह	तापसगेह	न०	तापसों का मठ	Hermitage
४३	तावस	तापस	पु०	तापस	Ascetic
७२	ताव	ताप	पु०	ताप–धूप	Heat,hot-season
६२६	ताविच्छ	तापिच्छ	न०	कालिंजनी का फूल	Flower of xanthochymus pictorius
४९५	तास	त्रास	पु०	त्रास	Fright
९४६	तिउड	त्रिपुट	पुं०	समूह तीन पुट किया हुआ	Girdle or cord of three strings
५९०	तिक्खालिअ	तीक्ष्णटित	वि०	तीक्ष्ण	Sharpened
३४२	तिंगिच्छि*		स्त्री०	कमल की रज–पराग	Pollen of lotus
५३१	तित्त	तिप्त	वि०	गिला–भीगा	Wet

३२१	तित्थ	तीर्थ	न०	नदी का घाट	Ford
१७१	तित्थाहिवइ	तीर्थाधिपति	पु०	तीर्थंकर	Jnatputra–Mahavira
८९८	तिंदुअ	तिन्दुक	न०	टींबरु	Diospyros Embryopteris
७६	तिमिर	तिमिर	न०	अंधेरा	Darkness
६०	तिमि	तिमि	पु०	मछली	Fish
२४८	तिय (अ)	त्रिक	न०	नितंब	Hip
१८५	तिय अ)स–चाव	त्रिदश चाप	न०	इद्रधनुष–मेघधनुष	Rainbow
२४	तिय(अ स	त्रिदश	पु०	देव	God
९६४	तिरिच्छ	तिर्यक्	वि०	टेढा	Horizontal, across
४९९	तिरोहिअ	तिरोहित	वि०	छुपा हुआ	Covered, concealed
७३१	तिलय(अ)	तिलक	पु०	तिलक	Mark of The forehead
१६९	तिविट्ठय	त्रिविष्टप	न०	स्वर्ग- तिबेट देश	Heaven
७५८	तिव्व	तीव्र	वि०	तीव्र	Difficult to bear
३२२	तिसा	तृषा	स्त्री०	त्रिषा–तरस–प्यास	Thirst
६८१	तीर	तीर	न०	तट–कांठा–किनारा	Bank
७६८	तुच्छ	तुच्छ	वि०	तुच्छ	Little, small
२१७	तुण्हिक्क	तूष्णीक	वि०	मूक मौन रखनेवाला–चूप रहेने वाला	Mute
२३८	तुंद	तुन्द	न०	तोंद–फांद-पेट	Abdomen
७५२	तुप्प	तृप्र	वि०	घी से चूपडा हुआ	Anointed
४०६	तुप्प *		न०	कौतुक	festival
७३८	तुब्भे	युष्मद्-यूयम्	स०	तुम	You
७९३	तुमुल	तुमुल	न०	कोलाहल–घोंघाट	uproar, tumult
४९२	तुंब	तुम्ब	न०	तुंबा	long gourd
४५	तुरअ	तुरग	पुं	घोडा	horse
७०८	तुरंगिआ	तुरङ्गिका	स्त्री०	घोडी	mare
४५	तुरंग	तुरङ्ग	पुं०	घोडा	horse

६३१	तुरयदेह–पिंजरण	तुरगदेह–पिञ्जरण	न०	घोडे को सजाना	Painting a horse
४८२	तुरिअ	त्वरित	वि०	त्वरायुक्त	quick
३७५	तुलसी	तुलसी	स्त्री०	तुलसी	Ocymum Sanctum
५३९	तुलिअ	तुलित	वि०	तुला हुआ	Weighed
४१८	तुसार	तुषार	न०	हिम	Frost, Snow
४१८	तुहिण	तुहिन	न०	,,	Frost, Snow
८७९	तूल	तूल	न०	रूई	Cotton
१६	तेअविअ	तेजापित	वि०	झगमगाता हुआ	Shining, lighted
८४५	तोण	तूण	पुं०	भाथा	Quiver
८४५	तोणीर	तूणीर	पुं०	,	Quiver
४४०	तोत्तडि*		स्त्री०	करंबा	Flour mited with curd
६२४	तोत्त	तोत्त्र	न०	आर लगाई हुई वांसकी लाठी–परोणा	Goad
३४५	तोमरिगुंडि*	तोमरिगुण्डि	स्त्री०	एक प्रकार की लता–वेल	Pollen of Creepers ?
३५	तोय	तोय	न०	पानी	Water
५३५	तोरविअ*		वि०	उत्तेजित	Urged on
४६३	तोस	तोष	पु०	तोष–संतोष	Contentment

थ

८४४	थग्घ*	स्ताघ	वि०	गहेरा–ऊंडा	Deep
१२९	थड्ढ	स्तब्ध	वि०	गर्वित–अक्कड	Proud, against
२२७	थण	स्तन	पुं०	स्तन	Breast
७३४	थणिअ	स्तनित	न०	मेघगर्जन	Thunder
८८२	थंब*	स्तम्ब	पुं०	होडीका थंब–सढ (?) गुच्छा	Sail of a Ship, cluster
२१४	थंभ*	स्तम्भ	पुं०	बिंदु	Drop
८०८	थरहरिअ*		वि०	कांपा हुआ	Trembling
९३३	थलि	स्थली	स्त्री०	थली–स्थल	Place, Ground
३४७	थवय	स्तबक	पुं०	गुच्छा	Bunches of fllowers

२२	थाणु	स्थाणु	पु०	शिव	Shiva
९०४	थाणु	स्थाणु	पु०	कील–खीला	Post
४४४	थाम	स्थामन्	न०	बल	Power
८४४	थाह	स्ताघ	पु०	गहराई	Deep
१२९	थिण्ण*		वि०	गर्वित	Proud
१५	थिमिअ	स्तिमित	वि०	धीमा	Slow, inert
६९१	थीण	स्त्यान	वि०	जमा हुआ–जमा हुआ घी	Heap, Quantity
६५१	थुडंकिअअ		न०	रोषयुक्त वचन	Scolding
३६०	थूणा	स्थूणा	स्त्री०	खूटा–खंभा	Pillar
१२६	थूल	स्थूल	वि०	मोटा–जाडा	Fat
९५६	थूह	स्तूप	न०	टीला	Buddihstic monument
१२४	थेण	स्तेन	पुं०	चोर	Thief
२१९	थेरी	स्थविरा	स्त्री०	बुढिया–माता	Old woman
२	थेर	स्थविर	पुं०	ब्रह्मा	Brahma
४४५	थेव	स्तेप	न०	थोडा–लेश	Particle
२१४	थेव	स्तोक	वि०	टीपा–बिंदु–थोडा–कम	Drop
१२६	थोर	स्थूल	वि०	मोटा–जाडा	Fat

द

१०२	दइअ	दयित	पुं०	प्रीतिपात्र–धणी–पति	Lover, husband
१८७	दइच्चगुरु	दैत्यगुरु	पुं०	शुक्र–राक्षसों का महामान्य–गुरु	Ushanas
३२	दइच्च	दैत्य	पु०	दैत्य–राक्षस	Asura
५८९	दंसिअ	दर्शित	वि०	दिखाया हुआ–दरसाया हुआ	Shown
५८९	दक्खविअ	दर्शित	वि०	,,	Shown
३	दक्खायणी	दाक्षायणी	स्त्री०	दाक्षायणी–पार्वती	Parvati
६४०	दक्खिण्णं	दाक्षिण्य	न०	मायालुता–स्नेहिपन	Kindness
८११	दच्छ	दक्ष	वि०	दक्ष–चतुर–कलाज्ञ	Clever, handy
१५९	दढ	दृढ	वि०	दृढ-मजबूत, गाढ	Firm, Solid, Hard, Much

५९१	दड्ढ	दग्ध	वि०	जला हुआ	Burnt
३२	दणुअ	दनुज	पुं०	दानव–राक्षस	Asura
३१३	दद्दुर	दर्दुर	पु०	दादुर–मेंडक	Frog
९०६	दतच्छअ	दन्तच्छद	पु०	होठ–ओठ	Lip
२३०	दत	दन्त	पु०	दांत	Tooth
९	दंति	दन्तिन्	पु०	दांतवाला–हाथी	Elephant
२६५	दप्पण	दर्पण	पु०	दर्पण–आरिसा– मुह देखनेका काच	Mirror
८९	दप्प	दर्प	पु०	दर्प–अभिमान	Pride
८८०	दब्भ	दर्भ	पुं०	डाभ–कुशा	Kusha-grass
३५	दय	दक	न०	पानी	Water
६४२	दर	दर	न०	आधा–कम .	Half
१२९	दरिअ	दृप्त	वि०	मिजाजी	Proud
४९	दरिद्द	दरिद्र	वि०	दरिद्र–निर्धन	Poor
९७८	दरी	दरी	स्त्री०	गुफा	Cave, hole
३३९	दल	दल	न०	पत्ता	Leaf
५१३	दलिअ	दलित	वि०	दला हुआ–काटा हुआ	Split
४०८	दलिअ	दलिक	न०	लकडा	Wood
३५४	दव	दव	पुं०	दावानल–जंगलकी आग	Conflagration
७८	दविण	द्रविण	न०	द्रव्य–धन	Wealth
७८	दव्व	दव्व	न०	द्रव्य–घन	Wealth
७३७	दव्वी	दर्वी	स्त्री०	कडछी	Spoon
२३०	दसण	दशन	पुं०	दांत	Tooth
२०	दसबल	दशबल	पु०	गौतम बुद्ध, शाक्यसिंह	Shakyamuni
९२१	दसा	दशा	स्त्री०	दशा–स्थिति	State
२१	दसारनाह	दशार्हनाथ	पुं०	दशार्हों का नाथ–कृष्ण	Krishna
२८१	दहिअ	दधिक	न०	दहीं	Sour milk
६०१	द्राण	दान	न०	हाथी का मद	Ichor from an elephant's temples
३२	दाणव	दानव	पुं०	दानव–राक्षस–असुर	Asura
११४	दाणिं	इदानीम्	अ०	अब–अभी	Now

३५०	दाम	दामन्	न०	माला	Garland
९२	दार	दार	पुं०	दारा–स्त्री	Wife
७५९	दार	द्वार	पु०	दरवाजा	Door
५७३	दारिअ	दारित	वि०	बिदारा हुआ–चीरा हुआ	Torn, cleft
४०८	दारु	दारु	न०	लकडा–काष्ठ	Wood
१०९	दारुण	दारुण	वि०	भयकर	Terrible
५८९	दाविअय	दर्शित	वि०	दिखाया हुआ–दरसाया हुआ	Shown
३५४	दाव	दाव	पु०	दावानल	Conflagration
२११	दास	दास	पु०	दास–मच्छीमार	Fisher
१९६	दिअ	द्विज	पु०	द्विज–वर्तमान जीवन में दो जन्म पानेवाला–ब्राह्मण	Brahman
८६६	दिअर	देवर	पु०	देवर–देर–स्त्री के पति का छोटाभाई	Brother-in-law
३६०	दिअली*		स्त्री०	ढिंगली–पूतली स्थूणा–खूंटा	Pillar
४	दिअसअर	दिवसकर	पु०	दिवसका करनेवाला–सूरज	Sun
४६९	दिअसिअ	?वसिक	वि०	दिवस का काम–रोज का काम–नित्य कर्म	Daily work
४१७	दिअह	दिवस	पुं०	दिवस	Day
४१७	दिआ	दिवा	अ०	दिवस	Day
१९६	दिआइ	द्विजाति	पु०	द्विज–ब्राह्मण	Brahman
१३५	दिट्ठ	दृष्ट	वि०	देखा हुआ	Seen
६५६	दिट्ठंत	दृष्टान्त	पु०	दृष्टांत–उदाहरण	Image, Counterpart
६६८	दिट्ठ	दिष्ट	वि०	चिंतन किया हुआ–विभावित	Shown
४	दिनमणि	दिनमणि	पुं०	दिन का मणि–सूरज	Sun

७१	दिणमुह	दिनमुख	न०	दिन का मुख–दिन का प्रारंभ–सवेरा	Dawn
४१७	दिण	दिन	न०	दिन–दिवस	Day
५२७	दिण्ण	दत्त	वि०	दिया हुआ	Given
७५०	दित्त	दीप्त	वि०	दीपा हुआ	Shining
७५	दित्ति	दिप्ति	स्त्री०	दीपना–चमकना–प्रकाश	Light
९६	दिल्लिंदिलिआ*		स्त्री०	बालिका–छोटी लडकी	Little Girl
८१९	दिव्व	दैव	न०	दैव–विधि–भाग्य	Fate
६९०	दिसा	दिशा	स्त्री०	दिशा	Direction
९१३	दीण	दीन	वि०	दीन–क्षीण	Distressed
८१३	दीव	दीप	पु०	दीपक–दीया	Lamp
६७९	दीवि	द्वीपिन्	पु०	चित्ता–दीपडा	Panther
४८४	दीह	दीर्घ	वि०	लबा	Long
४५२	दीहत्तण	दीर्घत्वन	न०	दीर्घता–लबाई	Length
४८४	दीहर	दीर्घतर	वि०	लबा	Long
३११	दीहिआ	दीर्घिका	स्त्री०	दीर्घिका–वाव–वापी	Oblong well or lake
९८	दुइअ	द्वितीय	वि०	दूजा–दूसरा–अनुचर–साथी	Companion
८५	दुक्कय	दुष्कृत	न०	दुष्कृत–पाप	Sin
६५८	दुक्ख	दुःख	न०	दुःख–पीडा	Pain, misfortune
८२१	दुगछा	जुगुप्सा	स्त्री०	घृणा–नफरत	Blame
४९	दुग्गअ	दुर्गत	पु०	दुःखी–गरीब	Poor
३	दुग्गा	दुर्गा	स्त्री०	दुर्गा देवी–पार्वती	Durga
९४७	दुगुल्ल	दुकूल	न०	डगला–सुदर वस्त्र	Fine cloth
११०	दुच्चडिअ	दुश्चण्डित	वि०	दुःशिक्षित–स्वच्छदी	Silly, ill-bred
४७१	दुज्जाय	दुर्जात	न०	दुःख	Misfortune
७४४	दुट्ठ	दुष्ट	वि०	दुष्ट	Bad man
१७	दुत्ति	द्रुत	अ०	द्रुत–शीघ्र	Suddenly
४००	दुद्दोली*	द्रुद्रुआलि	स्त्री०	वृक्ष की श्रेणी	Row of trees
९६	दुद्धगंधिअमुही	दुग्धगन्धिकमुखी	स्त्री०	अभी जिसके मुह में दूध की गंध आती हो–छोटी बालिका	Little Girl

२८०	दुद्ध	दुग्ध	न०	दूध	Milk
४९२	दुद्धिअ	दुग्धिक	न०	अंदर से दूध जैसा सफेद –दूधी–घीया	Bottle-gourd, White Gourd
६२०	दुप्परिअल्ल	दुष्परिकल्य	वि०	अशक्त	Weak
५१५	दुब्बल	दुर्बल	वि०	दूबला	Weak
८७	दुम	द्रुम	पु०	द्रुम–वृक्ष–पेड–झाड	Tree
८५	दुरिअ	दुरित	न०	पाप	Sin
११	दुरेह	द्विरेफ	पु०	भमरा–भौरा	Bee
७७९	दुरोअर	दुरोदर	न०	जूआ–द्यूत	Gambling
११०	दुल्ললिअ	दुर्ललित	वि०	दुर्विदग्ध–स्वच्छदी	Ill–bred
७५९	दुवार	द्वार	न०	द्वार	Door
७३५	दुव्वा	दुर्वा	स्त्री०	दूब	Durva-grass
४००	दुव्वाली	द्रुमाली	स्त्री०	वृक्ष की श्रेणी	Row of trees
११०	दुव्विअड्ढ	दुर्विदग्ध	वि०	स्वच्छंदी–दु शिक्षित	Silly, ill–bred
४९	दुव्विह	दुर्विध	वि०	दुर्भागी–गरीब	Poor
६८९	दुच्च	दौत्य	न०	दूतपना–दूत का काम	Embassy, office of messanger
११०	दुस्सिक्खिअ	दुःशिक्षित	वि०	स्वच्छंदी	Self willed
९१	दुस्सीला	दुःशीला	स्त्री०	शील रहित स्त्री	Unchaste woman
६५८	दुह	दुःख	न०	दुःख–पीडा	Pain, misfortune
६१०	दुहाविअ	द्विधाकृत / द्विधापित	वि०	बीच में से दो भाग किया हुआ	Parted, divided
८६१	दुहिआ	दुहितृ–दुहिता	स्त्री०	पुत्री	Daughter
६८९	दूअत्तण	दूतत्वन	न०	दूत का काम	Embassy, office of messanger
८०४	दूई	दूती	स्त्री०	दूती–दूत का काम करनेवाली स्त्री	Female–messanger
७५८	दूसह	दुःसह	वि०	तीव्र–सहा न जाय ऐसा	Difficult to bear
९९६	दे		अ०	'ओ' इस प्रकार आमंत्रणसूचक	A Sign for calling

८६६	देअर	देवर	पु०	देवर–देर	Brother-in-law
२४	देव	देव	पु०	देव	God
८१८	देहली	देहली	स्त्री०	चौखट	Threshold
९	दोघट्ट	द्वि+घुट्ट	पु०	दो से पीने वाला–हाथी	Elephant
१२२	दोणय	द्रोणक	पु०	गांव का मुखी	Chief of the village
३२६	दोणी	द्रोणी	स्त्री०	छोटी नाव	Boat

ध

५५६	धंसाडिअ	ध्वंसापित	वि०	ध्वस्त किया हुआ–छोड दिया हुआ	Avoided
१९४	धणि	धनिन्	पु०	धनी–श्रीमान	Wealthy
१५९	धणिअ*		अ०	गाढ, दृढ	Much, Firm, Solid, Hard
५३	धणुह	धनुष्	न०	धनुष्य	Bow
७६	धंत	ध्वान्त	न०	अंधेरा	Darkness
५३	धम्म	धर्मन्	न०	धनुष्य	Bow
९३	धम्मिल्ल	धम्मिल्ल	पु०	बधे हुए केशों का जूडा केशपाश	Cluster of hair
५९	धयरट्ठ	धार्तराष्ट्र	पुं०	हंस	Swan
११५	धय	ध्वज	पु०	झडा–धजा	Flag
६८८	धरइ	धृ+धरति	क्रि०	वह धारण करता है–जीता है–जीवनयुक्त है	He lives
३७	धरा	धरा	स्त्री०	पृथ्वी	Earth
३७	धरिणी	धरिणी	स्त्री०	,,	Earth
७९	धर	धर	पुं०	पर्वत	Mountain
१६४	धवल	धवल	वि०	सफेद–धोला	White
६०	धवलसउण	धवलशकुन	पु०	श्वेत पक्षी–हस	Swan
१७९	धिसण	धिषण	पु०	बृहस्पति–गुरु	Juptier, prece-Ptor of gods
११	धुअगाय*		पु०	भौंरा	Bee
८६१	धूआ	दुहितृ–धूआ	स्त्री०	पुत्री	Daughter

३३	धूमजोणि	धूमयोनि	पु०	मेघ–बादल	Cloud
६	धूमद्धअ	धूमध्वज	पु०	अग्नि	Fire
५५	धूममहिसी	धूममहिषी	स्त्री०	कुहरा–कुहासा	Mass of clouds
५५	धूमिआ	धूमिका	स्त्री०	,, ,,	,,
५५७	धूसरिअ	धूसरित	वि०	हलका पीला–फीका पीला	Light yellow
९२०	धोय	धौत	वि०	धोया हुआ	Washed

न

३६	§नई	नदी	स्त्री०	नदी	River
२४४	नक्कसिरा	नक्कशिरा	स्त्री०	नाक का छिद्र–नसकोरा	Nostril
१७४	नक्खत्त	नक्षत्र	न०	नक्षत्र	Constellation
२२४	नक्ख	नख	पु०	नख–नाखून	Nail, tallon
८९१	नग्गोह	न्यग्+रोह –न्यग्रोध	पु०	वड का पेड	Banyan tree
२७२	नगल	लाङ्गल	न०	हल	Plough
४६४	नट्ट	नाट्य	न०	नाच	Dance
९८१	नड	नट	पु०	नट–नृत्य करने वाला	Acctor, dancer
५७५	नडिअ	नटित	वि०	व्याकुलता–खेद	Grief
१७६	नंदण	नन्दन	न०	नन्दनवन-देव का वन	Flysium
१९७	नंदणा	नन्दना	स्त्री०	पुत्री	Daughter
६९	नंदी	नन्दी	स्त्री०	गऊ–गाय	Cow
४५५	नम्म	नर्मन्	न०	हास्य–मस्खरी	Joke
३०९	नम्मया	नर्मदा	स्त्री०	नर्मदा नदी	River Narbada
२३३	नयण	नयन	न०	नयन–आंख	Eye
२३९	नयणजल	नयनजल	न०	आंखका पानी–आंसु	Tear
१००	नर	नर	पु०	नर–पुरुष-मनुष्य	Man
१८९	नरनाह	नरनाथ	पुं०	नरों का नाथ–राजा	King
३८५	नलय	नलक	न०	कमल के तन्तु	Lotus–fibre
१०	नलिण	नलिन	न०	कमल	Lotus
३८७	नलिणी	नलिनी	स्त्री०	कमल वेल–कमलिनी	Lotus plant

§ ये 'न' आदिवाले सब शब्द 'ण' आदिवाले भी समझने अर्थात् णई णक्कसिरा णक्खत्त णक्ख इत्यादि रूपसे भी उनका प्रयोग होता है ।

९१५	नवरंग	नवरङ्ग	न०	कसुबी वस्त्र-लाल रंगा हुआ कपडा	Red cloth
१७	नवरि		अ०	सहसा	Suddenly
४२४	नवसिअ	नमस्यित	न०	मनौती	Vow
३४	नह	नभस्	न०	नभ-आकाश	Sky
२२४	नह	नख	पु०	नख	Nail
१६९	नाअ	नाक	पुं०	स्वर्ग	Heaven
४३३	नाम	नामन्	न०	नाम	Name
१२	नारी	नारी	स्त्री०	नारी-स्त्री	Woman
३१६	नारुट्ट*		पुं०	खड्डा	Pit
९८२	नालिआ	नालिका	स्त्री०	समय नापने की घडी	Period of 24 minutes
४५६	नास	नाश	पुं०	नाश-विनाश	Destruction
२३४	नासा	नासा	स्त्री०	नासिका-नाक	Nose
५३४	निउञ्चिअ	निकुञ्चित	वि०	संकुचित	Mean
९९	निउण	निपुण	वि०	चतुर-कुशल	Clever
१८	निउरंब	निकुरुम्ब	पुं०	समूह	Mass
१२५	निक्किव	निष्कृप	वि०	निर्दय	Hartless
७९०	निक्खय	निक्षत	वि०	मारा हुआ	Beaten
५६३	निक्खित्त	निक्षिप्त	वि०	स्थापित	Established
५७९	निग्गयामोअ	निर्गतामोद	वि०	जिस की सुगध खूब फैली हो	Widely fragmented
५७६	निग्गिण्ण	निर्गीर्ण	वि०	बाहर निकला हुआ	Come out
५४५	निग्घत्तिअय	निक्षिप्तक	वि०	स्थापित	Established
१५३	निच्च	नित्य	वि०	नित्य स्थायी	Permanent
१२५	निच्चुड्ड*		वि०	निर्दय	Heartless
६५७	निज्झर	निर्झर	न०	पाणी का झरणा	Streamlet
१३९	निट्टुइअ*	क्षरित	वि०	टपका हुआ	Dripped
१२८	निट्ठुर	निष्ठुर	वि०	निर्दय	Heartless
२३६	निडाल	ललाट	न०	ललाट	Forehead
२९५	निड्ड	नीड	न०	घोंसला	Nest

३६	निण्णया	निम्नगा	स्त्री०	नदी	River
२३३	नित्त	नेत्र	न०	नेत्र–आंख	Eye
४७०	नित्थाम	निःस्थामन्	वि०	निर्बल	Weak
५९३	निद्दलिअ	निर्दलित	वि०	नाश किया हुआ	Destroyed
४८१	निद्देस	निर्देश	पुं०	निर्देश–सूचन	Hint
१२५	निद्दंधस	निर्द्वन्ध्वंस	वि०	ध्वस करनेवाला निर्दय	Cruel
५०६	निद्धाडिअ	निर्धाटित	वि०	बहार निकाला हुआ –भगाया हुआ	Gone out
४९३	निबधण	निबन्धन	न०	कारण	Cause
६४८	निब्भर	निर्भर	क्रि० वि०	भरा हुआ	Filled
५७३	निब्भिण्ण	निर्भिन्न	वि०	भेदा हुआ	Split
५६३	निमिअ	निमित	वि०	स्थापित	Established
३५२	निम्मल्ल	निर्माल्य	न०	देव को चडा हुआ प्रसाद–शेष	Remainder of present made to god
५८७	निम्महिअ	निर्मथित	वि०	मथा हुआ-हिंसित	Straggled
५८८	निम्माय	निर्मात	वि०	निर्माण किया हुआ	Created
११७	निअंसण	निवसन	न०	कटीवस्त्र	Waist-band
१४८	निअक्कल	निचक्कल	न०	गोल आकार	Round shape
८३३	निअगुणसलाहा	निजगुणश्लाघा	स्त्री०	अपने गुण की प्रशंसा	Self–praise
१३५	नियच्छिअ	निदर्शित	वि०	निदर्शन किया हुआ– बताया हुआ	Seen
१६१	नियड	निकट	वि०	पास में रहनेवाला	Near
२४८	निअंब	नितम्ब	पुं०	कमर की दोनों बाजु का नीचा भाग–कूला	Hips
१२	निअंबिणी	नितम्बिनी	स्त्री०	नारी–स्त्री	Woman
४३०	निअय	नियत	वि०	नियत–नियमित	Constantly
७४०	निअय	निजक	वि०	निजका–अपना	One's own
१८	निअर	निकर	पुं०	समूह	Heap, quantity
५७७	निअलिअ	निगडित	वि०	बेडी डाला हुआ	Fettered
४९३	निआण	निदान	न०	कारण	Cause

१३	निरंकुसा	निरङ्कुशा	स्त्री०	स्वच्छद स्त्री	Self-willed woman
१३	निरग्गला	निरर्गला	स्त्री०	,,	Self-willed woman
१३	निरवग्गहा	निरवग्रहा	स्त्री०	,,	Self-willed woman
४८८	निराय*		वि०	सरल	Straight
७२	निरोह	निरोध	पु०	ताप	Heat
७७	निलय	निलय	पुं०	घर	House
५८६	निलीण	निलीन	वि०	लीन, एकाग्र	Completely merged
१८	निवह	निवह	पु०	समूह	Heap quantity
१८९	निव	नृप	पुं०	राजा	King
५८८	निव्वडिअ	निष्पतित	वि०	सिद्ध-निष्पन्न	Produced
६३८	निव्व	नीव्र	न०	नेवा-छप्पर का अग्रभाग	Thatch, rimround, Tile
१९	निव्वाण	निर्वाण	न०	मोक्ष	Final liberation
४९८	निव्विट्ठ	निर्विष्ट	वि०	उपभुक्त	Eaten, enjoyed
१२५	निसंस	नृशस	वि०	क्रूर	Pitiless, cruel
७४	निसा	निशा	स्त्री०	रात्री	Night
५२५	निसामिअय	निशामितक	वि०	सुना हुआ	Heard
९७०	निसायंत	निशातान्त	न०	तीक्ष्ण धारवाला	Sharpened at the point
५९०	निसाय	निशात	वि०	तीक्ष्ण	Sharpened
५	निसायर	निशाकर	पुं०	चन्द्र	Moon
५६६	निसुढिअ*	नत	वि०	भार से नमा हुआ	Bent under a load
५६५	निसुद्ध	निशुद्ध	वि०	गिराया हुआ	Thrown down
५२५	निसुअ	निश्रुत	वि०	सुना हुआ	Heard
२७१	निस्सेणी	निःश्रेणी	स्त्री०	निसरणी-सिढी-निसैनी	Ladder, stairs
४९	निस्स	नि.स्व	वि०	निर्धन	Poor
४५६	निहण	निधन	न०	मरण	Death

३५९	निह	निभ	न०	बहाना–छल	Feint, prentence
७९०	निहय	निहत	वि०	मारा हुआ	Slain
९२८	निहस	निकष	पु०	कसोटी का पत्थर	Touchstone
१८	निहाअ	निघात	पुं०	समूह	Heap, quantity
१३५	निहालिअ	निभालित	वि०	देखा हुआ	Seen
२८	निहिनाह	निधिनाथ	पुं०	कुबेर	Kubera
५६३	निहिअ	निहित	वि०	स्थापित	Placed
१५	निहुअ	निभृत	वि०	धीरे	Inert
७७	निहेलण*		न०	घर	House
२९५	नीड	नीड	न०	घोंसला	Nest
५०६	नीणिअ*	गत	वि०	निकला हुआ	Gone out
९५३	नीअ	नीत	वि०	हरा हुआ	Taken away
२०१	नीअ	नीच	वि०	नीच	Bad, low
२५२	नीरंगी	नीरङ्गी	स्त्री०	घूघट	Veil
३५	नीर	नीर	न०	पानी	Water
६४	नीलकंठ	नीलकण्ठ	पु०	मोर	Peacock
५७	नीलुप्पल	नीलोत्पल	न०	नीला कमल	Blue lotus
४९१	नीवी	नीवी	स्त्री०	नाडी–नाडा–इजारबंद	Knot for fastening petticoat
८८३	नीव	नीप	पुं०	कदंबवृक्ष	Nauclea Kadamba
१३९	नीसंदिअ	निःष्यन्दित	वि०	टपका हुआ–झरा हुआ	Dripping
१३१	नीसह	निःसह	वि०	भार से नमा हुआ	Tired, weak
२००	नीसामन्न	निःसामान्य	पु०	बड़ा–साधारण नहीं	Venerable
५७६	नीहरिअ	निःसृत	वि०	निकला हुआ	Gone out
५५	नीहार	नीहार	पुं०	कुहरा	Hoar-frost, mass of clouds
५०५	नूमिअ	छादित	वि०	ढका हुआ	Shaded, Covered
२६१	नेउर	नूपूर	न०	झांझर	Anklet
७६०	नेलच्छ*		पुं०	नपुसक	Eunuch
७५१	नेवत्थ	नेपथ्य	न०	वेष	Dress
२६९	नेह	स्नेह	पुं०	स्नेह	Affection
८७५	नोमाली	नवमालिका	स्त्री०	नवमालिका की वेल	Arabic jasmin

६५६	पच्चाएस	प्रत्यादेश	पुं०	दृष्टांत	Image, counterpart
९६०	पच्चारण*	उपालम्भन	न०	प्रतिभेद—उलहना देना	Scolding
७१	पच्चूस	प्रत्यूष	पु०	प्रात काल	Dawn
४२५	पच्चूह	प्रत्यूह	न०	विघ्न	Obstacle
४	पच्चूह	प्रत्यूह	पुं०	सूर्य	Sun
९९४	पच्छा	पश्चात्	अ०	पीछे से	Afterwards
५०५	पच्छाइअ	प्रच्छादित	वि०	ढका हुआ	Covered, Shaded
५२६	पज्जत्त	पर्याप्त	वि०	पूरता—काफी—यथेष्ट	Sufficient, much
७८०	पज्जा	पद्या	स्त्री०	अधिकार—लायकात	Topic
१३९	पज्झरिअ	प्रक्षरित	वि०	टपका हुआ	Dripping
१४०	पज्झुत्त*		वि०	जडित	Joined, Studded
७	पंचसर	पञ्चशर	पुं०	कामदेव	Cupid
६६	पचाणण	पञ्चानन	पुं०	सिंह	Lion
१५८	पट्टुहिअ	क्षुब्ध	वि०	क्षोभ पाया हुआ पानी—डोला पानी	Turbid water
२७८	पट्ठ	पृष्ठ	न०	तल—भूमितल	Level ground
५९४	पट्ठविअ	प्रस्थापित	वि०	भेजा हुआ	Sent forth
२७७	पडंचा	प्रत्यञ्चा	स्त्री०	धनुष की डोरी	String
६३८	पडल	पटल	न०	नेवा—छापरका अग्रभाग	Thatch, Tile
११५	पडाया	पताका	स्त्री०	पताका—ध्वज	Banner
८२२	पडिप्फलिअ	प्रतिफलित	वि०	प्रतिबिंबित	Trembling, Tripping
६६०	पडिबिंब	प्रतिबिम्ब	न०	प्रतिबिम्ब-परछांही	Image
९६०	पडिभेअ	प्रतिभेद	पु०	प्रतिभेद-उलहना देना	Scolding
६६०	पडिमा	प्रतिमा	स्त्री०	प्रतिमा	Image
५०	पडिवक्ख	प्रतिपक्ष	पु०	शत्रु	Enemy
५४०	पडिवन्न	प्रतिपन्न	वि०	स्वीकृत, प्रतिपत्तियुक्त	Obtained
९२६	पडिसिद्ध	प्रतिषिद्ध	वि०	निषेध किया हुआ	Forbidden, hindered
१४२	पडिहत्थ	प्रतिहस्त	वि०	पूर्ण	Filled, full
६४१	पडिहुअ	प्रतिभूक	पुं०	जामीन	Surety, bail
४८६	पडु	पटु	वि०	चतुर	Clever, able

१०२	पणइ	प्रणयिन्	वि०	स्नेही	Lover, husband
५२७	पणामिअ	प्रणामित	वि०	समर्पण किया	Given
९२७	पणिहि	प्रणिधि	पु०	दूत, जासूस	Spy
१४७	पणुल्लिअ*	प्रक्षिप्त	वि०	प्रेरित किया हुआ	Thrown
७६०	पडअ	पण्डक	पु०	नपुसक	Eunuch
१६४	पड्ड	पाण्डु	वि०	फीका	White
९९	पत्तट्ठ	प्राप्तार्थ	वि०	चतुर, पडित	Clever
३३९	पत्त	पत्र	न०	पत्ता, किताबका पन्ना, कागज का टुकडा	Leaf, Page
६१	पत्तरह	पत्ररथ	पु०	पक्षी	Bird
३४८	पत्तल	पत्रल	वि०	बहुत पत्तावाला, तीक्ष्ण-पतला	Sharp, pointed
६६५	पत्त	पात्र	न०	पात्र, बर्तन	Vessel
९२	पत्ती	पत्नी	स्त्री०	पत्नी, स्त्री	Wife
८१७	पत्तेअं	प्रत्येकम्	क्रि०वि०	एक एक	Each
४०९	पत्थयण	पथ्यदन	न०	भाता-मार्ग में प्रवास करते हुए खाने का खुराक	Food for a journey
३४८	पत्तसमिद्ध	पत्रसमृद्ध	वि०	तीक्ष्ण	Pointed sharp
६४९	पत्थरिअ	प्रस्तृत	वि०	बिछाया हुआ	Strewn
११३	पत्थाअ	प्रस्ताव	पुं०	प्रस्ताव–प्रसंग	Occasion
४०२	पत्थारी	प्रस्तार	स्त्री०	बिस्तरा–पथारी	Couch of straw
१८९	पत्थिव	पार्थिव	पु०	राजा	King
३९९	पद्द	पद्र	न०	गांव का अंतभाग या पीछे का भाग	Village-Site
१०६	पंति	पङ्क्ति	स्त्री०	पंक्ति–श्रेणी	Line, row
८३	पथ	पन्थ	पुं०	मार्ग–रस्ता	Path
३०	पन्नयरिउ	पन्नगरिपु	पुं०	गरुड	Garuda
३१	पन्नय	पन्नग	पुं०	सर्प	Snake
५०२	पन्नाडिअय*	मर्दित	वि०	मसला हुआ	Crushed
८०९	पप्फोडिअ	प्रस्फोटित	वि०	प्रस्फोटित	Disentangled
९४५	पमह	प्रमथ	पुं०	महादेव का सेवक	Shiva's attendant
४३८	पमुह	प्रमुख	वि०	प्रमुख	Beginning

८२४	पम्हलय	पक्ष्मल	न०	रोम युक्त–रोमवाला	Hairy
८४९	पम्ह	पक्ष्मन्	न०	आंख के बाल, पांपण	Eyelashes
५०५	पम्हुट्ठ	प्रमुष्ट	वि०	विस्मृत	Forgotten
४	पयंग	पतङ्ग	पुं०	सूर्य	Sun
७४५	पयंग	पतङ्ग	पु०	पतगिया–फतंगा–दीयेमें पडनेवाला कीडा	Moth
३५	पय	पयस्	न०	पानी	Water
२८०	पय	पयस्	न०	दूध	Milk
९०७	पयइ	प्रकृति	स्त्री०	स्वभाव	Temper, Nature
७८५	पयट्टय	प्रवृत्तक	वि०	प्रवृत्त	Rolling on, going on?
२२३	पयड	प्रकट	वि०	प्रकट, स्पष्ट	Famous
४४९	पयत्त	प्रयत्न	पुं०	प्रयत्न–आदर	Respect, steem
४१०	पयत्थ	पदार्थ	पु०	वस्तु, तत्त्व	Substance
१८	पयर	प्रकर	पुं०	समूह	Heap, quantity
५९६	पयलाइ	प्रचलायते	क्रि०	नींद लेता है	He sleeps
८३	पयवी	पदवी	स्त्री०	पदवी	Path
५३३	पयल्ल*	प्रसृत	वि०	फैला हुआ	Stretched
६९६	पयाम	पकाम	न०	अत्यंत	Successively
५३७	पयारिअ	प्रतारित	वि०	ठगा हुआ	Cheated
२	पयावइ	प्रजापति	पु०	ब्रह्मा	Brahma
७५	पयास	प्रकाश	पुं०	प्रकाश	Light
२२२	परच्छंद	परच्छन्द	वि०	पराधीन	Subjected, dependent
७२७	परतीर	परतीर	न०	सामने वाला किनारा	The other bank
५४९	परद्ध	अपराद्ध	वि०	अपराधी	Tormented
९०८	परमत्थ	परमार्थ	न०	सच्चा	Truth
१९	परमपय	परमपद	न०	मोक्ष	Final liberation
२	परमिट्ठि	परमेष्ठिन्	पुं०	ब्रह्मा	Brahma
४६५	परंपरा	परम्परा	स्त्री०	परम्परा	Order, succession

२२२	परयत्त	परायत्त	वि०	पराधीन	Dependent
६३	परहुआ	परभृता	स्त्री०	कोयल	Female koil
३३७	पराअ	पराग	पु०	पराग	Dust, Pollen of fllower
१५०	परामुसिअ	परामृष्ट	वि०	छुआ हुआ-परामर्श किया हुआ	Touched
५५३	पराहूअ	पराभूत	वि०	पराजय पाया हुआ	Defeated
५८३	परिक्खित्त	परिक्षिप्त	वि०	परिक्षिप्त	Put on, dressed
३६२	परिणय	परिणत	वि०	पका हुआ	Ripe
६८५	परिणीआ	परिणीता	स्त्री०	विवाहित स्त्री	Wife
४६१	परिणाह	परिणाह	पु०	विस्तार	Circumference, extent
५५४	परिदेविअ	परिदेवित	वि०	विलपित	Lamenting
९५२	परिप्पवत	परिप्लवमान	वि०	तैरता हुआ, गोता लगाता हुआ	Swimming about
६७१	परिपासअ	परिवासक	पु०	खेत में जाकर रक्षण के लिए सोनेवाला मनुष्य	Night-watchman
१४८	परिमंडल	परिमण्डल	न०	गोलाकार	Round
३७९	परिमल	परिमल	पु०	परिमल, सुगंध	Perfume
९३६	परियत्तिअ	परिवर्तित	वि०	बदला हुआ	Turned round
५८४	परियालिअ	परिवारित	वि०	वींटा हुआ	Clothed, enveloped
४६२	परिरंभण	परिरम्भण	न०	आलिंगन	Embracing
५८६	परिलीण	परिलीन	वि०	विलीन	Completely merged in
४६५	परिवाडी	परिपाटी	स्त्री०	रीति–क्रम	Succession, order
७५४	परिवार	परिवार	न०	तरवार का मियान	Scabbard
७८८	परिसर	परिसर	पु०	नजीक, बाजू	Border, circumference
४५९	परिसा	परिषद्	स्त्री०	सभा	Assembly
५०९	परिहट्टिअ	परिघट्टित	वि०	चूरा किया हुआ	Crushed
११७	परिहणय	परिधानक	न०	पहेरण–पहेरने का कपडा	Dress
८११	परिहत्थ	परिहस्त	न०	चतुर, सिद्धहस्त	Clever, handy

४२३	परिहा	परिखा	स्त्री.	खाई	Ditch
५१५	परिहाय	परिहीण	वि०	क्षीण	Emaciated
४५५	परिहास	परिहास	पुं०	हँसना	Laughing at, irony
४८९	परिहिअ	परिहित	वि०	पहिरा हुआ	Dressed, put on
५५३	परिहूअ	परिभूत	वि०	पराजय पाया हुआ	Conquered
३९	परेय	प्रेत	पुं०	पिशाच	Pishacha
९३४	पराहड*		न०	घरका वाडा–घरके पीछे का आंगन	House surrounded by a fence
४५६	पलअ	प्रलय	पुं०	नाश	Destruction
८७९	पलही*		स्त्री०	कपास	Cotton
३५८	पलाल	पलाल	नं०	पुलाल–पराल	Straw
३३९	पलास	पलाश	न०	पत्ता	Leaf
१६	पलीविअ	प्रदीप्त	वि०	प्रदीप्त हुआ–सुलगा हुआ	Shining
३१०	पल्लल	पल्वल	न०	तलाव	Pond
३४१	पल्लव	पल्लव	पुं०	पल्लव	Sprouts
९५४	पल्लविअ	पल्लवित	वि०	पल्लव–युक्त	Dyed red with lac
५९२	पल्हत्थिअ*	पर्यस्तित	वि०	विरेचित	Emptied
६५	पवअ	प्लवग	पुं०	वानर–बंदर	Monkey
६५	पवगम	प्लवंगम	पु०	,,	Monkey
२९	पवण	पवन	पुं०	पवन	Wind
७१९	पबाल	प्रवाल	न०	प्रबाल–परवाला	Coral
६६६	पविआ	प्लविका	स्त्री०	पक्षीओं का पानी पीने का का वर्तन	Vessel for watering birds
३	पव्वई	पार्वती	स्त्री०	पार्वती	Parvati
१३६	पव्वालिअ*	प्लावित	न०	पानी से व्याप्त	Sporting in the water ?
१४६	पव्वाय*	म्लान	वि०	सुखा हुआ–मुरजाया हुआ	Faded
५३३	पसरिअ	प्रसृत	वि०	फैला हुआ–पसरा हुआ	Stretched forth
८६	पसिडि*		न०	सोना	Gold

१०८	पसण्णा	प्रसन्ना	स्त्री०	मद्य, दारु	Spirituous liquor
३३५	पसव	प्रसव	न०	फूल	Flower
१४९	पसाहिअ	प्रसाधित	वि०	शृंगार किया हुआ	Adorned
३३५	पसूअ	प्रसूत	न०	फूल	Flower
२९	पहंजण	प्रभञ्जन	पुं०	पवन	Wind, storm
८३	पह	पथ	पु०	मार्ग	Path
१८	पहयर*		पुं०	समूह	Heap, quantity
२७३	पहरण	प्रहरण	न०	शस्त्र	Weapon
९५८	पहर	प्रहर	पुं०	पहोर	Watch, Period of three hours
४६३	पहरिस	प्रहर्ष	पु०	आनद	Joy
७५	पहा	प्रभा	स्त्री०	प्रभा, प्रकाश	Light
६९५	पहार	प्रहार	पुं०	मारना	Beat
५२६	पहुत्त	प्रभूत	वि०	बहुत	Much
६१३	पहेणय*		न०	खानेकी वस्तु की भेट	Present of food
५३२	पहोलिर	प्रघूर्णक	वि०	हिल हिल करने वाला	Swinging
२१०	पाउग्गिअ	प्रायोगिक	पु०	जूआ खेलाने वाला	Gambling house keeper
९३७	पाउअय	प्रावृतक	वि०	ओढा हुआ	Covered
७४३	पाउसागम	प्रावृष्-आगम	पु०	चोमासे का आरंभ	Storm, breaking of monsoon
१२४	पाडच्चर	पाटच्चर	पु०	चोर	Thief
१६६	पाडल	पाटल	वि०	लाल	Red
८१७	पाडिक्कं	प्रत्येकम्	क्रि०वि०	एक एक	Each
५६५	पाडिअ	पातित	वि०	पाडा हुआ–गिराया हुआ	Thrown down
६३१	पाडुच्ची*		स्त्री०	घोडेको सजाना	Painting or adorning a horse
१०२	पाणसम	प्राणसम	पुं०	प्रियतम–प्राण समान	Lover, husband
२०९	पाण	प्राण	पुं०	चडाल	Chandalas
२२८	पाणि	पाणि	पुं०	हाथ	Hand
१२२	पामर	पामर	पुं०	खेती करने वाला	Husbandman

३७०	पामाड*	प्रपुनाट	पुं०	पमाड का पेड–एक प्रकार का वृक्ष	Cassia Tora of Alata
१३८	पामुक्क	प्रमुक्त	वि०	छुटा हुआ	Abandoned
२०१	पायय	प्राकृत	वि०	नीच–अधम	Bad
८७	पायव	पादप	पुं०	वृक्ष–झाड	Tree
७९४	पायस	पायस	पु०	दूधपाक	Milk and rice
७३	पाद	पाद	पु०	किरण	Rays
२२६	पाय	पाद	पु०	पैर–पग–पांव	Feet
७७१	पायार	प्राकार	पु०	कीला	Rampart
४७४	पायाल	पाताल	न०	पाताल	Nether world
७२७	पार	पार	न०	किनारा	The other bank
२८४	पारावअ	पारापत	पु०	पारेवा–कबूतर	Pigeon
८	पारावार	पारावार	पुं०	समुद्र	Ocean
५९७	पारेइ	पारयति	क्रि०	पार करता है–समर्थ होता है	He can, is able
६०६	पालब	प्रालम्ब	न०	पेंडलवाला एक प्रकारका आभूषण	Pendent ornament
२७५	पालिआ	पालिका	स्त्री०	तरवार की मूठ	Sword-hilt . edge of sword
६	पावअ	पावक	पु०	अग्नि	Fire
८५	पाव	पाप	न०	पाप	Sin
७८८	पास	पार्श्व	पुं०	पास–नजीक–बाजू	Border
९८३	पासाअ	प्रासाद	पुं०	महेल	Palace
४०९	पाहिज्ज	पाथेय	न०	भाता	Provisions for a journey
७६६	पाहुड	प्राभृत	न०	भेंट	Present
८६३	पिआ	पितृ+पिता	पु०	पिता–बाप	Father
२	पिआमह	पितामह	पुं०	ब्रह्मा	Brahma
८७१	पिउच्छा	पितृष्वसा	स्त्री०	पिताकी बहेन–बुआ–फुफा	Fathers sister
४२१	पिउवण	पितृवण	न०	श्मशान	Burial-ground, Cemetry
३६२	पिक्क	पक्व	वि०	पका हुआ	Ripe
७४१	पिंखा	प्रेङ्खा	स्त्री०	हिंचका	Swing

१६५	पिंग	पिङ्ग	वि०	पीला	Brown
१६५	पिंगय	पिङ्गक	वि०	पीला	Brown
२९४	पिच्छ	पिच्छ	न०	मोर पींछ-पंख का भाग, पांख, पूछ	Feather
६८७	पिच्छ	प्रेक्षस्व	क्रि०	देखो	Look!
९७७	पिच्छाभूमि	प्रेक्षाभूमि	स्त्री०	रंगमंडप, स्टेज	Stage, theatre
६३६	पिट्ठखउरिआ*		स्त्री०	मद्य-दारु	Liquor mixed with flour
४७९	पिढर	पिठर	पु०	एक प्रकारका बर्तन	Pot, Pan
४८९	पिणद्ध	पिनद्ध	वि०	पहिरा हुआ-सजा हुआ	Put on, dressed
२२	पिणाइ	पिनाकिन्	पु०	महादेव	Shiva
६२२	पिंडलइअ	पिण्डलकित	वि०	पिंडाकार किया हुआ, समूह में किया हुआ	Heaped up
३९	पिप्पय*		पु०	पिशाच	Pishacha
८९७	पिप्पल	पिप्पल	न०	पीपलका पेड	Pipal tree
२६९	पिम्म	प्रेमन्	न०	स्नेह, प्रेम	Affection
८८७	पियंगु	प्रियगु	स्त्री०	प्रियगु का वृक्ष, ककूदनी का पेड, काँग	Panicum Italicum
३६७	पियगु	प्रियगु	स्त्री०	मालकांगनी का पेड	Medicinal plant
३६७	पियमा	प्रियतमा	स्त्री०	,,	Medicinal plant
६३	पियमाहवी	प्रियमाधवी	स्त्री०	कोयल	Female koil
१०२	पिययम	प्रियतम	पु०	अधिक प्यारा पुरुष	Lover husband
८९४	पियाल	प्रियाल	न०	प्रियाल वृक्ष	Buchanania latifolia
१४७	पिल्लिअ*	क्षिप्त	वि०	उत्क्षिप्त	Thrown
३२२	पिवासा	पिपासा	स्त्री०	प्यास	Thirst
३९	पिसल्लय	पिशाच	पु०	पिशाच	Pishacha
१६५	पिसंगय	पिशङ्गक	वि०	पीला	Brown
२४२	पिसिअ	पिशित	न०	मांस	Flesh
१२३	पिसुण	पिशुन	वि०	चुगलीखोर	Wicked
१४५	पिसुणिअ	पिशुनित-कथित	वि०	कहा हुआ, चुगली किया हुआ	Spoken

७४९	पिहाणिआ	पिधानिका	स्त्री०	ढकनी	Cover
४९९	पिहिअ	पिहित	वि०	ढका हुआ	Covered
१५७	पिहुल	पृथुल	वि०	पहोला-विस्तार युक्त	Broad
२८३	पीऊस	पीयूष	न०	अमृत	Nectar
४३४	पीडा	पीडा	स्त्री०	पीडा	Pain
५४९	पीडिअ	पीडित	वि०	दुःखी	Tormented
२७०	पीढ	पीठ	न०	पीढा-बेठक, आसन	Seat
९६१	पीढिआ	पीठिका	स्त्री०	मच-एक प्रकार का आसन	Seat
१२६	पीण	पीन	वि०	पुष्ट	Fat
९	पीलु	पीलु	पुं०	हाथी	Elephant
१२६	पीवर	पीवर	वि०	पुष्ट	Fat
६२१	पुक्का*	पूत्कृ-व्याहार	स्त्री०	जोरसे आवाज करना, पोकार करना	Bragging
३११	पुक्खरिणी	पुष्करिणी	वि०	तालाव	Lake, pond
५४३	पुछिअ	प्रोञ्छित	वि०	पोंछा हुआ	Wiped
६२२	पुंजाय	पुञ्ज	वि०	पुंज किया हुआ-ढेर किया हुआ	Heaped up
६८	पुडरीअ	पुण्डरीक	पुं०	बाघ	Tiger
१०	पुडरीअ	पुंण्डरीक	न०	कमल	Lotus
४५७	पुण्ण	पुण्य	न०	पुण्य	Merit, Fate
६४३	पुण्णवत्त	पुण्यवस्त्र	न०	खींचा हुआ वस्त्र-आनंद होने से हरा हुआ कपडा	Holiday-dress
२५८	पुत्तलिआ	पुत्तलिका	स्त्री०	पूतली	Doll, effigy
८६५	पुत्तवहू	पुत्रवधू	स्त्री०	पुत्र की बहू-पतोहू	Daughter-in-law
१७५	पुन्नयण	पुण्यजन	पुं०	यक्ष	Yaksha
३८६	पुन्नाअ	पुनाग	पुं०	पुनाग का वृक्ष	Rottleria Tinctoria
२१३	पुप्फच्चिणिआ	पुष्पचायिनी	स्त्री०	फूलों को इकट्ठा करने वाली-मालण	Garland-makers
३१९	पुप्फअ	पुष्पक	पुं०	फेण-झाग	Foam
६२५	पुप्फबलि	पुष्पबलि	पुं०	पूजा-उपचार-पुष्पकी बलि	Flower, offering

२१३	पुप्फलाई	पुष्पलावी	स्त्री०	फूलों को चुनने वाली मालण	Garland-makesr
८७१	पुप्फिआ*	पुष्पिका	स्त्री०	बुआ-फुई-फुफा	Father's sister
१०४	पुअंडअ	पौगण्ड	पु०	युवान	Young man
३९	पुयाइ	पुयादिन्	पु०	पिशाच	Pishacha
९९३	पुरओ	पुरतः	अ०	आगे	Before, in front
२५	पुरंदर	पुरंदर	पु०	इंद्र	Indra
९२	पुरंधी	पुरन्ध्री	स्त्री०	स्त्री	Wife
४६६	पुररक्ख	पुररक्ष	पु०	कोटवाल	Watchman
१००	पुरिस	पुरुष	पु०	पुरुष	Man
२४५	पुरीस	पुरीष	न०	विष्टा-मल	Excrements
१३७	पुलइअ	पुलकित	वि०	रोमांचित	Horripilated
१३५	पुलइअ	प्रलोकित-दृष्ट	वि०	देखा हुआ	Seen
५९१	पुलुट्ठय	प्लुष्टक	वि०	जला हुआ	Burnt
१८१	पुलोमतणया	पुलोमतनया	स्त्री०	इंद्राणी	Shachi
६८	पुल्ली*		पुं०	वाघ	Tiger
२९१	पूसअ*	पुष्यक	पु०	तोता	Parrot
१४८	पेढाल*	पेढाल	वि०	गोलाकार	Round
४२१	पेअवण	प्रेतवन	न०	मसान-श्मशान	Burial-ground, cemetry
२७	पेआहिव	प्रेताधिप	पुं०	यम	Yama
४८३	पेरंत	पर्यन्त	पु०	छेडा-अंत	End, limit
१५६	पेलव	पेलव	वि०	नरम, कोमल	Soft
१५५	पेसल	पेशल	वि०	सुंदर, रम्य	Charming
५९४	पेसविअ	प्रेषित	वि०	भेजा हुआ	Sent
२९४	पेहुण*		न०	मोरपींछ	Feather
९५५	पोइअ*	प्रोत	वि०	पोया हुआ	Stitched, pierced
९५	पोअ	पोत	पुं०	छोटा लड़का	Little boy
९८६	पोअ	पोत	पुं०	वहाण-जहाज	Ship
५२	पोढ	प्रौढ	वि०	प्रौढ-समर्थ	Strong, able

३८१	पोअइआ*		स्त्री०	नींद लानेवाली लता	A kind of creeper
१२३	पोरच्छ*		पु०	दुर्जन	Wicked
६१९	पोस	पौष	पु०	पौष मास-पूस महिना	Pausha

फ

७९२	फंस	स्पर्श	पुं०	स्पर्श	Touch
६१८	फग्गुण	फाल्गुन	पु०	फागुन महिना	Phalguna
३९२	फण	फण	पु०	फणा-साँपकी फन	Snake's hood
३९२	फडा	फटा	स्त्री०	,,	,,
३१	फणि	फणिन्	पु०	फन वाला नाग-सर्प	Snake
५५१	फंदिअ	स्पन्दित	वि०	चचल-कुछ हिला हुआ	Quivering
७९२	फरिस	स्पर्श	पुं०	स्पर्श	Touch
१२८	फरुस	परुष	वि०	कठोर	Cruel
३६७	फलिणी	फलिनी	स्त्री०	प्रियंगु	Medicinal plant
५१३	फलिअ	फलित	वि०	विकसित फुटा हुआ अंकुर	Split, cleft
१७८	फलिहगिरि	स्फटिक-गिरि	पु०	कैलास	Kailasa
९५०	फलिह	परिघ	पु०	परिघ-आगलिया अर्गला	Bar
७९१	फलिह	परिघ	पुं०	दरवाजे में लगा हुआ-काठ आदि का तख्ता-चौखट	Part of Door
१६७	फसल*		वि०	चितकबरा	Variegated
५८१	फालिअ	पाटित	वि०	फाडा हुआ-भाग किया हुआ	Pierced torn
५५२	फिडिअ	स्फेटित-भ्रष्ट	वि०	भ्रष्ट-नष्ट	Lost
९५१	फुड	स्फुट	वि०	स्फुट-स्पष्ट	Clear
५१३	फुडिअ	स्फुटित	वि०	खिला हुआ फूल वा अंकुर	Rent, cleft
४०१	फुंफमा*		स्त्री०	वन कंडे की आग	Fire of dry cowdung
९८५	फुरण	स्फुरण	न०	स्फुरण होना-फरकना	Quivering, winking ?
५५१	फुरिअ	स्फुरित	वि०	स्फुरित-स्फुरा हुआ	Quivering

११	फुल्लंधुअ	पुष्पधय	पुं०	भँवरा	Bees, 'Flower shaker'
५४३	फुसिअ	स्पृष्ट	वि०	छुआ हुआ	Wiped
३१९	फेण	फेन	पु०	फेण–झाग	Foam

ब

८७८	बउल	बकुल	पुं०	बकुल वृक्ष	Mimusops elengi
१४५	ब(व)ज्जरिअ*	उच्चरित–कथित	वि०	कहा हुआ	Spoken
५७७	बंद्ध	बद्ध	वि०	बंधा हुआ	Fettered bound
६७७	बद्ध	बद्ध	वि०	संमुक्त-जुडा हुआ	Joined, united
७८४	बद्ध	बद्ध अथवा वर्ध्र	वि०	बध्य–कैदी अथवा वाधरी–चमडे की दोरी (?)	Prisoner or Leather strap ?
४४	बदि	बन्दिन्	पु०	चारण	Bard
२१२	बंदि	बन्दी	स्त्री०	बान्दी–बलात्कार से लाई हुई स्त्री	Captive women
७११	बंधण	बन्धन	न०	बधन–जिसके सहारे वृक्षपर फल लटकता रहता है-डींट	Tying, bandage
१९५	बंधु	बन्धु	पु०	बधु, भाई	Relative
१४	बधुर	बन्धुर	वि०	सुन्दर	Lovely
२९३	बप्पीह	बप्पीह	पुं०	चातक, बपैया–पपीहा	Chataka
२३९	बप्फ	बाष्प	न०	गरमी, भाप	Tear
७१४	बंभणिआ	ब्राह्मणिका	स्त्री०	एक प्रकार का जंतु हालाहला नामका कीडा	Halahala
६४	बरहि	बर्हिन्	पुं०	मोर	Peacock
३७३	बरुअ	बरुक	पुं०	विशेष प्रकार का घास–जिस के राडे से कलम की जाती है.	A reed resembling sugarcane
४४४	बल	बल	न०	बल	Power
४८७	बलामोडी*		पु०	बलात्कार–हठ	Violence
३३	बलाहय	बलाहक	पुं०	बादल	Cloud
६७	बलिउट्ठ	बलिपुष्ट	पुं०	कौआ	Crow

६५	बलिमुह	बलिमुख	पु०	बंदर	Monkey
१५९	बलिअ	बलिक	न०	गाढ–दृढ	Much
२६	बल	बल	पुं०	बलराम	Balarama
८६२	बहिणी	भगिनी	स्त्री०	बहेन	Sister
१११	बहुजंपिर	बहुवावदूक	वि०	बहुत बोलने वाला–व्राचाल –बकबक करने वाला	Talkative
६९	बहुला	बहुला	स्त्री०	गाय	Cow
९५९	बहुल	बहुल	पु०	कृष्णपक्ष	Dark half of the month
७९९	बहेडअ	बिभीतक	पुं०	बहेडा–जो त्रिफला में आता है	Myrobalan
२५८	बाउल्ली*		स्त्री०	पूतली	Effigy, doll
१५९	बाढ	बाढ	वि०	गाढ–दृढ	Much
१२१	बाल	बाल	पु०	मूर्ख, बालक	Fool
९६	बाला	बाला	स्त्री०	छोटी लडकी–दुधमुंही लडकी	Little girl
१२१	बालिस	बालिश	वि०	मूर्ख	Fool
६९९	बाहिं	बहिर्	अ०	बाहर	Outside
६९९	बाहिर	बहिर्	अ०	,,	Outside
२३९	बाह	बाष्प	पुं०	आंसु	Tear
८५६	बाहु	बाहु	पु०	हाथ	Arm
९८	बिइज्जअ	द्वितीय	वि०	दूसरा–दूजा	Attendant, servant
७११	बिंट	वृन्त	न०	फल वगेरे का बंधन–जिसके सहारे व्रृक्ष पर फल लटकता रहता है–डींट–भंट	Binding, bandage?
६३६	बिंटसुरा*		स्त्री०	विशेष प्रकार की मदिरा	Liquor mixed with flour
५६९	बिंदुइअ	बिन्दुकित	वि०	बिंदु बिन्दुवाला–टपकीदार	Covered with drops or spots
८८४	बिंब	बिम्ब	न०	बिंबीफल–कुंदरुन का फल–टींडोरा	Bimba-fruit

३८०	बिंबवय*		न०	भिलावां	Marking-nut
३९०	बिराली	बिडाली	स्त्री०	बिल्ली	Cat
३८३	बिल्ल	बिल्व	न०	बेल का फल	Wood-apple
८८९	बिस	बिस	न०	कमल के नाल का तंतु	Lotus-fibre
८९६	बीअय	बीजक	न०	अशन वृक्ष–बीया का पेड	Terminalia Tormentosa
६७	बुक्कण	बुक्कन	पु०	कौआ	Crow
७२४	बुक्का	बुक्का	स्त्री०	मुक्का–मुष्टि	Fist
१६२	बुज्झिअ	बुद्ध	वि०	बोधयुक्त	Understood
४२	बुद्धि	बुद्धि	स्त्री०	बुद्धि	Intellect
२०	बुद्ध	बुद्ध	पु०	बुद्धदेव	Shakyamuni-Gautama
९७	बुंदी*	*	स्त्री०	शरीर	Body
९९	बुह	बुध	पु०	पडित	Clever
३६०	बेली*		स्त्री०	स्थूणा–खूंटा	Post
१६७	बोगिल्ल*		वि०	चितकबरा	Variegated
९००	बोडघेर*		न०	एक प्रकार का छोड	A sensitive plant
१०४	बो(वो) द्रह*		पु०	जुवान	Young man
८७७	बोरी	बदरी	स्त्री०	बेर का पेड	Jujube tree

भ

१०९	भइरव	भैरव	वि०	भयकर	Terrible
८०६	भग्ग	भग्न	वि०	रोग से पीडित	Broken
४८०	भगुर	भङ्गुर	वि०	क्षणिक–क्षणभगुर	Crooked, curved
९२	भज्जा	भार्या	स्त्री०	स्त्री	Wife
५५२	भट्ठ	भ्रष्ट	वि०	भ्रष्ट–नष्ट	Lost
८१	भणिइ	भणिति	स्त्री०	वाणी	Speech
८७२	भत्ता	भर्तृ+भर्ता	पु०	पति–स्वामी	Husband
२६२	भद्दासण	भद्रासन	न०	भद्रासन	Thrones
७६८	भद्द	भद्र	न०	कल्याण	Lucky, auspicious
११	भमर	भ्रमर	पुं०	भँवरा	Bee

३५३	भमास	भमास	पु०	विशेष प्रकार की घास	Reed resembling sugar-cane
५२९	भमिअ	भ्रमित	वि०	घुमाया हुआ	Rvolving
८५७	भमुहा	भ्रू	स्त्री०	भौं	Eyebrows
५६४	भरिअ	स्मृत	वि०	याद किया हुआ	Remembered
५५९	भरिउल्लट्ट*		वि०	विकसित	Opened
१८	भर	भर	पु०	समूह	Heap, quantity
३८०	भल्लाय	भल्लात	न०	भिलावाँ	Marking-nut
७७	भवण	भवन	न०	घर	House
३	भवाणी	भवानी	स्त्री०	पार्वती	Bhavani
२२	भव	भव	पुं०	शिव	Shiva
६२	भसण	भषण	पु०	भौंकनेवाला-कुत्ता	Dog
११	भसल	भ्रमर	पु०	भँवरा	Bee
२९७	भसुआ*	भषिका	स्त्री०	सियार	Jackal-bitch
६६५	भायण	भाजन	न०	बर्तन-भाणा	Vessel
७४८	भाअ	भाग	पुं०	भाग	Share
४५७	भागहेय	भागधेय	न०	भाग्य	Fate, luck
४१	भागीरही.	भागीरथी	स्त्री०	गगा	Bhagirathi
६०८	भायल		न०	अच्छा घोडा	A horse of good race
८६९	भाया	भ्रातृ+भ्राता	पुं०	भाई	Brother
८१	भारई	भारती	स्त्री०	वाणी-सरस्वती	Speech
२३६	भाल	भाल	न०	कपाल	Forehead
४१०	भाव	भाव	पुं०	पदार्थ-भाव	Substance
८१	भासा	भाषा	स्त्री०	भाषा-वाणी	Speech
७५	भासा	भासा	स्त्री०	प्रकाश	Light
१०९	भासुर	भासुर	वि०	घोर	Terrible
४३	भिक्खु	भिक्षु	पुं०	मुनि	Ascetic
११	भिंग	भृङ्ग	पुं०	भँवरा	Bee
२८७	भिंगारी	भृङ्गारी	स्त्री०	एक प्रकारका कीडा	Cricket
१९९	भिच्च	भृत्य	पु०	नोकर	Servant

९२४	भिन्न	भिन्न	वि०	भेदा हुआ	Split
३८७	भिसिणी	बिसिनी	स्त्री०	कमलिनी	Lotus–plant
६५४	भिसी	वृषी	स्त्री०	एक प्रकार का बेठ्ने का आसन–ऋषिको बेठनेका आसन	A mat or cushion of grass
९११	भीअ	भीत	वि०	भय पाया हुआ–डरा हुआ	Afraid
१०९	भीम	भीम	वि०	भयंकर	Terrible
१८९	भीसणय	भीषणक	वि०	,,	Terrible
८५६	भुअ	भुज	पु०	हाथ, भुजा	Hand
५१९	भुक्किअ	बुक्कित	न०	कुत्तेका भोंकना	Barking
५२३	भुक्खिअ	बुभुक्षित	वि०	भूखा	Hungering, hungry
८५७	भुमआ	भ्रू	स्त्री०	भौं	Eyebrows
३१	भुअय	भुजग	पु०	सर्प	Snake
३१	भुअगम	भुजगम	पु०	,,	Snake
३१	भुअग	भुजग	पु०	,,	Snake
१८८	भुअण	भुवन	न०	जगत्	World
८५८	भुअमूल	भुजमूल	न०	भुजाका मूल–काख	Arm–pit
२९७	भुल्लुंकी*		स्त्री०	सियार–शृगाली	Jackal–bitch
३९	भूअ	भूत	पु०	पिशाच	Goblin
३९६	भूअ	भूत	पु०	जतु	Being
९३३	भूमि	भूमि	स्त्री०	भूमि–स्थल–थली	Ground, place
२५३	भूसण	भूषण	न०	गेहना	Ornament
७३८	भे	युष्मद्–यूयम्	स०	तुम	You
२०५	भोइअ	भोगिक	पु०	गाँवका मुखिया	Headman or lord of a village
३९२	भोअ	भोग	पुं०	नाग की फेण	Snake's hood
१८६	भोभ	भौम	पुं०	भूमिपुत्र–मंगलग्रह	Plant mars

म

१०८	मइरा	मदिरा	स्त्री०	मदिरा	Spirituous liquor
१०७	मइरेअ	मैरेय	न०	,,	

९०२	मइल	मलिन	वि०	मैला	Dirty
४२	मइ	मति	स्त्री०	बुद्धि	Intellect
१५६	मउ	मृदु	वि०	कोमल	Soft
९३	मउड*	मुकुट	पुं०	बालोंका जूट	Toplock
२५१	मउड	मुकुट	पु०	मुगट-मोड-मुकुट	Diadem
८८	मउल	मुकुल	न०	कलिका	Bud
५१४	मउलिअ	मुकुलित	वि०	संवेष्टित	Closed
२५१	मउलि	मौलि	पु०	मुगट	Diadem
७३	मऊह	मयूख	पु०	किरण	Ray
८९	मअ	मद	पु०	मद-अहंकार	Pried
२४२	मंस	मांस	न०	माँस	Flesh
१२६	मसल	मांसल	वि०	मांसयुक्त-पुष्ट	Fat
२३७	मंसु	श्मश्रु	न०	दाढी मूँछ	Beard
३८९	मक्कडय	मर्कटक	पुं०	मकडी-जाल बनाने वाला कीडा	Spiders
७५२	मक्खिअ	म्रक्षित	वि०	चुपडा हुआ-चीकना	Anointed
९९४	मग्गओ	मार्गतः	अ०	पीछे	Afterwards
५१	मग्गण	मार्गण	पुं०	शर	Arrow
६१९	मग्गसिर	मार्गशिरस्	पुं०	मगसिर मास	Margashirash
८३	मग्ग	मार्ग	पु०	रस्ता	Path
४४	मगलपाढय	मङ्गलपाठक	पुं०	चारण	Bard
८०७	मगुल	मङ्गुल	न०	बूरा-खराब	Ugly, nasty
१००	मच्च	मर्त्य	पुं०	पुरुष	Man
१२३	मच्छरि	मत्सरिन्	पुं०	मत्सरी	Envious, wicked
६०	मच्छ	मत्स्य	पुं०	मछली	Fish
८३५	मजव	मद्यप	वि०	दारु पीने वाला	Drunkard
३९०	मजारी	मार्जारी	स्त्री०	बिल्ली	Cat
७८२	मजिअ	मार्जित	वि०	मांजा हुआ-शुद्ध	Bathed
७७२	मजिआ	मार्जिता	स्त्री०	शक्कर तथा सुगंधि वस्तु से मिश्रित दूध या दही	Curds mixed with spices
९९२	मज्झे	मध्ये	अ०	बीचमें-मध्य में	In the midst

३४५	मंजरीगुंडी	मञ्जरीगुण्डी	स्त्री०	एक प्रकार की बेल	Pollen of creepers
२६१	मंजीर	मञ्जीर	न०	झांझर	Anklet
१५५	मञ्जु	मञ्जु	वि०	सुन्दर-मीठा अवाज	Sweet
३७५	मञ्जुआ	मञ्जुका	स्त्री०	तुलसी	Ocymum Sanctum, Tulsi
१५५	मजुलअ	मञ्जुलक	वि०	सुन्दर	Sweet
१५	मट्ठ	मृष्ट	वि०	मंद–जंड	Inert, lazy
८९	मडप्फर*	मदस्फर	पु०	गर्व	Pride
४२०	मडय	मृतक	न०	मुडदा	Corpse
४७२	मडह*		वि०	छोटा	Small
४८७	मड्डा*		अ०	हठ	Violence
६८४	मढिअ	मठित	वि०	मढा हुआ–वींटा हुआ	Crushed
७७७	मणय	मनाक्	अ०	थोडा–कम	Little
४२	मणीसा	मनीषा	स्त्री०	बुद्धि	Intellect
१४	मणुज्ज	मनोज्ञ	वि०	मनपसंद-सुन्दर	Lovely
१००	मणुअ	मनुज	पु०	मनुष्य	Man
१००	मणुस्स	मनुष्य	पु०	मनुष्य	Man
१४	मणोरम	मनोरम	वि०	मन पसंद–सुन्दर	Lovely
९७५	मणोरह	मनोरथ	पु०	इच्छा, मनोरथ, अभिलाष	Desire
५४	मडलग्ग	मण्डलाग्र	न०	तरवार	Sword
६२	मंडल	मण्डल	पु०	कुत्ता	Dog
१४९	मंडिअय	मण्डितक	वि०	शोभित	Adorned
७४९	मंडी	मण्डी	स्त्री०	ढकनी	Cover, lid
३१३	मंडुक्क	मण्डुक	पु०	मेंडक	Frog
४	मत्तड	मार्तण्ड	पुं०	सूर्य	Sun
४४५	मत्ता	मात्रा	स्त्री०	थोडा–कमती	Particle, mora
५९३	मद्दिअ	मर्दित	वि०	मसला हुआ	Crushed
१९१	मति	मन्त्रिन्	पुं०	प्रधान	Minister
४५०	मंतु	मन्तु	न०	अपराध	Fault
१५	मंथर	मन्थर	वि०	मद–धीमा	Slow, inert
७०७	मंथरा	मन्थरा	स्त्री०	कसूमे का पेड–कसुंबी	Safflower

४७६ मंथाण	मन्थान	पु०	दहीं मथने का दंड–विलोने का दंडा	Churning stick
५५५ मंथिअ	मथित	वि०	मथा हुआ–विलोया हुआ	Churned
१५ मंद्र	मन्द्र	वि०	मंद–धीमा	Slow, Inert
१२१ मंद	मन्द	वि०	मूर्ख	Fool
४१ मदाइणी	मन्दाकिनी	स्त्री०	गगा	Gange
४३५ मन्नु	मन्यु	पुं०	गुस्सा	Anger
९ मयगल	मदकल	पुं०	हाथी	Elephant
७२३ मयण	मदन	न०	मोम–मीण	Bee's wax
३७६ मयणाहि	मृगनाभि	स्त्री०	कस्तूरी	Musk
७ मयण	मदन	पु०	कामदेव	Cupid
८०१ मय	मत	न०	अभिप्राय	Opinion, decision
७ मयरद्धअ	मकरध्वज	पु०	कामदेव	Cupid
३३६ मयरंद	मकरन्द	पुं०	मकरंद	Pollen
८ मयरहर	मकरधर, मकरगृह	पु०	समुद्र	Ocean
५ मयलंछण	मृगलाञ्छन	पु०	चाँद	Moon
६६ मयारि	मृगारि	पु०	सिंह	Lion
३८१ मयाली	मदकरी	स्त्री०	नींद लाने वाली लता	A kind of creeper
६६ मयाहिव	मृगाधिप	पु०	सिंह	Lion
७० मयी	मृगी	स्त्री०	हरणी	Doe
८९ मरट्ट*		पु०	अहंकार	Pride
१५ मराल	मराल	वि०	मद–धीमा–अलस	Slow, inert
५९ मराल	मराल	पुं०	हंस	Geese
३४३ मलअ	मलय	पुं०	उद्यान–वाडी, बगीचा	Garden
३७७ मलयरुह	मलयरुह	न०	चदन	Sandal
९०२ मलीमस	मलीमस	वि०	मैला	Dirty
३५० मल्ल	माल्य	न०	माला	Garland
८७० मल्लाणी*		स्त्री०	मामी	Maternal uncle's wife
४२१ मसाणं	श्मशान	न०	मसाण–श्मशान	Burial-ground
१५ मसिणं	मसृणं	वि०	मंद–धीमा	Slow, inert

९१६	मसिण	मसृण	वि०	नरम	Soft, smooth
६९४	मसिणिअ	मसृणित	वि०	चमकाया हुआ-शुद्ध किया हुआ	Polished
८३८	मह	मह	न०	उत्सव	Festival
५७९	महमहिअ	प्रसृत	वि०	मघमघता-सुगंधसे मघमघता	Perfumed
२९७	महासद्दा	महाशब्दा	स्त्री०	सियार-शृगाली	Jackal-bitch
५५५	महिअ	मथित	वि०	मथा हुआ	Churned
५५	महिआ	महिका	स्त्री०	प्रातःकाल में घूमायमान वातावरण	Hoar-frost
४१९	महिआ	महिका	स्त्री०	काले मेघों की घटा	Mass of clouds
१२	महिला	महिला	स्त्री०	स्त्री	Woman
६७०	महिसी	महिषी	स्त्री०	भैंस	Buffalo-cow
७९	महिहर	महिधर	पु०	पर्वत	Mountain
३७	मही	मही	स्त्री०	पृथ्वी	Earth
८७	महीरुह	महीरुह	पु०	वृक्ष	Tree
१०	महुप्पल	महोत्पल	न०	बडा कमल	Lotus
१०७	महु	मधु	न०	मद्य-दारु	Spirituous liquor
६९८	महु	मधु	न०	शहद-मध	Honey
२१	महुमह	मधुमथ	पु०	विष्णु	Vishnu
११	महुअर	मधुकर	पुं०	भौंरा	Bee
१५५	महुर	मधुर	वि०	सुन्दर	Sweet
१०७	महुवार	मधुवार	पुं०	मद्य-दारु	Spiritous liquor
४१४	महु	मधु	पु०	वसंत ऋतु	Spring
८६७	माउच्छा	मातृष्वसा	स्त्री०	माताकी बहिन-मासी	Mother's sister
२२१	माउआ	मातृका	स्त्री०	माता समान-सखी	Female friend
८६७	माउसिआ	मातृष्वसा	स्त्री०	माता की बहिन-मासी	Mother's sister
४४	मागह	मागध	पुं०	चारण	Bard
२७४	माढी*		पुं०	बख्तर	Armour
१००	माणव	मानव	पुं०	मनुष्य	Man
७९८	माणस	मानस	न०	मन-चित्त	Mind
६४५	माणिअ	मानित	वि०	अनुभूत	Experienced

८७०	मामी*	मामी	स्त्री०	मामी	Maternal uncle's wife
२०९	मायंग	मातङ्ग	पुं०	चंडाल	Outcast (Mangs)
९	मायंग	मातङ्ग	पु०	हाथी	Elephant
७४२	मायण्हिआ	मृगतृष्णा	स्त्री०	मरुमरीचिका-किरणों में जलका भ्रम—झांझवे का जल	Mirage
३६९	मायंद	माकन्द	पु०	आम	Mango tree
४१६	माया	माया	स्त्री०	कपट	Fraud
८६४	माया	मातृ-माता	स्त्री०	माता, मा	Mother
२९	मारुअ	मारुत	पु०	पवन	Wind
९८८	मालई	मालती	स्त्री०	मालती की वेल	Jasminum grandiflorum
१०६	माला	माला	स्त्री०	माला-पक्ति-श्रेणि	Line, row
३५०	माला	माला	स्त्री०	फूलों की माला	Garland
५७१	मालिअय	मालितक	वि०	सुशोभित	Beautiful
३८३	मालूर	मालूर	न०	कपित्थ—कैथ का पेड वा फल	Wood-apple
२३७	मासुरी*		स्त्री०	दाढी मूछ	Beard
८८५	माहविआ	माधविका	स्त्री०	एक प्रकार की वेल	Gartnera racemosa
६१८	माह	माघ	पुं०	महा मास	Magha
८६	मिच्छा	मिथ्या	अ०	झूँठा	Falsely
६६९	मिढिआ*		स्त्री०	मेढी—मेषी	Ewes
४	मित्त	मित्र	पुं०	सूर्य	Sun
१९०	मित्त	मित्र	पुं०	मित्र, दोस्त	Friend
९३८	मिअ	मित	न०	परिमित—थोडा	Little, small
१४६	मिलाण	म्लान	वि०	मुरजाया हुआ	Faded
३५९	मिस	मिष	न०	बहाना	Pretence, fraud
६८६	मिहुणय	मिथुनक	न०	जोडा—युगल	Couple
६०	मीण	मीन	पु०	मछली	Fish
५११	मुक्कमज्जाय	मुक्तमर्याद	वि०	मर्याद रहित	Boundless
१३	मुक्कला	मुत्कला	स्त्री०	स्वच्छंद स्त्री	Self willed
१२१	मुक्ख	मूर्ख	पु०	मूरख	Fool

७२४	मुट्ठि	मुष्टि	स्त्री०	मुठी	Fist
८८९	मुणाल	मृणाल	न०	कमल के नाल का तंतु	Lotus-fibre
१६२	मुणिअ	ज्ञात	वि०	जाना हुआ	Known
४३	मुणि	मुनि	पुं०	मुनि	Ascetics
२५०	मुत्तावली	मुक्तावलि	स्त्री०	मोती की माला	Pearl-string
१९	मुत्ति	मुक्ति	स्त्री०	मोक्ष	Final liberation
९७	मुत्ति	मूर्ति	स्त्री०	शरीर	Body
९४३	मुइंग	मृदङ्ग	पु०	मृदंग	Drum
९४३	मुरअ	मुरज	पु०	मृदंग	Drum
५१८	मुरुमुरिअ*		न०	काम का आवेग–उत्कठा	Desired, desiring
४३६	मुल्ल	मूल्य	न०	मूल्य–किंमत	Wages
२६	मुसलाउह	मुसलायुध	पुं०	बलराम	Balarama
५१६	मुसुमूरिअय*	भग्न	वि०	टूटा हुआ–चूरा किया हुआ	Broken
२३२	मुह	मुख	न०	मुह–मुख	Face
४५४	मुहा	मुधा	अ०	व्यर्थ, फोगट	In vain
४५४	मुहिआ	मुधिका	अ०	,,	In vain
१२३	मुहुमुह*	मुहुर्मुख–मधुमुख		वारंवार बक बक करनेवाला खल, मुखसे मीठा-दुर्जन	Wicked
७९३	मुहलरव	मुखररव	पुं०	ककलाट-कोलाहल	Uproar, tumult
१११	मुहुल	मुखर	वि०	वाचाल–बकबक करने वाला	Talkative
२१७	मूअ	मूक	वि०	मूगा	Mute
२१७	मूअल्लिअ	मूक	वि०	मूंगा	Mute
१२१	मूढ	मूढ	वि०	मूढ	Fool
३७	मेइणी	मेदिनी	स्त्री०	पृथ्वी	Earth
३०९	मेअलकन्ना	मेकलकन्या	स्त्री०	नर्मदा–रेवा–नदी	Narmeda
७१२	मेरा*	मर्यादा	स्त्री०	मर्यादा–हद	Boundary
८००	मेल	मेल	पु०	मेला	Meeting
२४९	मेहला	मेखला	स्त्री०	करधनी-कमर का एक गेहना	Girdle
४२	मेहा	मेधा	स्त्री०	बुद्धि	Intellect
६४	मोर	मोर	पुं०	मयूर, मोर	Peacock

८६	मोह	मोघ	वि०	निष्फल	Falsely

र

७	रइणाह	रतिनाथ	पु०	कामदेव	Cupid
२२०	रइमंदिर	रति-मन्दिर	न०	काम का घर-सोने का कमरा-शयनगृह	Pleasure house
४०	रक्ख	रक्षस्	पु०	राक्षस	Rakshasa
९१५	रग्गय	रक्तक	वि०	कसुबी रंग का लाल कपडा	Cloth dyed with safflower
५३२	रंखोलिर*	दोलक	वि०	हिंचकने वाला	Swinging
९७७	रंग	रङ्ग	पुं०	रंग मडप, स्टेज	Stage, theatre
६३४	रज्जु	रज्जु	स्त्री०	रस्सी-बेलोंसे कूए में से पानी निकालने की रस्सी	Rope
६८३	रंजण	रञ्जन	पुं०	रंगने का कुडा	Earthen jar
७४६	रडिय	रटित	न०	कलह करना-लडना	Yelling, quarrelling
४६	रण	रण	न०	लड़ाई	Battle
४४७	रणरणअ	रणरणक	पु०	उत्कंठा-अधैर्य	Desire, longing
९६२	रण	रण	पुं०	शब्द	Sound
१६६	रत्त	रक्त	वि०	लाल	Red
१०१	रत्तीअ*	रक्तिक	पु०	रात-हजाम	Braber
१०५	रंध	रन्ध्र	न०	छिद्र	Hole
३३१	रण्ण	अरण्य	न०	रण, जंगल	Forest
४७३	रप्फा*		स्त्री०	बांबी-राफडा	Anthills
२४८	रमण	रमण	न०	नितंब	Hips
१४	रमणिज्ज	रमणीय	वि०	सुन्दर	Lovely
१२	रमणी	रमणी	स्त्री०	रमणी-स्त्री	Woman
१०२	रमण	रमण		पति	Lover, husband
८७३	रंभा	रम्भा	स्त्री०	केला का पेड़	Plantain tree
१४	रम्म	रम्य	वि०	सुदर	Lovely
२६७	रयय	रजत	न०	चाँदी	Silver
२३०	रयण	रदन	पुं०	दाँत	Tooth

८	रयणायर	रत्नाकर पु०	समुद्र	Ocean
५	रयणिनाह	रजनीनाथ पु०	चद्र	Moon
४०	रयणियर	रजनीचर पुं०	राक्षस	Rakshasa
७१	रयणिविराम	रजनी विराम पु०	रजनी का पूरा होना–प्रातःकाल	Dawn
७४	रयणी	रजनी स्त्री०	रात्रि	Night
९१०	रयणी	रत्नि पु०	हाथ का नाप	Distance from the elbow to the closed fist
७७३	रयअ	रजक पुं०	धोबी	Washerman
८२३	रयवुट्ठी	रजोवृष्टि स्त्री०	रजकी वृष्टि–धूल का वरसाद	Hard shower of dust
३३७	रअ	रजस् पु०	धूल	Dust
६०२	रव	रव न०	शब्द से मधुर	Law and sweet
२४९	रसणा	रसना स्त्री०	करधनी–मेखला	Girdle
८५३	रसणा	रसना स्त्री०	जीभ	Tongue
११	रसाउ*	रसायुष्– रसाद पु०	पुष्परस ही जिसका जीवन है–भँवरा अथवा पुष्परस को खाने वाला–भँवरा	Bee
४७४	रसायल	रसातल न०	रसातल–पाताल	Nether world
७७२	रसाला	रसाला स्त्री०	शक्कर तथा सुगधी वस्तु से मिश्रित दूध या दही	Curds mixed with spices
२६९	रस	रस पुं०	रस	Affection
७३	रस्सि	रश्मि पुं०	किरण	Ray
२७६	रहग	रथाङ्ग न०	रथ का पहिया–चक्का	Wheel
२८८	रहग	रथाङ्ग पु०	चक्रवाक	Brahmani duck
२०२	रहयार	रथकार पु०	रथ का कर्त्ता-बढई-सुतार	Carpenter
९७४	रहस्स	रहस्य न०	तात्पर्य, गुप्त बात	Secret
६९२	रह	रथ पुं०	रथ	Carriage
७४	राई	रात्री स्त्री०	रात्रि	Night
१०६	राइ	राजि स्त्री०	श्रेणी, लाइन	Row

१०	राईव	राजीव	न०	कमल	Lotus
१२	रामा	रामा	स्त्री०	स्त्री	Woman
१६	राम	राम	पुं०	बलराम	Balarama
८९९	रायछुय*		न०	वेतस का पेड़	Citron tree
१८९	राया	राजन्+राजा	पु०	राजा	King
४७	राव	राव	पु०	अवाज	Noise
३९१	रासह	रासभ	पु०	गधा	Donkey
९७२	रास	रास	पुं०	खेलने का रास	Circular dance
१४	राह	राघ	वि०	सुदर	Lovely
३८	राहु	राहु	पु०	राहु	Rahu
५०	रिउ	रिपु	पु०	शत्रु	Enemy
६२३	रिउ	ऋतु	पुस	ऋतु	Season
६६४	रिक्क	रिक्त	वि०	खाली-रीता	Empty
१७४	रिक्ख	ऋक्ष	न०	नक्षत्र	Constellation
३०२	रिच्छ	ऋक्ष	पु०	रींछ	Bear
१०६	रिंछोली*		स्त्री०	श्रेणी, हार	Row, line
६७	रिट्ठ	रिष्ट	पु०	कौआ	Crow
६६४	रित्त	रिक्त	वि०	खाली-रीता	Empty
७८	रित्थ	रिक्थ	न०	धन	Wealth
१०३	रिद्धि	ऋद्धि	स्त्री०	ऋद्धि, धन	Prosperity
४३	रिसि	ऋषि	पु०	ऋषि, मुनि	Ascetic
४३९	रीढा	रीढा	स्त्री०	अनादर—अवहेलना	Contempt
१४	रुइर	रुचिर	वि०	सुदर-रुचिकर	Lovely
८०६	रुग्ग	रुग्ण	वि०	रोगी	Broken
९२३	रुटिय*	रुत	वि०	रोना-भंवरे की गुंजन	Humming of bees
१२६	रुद	रुन्द	पु०	हृष्ट पुष्ट	Fat
२६७	रुप्पय	रुप्यक	न०	चाँदी	Silver
२४३	रुहिर	रुधिर	न०	लोहू-खून, रुधिर	Blood
९५७	रूढ	रूढ	वि०	नीरोगी-रूढ-घाव का रूझ जाना	Healing (of wounds ?)

५१८	रूरुइअ*	रोरुच्चित	न०	काम का आवेग–उत्कठा	Desired
७८६	रूव	रूप	न०	शरीर, आकार	Body
८७९	रूव*	रूत	पु०	रुई कपास	Cotton
३३७	रेणु	रेणु	स्त्री०	धूल	Dust
५६२	रेअविअ*		वि०	खाली शून्य	Emptied
३०९	रेवा	रेवा	स्त्री०	नर्मदा नदी–रेवा नदी	Narmada
८१५	रेसणिया*	रेषणिका	स्त्री०	कांसे का एक बर्तन	Brass cup
१५२	रेहइ	रेखते–राजते	क्रि०	वह शोभता है	He shines
८२	रोअ	रोग	पु०	रोग	Disease
७१७	रोज्झ	रोज्झ	पु०	रोझ नामका जंगली पशु	Stag
१३७	रोमञ्चिय	रोमाञ्चित	वि०	रोमांचयुक्त	Horripilated
३९४	रोमंथ	रोमन्थ	पु०	जुगाली करना-रोमन्थ करना	Chewing the cud
८२४	रोमस	रोमशः	पुं०	पक्ष्मल	Hairy
६७८	रोम	रोमन्	न०	रुंवा	Hair
२१६	रोअणिआ	रोदनिका	स्त्री०	डाइन-डाकन	Witches
४९	रोर	रोर	वि०	गरीब	Poor
४७	रोल	रोल	पु०	शब्द-कोलाहल-रोला	Noise
६९४	रोसाणिअ*	मृष्ट	वि०	चमकदार किया हुआ–मांजा हुआ	Polished
७१७	रोहिअ	रोहित	पु०	रोझ नामका जगली पशु	Stag
६९	रोह्णिी	रोहिणी	स्त्री०	गाय	Cow
५	रोहिणीरमण	रोहिणीरमण	पुं०	चद्र	Moon
३१२	रोह	रोधस्	पुं०	किनारा	Bank

ल

७३२	लउड	लगुड	पुं०	लकड़ी	Club stick
८४०	लक्ख	लक्ष्य	न०	लक्ष्य	Aim, object
९५४	लक्खारुणिय	लाक्षाऽरुणित	वि०	लाख से रंगा हुआ	Dyed with lac
६४१	लग्गणअ	लग्नक	पुं०	जामीन	Surety, bail
५९५	लग्ग	लग्न	वि०	लगा हुआ–संसक्त–जुडा हुआ	Joined, united

३०३	लंगूल	लाङ्गूल	न०	पूछ	Tail
१७२	लच्छी	लक्ष्मी	स्त्री०	लक्ष्मी	Lakshmi
४५८	लज्जिअ	लज्जित	वि०	शरमाया हुआ	Ashamed
६९७	लंचा	लञ्चा	स्त्री०	लांच	Bribe
२४६	लछण	लाञ्छन	न०	निशान	Mark
१४	लट्ठ	लष्ट	वि०	सुदर	Lovely
५६४	लाढेय	स्मृत	वि०	याद किया हुआ- लढा हुआ	Remembered
९१६	लण्ह	श्लक्ष्ण	वि०	अधिक महीन	Smooth
१३०	लपड	लम्पट	वि०	लंपट-लालची	Covetou
१५४	लयण*		वि०	कृश-पतला	Thin
३३४	लयणी*		स्त्री०	लता	Creeper
३३४	लया	लता	स्त्री०	बेल	"
११९	ललिअ	ललित	न०	विलास-लीला	Languishing, coquetry
१५५	ललिय	ललित	वि०	सुदर	Beautiful
१०९	लल्लक्क*		वि०	भयकर	Terrible
८८६	लवअ*	लवक	पुं०	गोंद	Saccharum Sara grass
४४५	लव	लव	पुं०	थोडा	Small portion, particle
५३९	लहुइअ*		वि०	तोला हुआ	Weighed
७ ६	लहुदारु	लघुदारु	न०	लकडी का छोटा टुकडा	Small piece of wood
३०१	लहुमच्छ	लघुमत्स्य	पुं०	छोटी मछली	Small fish
४७२	लहुय	लघुक	वि०	लघु-हलका	Little
३८५	लामजय*		न०	विशेष प्रकार का घास- पानी को ठंडा तथा सुगंधित करने वाला घास	Andropogon muricatus
२१६	लामा*		स्त्री०	डाइन-डाकन	Witches
२४१	लायण्ण	लावण्य	नं०	शरीर की कांति	Beauty

१३०	लालस	लालस	वि०	लंपट	Covetou
४६४	लास	लास्य	न०	विशेष प्रकार का नृत्य	Dance (of females)
११९	लीला	लीला	स्त्री०	लीला	Sport, coquetry
१३०	लुद्ध	लुब्ध	वि०	लुब्ध-लालची	Covetou
४०३	लेड्डुअ*		पुं०	ढेला	Clod
४०३	लेड्डु	लेष्टु	पुं०	,,	Clod
४०३	लेड्डुक्क	लेष्टुक	पुं०	,,	Clod
४४५	लेस	लेश	पुं०	थोडा	Particle
१८८	लोअ	लोक	पुं०	लोक, जगत्	World
७२६	लोट्टय	लोटयत्	वि०व०कृ०	लोटा हुआ	Sleeping
८३९	लोद्धय	लुब्धक	पु०	शिकारी	Hunter
१९	लोयग्ग	लोकाग्र	न०	मोक्ष	Final liberation
२३३	लोयण	लोचन	न०	आंख	Eye
१३०	लोल	लोल	वि०	चंचल-लालची	Covetou
१३०	लोलुअ	लोलुप	वि०	लालची	Covetou
७२९	लोह	लोह	न०	लोहा	Iron steel

व

२९२	वअ*		पुं०	गीध	Vulture
३५७	वअ	व्रज	पुं०	गोकुल-गोष्ठ	Cow-pen
७८७	वइकलिअ	वैकल्य	न०	चलित-विकलता	Trembling, agitation
२१	वइकुठ	वैकुण्ठ	पुं०	उपेंद्र-विष्णु	Vishnu
५०५	वइअ*	वृत	वि०	ढका हुआ	Covered, shaded
३६४	वंस	वंश	पुं०	वांस-बांबू	Bamboo
१५५	वग्गु	वल्गु	वि०	सुदर	Beautiful
६८	वग्घ	व्याघ्र	पुं०	वाघ	Tiger
४८०	वंक	वक्र	वि०	टेढा वांका	Crooked
२४५	वच्च	वर्चस्	न०	विष्ठा	Excrements
८५५	वच्छ	वक्षस्	न०	छाती	Breast
२०३	वच्छवाल	वत्सपाल	पुं०	बछडों को पालने वाला-ग्वाला	Cowherd

३९५	वच्छाण	उक्षन्	पुं०	बैल	Bull
१०१	वच्छीउत्त	वात्सीपुत्र	पुं०	हजाम	Barber
२०३	वच्छीव	वत्साऽऽजीव	पुं०	ग्वाला	Cowherd
५६४	वच्छ	वत्स	पु०	बछडा–बच्चा	Calf
८७	वच्छ	वृक्ष	पुं०	वृक्ष-झाड-पेड	Tree
१८४	वज्ज	वज्र	न०	वज्र	Thunderbolt
७८४	वज्झ	वध्य	वि०	वध्य	Criminal
५३७	वंचिअ	वञ्चित	वि०	ठगा हुआ	Cheated
१२०	वंछा	वाञ्छा	स्त्री०	वांछा–इच्छा	Wish, desire
३६५	वजुल	वञ्जुल	पुं०	बेत का पेड़	Ratan cane
१४८	वट्टुल	वर्तुल	वि०	गोलाकार	Round
८९१	वडरुक्ख	वटवृक्ष	न०	वड का वृक्ष	Banian tree
७०८	वडवा	वडवा	स्त्री०	घोडी	Mare
२०२	वड्ढइ	वर्धकि	पु०	बढई-सुतार	Carpenter
३५४	वणग्गि	वनाग्नि	पुं०	बनका अग्नि–दावानल	Conflagration
३५	वण	वन	न०	पानी	Water
६९५	वण	व्रण	न०	व्रण-घाव	Wound
९४२	वण	वन	न०	वन-जंगल	Wood
६३	वणसवाई*	वनश्वपाची	स्त्री०	कोयल	Female koil
६	वण्हि	वन्हि	पुं०	आग	Fire
११२	वत्ता	वार्ता	स्त्री०	बात, समाचार	Tidings, news
८३	वत्तिणी	वर्तिनी	स्त्री०	मार्ग	Path
९४७	वत्थ	वस्त्र	न०	कपड़ा	Dress, cloth
९२१	वत्था, अवत्था	अवस्था	स्त्री०	अवस्था–दशा	State
७०१	वत्थि	बस्ति	स्त्री०	अपान-गुदा	Abdomen
४१०	वत्थु	वस्तु	न०	वस्तु-पदार्थ	Substance
२४	वंदारय	वृन्दारक	पुं०	देव	God
३१५	वप्पिण*	वप्र ?	न०	क्यारा	Field
३१२	वप्प	वप्र	पुं०	किनारा-कांठा	Bank
३१५	वप्प	वप्र	पुं०	क्यारा	Field
४७	वमाल*		पुं०	कोलाहल-भारी अवाज	Noise

१३४	वंफिअ*	काङ्क्षित	वि०	खाया हुआ	Eaten
७	वम्मह	मन्मथ	पु०	कामदेव	Cupid
४७३	वम्मीअ	वल्मीक	न०	बांबी-राफडा	Anthill
१९०	वयंस	वयस्य	पु०	मित्र	Friend
२३२	वयण	वदन	न०	मुख	Face
२१८	वयपरिणाम	वय-परिणाम	पु०	उमरका परिणाम-बुढ़ापा	Age
३८१	वयली*		स्त्री०	निंद लानेवाली लता	A kind of creeper
४७	वयल*		पु०	कोलाहल-भारी अवाज	Noise
९१३	वरअ	वराक	पुं०	गरीब-दीन	Distressed
६३४	वरत्ता	वरत्रा	स्त्री०	रस्सी—कूए से बैलों द्वारा जल निकालने का रस्सा	Rope, girth
२९०	वरला	वरला	स्त्री०	हसी	Goose, swan
२९६	वराह	वराह	पु०	वराह	Boar
४८	वरूहिणी	वरूथिनी	स्त्री०	सेना	Army
९१९	वलइअ	वलयित	वि०	गोलाकार किया हुआ—चढाया हुआ—धनुष	Placed on
१६४	वलक्ख	वलक्ष	वि०	श्वेत	White
८३०	वलग्ग	अवलग्न	वि०	लगा हुआ—आश्रित—चडा हुआ	Ascended
९७९	वलयबाहु	वलयबाहु	पु०	चूडा-हाथ में पहरनेका चूडा	Bracelet
२७९	वल्लई	वल्लकी	स्त्री०	वीणा	Lute
३५३	वल्लर	वल्लर	न०	गहन वन	Thicket
३५६	वल्लर*	वल्लर	न०	अरण्य में आया हुआ क्षेत्र	Field in the forest
३४६	वल्लरी	वल्लरी	स्त्री०	लता-बेल	Creeper
२०७	वल्लव	वल्लव	पुं०	विलोने वाला—ग्वाला	Cowherd
३४६	वल्ली	वल्ली	स्त्री०	बेल—लता	Creeper
८७९	ववण*	वपन	न०	कपास	Cotton
११८	वसण	वसन	न०	वस्त्र	Dressed
४७१	वसण	व्यसन	न०	दुःख	Misfortune
४१४	वसंत	वसन्त	पु०	वसंत ऋतु	Spring
३९५	वसह	वृषभ	पुं०	बैल	Bull

७७	वसहि	वसति	स्त्री०	घर	Dwelling
७००	वसिअ	उषित-वसित	वि०	रहा हुआ	Residing
७८	वसु	वसु	न०	धन	Wealth
३७	वसुंधरा	वसुधरा	स्त्री०	पृथ्वी	Earth
३७	वसुमई	वसुमती	स्त्री०	,,	Earth
१४६	वसुआय*	उद्वात	वि०	सूखा-मुरजाया हुआ	Faded
३७	वसुहा	वसुधा	स्त्री०	पृथ्वी	Earth
९८६	वहण	वहन	न०	वहाण-जहाज	Ship
१२	वहू	वधू	स्त्री०	बहू-पत्नी	Woman
१११	वाउल्ल	वातूल	पुं०	वाचाल-बकनेवाला	Talkative
६५	वाणर	वानर	पुं०	बदर	Monkey
२०८	वाणिअय	वाणिजक	पु०	बनिया	Merchant
८१	वाणी	वाणी	स्त्री०	वाणी	Speech
३६५	वाणीर	वानीर	पुं०	बेत का वृक्ष	Ratan cane
२१५	वामणअ	वामनक	पु०	बौना-कुब्ज	Dwarf
४७३	वामलूर*	वामलूर	पुं०	बांबी-राफडा	Anthill
१२	वामलोअणा	वामलोचना	स्त्री०	स्त्री	Woman
४०७	वाम	वाम	वि०	बांया	Opponent
६१३	वायणय*	,,	न०	वायणुं-खाने की भेट	Present of food
१४६	वाय*	म्लान	वि०	मुरजाया हुआ	Faded
८१	वाया	वाचा	स्त्री०	वाणी	Speech
१११	वायाल	वाचाल	वि०	वाचाल	Talkative
२६४	वायायण	वातायन	पुं०	झरोखा-गवाक्ष-हवा आने का द्वार	Window
६०१	वारणमअ	वारणमद	पुं०	हाथी का मद	Ichor from an elephant's temple
९	वारण	वारण	पु०	हाथी	Elephant
११६	वारवाण	वारवाण	पु०	चोली	Coat of mail
३५	वारि	वारि	न०	पानी	Water
९२६	वारिअ	वारित	वि०	रोका हुआ	Forbidden, hindered

४०४	वारिज्जय	वर्यक	न०	विवाह	Marriage
९४९	वारी	वारी	स्त्री०	हाथी बांधने का स्थान	Pit for catching elephants
१०८	वारुणी	वारुणी	स्त्री०	मद्य–दारु	Spirituous liquor
६५३	वालअ	वालक	पु०	सुगधी वाला–जल को ठडा व सुगधित करने का एक प्रकार का घास	Kind of Andropegon
३०३	वालहि	वालधि	पु०	पूछ	Tail
२२५	वाल	वाल	पुं	बाल-केश	Hair
९३६	वालिअय	वालितक	वि०	मोड खाया हुआ	Turned round
४७७	वालुक	वालुङ्क	न०	चीभडा	Cucumber
४३२	वावडया*	व्यापृतता	स्त्री०	विपरीत मैथुन–स्त्री पुरुष की विपरीत रति क्रीडा	Improper, reverse
११८	वास	वासस्	न०	कपडा	Dress
७१३	वास	वर्ष	न०	वरसाद	Rain
४१७	वासर	वासर	पु०	दिवस	Day
१८०	वासवसुअ	वासवसुत	पु०	इंद्र का पुत्र-जयंत	Jayanta
२५	वासव	वासव	पु०	इंद्र	Indra
५७८	वासहय	वर्षहत	वि०	वरसादसे नष्ट	Rained on
४१५	वासारत्त	वर्षारात्र.	पुं०	वर्षाऋतु	Rainy season
४५	वाह	वाह	पु०	घोडा	Horse
८३९	वाह	व्याध	पु०	शिकारी	Hunter
४८	वाहिणी	वाहिनी	स्त्री०	सेना	Army
८३२	वाहित्त	व्याहृत	वि०	बोलाया हुआ	Called
८२	वाहि	व्याधि	पुं०	रोग, व्याधि	Disease
१६२	विइअ	विदित	वि०	जाना हुआ	Known
५४१	विउडिअ	विकुटित	वि०	विनाशित	Destroyed
१५७	विउल	विपुल	वि०	बिपुल–अधिक	Extensive
९९	विउस	विदुष	पुं०	विद्वान	Clever
४६१	विक्खंभ	विष्कम्भ	पुं०	विस्तार	Extent, breadth
२२३	विक्खाअ	विख्यात	वि०	प्रसिद्ध	Famous

५४४	विक्खित्तय	विक्षिप्तक	वि०	फेंका हुआ	Scattered
३६६	विक्खेव	विक्षेप	पुं०	क्षोभ	Scattering
९७	विग्गह	विग्रह	पुं०	शरीर	Body
४२५	विग्घ	विघ्न	पुं०	विघ्न	Obstacle
१३८	विच्छड्डिअ	विच्छर्दित	वि०	त्याग किया हुआ	Abandoned
१०३	विच्छड्ड	विच्छर्द	पुं०	वैभव-ठाठ, विस्तार	Prosperity
२५४	विच्छित्ति	विक्षिप्ति	स्त्री०	विन्यास	Arrangement
१४०	विच्छुरिअय	विच्छुरितक	वि०	जडित	Joined, over-spread
१४७	विच्छूढ	विक्षिप्त	वि०	विक्षिप्त	Thrown up
९२०	विच्छोलिअ	विच्छोलित	वि०	धोया हुआ–वींछला हुआ	Washed
८४०	विजाय	विजात	न०	लक्ष्य	Aim, object
१८३	विज्जु	विद्युत्	स्त्री०	बिजली	Lightning
२७०	विट्ठर	विष्टर	न०	बेठक	Seat
२४५	विट्ठा	विष्ठा	स्त्री०	विष्टा-वीट	Excrements
३८	विडप्प*		पुं०	राहु	Rahu
८७	विडवि	विटपिन्	पुं०	झाड–वीड	Tree
९१४	विड्डिर*		न०	आडंबर–घटाटोप	Pride (?)
७१९	विड्डुम	विद्रुम	न०	परवाला	Young sprout, coral
३०	विणयसुअ	विनयासुत	पुं०	गरुड	Garuda
५४१	विणासिअय	विनाशितक	वि०	विनाश किया हुआ	Destroyed
१४४	विणिद्द	विनिद्र	वि०	विकसित	Opened as a flower
१३३	विणिम्मिअ	विनिर्मित	वि०	बनाया हुआ	Made, produced
७८	वित्त	वित्त	न०	धन	Wealth
१५७	वित्थय	विस्तृत	वि०	विस्तार युक्त	Extensive
२२३	वित्थर	विस्तर	पुं०	विस्तार	Extent
१५७	वित्थिन्न	विस्तीर्ण	वि०	विस्तार युक्त	Broad, extensive
२१४	विं (विं)दु	बिन्दु	पुं०	बिंदु	Drop
४२	विन्नाण	विज्ञान	न०	विज्ञान	Intellect, against

१६२	विण्णाय	विज्ञात	वि०	विशेषरूप से. जाना हुआ	Known
२५४	विन्नास	विन्यास	पु०	स्थापन	Arrangement
१९६	विप्प	विप्र	पु०	ब्राह्मण	Brahman
४५०	विप्पिय	विप्रिय	न०	अनिष्ट–अपराध	Fault, offence
२४	विबुह	विबुध	पु०	देव	God
११९	विब्बोअ	विब्बोक	पु०	विलास	Coquetry
११९	विब्भम	विभ्रम	पु०	विलास	,,
५६१	विमग्गिअय	विमार्गितक	वि०	गवेषित	Sought after
५५६	विमुक्क	विमुक्त	वि०	विमुक्त	Freed, loosened
८२८	वियट्ट*	विसंवदित	वि०	अप्रमाणित	Disputed
१५७	वियड	विकट	वि०	विकट	Large
४३४	विअणा	वेदना	स्त्री०	पीडा–वीण	Pain
८३३	विअत्थण	विकत्थन	न०	स्वप्रशसा	Boasting
६१६	विअलिअ	विगलित	वि०	गला हुआ	Loose
१४४	विअसिअ	विकसित	वि०	विकसित	Opened
६६२	विआण	वितान	न०	कपडे की चांदनी–चद्दुवा	Awning
१३३	विरइअ	विरचित	वि०	रचा हुआ	Made, composed
५७०	विरमालिअ*	प्रतीक्षित	वि०	प्रतीक्षा किया हुआ	Expected
३२४	विरया*	विरता, विरजा (?)	स्त्री०	छोटी नदी–बेरा	Shallow river Stopping in the dry season
५२१	विरल्लिअय*	तत	वि०	विस्तीर्ण	Stretched
१५२	विरायए	राज्+ विराजते	क्रि०	वह शोभता है	He shines
८०२	विराय*	विलीन	वि०	विलीन–पिघला हुआ	Dissolved
२	विरिंच	विरिञ्च	पु०	ब्रह्मा	Brahma
५५५	विरोलिअ*	विलोलित	वि०	विलोया हुआ–मथित	Churned
४९४	विलअ	विलय	पुं०	सूर्य का अस्त होना	Sunset
१२	विलया	वनिता	स्त्री०	स्त्री	Woman
५५४	विलविअ	विलपित	स्त्री०	विलपित-विलाप किया हुआ	Lamenting
११९	विलास	विलास	पु०	विलास	Sport, coquetry

४५०	विलिअ	व्यलीक	न०	झूठ	Fault
४५८	विलिय	व्रीडित	वि०	शरमाया हुआ	Ashamed
८०२	विलीण	विलीन	वि०	गला हुआ	Dissolved
१३४	विलुपिअ*	विलुप्त	वि०	खाया हुआ	Eaten
२५७	विलेवण	विलेपन	न०	विलेपन	Unguent
९४४	विवज्जअ	विपर्यय	पु०	विपरीतता–उलटा	Change
९४४	विवज्जास	विपर्यास	पुं०	”	Change
२७९	विवचिआ	विपञ्चिका	स्त्री०	वीणा	Lute
२५९	विवणी	विपणी	स्त्री०	दुकान–हाट	Market
१०५	विवर	विवर	पु०	छिद्र, बेरा	Hole
४०४	विवाह	विवाह	पुं०	विवाह	Marriage
९१८	विसअ	विषय	पुं०	विषय–गोचर–अधिकार	Province
८२८	विसंवइअ	विसंवदित	वि०	अप्रमाणित	Disputed
१३	विसंखलया	विशृङ्खला	स्त्री०	स्वच्छंद स्त्री	Self willed woman
८१०	विसट्ट*	दलित	वि०	विघटित	Split
६१५	विसढ	विषम	वि०	विषम	Uneven
९३१	विसंठुल	विसंस्थुल	वि०	विह्वल	Agitated
६३२	विस	विष	न०	विष-झहर	Poison
६१५	विसम	विषम	वि०	सम नहीं–असम	Uneven
९५१	विसय	विशद	वि०	उज्ज्वल	Clear
६३३	विसाण	विषाण	न०	सिंग	Horn
१५७	विसाल	विशाल	वि०	विशाल	Large
२३	विसाह	विशाख	पुं०	गणेश	Karttikeya
५१	विसिह	विशिख	पुं०	बाण	Arrow
७३१	विसेसअ	विशेषक	पु०	तिलक	Mark on the forehead
५४२	विसेसिअ	विशेषित	वि०	विशेषतावाला	Exceeding
२२३	विस्सुअ	विश्रुत	वि०	प्रसिद्ध	Famous
६१	विहंग	विहङ्ग	पुं०	पक्षी	Bird
८१०	विहडिअ	विघटित	वि०	विघटित–बिगाडा हुआ	Torn
८६	विहल	विफल	वि०	व्यर्थ	Falsely

१०३	विहव	विभव	पु०	वभव	Wealth
१७९	वि-(बि-)हस्सइ	बृहस्पति	पु०	गुरु-बीफे	Brihaspati
७४	विहावरी	विभावरी	स्त्री०	रात्री	Night
६	विहावसु	विभावसु	पु०	आग	Fire
६६८	विहाविअ	विभावित	वि०	विभावित-विचारेलु	Shown
१३३	विहिअ	विहित	वि०	विधान किया हुआ-किया हुआ	Made
२	विहि	विधि	पु०	ब्रह्मा	Brahma
८१९	विहि	विधि	पु०	विधि-भाग्य	Fate
५७०	विहीरिअ*	प्रतीक्षित	वि०	प्रतीक्षा किया हुआ	Awaited, expected
९३१	विहुल	विधुर	वि०	विधुर	Agitated
५	विहु	विधु	पु०	चद्र	Moon
५५०	विम्हरिअ	विस्मृत	वि०	भूला हुआ	Forgotten
५६	वीइ	वीचि	पु०	तरग	Wave
२७९	वीणा	वीणा	स्त्री०	वीणा	Lute
६२८	वीरण	वीरण	न०	जल को ठडा व सुगंधित बनाने वाली एक प्रकार की घास	Andropogon muricatus
१५	वीसत्थ	विश्वस्त	वि०	विश्वासपात्र	Inert, slow
७८३	वीसंत	विश्रान्त	वि०	विश्राम किया हुआ	Rested
१४१	वुक्कत	व्युत्क्रान्त	वि०	वीतीं हुआ	Passed, surpassed
७१३	वुट्ठि	वृष्टि	स्त्री०	वरसाद	Rain
११२	वृत्तंत	वृत्तान्त	पुं०	समाचार	Tiding
७००	वुत्थ	उषित	वि०	रहा हुआ	Residing
१३२	वुन्न*		वि०	त्रास पाया हुआ	Distressed, frightened
६४६	वेअ	वेद	पुं०	ऋग्वेद वगेरे वेद	Veda
८२५	वेअ	वेग	पु०	वेग	Speed
११५	वेजयंती	वैजयन्ती	स्त्री०	वैजयती धजा	Banner
३६५	वेडस	वेतस	पुं०	वेतका वृक्ष	Ratan cane

८९९	वेडिस	वेतस	न०	एक प्रकारका खट्टा फल	Citron tree
२६६	वेडुज्ज	वैडूर्य	पुं०	वैडूर्य मणि	Lapis Lazuli
५८४	वेढिअय	वेष्टितक	वि०	वींटा हुआ–घीरा हुआ	Covered, clothed
३६४	वेणु	वेणु	पु०	बांस	Bamboo
१४०	वेअडिअ*	खचित	वि०	जडा हुआ	Joined, studded
४३६	वेअण	वेतन	न०	मूल्य–पगार	Wage
४२६	वेयल्ल	वैकल्य	न०	विकलता–असामर्थ्य	Feeblenees
४४	वेआलिअ	वैतालिक	पु०	चारण	Bard
२६६	वेरुलिअ	वैडूर्य	पु०	वैडूर्य मणि	Lapis Lazuli
५३७	वेलविअ*	वञ्चित	वि०	वंचित	Cheated
११३	वेला	वेला	स्त्री०	समय	Time
३६४	वेलु	वेणु	पु०	वांस	Bamboo
८०८	वेविअ	वेपित	वि०	कंपित	Trembling
२८	वेसमण	वैश्रमण	पुं०	कुबेर	Kubera
४७६	वेसाह	वैशाख	पु०	दहीं मथनेका दंडा	Churning stick
७५१	वेस	वेष	पुं०	पोशाक	Dress
३४	वोम	व्योमन्	न०	आकाश	Sky
१४१	वोलिअ*	गत	वि०	बीता हुआ	Passed, surpassed
१४१	वोलीण*	अतिक्रान्त	वि०	,,	Passed, surpassed
५५९	वोसट्ट*	विकसित	वि०	विकसित	Opened

स

१५३	सइ	सदा	अ०	हमेशा	Always
१६०	सइदंसण	स्मृति दर्शन	न०	विचारपूर्वक देखना	Looking carefully
१३	सइरा	स्वैरा	स्त्री०	स्वच्छंद स्त्री	Selfwilled woman
१५	सइर	स्वैर	वि०	मदता	Slow, inert
१६०	सइलभ	स्मृतिलम्भ	पु०	स्मरणपूर्वक देखना	Looking carefully
१९१	सइव	सचिव	पु०	मंत्री–प्रधान	Minister
१६०	सइसुह	स्मृतिसुख	न०	स्मृतिपूर्वक दर्शन–स्मृतिसुख	Looking carefully
१८१	सई	शची	स्त्री०	इंद्राणी	Shachi

९७ संघयण	संहनन	न०	शरीर	Body
१८ संघाअ	संघात	पु०	समूह	Heap, quantity
१८ संघ	संघ	पु०	,,	Heap, quantity
१३५ सच्चविअ	सत्यापित	वि०	सत्य किया हुआ– प्रमाणित किया हुआ	Seen
१३ सच्छदा	स्वच्छन्दा	स्त्री०	स्वच्छद स्त्री	Selfwilled woman
१२७ सच्छह*		वि०	समान	Similar
४३७ सज्जुक्क*		वि०	नया–ताजा–सोजा	New, fresh
८०४ संचारी	संचारी	पु०	दूती	Female messenger
६४४ संजविअ	संयमित	वि०	संगोपित	Entire, safe
४६ संजुअ	संयुग	न०	लडाई	Battle
८८२ सढ	सटा	पुं०	गुच्छ	Cluster
१९५ सणाहि	सनाभि	वि०	स्वजन–बधु	Relative
१५ सणिअं	शनैस्	अ०	धीरे धीरे	Slow, inert
८९५ सत्तच्छय	सप्तच्छद	न०	सादड का पेड़	Alstonia scholaries
३२९ सत्ततंतु	सप्ततन्तु	पु०	यज्ञ	Sacrific
८७५ सत्तला	सप्तला	स्त्री०	जूई	Arabic jasmin
३९६ सत्त	सत्त्व	पु०	जीव–जंतु	Beings
४५ सत्ति	सप्ति	पुं०	घोडा	Horse
५० सत्तु	शत्रु	पुं०	शत्रु–वैरी	Enemy
४०२ सत्थरअ	संस्तरक	पु०	बिछौना	Couch of straw
४८६ सत्थ	स्वस्थ	पु०	निरोगी-पटु	Clever
७७४ सद्दल	शाद्वल	न०	हरी घास	Verdant
३५१ सद्दाल	शब्दाल	वि०	शब्द युक्त अवाज करनेवाला	Anklet, noisy
६८ सद्दूल	शार्दूल	पुं०	वाघ	Tiger
९६२ सद्द	शब्द	पु०	अवाज-साद	Sound
१२० सद्धा	श्रद्धा	स्त्री०	श्रद्धा	Faith
१५३ संतय	संतत	न०	निरंतर	Always
७६ संतमस	संतमस	न०	अंधकार	Deep darkness
६५२ संदण	स्यन्दन	पुं०	रथ	Chariot

५७७	संदाणिअ	संदानित	वि०	बधा हुआ	Fettered
५३०	संदिट्ठ	संदिष्ट	न०	संदेश दिया हुआ	Pointed out
५२८	संदिद्ध	संदिग्ध	वि०	संदेह किया हुआ	Doubtful
१६	संदुमिअ*	प्रदीप्त	वि०	जला हुआ	Shining
१८	संदोह	संदोह	पु०	समूह	Heap, multitude
१६	संधुक्किअ*	प्रदीप्त	वि०	जला हुआ	Shining
१३१	सन्न	सन्न	वि०	थका हुआ	Tired
४३३	सन्ना	संज्ञा	स्त्री०	नाम	Name
२८२	सप्पि	सर्पिस्	न०	घी	Butter
५८	सप्फ	शष्प	न०	कुमुद	White lotus
९८७	सबर	शबर	पु०	भील	Shabara
१६७	सबल	शबल	न०	चितकबरा	Variegated
७९७	सब्भ	सभ्य	पु०	सभ्य	Assistant at an assembly, assessor
११३	समअ	समय	पु०	समय-बखत-टाइम	Time
८०१	समअ	समय	पु०	संप्रदाय-मत	Decision
२४७	समजल	श्रमजल	न०	पसीना	Sweat
४३	समण	श्रमण	पुं०	साधु	Ascetic
५२	समत्थ	समर्थ	वि०	बलवान	Able
९२९	समता	समन्तात	अ०	चारो तरफ	All round
४६	समर	समर	न०	लडाई	Battle
४४६	समसीसी	समशीर्षी	स्त्री०	हरिफाई-स्पर्धा	Resemblance
१२७	समाण	समान	वि०	समान	Equal, similar
४२९	समास	समास	पु०	संक्षेप	Collection, abbreviation
३३८	समी	शमी	पु०	सेम-शिंग-सेम की फली	Pod
२९	समीर	समीर	पु०	पवन	Wind
८	समुद्द	समुद्र	पुं०	समुद्र	Ocean
५६८	समुहागय	संमुखागत	वि०	सामने आया हुआ	Met, encountered
१२७	सम	सम	वि०	समान	Equal, similar
७६९	समोसिअ	सम्+आ+ उषित-समोषित	पुं०	पडोसी	Neighbour

११४	संपइ	संप्रति	अ०	हाल-अभी-वर्तमानमें	Now
१०३	संपत्ति	संपत्ति	स्त्री०	लक्ष्मी	Prosperity
११४	संपय	साम्प्रतम्	अ०	हाल-अभी-वर्तमानमें	Now
४०९	संबल	शम्बल	न०	पाथेय-मुसाफरी का भाता	Provisions for a journey
८२९	सबाह	सबाध	पुं०	सकीर्ण-सँकडा स्थान-भीड	Crowded
४४९	सभम	सभ्रम	पु०	उत्साह, चपलता	Activity, zeal
४९५	संभम	संभ्रम	पु०	संक्षोभ	Fright
२२	संभु	शभु	पु०	महादेव	Shiva
९७१	संमद्द	संमर्द	पु०	भीड	Friction, conflict
५८०	संमूढ	संमूढ	वि०	मूढ	Confused
७६९	सयज्झ	सविध्य	पु०	पडोसी	Neighbour
९६३	सयड	शकट	पु०	छकडा-बेलगाडी	Cart
२५६	सयण	शयन	न०	शयन	Bed
१९५	सयण	स्वजन	पुं०	कुटुंबी	Relative
२	सयंभु	स्वयभू	पुं०	ब्रह्मा	Brahma
१७	सयराहं*		अ०	शीघ्र	Suddenly
१०	सयवत्त	शतपत्र	व०	कमल	Lotus
१५३	सया	सदा	अ०	हमेशा	Always
१०७	सरअ	सरक	पु०	मद्य-दारु	Rum
६१७	सरअ	शरद्	पुं०	शरद ऋतु	Autumn
८३७	सरड	सरट	पुं०	गिरगिट	Lizard
८३	सरणी	सरणी	स्त्री०	पानी की नीक	Path
३११	सरसी	सरसी	स्त्री०	दीर्घिका-विशेष प्रकारका लंबे घाटका जलाशय	Lake
८१	सरस्सई	सरस्वती	स्त्री०	सरस्वती	Speech
५३	सरासण	शरासन	न०	धनुष	Bow
१२७	सरिच्छ	सदृक्ष	वि०	समान	Similar
३६	सरिआ (या)	सरित्	स्त्री०	नदी	River
१२७	सरिस	सदृश	वि०	समान	Similar
५१	सर	शर	पुं०	बाण	Arrow

१०	सरोरुह	सरोरुह	न०	कमल	Lotus
७४५	सलह	शलभ	पु०	पतंगिया	Moth
३५	सलिल	सलिल	न०	पानी	Water
८	सलिलरासि	सलिलराशि	पुं०	समुद्र	Ocean
१३६	सलिलुच्छव	सलिलोत्सव	पु०	जलक्रीडा	Sporting in the water
८५४	सवण	श्रवण	पुं०	कान	Ears
४२०	सव	शव	न०	शब, मुर्दा	Corpse
८३४	सवाय	श्वपाच	पु०	चंडाल	Outcast
५५८	सविअ	शप्त	वि०	शाप दिया हुआ	Cursed, reviled
१६१	सविह	सविध	न०	निकट–पास	Near
९२९	सव्वत्तो	सर्वतः	अ०	चारों तरफ	All round
७४	सव्वरी	शर्वरी	स्त्री०	रात्री	Night
५	ससहर	शशधर	पु०	चंद्र	Moon
८६२	ससा	स्वसृ–स्वसा	स्त्री०	बहिन	Sister
५	ससि	शशिन्	पु०	चन्द्र	Moon
१५२	सहइ	राज्+राजते	क्रि०	वह शोभता है	He shines
९८	सहयर	सहचर	पु०	सहायक	Companion
३६९	सहयार	सहकार	पु०	आम	Mango tree
६०	सहर	शफर	पुं०	मछली	Fish
१७	सहसत्ति	सहसेति	अ०	शीघ्र-एकाएक	Suddenly
१७	सहसा	सहसा	अ०	,,	Suddenly
५२	सह	सह	वि०	समर्थ	Able
४५९	सहा	सभा	स्त्री०	सभा	Assembly
९८	सहाअ(य)	सहाय	पु०	सहायक	Companion
७९७	सहासअ	सभासद	पुं०	सभासद	Assessor
२१०	सहिअ	सभिक	पु०	जूआ खेलने वाला	Gambling-house keeper
१९०	सहि	सखि	पु०	पुरुष मित्र	Friend
२२१	सही	सखी	स्त्री०	स्त्री मित्र	Femail friend

८६९	सहोअर	सहोदर	पु०	सगा भाई	Full brother
९४८	साउ	स्वादु	वि०	मिष्ट	Sweet
६२	साण	श्वान	पु०	कुत्ता	Dog
३३०	साणु	सानु	पु०	शिखर	Table-land, ridges
१५१	सामग्गिअ*	श्लिष्ट	वि०	आलिंगित	Embraced
१६३	साम	श्याम	वि०	काला	Black
९३२	सामरि	शाल्मलि	स्त्री०	सेमर का वृक्ष	Cotton tree
१६३	सामल	श्यामल	वि०	काला	Black
१०३	सामिद्धि	समृद्धि	स्त्री०	वैभव	Prosperity
३७३	सामुंडुअ*	सामुद्रक	पु०	एक प्रकार का घास-भमासा	Reed resembling, Seurg cane
५१	सायय	सायक	पु०	बाण	Arrow
७५६	साय	सायम्	अ०	संध्या काल	Evening
१६७	सार	शार	वि०	चितकबरा	Variegated
४४४	सार	सार	न०	बल	Power
७०	सारंगी	सारङ्गी	स्त्री०	हरिणी	Doe
२९३	सारंग	सारङ्ग	पुं०	चातक	Chataka
६९८	सारह	सारघ	न०	शहद-मध	Honey
६९३	सारहि	सारथि	पुं०	रथ हांकने वाला	Charioteer
४४६	सारिच्छ	सादृक्ष्य	न०	सरखाई	Resemblance
७६७	सारिया	शारिका	स्त्री०	मेना	Maina
६५४	सारि	शारि	स्त्री०	ऋषि के बैठने का आसन	Mat or cushion of kusha grass
७८	सार	सार	पु०	धन	Wealth
७६७	सालहिआ*		स्त्री०	मेना	Maina
३३३	साला	शाला	स्त्री०	शाखा	Branch
८०५	सालिरक्खिआ	शालिरक्षिका	स्त्री०	चावलों के खेत की रक्षा करने वाली	Woman watching rice-field
८८८	सालि	शालि	पु०	चावल	Rice
३१३	सालूर	शालूर	पु०	मेंढक	Frog
७७१	साल	शाल	पुं०	किला	Rampart

४८१	सासण	शासन	न०	आज्ञा	Order
४३०	सासय	शाश्वत	वि०	नित्य	Constantly
२०४	सास	सस्य	न०	घास	Crop
८६८	सासू	श्वश्रू	स्त्री०	सासू	Mother-in-law
७४७	साहट्टिअ	संहृत	वि०	समेटा हुआ	Covered, ibidem
७४७	साहरिअ	संहृत	वि०	,,	,,
३३३	साहा	शाखा	स्त्री०	शाखा	Branch
६५	साहामअ	शाखामृग	पुं०	बदर-वानर	Monkey
६५२	साहिज्ज	साहाय्य	न०	सहायता	Help
१४५	साहिअय	साधितक	वि०	कहा हुआ	Spoken
८७	साहि	शाखिन्	पुं०	वृक्ष	Tree
९१२	साहीण	स्वाधीन	वि०	स्वतंत्र	Independent
३३३	साहुली*		स्त्री०	शाखा	Branch
११७	साहुली*		स्त्री०	कटीवस्त्र	Lower dress
७०४	साहु	साधु	पु०	साधु	Saint
१६३	सिएअर	सितेतर	वि०	काला	Black
९८	सिंहलिआ*		स्त्री०	चोटी	Toplock
८९२	सिग्गु	शिग्रु	पु०	सरगवा का पेड	Hyperanthera moringa
४८२	सिग्घं	शीघ्रम्	अ०	जल्दी	Quick
३३२	सिंग	शृङ्ग	न०	शिखर	Top
६३३	सिंग	शृङ्ग	न०	सिंग	Horn
११७	सिचय	सिचय	न०	कटीवस्त्र	Lower(?)garment
३५१	सिंजिर	शिञ्जिर	न०	अव्यक्त अवाजवाला	Noisy, anklet
५५	सिण्हा*		स्त्री०	कुहरा	Hoar-frost, fog
२७७	सित्थ	सेक्त्र	न०	धनुष्य की दोरी	Rope, string
७२३	सित्थय	सिक्थक	न०	मोम-मीण	Bees wax
१४५	सिद्ध	सिद्ध	वि०	कहा हुआ	Spoken
१९	सिद्धि	सिद्धि	स्त्री०	मुक्ति	Final liberation
८७४	सिंदी*		स्त्री०	खजूरी	Date-palm
३६८	सिंदोल*		न०	खजूर	Date-fruit

९	सिंधुर	सिन्धुर	पु०	हाथी	Elephant
८	सिंधुवइ	सिन्धुपति	पु०	समुद्र	Ocean.
८	सिंधु	सिन्धु	पु०	समुद्र	Ocean
३६	सिंधु	सिन्धु	स्त्री०	नदी	River
४८	सिन्न	सैन्य	न०	सेना–लश्कर	Army
७१५	सिप्पि	शिल्पिन्	पु०	कारीगर	Artizan
९३२	सिंबलि	शिम्बलि	स्त्री०	सीमला का पेड़	Cotton tree
३३८	सिंबा	शिम्बा	स्त्री०	सेम की फली	Pod
१६४	सिअ	सित	वि०	श्वेत	White
२३५	सिर	शिरस्	न०	शिर-माथा	Head
६६६	सिरिद्दह*	श्रीद्रह	पुं०	पक्षीओं के पानी पीने का पात्र	Basin for watering birds
३८३	सिरिहल	श्रीफल	न०	बेला का फल-बिल्व	Wood-apple
१७२	सिरी	श्री	स्त्री०	लक्ष्मी देवी	Shri Devi
१०३	सिरी	श्री	स्त्री०	वैभव	Prosperity
२२५	सिरोरुह	शिरोरुह	पु०	केश–बाल	Heir
२३१	सिरोहरा	शिरोधरा	स्त्री०	डोक	Neck
९५	सिलंब*		पु०	बालक-बच्चा	Little boy
३२०	सिला	शिला	स्त्री०	पत्थर	Stone
५१	सिलीमुह	शिलीमुख	पुं०	बाण	Arrow
७९	सिलोच्चय	शिलोच्चय	पुं०	पहाड	Mountain
१९	सिव	शिव	न०	मुक्ति	Final liberation
७६८	सिव	शिव	न०	कल्याण	Lucky, luck
३	सिवा	शिवा	स्त्री०	पार्वती	Parvati
२२	सिव	शिव	पु०	महादेव	Shiva
७६१	सिसिर	शिशिर	न०	ठंडी–जाडा	Cold, torpid
२८१	सिसिर	शिशिर	न०	दहीं	Curd, sour milk
६१८	सिसिर	शिशिर	पुं०	फागुन और माह दो महिना–शिशिर ऋतु	Dewy season
९५	सिसु	शिशु	पुं०	बालक	Little boy
६४	सिहंडि	शिखण्डिन्	पुं०	मोर	Peacock

९४	सिहंड*	शिखण्ड	पु०	चोटी	Toplock
३३२	सिहर	शिखर	न०	शिखर	Top
७९	सिहरि	शिखरिन्	पु०	पहाड़	Mountain
९४	सिहा	शिखा	स्त्री०	चोटी	Toplock
३२८	सिहा	शिखा	स्त्री०	दीपशिखा	Flame
२२७	सिहिण	शिखिन	पु०	स्तन	Breast
६	सिहि	शिखिन्	पु०	अग्नि	Fire
६४	सिहि	शिखिन्	पु०	मोर	Peacock
७१२	सीमा	सीमा	स्त्री०	सीमा–हद	Boundary
१२	सीमतिणी	सीमन्तिनी	स्त्री०	स्त्री	Woman
६१०	सीमतिअ	सीमन्तित	वि०	बराबर दो भाग किया हुआ	Parted, divided
५०७	सीअंत	सीदत	वि०	सोता हुआ	Lying down, sleeping, falling, perishing
२७२	सीर	सीर	न०	हल	Plough
९२४	सीरिअ	शीर्ण	वि०	टूटा हुआ–भिन्न–भेदा हुआ	Split, torn
२६	सीरि	सीरिन्	पुं०	बलराम	Balarama
९०७	सील	शील	न०	स्वभाव	Character
४७७	सीलुट्ट*		न०	चीभडा	Cucumber
२३५	सीस	शीर्ष	न०	सीस–माथा	Head
१९२	सीस	शिष्य	पु०	शिष्य–चेला–सिक्ख	Pupil
९०३	सीहर	शीकर	पु०	पानी की बुदें	Spray
२६२	सीहासण	सिंहासन	न०	सिंहासन	Throne
६६	सीह	सिंह	पुं०	सिंह	Lion
१०७	सीहु	सीधु	पु०	मद्य–दारु	Rum
६८६	सुइ	श्रुति	स्त्री०	ऋग्वेदादि वेद	Veda
४५७	सुकय	सुकृत	न०	अच्छा काम	Merit, fate
१८७	सुक्क	शुक्र	पु०	शुक्र का ग्रह	Shukra
२०	सुगअ	सुगत	पु०	बुद्ध	Shakyamuni
१३१	सुढिअ*		वि०	थका हुआ–भार से नमा हुआ	Tired
२५	सुणासीर	शुनासीर	पु०	इन्द्र	Indra

५६२	सुण्णइअ	शून्यकित	वि०	सूना–खाली	Emptied
८६५	सुण्हा	स्नुषा	स्त्री०	पुत्रवधू	Daughter-in-law
२०	सुद्धोअणि	शौद्धोदनि	पुं०	बुद्ध	Shakyamuni
५६४	सुमरिअ	स्मृत	वि०	याद किया हुआ	Remembered
६८०	सुमुह	सुमुख	न०	जिसके संमुख-पास–बैठकर सुना जाता है वह उसका सुमुख कहा जाय	Before whom one sits to near
१७७	सुमेरु	सुमेरु	पुं०	मेरु पर्वत	Sumeru
७०४	सुअण	सुजन	पुं०	सज्जन	Saint
१९७	सुआ	सुता	स्त्री०	पुत्री–लड़की	Daughter
१८२	सुरगअ	सुरगज	पुं०	ऐरावण हाथी-देवका हाथी	Airavana
१७७	सुरगिरि	सुरगिरि	पुं०	मेरु पर्वत	Meru
१७९	सुरगुरु	सुरगुरु	पुं०	बृहस्पति	Brihaspati
३८८	सुरगोव	सुरगोप	पुं०	एक प्रकार का कीडा–इन्द्रगोप	Cochineal insect
४१	सुरणई	सुरनदी	स्त्री०	गंगा	Ganga
१६८	सुरपुरी	सुरपुरी	स्त्री०	स्वर्ग	Town of the gods
३२	सुररिपु	सुररिपु	पुं०	असुर	Asura
२५	सुरवइ	सुरपति	पुं०	इन्द्र	Indra
३८६	सुरवन्नी	सुरपर्णी–सुरवर्णी	स्त्री०	पुंनाग	Rottleria tinctoria
६९	सुरहि	सुरभि	स्त्री०	गाय	Cow
४१४	सुरहि	सुरभि	पुं०	वसंत ऋतु	Spring
२४	सुर	सुर	पुं०	देव	God
१८५	सुराउह	सुरायुध	न०	इन्द्रधनुष्	Rainbow
१६९	सुरालअ	सुरालय	पुं०	स्वर्ग	Heaven
३७५	सुलसा	सुलसा	स्त्री०	तुलसी	Ocymum sanc-tum, tulsi
२४२	सुल्ल	शूल्य	न०	शूल द्वारा पकाया	Flesh

७२६	सुवंत	स्वपत्	वि०	सोता हुआ	Sleeping
१४६	सुसिअ	शुष्क	वि०	सूखा	Faded
१५६	सुहफंस	सुखस्पर्श	वि०	जिसका स्पर्श सुखरूप हो-नरम	Soft
४२७	सुह	सुख	न०	सुख	Pleasure
१४	सुहय	सुभग	वि०	सुदर	Lovely
२८३	सुहा	सुधा	स्त्री०	अमृत	Nectar
४२७	सुहेल्ली	सुखकेली	स्त्री०	सहेल-सुख क्रीडा-आनद	Pleasure
१४५	सूइअ	सूचित	वि०	कहा हुआ-सूचित किया हुआ	Spoken
६९३	सूअ	सूत	पु०	रथ हांकने वाला	Charioteer
४९४	सूरत्थमण	सूरास्तमन	न०	सूर्य का अस्त होना	Sunset
२२	सूलि	शूलिन्	पु०	महादेव	Shiva
२४७	सेअ	स्वेद	पुं०	पसीना	Sweat
४८	सेणा	सेना	स्त्री०	लश्कर	Army
६२९	सेण	श्येन	पु०	बाज पक्षी	Falcon
१६४	सेअ (य)	श्वेत	वि०	सफेद	White
१२२	सेयाल*		पु०	खेती करनेवाला	Husbandman
६७०	सेरिही	सैरिभी	स्त्री०	भैंस	Buffalow-cow
३	सेलसुआ	शैलसुता	स्त्री०	पार्वती	Parvati
७९	सेल	शैल	पु०	पहाड	Mountain
१९९	सेवअ	सेवक	पु०	नौकर, चाकर	Servant
३२५	सेवाल	शैवाल	न०	सेवार-सेवाल	Duckweed
३२५	सेवल	शैवल	न०	,,	,,
३४९	सेहरय	शेखरक	पु०	चोगा	Tufts, garland
७७३	सोज्झअ	शोधक	पु०	धोबी	Washerman
१६६	सोण	शोण	वि०	लाल	Red
८३५	सोंड	शौण्ड	न०	दारुडीआ	Drunkard
२४३	सोणिअ	शोणित	न०	लोहू-खून	Blood
१५६	सोमाल	सुकुमार	वि०	नरम	Soft
१८३	सोआमणी	सौदामिनी	स्त्री०	बिजली	Lightning

२२०	सोवणय	स्वपनक	न०	रति मंदिर–शयनगृह	Pleasure house
२६८	सोवीर	सौवीर	न०	कांजी	Sour gruel
१५२	सोहए	शुभ्+ शोभते	क्रि०	वह सोहता है	He Shines
८९२	सोहजण	शोभाञ्जन	न०	सरगवा का पेड	Hyperanthera moringa

ह

४५	हअ (य)	हय	पु०	घोडा	Horse
२६१	हसय	हसक	न०	नुपूर–पायल	Anklet
५९	हस	हस	पु०	हंस	Goose, swan
२९०	हसी	हसी	स्त्री०	हसी	Female of the prect
१४३	हक्खुत्त*	उत्क्षिप्त	त्रि०	उत्क्षिप्त	Thrown up, pulled out
२५९.	हट्ट	हाट	पु०	हाट	Market
४८७	हढ	हठ	पुं०	हठ	Violence
२३८	हत्थ	हस्त	पुं०	हाथ	Hand
५९९	हत्थिबंधणक्खंभ	हस्तिबन्धन-स्तम्भ	पुं०	हाथी को बांधने का स्तम्भ	Post for tying elephant
९१०	हत्थ	हस्त	पुं०	हाथ का नाप–गज	Distance from elbow to closed fist–measure of tow feet
९	हत्थि	हस्तिन्	पुं०	हाथी	Elephant
९९५	हंदि	हन्त	अ०	खेदादिसूचक	Ho !
९८३	हम्मिअ	हर्म्यक	न०	महेल	Palace
३७४	हयमार	हयमार	पु०	कणेर	Oleander
७०	हरिणी	हरिणी	स्त्री०	हरिणी–मृगी	Doe
६०७	हरिअंदण	हरिचन्दन	न०	हरिचंदन	One of the trees of paradise
७७४	हरिअ	हरित	न०	हरी घास	Verdant

७३५	हरिआली	हरिताली	स्त्री०	दूब-हरियाली	Durva grass
४७	हलबोल*		पु०	कोलाहल	Noise, onomat
२७२	हल	हल	न०	हल	Plough
८२७	हलहलअ*		पु०	त्वरा	Hurry
१२२	हलिअ	हलिक	पु०	खेती करने वाला-हल चलाने वाला	Husbandman
९७२	हल्लीसअ	हल्लीसक	पु०	गोलाकारमें वा चलते फिरते खेलने का रास-दांडीया रास वगेरे	Circular dance
६	हव्ववाह	हव्यवाह	पु०	अग्नि	Fire
२१५	हस्स	हस्व	वि०	बौना	Dwarf
२५०	हार	हार	पु०	हार	Pearl-string
१०८	हाला	हाला	स्त्री०	मद्य-दारु	Spirituous liquor
७१४	हालाहल	हालाहल	पु०	एक प्रकारका कीडा-बांभणी	Halahala
९९१	हाहा	हाहा	अ०	विलाप सूचक	Alas !
६३७	हिज्जो	ह्यस्	अ०	गत कल-बीती हुई कलका समय	Yesterday
४५८	हित्थ	हीण	वि०	लज्जित	Shame
९११	हित्थ	त्रस्त	वि०	भयप्राप्त	Afraid
४१८	हिम	हिम	न०	बरफ	Frost, snow
५	हिमयर	हिमकर	पु०	चन्द्र	Moon
९६७	हिअय	हृदय	न०	हृदय	Heart
९५३	हिअ	हृत	वि०	हरा हुआ-ले लिया हुआ	Taken away
६५३	हिरिबेर	ह्रीबेर	पुं०	पानी को सुगंधी व ठंडा करने वाला एक प्रकार का घास	Kind of andropogon
११५	हुडुम*		पुं०	धजा	Banner
९३९	हुंडी*	हुण्डी	स्त्री०	घटा	Troop, assemblage
६	हुअवह	हुतवह	पुं०	अग्नि	Fire

६	हुआसण	हुताशन	पुं०	,,	Fire
६१९	हेमंत	हेमन्त	पु०	मगसिर और पोस मास– हेमत ऋतु	Winter
८०	हेम	हेमन्	न०	हेम सोना	Gold
१५३	हेरंब	हेरम्ब	पु०	गणेश	Ganesha
११९	हेला	हेला	स्त्री०	विलास	Sport, coquetry
४३९	हेला	हेला	स्त्री०	अनादर	Disrespect
९९०	हो	हो	अ०	विस्मयसूचक	Ah !